अतिसंभावित
प्रश्नोत्तरी

GAYA GUIDANCE PROGRAMME

SECONDARY ANNUAL EXAM 2022

Scan to See

03 Social Science

MODEL QUESTION PAPER WITH PRACTICE SET

Published By:- GAYA GUIDANCE PROGRAMME
District Education Office, Gaya

जिला शिक्षा पदाधिकारी, गया की ओर से शुभकामना

:-दो शब्द:-

शिक्षा का सम्बन्ध जीवन से है, इसलिए शिक्षा के विषय विस्तार के अंतर्गत जीवन की क्रियाएँ और समस्याएँ आती हैं | ऐसी मान्यता है कि माध्यमिक परीक्षा विद्यार्थियों के शैक्षणिक जीवन का प्रथम महत्वपूर्ण द्वार है, जिसके पार उनका स्वर्णिम उज्ज्वल संसार अपने पूर्ण आभा के साथ इंतजार कर रहा है | जिन विद्यार्थियों ने इस द्वार को पूर्ण शक्ति से खोलने की कोशिश की है, उनका भविष्य उतना हीं उज्ज्वल और उन्नत हुआ है | यहाँ पर शक्ति से द्वार खोलने का अर्थ है –अधिकतम अंकों के साथ परीक्षा उतीर्ण करना या टॉप करना | प्रत्येक परीक्षार्थी की यह अपेक्षा होती है कि वह माध्यमिक परीक्षा में टॉप करें | इसके लिए वह हर सम्भव प्रयास करता है | शिक्षकों के लिए भी चुनौती का विषय है | ऐसी चिंता अभिभावकों की भी होती है | पिछले कुछ वर्षों में शिक्षा विभाग नए इस दिशा में कई सार्थक प्रयास किये है | बिहार विद्यालय परीक्षा समिति ,पटना ने भी अपना योगदान दिया है |

पिछले वर्ष 2020 एवं 2021 में वैश्विक महामारी COVID-19 ने विद्यालयी शिक्षण व्यवस्था को अव्यवस्थित कर दिया | विद्यार्थियों का भौतिक सम्बन्ध अचानक विद्यालय से विच्छेद हो गया है | बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, पटना ने आगामी फरवरी 2022 माह में महामारी से बचाव के विभिन्न उपायों के साथ वार्षिक माध्यमिक परीक्षा 2022 लेने का निर्णय लिया है | ऐसे में हमारे जिले के जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (माध्यमिक), **श्री आनंद कुमार** जी ने अँधेरे में रौशनी जलाते हुए परीक्षार्थियों के मार्गदर्शन हेतु एक नवाचारी कार्यक्रम का द्वितीय संस्करण GAYA GUIDANCE PROGRAMME PHASE -2 का क्रियान्वयन किया गया है ,जो परीक्षार्थियों के न केवल परीक्षा की तैयारी करेगा बल्कि उन्हें परीक्षा तकनीकों से भी अवगत कराएगा | जिले के 37 विषय –विशेषज्ञ एवं उत्साही शिक्षकों के समूह ने रात दिन अथक परिश्रम करके वास्तविक कक्षाओं का आयोजन किया, जिसका Online एवं Offline प्रसारण Facebook एवं Youtube के माध्यम से किया जाता है | इसका सीधा लाभ विद्यार्थियों को मिलने लगा और उनकी तैयारी आसानी से होने लगी | जिनके पास स्मार्ट फ़ोन की सुविधा नहीं है, वे अपने विद्यालय में लगे स्मार्ट T.V के माध्यम से इसका लाभ उठाते है |

इतना हीं नहीं इस कार्यक्रम में समाहित है –Online Test (साप्ताहिक प्रश्नोतरी) जिससे बच्चे अपना मूल्यांकन भी अपने आप करते हैं | इसी कड़ी में अति सम्भावित प्रश्नों से भरपूर इस पत्रिका का Online प्रकाशन किया जा रहा है, जो विद्यार्थियों को अधिकतम अंक प्राप्त करने में मदद तो करेगा हीं उनके विषयगत ज्ञान का सम्वर्धन भी करेगा |

इस सराहनीय कार्य के लिए पूरे GAYA GUIDANCE PROGRAMME TEAM को मेरी ओर से शुभकामनाएँ |

श्री राजदेव राम

जिला शिक्षा पदाधिकारी, गया |

GAYA GUIDANCE PROGRAMME

जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (लेखा एवं योजना),गया

शुभकामना संदेश

वैश्विक महामारी कोविड-19 के विषम परस्थितियों में GAYA GUIDANCE PROGRAMME, PHASE-2 का क्रियान्वयन एक प्रशंसनीय कदम है | सरकारी विद्यालय के संसाधन विहीन छात्रों तक तकनिकी जागरूकता के साथ शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में माध्यमिक के छात्रों के बीच यह कार्यक्रम संकाय कला एवं विज्ञान के विषयों का ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों विद्धाओं में अपना प्रस्तुतिकरण सफलतापूर्वक किया है | इस दिशा में माध्यमिक मैगज़ीन 2022 अति सम्भावित प्रश्नों से भरा हुआ यह ऑनलाइन पत्रिका विद्यार्थियों के लिए संजीवनी सिद्ध होगी |

शुभकामनाओं के साथ |

प्रिया भारती

जिला कार्यक्रम पदाधिकारी

(लेखा एवं योजना), गया |

GAYA GUIDANCE PROGRAMME

सम्पादकीय

गया गाइडेंस प्रोग्राम की शुरुआत कोविड-19 जैसी आपदा की घड़ी में हुई जब सभी विद्यालय एवं कोचिंग संस्थान बंद थे और छात्रों की पढ़ाई बाधित थी | निजी विद्यालयों द्वारा ऑनलाइन पढ़ाई का कार्य तो रहा था पर सरकारी विद्यालयों में बच्चों को यह सुविधा नहीं मिल पा रही थी | नतीजा यह हुआ कि सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों की साल भर की पढ़ाई नहीं हो पाई | इस कमी को पूरा करने के लिए शिक्षा विभाग गया के द्वारा वार्षिक माध्यमिक परीक्षा 2022 के परीक्षार्थियों के लिए इस कार्यक्रम के माध्यम से क्रैश कोर्स प्रारंभ किया गया और माध्यमिक परीक्षा को देखते हुए अनुभवी शिक्षकों के माध्यम से ऑनलाइन क्लासेस चलाई गयी | इसका प्रसारण फेसबुक लाइव और यूट्यूब के माध्यम से किया गया | जिन बच्चों के पास स्मार्ट फोन और इंटरनेट सेवा उपलब्ध नहीं थी, उन्हें विद्यालय में प्रतिदिन स्मार्ट टीवी पर कार्यक्रम को दिखाया गया| प्रत्येक क्लास के बाद होमवर्क दिया गया जिसका उत्तर कुछ दिनों के बाद सभी बच्चों को ऑनलाइन उपलब्ध कराया जाता रहा | छात्र अपने प्रगति को माप सके इसके लिए प्रत्येक रविवार को ऑनलाइन टेस्ट भी लिया गया | कार्यक्रम की सफलता को देखते हुए इसे आगे भी संचालित करने का निर्णय लिया गया है | यह कार्यक्रम छात्रों के लिए शिक्षा विभाग का अनोखा प्रयोग है, जिसमें कार्यक्रम से जुड़े शिक्षकों ने अपनी प्रतिभा को खुलकर प्रदर्शित किया जो अन्य सभी शिक्षकों को भी प्रेरित कर रहा है | शिक्षकों के फीडबैक के अनुसार सरकारी विद्यालयों के छात्र भी आधुनिक तकनीकी सुविधा से रूबरू हुए हैं और उनमें आत्मविश्वास बढ़ा है | यह कार्यक्रम उन बच्चों के लिए वरदान साबित हुआ है जिनके आसपास अच्छे कोचिंग संस्थान नहीं थे या उनके माता-पिता के पास संसाधनों की कमी रही हो | यूट्यूब चैनल पर इस कार्यक्रम को कभी भी अपने समयानुसार बच्चे क्लास कर सकते हैं | इस प्रकार यह विशेष रूप से बच्चियों के लिए लाभकारी साबित हुआ है जिन्हें ग्रामीण परिवेश में कोचिंग जैसी सुविधा उपलब्ध नहीं हो पा रही थी |

इस कार्यक्रम का उद्देश्य मात्र बच्चों के पाठ्यक्रम को पूरा करना नहीं बल्कि विशेष कक्षाओं के द्वारा उनके संपूर्ण बौद्धिक विकास पर भी ध्यान देना है | जैसे कि बच्चे मानसिक तनाव से दूर कैसे रहें, समय प्रबंधन कैसे करें, याद करने के टिप्स एवं ट्रिक्स इत्यादि |

कार्यक्रम को आने वाले समय में अन्य कक्षाओं हेतु संचालित किए जाने का निर्णय लिया गया है इस कार्यक्रम के संचालन के लिए मैं जिला शिक्षा पदाधिकारी महोदय श्री राजदेव राम को धन्यवाद देता हूं जिन्होंने इस कार्यक्रम की शुरुआत से ही मुझे प्रेरित किया | कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी विषय विशेषज्ञ ,मेंटर्स का मुख्य योगदान रहा जिन्होंने कड़ी मेहनत कर कंटेंट तैयार किए और कक्षा संचालन किया | तकनीकी सहयोग हेतु उत्तम कुमार एवं रिकॉर्डिंग हेतु बीआरपी आशुतोष, पवन और दिलीप जी का विशेष आभार व्यक्त करना चाहता हूं |

इस पत्रिका को तैयार करने के लिए जीजीपी टीम के सभी सदस्यों को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने परीक्षार्थियों की आवश्यकता को देखते हुए उत्कृष्ट कार्य किया है | निश्चित ही परीक्षार्थी इससे लाभान्वित होंगे |

आनंद कुमार

जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (माध्यमिक शिक्षा),गया |

GAYA GUIDANCE PROGRAMME

TECHNICAL SUPPORT TEAM

निर्देश : प्रश्न का क्रमांक संख्या बदल रहे हैं इसका अर्थ है कि एक अध्याय के समाप्त होने के पश्चात् दूसरे अध्याय का प्रारंभ हुआ है |

1. इटली एवं जर्मनी वर्तमान में किस महादेश के अंतर्गत आते हैं ?
अ. उत्तरी अमेरिका ब. दक्षिणी अमेरिका स. यूरोप द. पश्चमी एशिया

उत्तर . स

2. फ्रांस में किस शासक वंश की पुनर्स्थापना वियना कांग्रेस द्वारा की गई थी ?
अ. हैब्सवर्ग ब . ऑर्लिया वंश स. बूर्बो वंश द. जार वंश

उत्तर. स

3. मेजनी का सम्बन्ध किस किस संगठन से था ?
अ. लाल सेना ब. कर्बोनरी स. फिलिक हिटोरिया द. डायट

उत्तर. ब

4. इटली एवं जर्मनी के एकीकरण के विरुद्ध निम्न में कौन था ?
अ. इंग्लैंड ब. रूस स. ऑस्ट्रिया द. प्रशा

उत्तर. स

5. काउंट काबूर को विक्टर इमैनुअल ने किस पद पर नियुक्त किया ?
अ. सेनापति ब. फ़्रांस में राजदूत स. प्रधानमंत्री द. गृहमंत्री

उत्तर. स

6. गैरीबाल्डी पेशे से क्या था ?
अ. सिपाही (सैनिक) ब. किसान स. जमींदार द. नाविक

उत्तर. द

7. जर्मन राईन राज्य का निर्माण किसने किया था ?
अ. लुई 18 वाँ ब. नेपोलियन बोनापार्ट स. नेपोलियन तृतीय द. बिस्मार्क

उत्तर. ब

8. “जालवेरिन” एक संस्था थी ?
अ. क्रांतिकारियों का ब. व्यापारियों का स. विद्वानों का द. पादरी सामंतों का

उत्तर. ब

9. “रक्त एवं लौह” की निति का अवलंबन किसने किया था ?
अ. मेजनी ब. हिटलर स. बिस्मार्क द. विलियम-1

उत्तर. स

10. फ्रैंकफर्ट की संधि कब हुई ?
अ. 1864 ब. 1866 स. 1870 द. 1871

उत्तर. द

11. यूरोप वासियों के लिए किस देश का साहित्य एवं ज्ञान-विज्ञान प्रेरणास्रोत रहा ?
अ. जर्मनी ब. यूनान स. तुर्की द. इंग्लैंड

GAYA GUIDANCE PROGRAMME

उत्तर. ब

12. 1829 ई० की एड्रियानोपुल की संधि किस देश के साथ हुई ?
अ. तुर्की ब. यूनान स. हंगरी द. पोलैंड

उत्तर. अ

13. वियना सम्मेलन कब हुआ ?
अ. 1815 ब. 1866 स. 1870 द. 1871

उत्तर. अ

14. इटली का एकीकरण कब हुआ ?
अ. 1864 ब. 1866 स. 1870 द. 1871

उत्तर. द

15. यूनान कब एक स्वतंत्र राज्य बना ?
अ.1864 ब. 1866 स. 1870 द. 1832

उत्तर. द

16. रूस में कृषक दास प्रथा का अंत कब हुआ ?
अ.1861 ब. 1866 स. 1870 द. 1871

उत्तर. अ

17.रूस में जार का अर्थ क्या होता था ?
अ. पिने का बर्तन ब. पानी रखने का मिट्टी का पात्र स. रूस का सामंत द. रूस का सम्राट

उत्तर. द

18. कार्ल मार्क्स का जन्म कहाँ हुआ था ?
अ. इंग्लैंड ब. जर्मनी स. इटली द. रूस

उत्तर. ब

19. साम्यवादी शासन का पहला प्रयोग कहाँ हुआ ?
अ. रूस ब. जापान स. चीन द. क्यूबा

उत्तर. अ

20. यूटोपियन समाजवादी कौन नहीं था ?
अ. लुई ब्लाँ ब. सेट साइमन स. कार्ल मार्क्स द. राबर्ट ओवन

उत्तर. स

21. 'वार एंड पीस' किसकी रचना है ?
अ. कार्ल मार्क्स ब. टालस्टाय स. दोस्तोवस्की द. एंजल्स

उत्तर. ब

22. बोल्सेविक क्रांति कब हुई ?
अ. फरवरी 1917 ब. नवम्बर 1917 स. अप्रैल 1917 द. 1905

GAYA GUIDANCE PROGRAMME

उत्तर. ब

23. लाल सेना का गठन किसने किया था ?
अ. कार्ल मार्क्स ब. स्टालिन स. ट्राटस्की द. केरेंसकी
उत्तर. स

24. लेनिन की मृत्यु कब हुई ?
अ. 1921 ब. 1922 स. 1923 द. 1924
उत्तर. द

25. ब्रेस्टलिटोवस्क की संधि किन देशों के बीच हुआ था ?
अ. रूस और इटली ब. रूस और फ्रांस स. रूस और इंग्लैंड द. रूस और जर्मनी
उत्तर. द

[1] अकोरवाट का मंदिर कहाँ स्थित है ?
(A) वियतनाम
(B) थाईलैंड
(C) लाओस
(D) कम्बोडिया **Answer :- (D)**

[2] हिंद-चीन पहुँचने वाले प्रथम व्यापारी कौन थे ?
(A) इंग्लैण्डवासी
(B) फ्रांसीसी
(C) पुर्तगाली
(D) डच Answer :- (C)

[3] हिंद-चीन में बसने वाले फ्रांसीसी कहे जाते थे ?
(A) फ्रांसीसी
(B) शासक वर्ग
(C) कोलोन
(D) जेनरल Answer – (C)

[4] नरोत्तम सिंहानुक कहाँ के शासक थे ?
(A) वियतनाम
(B) लाओस
(C) थाईलैण्ड
(D) कम्बोडिया Answer :- (D)

[5] 'द हिस्ट्री ऑफ द लॉस ऑफ वियतनाम' किसने लिखा ?
(A) हो–ची–मिन्ह
(B) फान बोई–चाऊ
(C) कुआंग
(D) त्रिभु Answer :- (B)

[6] मार्च 1946 ई. में फ्रांस व वियतनाम के बीच होने वाला समझौता किस नाम से जाना जाता है ?
(A) जेनेवा समझौता.
(B) हनोई समझौता

(C) पेरिस समझौता
(D) धर्मनिरपेक्ष समझौता Answer :- (B)

[7] किस प्रसिद्ध दार्शनिक ने एक अदालत लगाकर अमेरिका को वियतनाम युद्ध के लिए दोषी करार दिया ?
(A) रसेल
(B) हो–ची–मिन्ह
(C) नरोत्तम सिंहनुक
(D) रूसो Answer :- (A)

[8] हिंद-चीन क्षेत्र में अंतिम युद्ध समाप्ति के समय अमेरिकी राष्ट्रपति थे ?
(A) वाशिंगटन
(B) निकसन
(C) जार्ज बुश
(D) रुजवेल्ट Answer :- (B)

[9] होआ-होआ आंदोलन किस प्रकृति का था ?
(A) क्रांतिकारी
(B) धार्मिक
(C) साम्राज्यवादी समर्थक
(D) क्रांतिकारी धार्मिक Answer :- (D)

[10] जेनेवा समझौता कब हुआ था?
(A) 1954
(B) 1960
(C) 1950
(D) 1946 Answer :- (A)

[11] वियतनाम का एकीकरण का पूर्ण हुआ?
(A) 1970
(B) 1980
(C) 1879
(D) 1875 Answer :- (D)

[12] अनामी दल के संस्थापक कौन थे?
(A) जोन्गुएन आई
(B) हो–ची–मिन्ह
(C) बाओदायी
(D) फान–चू–त्रिन्ह Answer :- (A)

[13] दिएन-विएन-फू के युद्ध में कौन बुरी तरह हार गया था?
(A) पुर्तगाल
(B) फ्रांस
(C) कम्बोडिया
(D) अमेरिका Answer :- (B)

[14] क्रांतिकारी संगठन 'दुई-तान-होई' के नेता कौन थे?

(A) फान–बोई–चाऊ
(B) हो–ची–मिन्ह
(C) कुआंग दें
(D) सुवन्न फूमा Answer :- (A)

[15] जापान ने हिन्द-चीन पर कब अधिकार जमा लिया?
(A) 1939 ई०
(B) 1940 ई०
(C) 1941 ई०
(D) 1942 ई० Answer :- (B)

[16] स्कॉलर्स विद्रोह कब हुआ?
(A) 1868 ई०
(B) 1872 ई.
(C) 1866 ई०
(D) 1864 ई० Answer :- (A)

[17] पुर्तगालियों ने कहा अपना केंद्र बनाया ?
(A) मलक्का
(B) अन्नाम
(C) तोकिन
(D) अंकोरवाट Answer :- (A)

[18] वियतनाम युद्ध की समाप्ति किस अमेरिकी राष्ट्रपति के समय हुई ?
(A) जॉर्ज वाशिंगटन
(B) निक्सन
(C) जॉन एफ केनेडी
(D) एफ० रूजवेल्ट Answer :- (B)

[19] हो ची मिन्ह का शाब्दिक अर्थ क्या है ?
(A) क्रांतिकारी
(B) सुधारक
(C) पथप्रदर्शक
(D) दार्शनिक Answer ;- (C)

[20] वियतनाम लोकतांत्रिक गणराज्य की स्थापना किस वर्ष हुई?
(A) 1943 में
(B) 1944 में
(C) 1945 में
(D) 1946 में Answer :- (C)

[21] अंकोरवाट के मंदिर का निर्माण किसने करवाया था ?
(A) श्रीमार ने
(B) कम्बु स्वयंभुव ने
(C) सूर्यवर्मा द्वितीय ने
(D) नोरोतम सिहानुक ने Answer :- (C)

[22] अमेरिका ने रबर के बागान पर किस रसायन का छिड़काव किया ?
(A) जरीला
(B) नापाम
(C) एजेंट ऑरेंज
(D) माइ–ली Answer :- (C)

[23] कम्बोडिया फ्रांस का संरक्षित राज्य कब बना ?
(A) 1862 में
(B) 1863 में
(C) 1873 में
(D) 1874 में Answer :- (B)

[24] लाल खमेर सेना किसकी थी?
(A) कैप्टन कांगली की
(B) सिहानुक की
(C) पोलपोट की
(D) हेंग'सामरिन की Answer :- (B)

[25] वियतनाम में तोकिन फ्री स्कूल किस उद्देश्य से स्थापित किया गया ?
(A) सैनिक शिक्षा देने के लिए
(B) परंपरागत शिक्षा देने के लिए
(C) धार्मिक शिक्षा देने के लिए
(D) पश्चिमी शिक्षा देने के लिए Answer :- (D)

[26] नियो-लियो- हकसत (एन०एल०एच० एस०) किसकी राजनीतिक पार्टी थी ?
(A) वियेतमिन्ह की
(B) वियतकांग की
(C) पाथेट लाओ की
(D) जनरल लोन नोल की Answer:-(C)

[27] वियतनाम में अन्नामी दल की स्थापना किसने की थी?
(A) जोन्गुएन आई ने
(B) फान बोई चाऊ ने
(C) फान चू त्रिन्ह ने
(D) हो ची मिन्ह ने Answer :- (A)

[28] संयुक्त वियतनाम का गठन किस वर्ष हुआ ?
(A) 1954 में
(B) 1968 में
(C) 1974 में
(D) 1975 में Answer :- (D)

[29] होआ होआ आंदोलन का प्रणेता कौन था ?
(A) हुइन्ह फू सो
(B) गूयेन थाट थान्ह
(C) लियांग किचाओ

(D) पुन बोई चाऊ
Answer :- (A)
[30] हिन्द-चीन क्षेत्र में कौन-से देश आते हैं ?
(A) चीन, वियतनाम, लाओस
(B) हिन्द–चीन, वियतनाम, लाओस
(C) कम्बोडिया, वियतनाम, लाओस
(D) कम्बोडिया, वियतनाम, चीन, थाईलैण्ड
Answer :- (C)

[31] वियतनाम में स्कॉलर्स रिवोल्ट किसके विरुद्ध हुआ था ?
(A) सरकारी नौकरियों से वंचित किए जाने के विरुद्ध
(B) उच्च शैक्षणिक संस्थाओं में प्रवेश पर प्रतिबंध के विरुद्ध
(C) प्रेस पर लगाए गए प्रतिबंध के विरुद्ध
(D) ईसाइयत के विरुद्ध
Answer :- (D)
[32] किस राष्ट्रपति के शासनकाल में अमेरिका ने वियतनाम युद्ध में पहली बार भाग लिया ?
(A) वुडरो विल्सन के शासनकाल में
(B) रूजवेल्ट के शासनकाल में
(C) कैनेडी के शासनकाल में
(D) निक्सन के शासनकाल में
Answer :- (B)
[33] वियतनाम में 'तोकिन फ्री स्कूल की स्थापना कब हुई थी ?
(A) 1907 ई०
(B) 1908 ई०
(C) 1910 ई०
(D) 1911 ई०
Answer :- (A)
[34] मार्च 1946 में फ्रांस एवं वियतनाम के बीच होने वाले समझौता किस नाम से जाना जाता है ?
(A) जेनेवा समझौता
(B) हनोई समझौता
(C) पेरिस समझौता
(D) धर्मनिरपेक्ष समझौता
Answer :- (B)
[35] हिन्द चीन मे कौन सा देश नहीं आता है?
(A) कम्बोडिया
(B) लाओस
(C) वियतनाम
(D) चीन
Answer :- (D)
[36] वियतनाम स्वतंत्रता लीग की स्थापना –
(A) बाओदाई
(B) हो ची मिन्ह ने
(C) फान बोई चाऊ ने
(D) गुआंग दे ने
Answer :- (B)
[37] इंडो-चाइना को किस देश ने अपने उपनिवेश के रुप मे विकसीत किया?
(A) डच

(B)अंग्रेज
(C) पुर्तगाली
(D) फ्रांसिसी Answer :- (D)

[38] हिन्द चीन मे आनेवाले पहले यूरोपिय व्यापारी थे?
(A) डच
(B)अंग्रेज
(C) पुर्तगाली
(D) फ्रांसिसी
Answer :- (C)

[39] लियाँग किचाओ कौन थे?
(A) चिनी सुधारक
(B) जापानी दार्शनिक
(C) वियतनामी क्रांतिकारी
(D) इनमे कोई नही Answer :- (A)

[40] प्राचीन कल मे वियतनाम पर किस सभ्यता-संस्कृति का प्रभाव था ?
(A) चिनी
(B) भारतीय
(C) जापानी
(D) मंगोल Answer :- (A)

[41] फ्रैंच इंडो-चाइना कि स्थापना किस वर्ष हुआ ?
(A) 1822
(B) 1858
(C) 1883
(D) 1887 Answer :-(D)

[1] . गाँधीजी ने दांडी यात्रा किस तिथि को आरंभ की ?
(A) 12 जनवरी 1930 को
(B) 12 फरवरी 1930 को
(C) 12 मार्च 1930 को
(D) 12 अप्रैल 1930 को Answer :- (C)

[2]. गाँधीजी ने असहयोग आंदोलन की शुरुआत कब की ?
(A) 1 मार्च, 1920
(B) 1 मई, 1920
(C) 1 अगस्त, 1920
(D) 1 दिसम्बर, 1920 Answer :- (C)

[3]. गाँधीजी ने सविनय अवज्ञा आंदोलन का आरंभ किस कार्य से किया ?
(A) आमरण अनशन से
(B) कैसर–ए–हिंद का पदक वापस कर
(C) दांडी यात्रा द्वारा
(D) पूर्ण स्वाधीनता दिवस मनाकर Answer :- (C)

[4]. निम्नलिखित में से किस समझौता को दिल्ली समझौता के नाम से जाना जाता है ?

(A) गाँधी–इरविन समझौता
(B) गाँधी–अम्बेदकर समझौता
(C) काँग्रेस–लीग समझौता
(D) काँग्रेस–समाजवादी समझौता Answer :- (A)

[5]. इंडियन नेशनल काँग्रेस का संस्थापक किसे माना जाता है?
(A) आनंदमोहन बसु को
(B) दादाभाई नौरोजी को
(C) व्योमेशचंद्र बनर्जी को
(D) ए. ओ. ह्यूम को

Answer :- (D)

[6]. आर्स एक्ट किसने लागू किया था ?
(A) डलहौजी ने
(B) कैनिंग ने
(C) लिटन ने
(D) रिपन ने Answer ;- (C)

[7] लखनऊ समझौता किस वर्ष हुआ ?
(A) 1916
(B) 1918
(C) 1920
(D) 1922 Answer :- (A)

[8]. रॉलेट एक्ट क्यों पारित किया गया ?
(A) क्रांतिकारी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए
(B) सरकारी नौकरियों में प्रवेश के लिए
(C) शिक्षण संस्थाओं में प्रवेश के लिए
(D) कालाबाजारी रोकने के लिए Answer :- (A)

[9] निम्नलिखित में से किसका नाम 'बादशाह खान' या 'सीमांत गाँधी' है ?
(A) खान अब्दुल गफ्फार खाँ
(B) सर सैयद अहमद खाँ
(C) महात्मा गाँधी
(D) आगा खाँ Answer :- (A)

[10]. पूना समझौता किनके मध्य सम्पन्न हुआ।
(A) गाँधी और जिन्ना के बीच
(B) गाँधी और अंबेडकर के बीच
(C) परिवर्तनवादियों और अपरिवर्तनवादियों के बीच
(D) तिलक और लाला लाजपत राय का Answer :- (B)

[11]. जालियाँवाला बाग हत्याकांड के उपरान्त किसका गठन किया गया था ?
(A) डायर समिति
(B) मांटेग्यू समिति

(C) चेम्सफोर्ड समिति
(D) हंटर समिति Answer :- (D)

[12]. भारतीय राष्ट्रवाद के उदय का सबसे प्रमुख कारण क्या था ?
(A) अँगरेजी साम्राज्यवाद के विरुद्ध असंतोष
(B) साहित्य एवं समाचारपत्रों का प्रकाशन
(C) भारत का राजनीतिक एकीकरण
(D) भारत का प्रशासनिक एकीकरण Answer :- (A)

[13]. गाँधीजी ने साबरमती आश्रम की स्थापना क्यों की?
(A) नमक कानून भंग करने के उद्देश्य से
(B) ब्रिटिश अधिकारियों के विद्रोह करने हेतु
(C) व्यापारियों के विद्रोह हेतु
(D) उद्योगपतियों के विद्रोह हेतु Answer :- (A)

[14]. रम्पा विद्रोह कब हुआ था ?
(A) 1916
(B) 1917
(C) 1918
(D) 1919 Answer :- (A)

[15]. जालियाँवाला बाग हत्याकांड किस तिथि को हुआ ?
(A) 13 अप्रैल, 1919 ई.
(B) 14 अप्रैल, 1919 ई०
(C) 15 अप्रैल, 1919 ई.
(D) 16 अप्रैल, 1919 ई. Answer :- (A)

[16]. 1911 ई. में बंगाल विभाजन किसने वापस लिया?
(A) लॉर्ड कर्जन
(B) लॉर्ड रिपन
(C) लॉर्ड लिटन
(D) लॉर्ड हार्डिंग Answer :- (D)

[17]. पूर्ण स्वराज्य की मांग का प्रस्ताव काँग्रेस के किस वार्षिक अधिवेशन में पारित हुआ ?
(A) 1929, लाहौर
(B) 1931, करांची
(C) 1933, कलकत्ता
(D) 1937, बेलगाँव Answer :- (A)

[18]. बंबई में कांग्रेस समाजवादी दल की स्थापना कब हुई?
(A) 1933
(B) 1934
(C) 1935
(D) 1926 Answer :- (B)

[19]. गदर पार्टी की स्थापना किसने और कब की ?
(A) गुरदयाल सिंह, 1916
(B) चन्द्रशेखर आजाद, 1920

(C) लाला हरदयाल, 1913
(D) सोहन सिंह भाखना, 1918 Answer :- (C)

[20]. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना कब और किसने की ?
(A) 1923, गुरु गोलवलकर
(B) 1925, के. बी. हेडगेवार
(C) 1926, चित्तरंजन दास
(D) 1928, लालचंद Answer :- (B)

[21]. गाँधीजी ने नमक कानुन किस तिथि को भंग किया ?
(A) 2 मार्च 1930 को
(B) 12 मार्च 1930 को
(C) 6 अप्रैल 1930 को
(D) 25 मई 1930 को Answer :- (C)

[22]. 'हिन्द स्वराज' पुस्तक किनके द्वारा लिखी गई ?
(A) बाल गंगाधर तिलक द्वारा
(B) गोपाल कृष्ण गोखले द्वारा
(C) लाला लाजपत राय द्वारा
(D) मोहनदास करमचंद गाँधी द्वारा Answer :- (D)

[23]. किसने 1920 ई. में ताशकंद में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना की ?
(A) लाला लाजपत राय
(B) एम. एन. जोशी
(C) सत्यभक्त
(D) एम. एन राय Answer :- (D)

[24]. अलीगढ़ आंदोलन का नेतृत्व किसने किया ?
(A) अब्दुल लतीफ ने
(B) आगा खाँ ने
(C) सैयद अहमद खाँ ने
(D) नवाब बकर–उल–मुल्क ने Answer :- (C)

[25]. 'वेदो की ओर लौटो' का नारा किसने दिया ?
(A) दयानंद सरस्वती
(B) राजाराम मोहन राय
(C) स्वामी विवेकानन्द
(D) रामकृष्ण परमहंस Answer :- (A)

[2] 'स्वराज दल' के अध्यक्ष कौन थे ?
(A) जवाहरलाल नेहरू
(B) मोतीलाल नेहरू
(C) मदन मोहन मालवीय
(D) चितरंजन दास Answer :- (D)

[27]. किस तिथि को पूर्ण स्वतंत्रता दिवस घोषित किया गया।

(A) 31 दिसंबर 1929 को
(B) 26 जनवरी 1930 को
(C) 12 मार्च 1930 को
(D) 1 मार्च 1932 को Answer :- (B)

[28]. आर्य समाज की स्थापना किसने की थी?
(A) राधाकांत ने
(B) रामकृष्ण परमहंस ने
(C) विवेकानंद ने
(D) दयानंद सरस्वती ने Answer :- (D)

[29]. फॉरवर्ड ब्लॉक के संस्थापक कौन थे ?
(A) एम० एन० राय
(B) सत्यभक्त
(C) सुभाषचंद्र बोस
(D) एन. एम. जोशी Answer :- (C)

[30]. बल्लभ भाई पटेल को सरदार की उपाधि किस किसान आंदोलन के दौरान दी गई ?
(A) बारदोली
(B) अहमदाबाद
(C) खेड़ा
(D) चंपारण Answer :- (A)

[31]. असहयोग आन्दोलन का प्रस्ताव काँग्रेस के किस अधिवेशन में पारित हुआ ?
(A) सितंबर 1920, कलकत्ता
(B) अक्टूबर 1920, अहमदाबाद
(C) नवम्बर 1920, फैजपुर
(D) दिसम्बर 1920, नागपुर Answer :- (A)

[32]. भारत में खिलाफत आंदोलन कब और किस देश के शासक के समर्थन में शुरू हुआ ?
(A) 1920, तुर्की
(B) 1920, अरब
(C) 1920, फ्रांस
(D) 1920, जर्मनी Answer :- (A)

[33]. श्रमिक विवाद अधिनियम कब बनाया गया ?
(A) 1920
(B) 1926
(C) 1928
(D) 1929 Answer :- (D)

[34]. अली मुसालियार ने किस विद्रोह का नेतृत्व किया था?
(A) रम्पा विद्रोह
(B) खोंड विद्रोह
(C) संथाल विद्रोह
(D) मोपला विद्रोह Answer :- (D)

[35]. खलीफा पद की समाप्ति तुर्की में कब सम्पन्न की गई ?

(A) 1924 में
(B) 1930 में
(C) 1919 में
(D) 1920 में Answer :- (C)

[36]. भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना किसने की ?
(A) एम. एन. राय
(B) पी. एन. राय
(C) पी. सी. राय
(D) ए. के. सेन Answer :- (A)

[37]. दक्षिण अफ्रिका से गाँधीजी किस वर्ष भारत वापस आए ?
(A) 1891 में
(B) 1893 में
(C) 1915 में
(D) 1916 में Answer :- (C)

[38]. गाँधीजी ने किस गोलमेज सम्मेलन में भाग लिया ?
(A) प्रथम
(B) द्वितीय
(C) तृतीय
(D) चतुर्थ Answer :- (B)

[39]. साइमन आयोग किस वर्ष भारत आया ?
(A) 1922 में
(B) 1924 में
(C) 1927 में
(D) 1928 में Answer :- (D)

[40], काँग्रेस समाजवादी दल की स्थापना किस वर्ष की गई ?
(A) 1929 में
(B) 1930 में
(C) 1931 में
(D) 1934 में Answer :- (D)

[41]. गाँधीजी को 'महात्मा' की उपाधि किसने दी ?
(A) गोपालकृष्ण गोखले ने
(B) श्रीमती एनी बेसेंट ने
(C) रवींद्रनाथ टैगोर ने
(D) अबुल कलाम आजाद ने Answer :- (C)

[42] सांप्रदायिक निर्णय की घोषणा किसने की थी ?
(A) लॉयड जॉर्ज ने
(B) विंस्टन चर्चिल ने

(C) मैक्डोनॉल्ड ने
(D) एटली ने Answer :- (C)

[43]. तीनकठिया प्रणाली लागू हुआ था ?
(A) उद्योगपतियों पर
(B) व्यापारियों पर
(C) श्रमिकों पर
(D) किसानों पर Answer :- (D)

[4] टाना भगत आंदोलन किन आदिवासियों में हुआ ?
(A) संथालों में
(B) कोलों में
(C) भीलों में
(D) उंराव में Answer :- (D)

[45]. भारतीय स्वाधीनता समिति की स्थापना कहाँ की गई ?
(A) काबुल में
(B) पेशावर में
(C) जर्मनी में
(D) कनाडा में Answer :- (C)

1] राष्ट्रीय श्रम आयोग की स्थापना किस वर्ष हुई ?
(A)1948 में
(B) 1958 में
(C) 1962 में
(D) 1966 में Answer ⇒ C

[2] औधोगिक क्रांति सर्वप्रथम किस देश में हुई |
(A) इंगलैण्ड
(B) फ्रांस
(C) रूस
(D) जर्मनी Answer ⇒ A

[3] भारत में पहली कपड़ा मिल (बंबई 1854) किसने खोली ?
(A) जमशेद जी टाटा ने
(B) जमशेद जी नुसरवान जी टाटा ने
(C) घनश्याम दास बिड़ला ने.
(D) कावस-जी- नाना-जी- दाभार ने Answer ⇒ D

[4] 1917 ई० में भारत में पहली जूट मिल किस शहर में स्थापित हुई ?
(A) कलकत्ता.
(B) दिल्ली
(C) बम्बई
(D) पटना Answer ⇒ A

GAYA GUAIDANCE PR

[5] इग्लैंड में सभी स्त्री एवं पुरुषों को वयस्क मताधिकार कब प्राप्त हुआ ?
(A) 1838
(B) 1881
(C) 1918
(D) 1828 Answer ⇒ C

[6] स्पिनिंग जेनी का आविष्कार कब हुआ ?
(A) 1769
(B) 1770
(C) 1773
(D) 1775 Answer ⇒ B

[7] भारत के लिए पहला फैक्ट्री ऐक्ट कब पारित हुआ ?
(A) 1838
(B) 1858
(C) 1881
(D) 1911 Answer ⇒ C

[8] वाटरफ्रेम(स्पिनिंग फ्रेम) किसने बनाया ?
(A) जेम्स हारग्रीज ने
(B) क्रॉम्पटन ने
(C) रिचर्ड आर्कराइट ने
(D) एडमंड कार्टराइट ने Answer ⇒ C

[9] स्पिनिंग जेनी का आविष्कार किसने किया था ?
(A) हम्फ्री डेवी
(B) जॉन के
(C) जेम्स हारग्रीब्ज
(D) जेम्सवाट Answer ⇒ C

[10] भारत में कोयला उद्योग का प्रारम्भ कब हुआ ?
(A) 1907
(B) 1814
(C) 1916
(D) 1919 Answer ⇒ B

[11] जमशेदजी टाटा ने 'टाटा आयरन एण्ड स्टील कम्पनी' की स्थापना कब की ?
(A) 1854
(B) 1907
(C) 1915
(D) 1923 Answer ⇒ B

[12] 'अखिल भारतीय ट्रेड युनियन कॉंग्रेस' की स्थापना कब हुई ?

GAYA GUAIDANCE PROGRAMME

(A) 1848.
(B) 1881
(C) 1885
(D) 1920 Answer ⇒ D

[13] दस घंटे का आंदोलन कहाँ चला ?
(A) इंगलैंड में
(B) जर्मनी में
(C) भारत में
(D) जापान में Answer ⇒ A

[14] 1907 में जे० एन० टाटा ने भारत का पहला लौह और 'इस्पात संयंत्र किस जगह स्थापित किया ?
(A) जमशेदपुर
(B) बंबई
(C) मद्रास
(D) अहमदाबाद Answer ⇒ A

[15] फ्लाइंग शटल मशीन का निर्माण किसने किया ?
(A) जॉन के ने
(B) जेम्स हारग्रीव्ज ने
(C) क्रॉम्पटन ने
(D) रॉबर्ट फुल्टन ने Answer ⇒ A

[16] सेफ्टी लैम्प का आविष्कार किसने किया ?
(A) जेम्स हारग्रीव्ज
(B) जॉन के
(C) क्रॉम्पटन
(D) हम्फ्री डेवी Answer ⇒ D

[17] भारत में टाटा हाइड्रो-इलेक्ट्रीक पावर स्टेशन की स्थापना कब हुई ?
(A) 1910
(B) 1951
(C) 1955
(D) 1962 Answer ⇒ A

[18] इंगलैंड में औद्योगिक क्रांति किस उद्योग से आरंभ हुई ?
(A) वस्त्र उद्योग से.
(B) लौह उद्योग से
(C) खान उद्योग से
(D) परिवहन उद्योग से Answer ⇒ A

GAYA GUAIDANCE PROGRAMME

[19] निम्नलिखित में कौन औद्योगिक क्रांति का कारण नहीं था ?
(A) धर्म सुधार आंदोलन
(B) राजकीय संरक्षण
(C) कृषि क्रांति
(D) वैज्ञानिक आविष्कार Answer ⇒ A

[20] जलशक्ति से चलनेवाले पावरलूम का निर्माण किसने किया ?
(A) जेम्स हारग्रीव्ज ने
(B) क्रॉम्पटन ने
(C) रिचर्ड आर्कराइट ने
(D) एडमंड कार्टराइट ने(1785) Answer ⇒ D

[21] पहला वाष्प इंजन किसने बनाया ?
(A) टॉमस न्यूकॉम ने
(B) जेम्स वाट ने
(C) जॉर्ज स्टीफेंसन ने
(D) रॉबर्ट फुल्टन ने Answer ⇒ B

[22] निम्नलिखित में किस कारण ने सबसे अधिक इंगलैंड में औद्योगिक क्रांति को बढ़ावा दिया ?
(A) जनसंख्या में वृद्धि.
(B) सस्ते मजदूरों की उपलब्धता
(C) इंगलैंड में कृषि क्रांति
(D) उद्योगों को राजकीय संरक्षण Answer ⇒ D

[23] AITUC का प्रथम अध्यक्ष किसे बनाया गया ?
(A) मोती लाल नेहरू
(B) लाल लाजपत राय
(C) महात्मा गांधी
(D) चितरंजन दासराष्ट्रीय Answer ⇒ B

[1] स्थायी कृषि के प्रभाव से कैसा जमाव संभव हुआ ?
[A] सम्पत्ति
[B] ज्ञान
[C] शांति
[D] बहुमूल्य धातु Answer ⇒ A

[2] लंदन में अनिवार्य प्राथमिक शिक्षा कब लागू हुई ?
[A] 1850
[B] 1855
[C] 1860
[D] 1870 Answer ⇒ D

GAYA GUAIDANCE PROGRAMME

[3] पूँजीपति वर्ग के द्वारा किस वर्ग का शोषण हुआ ?

[A] श्रमिक वर्ग

[B] मध्यम वर्ग

[C] कृषक वर्ग

[D] ये सभी — Answer ⇒ A

[4] जनसंख्या का घनत्व सबसे अधिक कहाँ होता है ?

[A] ग्राम

[B] कस्बा

[C] नगर

[D] महानगर — Answer ⇒ D

[5] कौन-सा सामाजिक वर्ग बुद्धिजीवी वर्ग के रूप में उभर कर आया ?

[A] उद्योगपति वर्ग

[B] पूँजीपति वर्ग

[C] श्रमिक वर्ग

[D] मध्यम वर्ग — Answer ⇒ D

[6] सामंती व्यवस्था से हटकर किस प्रकार की शहरी व्यवस्था की प्रवृत्ति बढ़ी ?

[A] प्रगतिशील प्रवृत्ति

[B] आक्रामक प्रवृत्ति

[C] रूढ़िवादी प्रवृत्ति

[D] शोषणकारी प्रवृत्ति — Answer ⇒ A

[7] शहर को आधुनिक व्यक्ति का किस प्रकार का क्षेत्र माना जाता है ?

[A] सीमित क्षेत्र

[B] प्रभाव क्षेत्र

[C] विस्तृत क्षेत्र

[D] ये सभी — Answer ⇒ B

[8] 1810 से 1880 ई तक लंदन की आबादी 10 लाख से बढ़कर कहाँ तक पहुँची ?

[A] 20 लाख

[B] 30 लाख

[C] 40 लाख

[D] 50 लाख — Answer ⇒ C

[10] एक प्रतियोगी एवं उद्यमी प्रवृति से प्रेरित किस प्रकार की अर्थव्यवस्था लागू की गई ?

[A] जीवन निर्वाह अर्थव्यवस्था

[B] मृदा प्रधान अर्थव्यवस्था

[C] शिथिल अर्थव्यवस्था

[D] ये सभी — Answer ⇒ B

GAYA GUAIDANCE PROGRAMME

[11] आधुनिक काल में औद्योगिकीकरण ने किसके स्वरूप को गहन रूप से प्रभावित किया ?

[A] ग्रामीणीकरण के

[B] शहरीकरण के

[C] कस्बों के

[D] बन्दरगाहों के Answer ⇒ B

[1] भूमंडलीकरण की शुरुआत किस दशक में हुई ?

[A] 1990 के दशक में

[B] 1970 के दशक में

[C] 1960 के दशक में

[D] 1980 के दशक में **Answer ⇒ A**

[2] गिरमिटिया' किसे कहा जाता है ?

[A] अनुबंधित मजदूर को

[B] रोगियों को

[C] छिपकली को

[D] अंग्रेजों को **Answer ⇒ A**

[3] द्वितीय महायुद्ध के बाद यूरोप में कौन-सी संस्था का उदय आर्थिक दुष्प्रभावों को समाप्त करने के लिए हुआ ?

[A] सार्क

[B] नाटो

[C] ओपेक

[D] यूरोपीय संघ **Answer ⇒ D**

[4] प्राचीन काल में किस स्थल मार्ग से एशिया और यूरोप का व्यापार होता था ?

[A] सूतीमार्ग

[B] रेशममार्ग

[C] उत्तरापथ

[D] दक्षिणपथ

Answer ⇒ B

[5] बाजार का स्वरूप विश्वव्यापी किस क्रांति के बाद हुआ ?

[A] औद्योगिक क्रांति

[B] अमेरिकी क्रांति

[C] फ्रांसीसी क्रांति

[D] चीनी क्रांति **Answer⇒A**

[6] विश्वव्यापी आर्थिक संकट किस वर्ष आरंभ हुआ था ?

[A] 1914

[B] 1922

[C] 1929

[D] 1927 **Answer ⇒ C**

[7] ब्रेटन वुड्स सम्मेलन किस वर्ष हुआ ?

[A] 1945

[B] 1947

[C] 1944
[D] 1952 **Answer ⇒ C**

[8] पहले विश्व बाजार के रूप में कौन-सा शहर उभर कर आया ?
[A] अलेक्जेन्ड्रिया
[B] दिलमुन
[C] मैनचेस्टर
[D] बहरीन **Answer ⇒ A**

[9] "गिरमिटिया मजदूर' बिहार के किस क्षेत्र से भेजे जाते थे ?
[A] पूर्वी क्षेत्र
[B] पश्चिमी क्षेत्र
[C] उत्तरी क्षेत्र
[D] दक्षिणी क्षेत्र **Answer ⇒ B**

[10] विश्व बाजार का विस्तार आधुनिक काल में किस समय से आरंभ हुआ ?
[A] 15वीं शताब्दी
[B] 18वीं शताब्दी
[C] 19वीं शताब्दी
[D] 20वीं शताब्दी **Answer ⇒ B**

[11] आर्थिक संकट [मंदी] के कारण यूरोप में कौन-सी नई शासन-प्रणाली का उदय हुआ ?
[A] साम्यवादी शासन–प्रणाली
[B] लोकतांत्रिक शासन–प्रणाली
[C] फासीवादी नाजीवादी शासन
[D] पूँजीवादी शासन–प्रणाली **Answer ⇒ C**

[12] आधुनिक युग में अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में होने वाली सबसे बड़ी क्रांति कौन-सी थी ?
[A] वाणिज्यिक क्रान्ति
[B] औद्योगिक क्रान्ति
[C] साम्यवादी क्रान्ति
[D] भौगोलिक खोज **Answer ⇒ B**

[13] ब्रिटिश सरकार ने गिरमिटिया श्रमिकों की व्यवस्था किस वर्ष समाप्त की ?
[A] 1920 में
[B] 1921 में
[C] 1922 में
[D] 1923 में **Answer ⇒ B**

[14] विश्व व्यापार संगठन की स्थापना किस वर्ष की गई ?
[A] 1945 में
[B] 1948 में
[C] 1957 में
[D] 1995 में **Answer ⇒ D**

[15] जी-3 की स्थापना कब हुई ?
[A] 1957 में
[B] 1967 में
[C] 1975 में
[D] 1980 में **Answer ⇒ C**

[16] संयुक्त राष्ट्र मौद्रिक, एवं वित्तीय सम्मेलन किस वर्ष हुआ था ?
[A] 1932 में
[B] 1933 में
[C] 1943 में
[D] 1944 में **Answer ⇒ D**

[17] धन-निष्कासन के सिद्धांत का प्रतिपादन किसने किया था ?
[A] फिरोजशाह मेहता ने
[B] बाल गंगाधर तिलक ने
[C] दादाभाई नौरोजी ने
[D] महात्मा गाँधी ने **Answer ⇒ C**

[18] किस अमेरिकी राष्ट्रपति ने 'न्यू डील' लागू की ?
[A] वुडरो विल्सन ने
[B] आइजनहॉवर ने
[C] एफ० डी० रूजवेल्ट ने
[D] जॉन एफ० कैनेडी ने
Answer ⇒ C

[1] गुटेनबर्ग का जन्म किस देश में हुआ था ?
[A] अमेरिका
[B] जर्मनी
[C] जापान
[D] इंगलैंड **Answer ⇒ B**

[2] गुटेनवर्ग ने सर्वप्रथम किस पुस्तक की छपाई की ?
[A] कुरान
[B] गीता]
[C] हदीस
[D] बाइबिल **Answer ⇒ D**

[3] रूसो कहाँ का दार्शनिक था ?
[A] फ्रांस
[B] रूस
[C] अमेरिका
[D] इंगलैंड **Answer ⇒ A**

[6] 13वीं सदी में किसने ब्लॉक प्रिंटिंग के नमूने यूरोप में पहुँचाए ?
[A] मार्कोपोलो
[B] निकितिन

[C] इत्सिंग
[D] मेगास्थनीज **Answer ⇒ A**

[7] 'हरिजन' पत्रिका का प्रकाशन किसने आरंभ किया ?
[A] राममोहन राय
[B] फिरोजशाह मेहता
[C] महात्मा गाँधी
[D] जवाहरलाल नेहरू **Answer ⇒ C**

[8] इंगलैंड में मुद्रणकला को पहुँचाने वाला कौन था ?
[A] हैमिल्टन
[B] कैक्सटन
[C] एडिसन
[D] स्मिथ **Answer ⇒ B**

[9] विश्व में सर्वप्रथम मुद्रण की शुरुआत कहाँ हुई ?
[A] भारत
[B] जापान
[C] चीन
[D] अमेरिका **Answer ⇒ C**

[10] महात्मा गाँधी ने किस पत्र का संपादन किया ?
[A] कॉमनबिल
[B] यंग इंडिया
[C] बंगाली
[D] बिहारी **Answer ⇒ B**

[11] किस पत्र ने रातों-रात वर्नाक्यूलर प्रेस ऐक्ट से बचने के लिए अपनी भाषा बदल दी ?
[A] हरिजन
[B] भारत मित्र
[C] अमृत बाजार पत्रिका
[D] हिन्दुस्तान रिव्यू **Answer ⇒ C**

[12] किस देश की सिविल सेवा परीक्षा ने मुद्रित पुस्तकों (सामग्रियों) की माँग बढ़ाई ?
[A] मिस्र
[B] भारत
[C] चीन
[D] जापान **Answer ⇒ C**

[15] किसने कहा 'मुद्रण ईश्वर की दी हुई महानतम् देन है, सबसे बड़ा तोहफा ?
[A] महात्मा गाँधी
[B] मार्टिन लूथर
[C] मुहम्मद पैगम्बर
[D] ईसा मसीह **Answer ⇒ B**

[16] भारतीय समाचारपत्रों के मुक्तिदाता' के रूप में कौन गवर्नर-जनरल विख्यात हैं ?
[A] वारेन हिस्टिंग्स ने
[B] वेलेस्ली

[C] विलियम बेंटिक
[D] लिटन
Answer ⇒ C

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. राष्ट्रवाद क्या है ?
उत्तर. राष्ट्रवाद आधुनिक विश्व की राजनितिक जागृति का प्रतिफल है | यह एक ऐसी भावना है जो किसी विशेष भौगोलिक,सांस्कृतिक या सामाजिक परिवेश में रहने वाले लोगों में एकता की वाहक बनती है|

2**. मेजनी कौन था ?**
उत्तर. इटली में मेजनी साहित्यकार,गणतांत्रिक विचारों का समर्थक और योग्य सेनापति था |

3.**मेटरनिख युग क्या है ?**
उत्तर. गणतंत्र एवं प्रजातंत्र और पुरातन व्यवस्था की पुनर्स्थापना करना मेटरनीख युग कहलाता है ,जिसे मेटरनीख ने सन 1815 ई० के वियेना सम्मेलन के पश्चात प्राप्त किया था और नेपोलियन युग का अंत किया था |

3**. 1848 के फ्रांसीसी क्रांति के कारण क्या थे ?**
उत्तर. 1848 ई. में यूरोप में एक–दो नहीं, वरन् छोटी–बड़ी सत्रह (17) क्रान्तियाँ हुई। इसीलिए यूरोप के इतिहास में 1848 ई. का वर्ष क्रान्तियों का वर्ष माना जाता है। इन क्रान्तियों के कारण अग्रलिखित थे–

(1) 1830–1848 ई. के बीच हुए आर्थिक परिवर्तन |
(2) बुद्धिजीवी और श्रमिकों का शक्तिशाली होना |
(3) समाजवाद का प्रसार|
(4) खिजों की नीतियाँ |
(5) लुई फिलिप की दुर्बल नीतियाँ |
(6) गौरवशाली विदेश नीति का परित्याग |
(7) शासन पर मध्यम वर्ग का प्रभाव |

4. इटली,जर्मनी के एकीकरण में आस्ट्रिया की भूमिका क्या थी ?
उत्तर. ऑस्ट्रिया, इटली और जर्मनी के एकीकरण का सबसे बड़ा विरोधी था। आस्ट्रिया के हस्तक्षेप से इटली में जनवादी आंदोलन को कुचल दिया गया।आस्ट्रिया का चांसलर मेटरनिख, पुरातन व्यवस्था का समर्थक था। यही कारण था कि आस्ट्रिया को पराजित किए बिना इटली और जर्मनी का एकीकरण संभव नहीं था।अतएव काबूर ने

आस्ट्रिया को पराजित करने के लिए फ्रांस के साथ मिलकर क्रीमिया के युद्ध में भाग लिया और फ्रांस का राजनीतिक समर्थन प्राप्त किया।

1.पूँजीवाद क्या है ?

उत्तर. पूँजीवाद एक आर्थिक पद्धति है जिसमें पूँजी के निजी स्वामित्व, उत्पादन के साधनों पर व्यक्तिगत नियंत्रण, स्वतंत्र औद्योगिक प्रतियोगिता और उपभोक्ता द्रव्यों के अनियंत्रित वितरण की व्यवस्था होती है। पूँजीवाद की कभी कोई निश्चित परिभाषा स्थिर नहीं हुई; देश, काल और नैतिक मूल्यों के अनुसार इसके भिन्न–भिन्न रूप बनते रहे हैं।

2. खूनी रविवार क्या है ?

उत्तर . रूस में 9 जनवरी, 1905 को लोगों का समूह 'रोटी दो' के नारे के साथ सड़कों पर प्रदर्शन करते हुए सेंट पीट्सवर्ग स्थित महल की ओर जा रहा था, परंतु जार की सेना इन निहत्थे लोगों पर गोलियाँ बरसाई जिसमें हजारों लोग मारे गए। इसलिए इस दिन को रूस में खूनी रविवार (लाल रविवार) के नाम से जाना जाता है।

3. अक्टूबर क्रांति क्या है ?

उत्तर. रूसी **क्रांति** को अक्तूबर **क्रांति** भी कहते हैं और इतिहास की किताबों में पढ़ाया जाता **है** कि ये 25 अक्तूबर 1917 को घटित हुई थी. लेकिन, सौ साल पहले रूस में साम्यवाद स्थापित करने वाली बोल्शेविक **क्रांति** की सालगिरह अक्तूबर में न मना कर, हर साल 7 नवंबर को मनाया जाता **है |**

4. सर्वहारा वर्ग किसे कहते है ?

उत्तर. सर्वहारा वर्ग समाज का वैसा वर्ग है जिसमें किसान, मजदूर एवं आम गरीब लोग शामिल होते हैं। मार्क्स के अनुसार सर्वहारा वर्ग मजदुरों तथा श्रमिकों का वर्ग था जो सुविधाविहिन वर्ग था जिसे कोई अधिकार प्राप्त नहीं था। यह पुँजीपतियों के द्वारा शोषित तथा उपेक्षित वर्ग था।

1 हो – ची – मिन्ह के संबंध में लिखें।

उत्तर ⇒ हो–ची–मिन्ह साम्यवाद से प्रभावित था। उसने 1925 ई० में 'वियतनामी क्रांतिकारी दल' का गठन किया एवं फ्रांसीसी साम्राज्यवाद से लड़ने के लिए कार्यकर्ताओं के सैनिक प्रशिक्षण की व्यवस्था भी की। 1930 ई० में राष्ट्रवादी गुटों को एकत्रित कर वियतनाम कांग सान देंग अर्थात् वियतनामी कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना की। विश्वव्यापी आर्थिक मंदी एवं फ्रांसीसी सरकार की क्रूरता के कारण हो–ची–मिन्ह ने राष्ट्रवादी आंदोलन को तीव्र किया।

2. हो-ची-मिन्ह मार्ग क्या है ? बताएँ।

उत्तर – हो – ची – मिन्ह हनोई से चलकर लाओस–कम्बोडिया के सीमा क्षेत्र से गुजरता हुआ दक्षिणी वियतनाम तक जाता था। इसमें सैकड़ों कच्ची – पक्की सड़कें निकलकर पूरे वियतनाम से जुड़ी थी। यह वियतनामियों का रसद सप्लाई मार्ग था। यह मार्ग काफी मजबूत था। अमेरिका सैकड़ों बार इस पर बमबारी कर चुका था, परन्तु वियतनाम एवं उनके समर्थित लोग तुरंत उसकी मरम्मत कर लेते थे। चूँकि हो – ची – मिन्ह मार्ग वियतनाम की जीवन–रेखा थी, अतः अमेरिका इस पर नियंत्रण करना चाहता था। इसी क्रम में उसने लाओस एवं कम्बोडिया पर आक्रमण भी किया। किंतु तीन तरफा संघर्ष में फँसकर उसे वापस होना पड़ा था।

3. हिंद – चीन का अर्थ क्या है ?

उत्तर ⇒ एशिया के हिंद – चीन देशों से अभिप्राय तत्कालीन समय में लगभग 3 लाख (2.80 लाख) वर्ग किमी० में फैले उस प्रायद्वीपीय क्षेत्र से है जिसमें आज के वियतनाम, लाओस और कंबोडिया के क्षेत्र आते हैं। इनकी उत्तरी सीमा म्यांमार एवं चीन को छूती है तो दक्षिण में चीन सागर है और पश्चिम में म्यांमार के क्षेत्र पड़ते हैं।

4. अमेरिका हिन्द – चीन में कैसे दाखिल हुआ, चर्चा करें

उत्तर ⇒ अमेरिका शुरू में फ्रांस का सहयोग कर रहा था लेकिन साम्यवादियों के बढ़ते प्रभाव को रोकने हेतु अमेरिका हिन्द – चीन में दाखिल हुआ। दूसरी तरफ कंबोडिया का शासक सिंहानुक अमेरिका से संबंध विच्छेद कर चीन की ओर झुका जिससे अमेरिका को कंबोडिया में हस्तक्षेप करने का अवसर मिला। साथ ही सिंहानुक साम्यवादी रूस और पूर्वी जर्मनी से संबंध बढ़ाना आरंभ कर दिया। अमेरिका कंबोडिया या पूरे हिन्द चीन में साम्यवादी प्रभाव को बढ़ाना नहीं चाहता था इसलिए उसने हिन्द – चीन में हस्तक्षेप किया।

5. रासायनिक हथियार नापाम एवं एजेन्ट ऑरेंज का वर्णन करें।

उत्तर ⇒ अमेरिका ने वियतनाम पर आक्रमण में खतरनाक हथियारों, टैंकों एवं बमवर्षक विमानों के व्यापक प्रयोग के साथ–साथ खतरनाक रासायनिक हथियारों का भी प्रयोग किया। ऐसे ही कुछ रासायनिक हथियार थे—नापाम बम, एजेन्ट ऑरेन्ज। नापाम बम में नापाम एक कार्बनिक यौगिक होता है जो अग्नि बमों में गैसोलिन के साथ मिलकर एक ऐसा मिश्रण तैयार करता है जो त्वचा से चिपक जाता और जलता रहता है।

एजेंट ऑरेंज एक ऐसा जहर था जिससे पेड़ों की पत्तियाँ झुलस जाती थी तथा पेड़ मर जाते थे। जंगलों को खत्म करने में इसका प्रयोग किया जाता था।

6. होआ – होआ आंदोलन की चर्चा करें।

उत्तर ⇒ होआ – होआ वियतनाम के एकीकरण हेतु बौद्ध धर्मावलंबियों का एक धार्मिक क्रातिकारी आंदोलन था जो 1939 में शुरू हुआ था। इसके नेता हुइन्ह–फूसो था। इस आंदोलन में क्रांतिकारी उग्रवादी घटनाओं को भी अंजाम देते थे, जिसमें आत्मदाह तक भी शामिल होता था।

7. वियतनाम में स्कॉलर्स रिवोल्ट(आन्दोलन) क्यों हुआ ?

उत्तर ⇒ वियतनाम में ईसाई मिशनरियों के बढ़ते प्रभाव को समाप्त करने के लिए 1868 में ईसाईयत के विरुद्ध एक सशक्त आंदोलन हुआ। यह आंदोलन स्कालर्स रिवोल्ट अथवा विद्वानों के विद्रोह के नाम से जाना जाता है। इस आंदोलन को राजदरबार के अधिकारियों ने चलाया। वे कैथोलिक (ईसाई) धर्म के प्रचार और वियतनाम पर फ्रांसीसी आधिपत्य के विरोधी थे। इस आंदोलन का जोर सबसे अधिक न्गूएन और हातिएन प्रांतों में था जहाँ हजारों ईसाइयों को मार डाला गया।

1. भारत में राष्ट्रवाद के उदय के सामाजिक कारणों पर प्रकाश डालें।

उत्तर ⇒ भारतीय राष्ट्रवाद के उदय के सामाजिक कारणों में प्रमुख था – अंगरेजों की प्रजातीय विभेद की नीति। अंग्रेज अपने को श्रेष्ठ तथा भारतीयों को उपेक्षा तथा हेय की दृष्टि से देखते थे। भारतीयों पर अनेक प्रतिबंध थे जैसे रेलगाड़ी, क्लब, होटलों में वे सफर या प्रवेश नहीं कर सकते थे, जिसमें अंग्रेज हों। सरकारी सवाआ में अंग्रेजों की पक्षपातपूर्ण नीति ने भी राष्ट्रवाद की भावना को प्रेरित किया। सरकारी नागरिक सेवा में भारतीयों का प्रवेश काफी मुश्किल था। बहुत बार परीक्षा में सफल होने के बाद भी उन्हें या तो नियक्त

नहीं किया जाता था या अकारण नोकरी से हटा दिया जाता था। सुरेन्द्रनाथ बनर्जी के साथ भी ऐसा ही किया गया। न भारतीय शिक्षित मध्यम वर्ग मर्माहत हो गया जिसने राष्ट्रवाद के विकास म महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

2. भारत में राष्ट्रवाद उपनिवेशवाद विरोधी आंदोलन से कैसे विकसित हुआ ?

उत्तर ⇒ हिंद – चीन के समान भारत में भी राष्ट्रवाद का उदय और विकास औपनिवेशिक शासन के प्रतिक्रिया स्वरूप हुआ। 19वीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध से अंग्रेजी राज की प्रशासनिक, आर्थिक और अन्य नीतियों के विरुद्ध असंतोष की भावना बलवती होने लगी। भारत के राजनीतिक और प्रशासनिक एकीकरण पाश्चात्य शिक्षा के प्रचार, मध्यवर्ग के उदय, सामाजिक–धार्मिक सुधार आंदोलनों, साहित्य और समाचार–पत्रों के विकास तथा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना के राष्ट्रवाद की अवधारणा को उत्तेजना प्रदान की।

3. प्रथम विश्वयुद्ध के भारत पर हुए प्रभावों का वर्णन करें।

उत्तर ⇒ प्रथम विश्वयुद्ध का भारत पर गहरा प्रभाव पड़ा था। विश्वयुद्ध के आर्थिक और राजनीतिक परिणामों से राष्ट्रीय आंदोलन भी प्रभावित हुआ। ब्रिटेन ने भारतीय नेताओं की सहमति लिए बिना भारत को युद्ध में घसीट लिया था। कांग्रेस, उदारवादियों और भारतीय रजवाड़ों ने इस उम्मीद से अंगरेजी सरकार को समर्थन दिया कि युद्ध के बाद उन्हें स्वराज की प्राप्ति होगी, परंतु ऐसा नहीं हुआ। प्रथम विश्वयुद्ध ने भारतीय अर्थव्यवस्था को अव्यवस्थित कर दिया जिससे जनता की स्थिति काफी बेहतर हो गई। विश्वयुद्ध का प्रभाव राजनीतिक गतिविधियों पर भी पड़ा। विश्वयुद्ध के दौरान क्रांतिकारी गतिविधियाँ काफी बढ़ गई तथा राष्ट्रवादी आंदोलन को बल मिला।

4. साइमन कमीशन का गठन क्यों किया गया ? भारतीयों ने इसका विरोध क्यों किया ?

उत्तर ⇒ 1919 ई० के 'भारत सरकार अधिनियम' में यह व्यवस्था की गई थी कि दस वर्ष के बाद एक ऐसा आयोग नियक्त किया जाएगा जो इस बात की जाँच करेगा कि इस अधिनियम में कौन–कौन से परिवर्तन संभव है। अतः ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने समय से पूर्व सर जॉन साइमन के नेतृत्व में 8 नवंबर, 1927 को साइमन कमीशन की स्थापना की। इसके सभी 7 सदस्य अंग्रेज थे। इस कमीशन का उद्देश्य संवैधानिक सुधार के प्रश्न पर विचार करना था। इस कमीशन में किसी भी भारतीय को शामिल नहीं किया गया जिसके कारण भारत में इस कमीशन का तीव्र विरोध हुआ।

5. मुस्लिम लीग ने भारतीय राजनीति को किस प्रकार प्रभावित किया ?

उत्तर ⇒ मुस्लिम लीग ने कांग्रेस के विरुद्ध अंग्रेजी सरकार का साथ दिया। इस कारण सरकार ने मुसलमानों को पृथक निर्वाचन क्षेत्र, व्यवस्थापिका सभा में प्रतिनिधित्व आदि सुविधाएँ दी थी। इन सुविधाओं के कारण हिंदू तथा मुसलमानों में मतभेद उत्पन्न हुआ जिससे राष्ट्रीय आंदोलन पर बुरा असर पड़ा। जिन्ना के नेतत्व में लीग ने 14-सूची माँग रखकर भारत के विभाजन में सहायता की।

6. स्वराज पार्टी की स्थापना एवं उद्देश्य की विवेचना करें।

उत्तर ⇒ असहयोग आंदोलन की एकाएक समाप्ति से उत्पन्न निराशा और क्षोभ का प्रदर्शन 1022 में कांग्रेस के गया अधिवेशन में हुआ जिसके अध्यक्ष चितरंजन दास थे। चितरंजन दास और मोती लाल नेहरू ने कांग्रेस से असहमत होकर पदत्याग करते हुए 1922 ई० में स्वराज पार्टी की स्थापना की। स्वराज पार्टी के नेताओं का मुख्य उद्देश्य था देश के विभिन्न निर्वाचनों में भाग लेकर व्यावसायिक सभाओं एवं सार्वजनिक संस्थाओं में प्रवेश कर सरकार के कामकाज में अवरोध पैदा किया जाए। वे अंग्रेजों द्वारा

भारत में चलाई गयी सरकारी परंपराओं का अंत चाहते थे। उनकी नीति थी नौकरशाही की शक्ति को कमजोर कर दमनकारी कानूनों का विरोध करना और राष्ट्रीय शक्ति का विकास करना एवं आवश्यकता पड़ने पर पदत्याग कर सत्याग्रह में भाग लेना।

7. गाँधीजी ने चंपारण में किस व्यवस्था के विरुद्ध किसानों को संघर्ष के लिए प्रेरित किया ?

उत्तर ⇒ गाँधीजी चंपारण में तिनकठिया व्यवस्था के विरुद्ध किसानों को संघर्ष के लिए प्रेरित किया।

8. गाँधीजी ने खिलाफत आंदोलन को समर्थन क्यों दिया ?

उत्तर ⇒ गाँधीजी ने हिन्दू – मुस्लिम एकता के लिए खिलाफत आंदोलन का समर्थन किया, क्योंकि गाँधीजी को भारत में एक बड़ा जन–आंदोलन 'असहयोग आन्दोलन' चलाना था।

9. चंपारण आंदोलन कब हुआ तथा इसके क्या कारण थे ?

उत्तर ⇒ चंपारण आंदोलन अप्रैल 1917 ई० में बिहार के चंपारण जिले में हुआ था। बिहार में निल्हे गोरों द्वारा तिनकठिया व्यवस्था प्रचलित थी जिसमें किसान को अपनी भमि के 3/20 हिस्से में नील की खेती करनी होती थी। किसान नील की खेती नहीं करना चाहते थे क्योंकि इससे भमि की उर्वरा कम हो जाती थी। उसे उत्पादन का उचित कीमत भी नहीं मिलता था जिससे उसकी स्थिति दयनीय हो गई थी। किसानों के पक्ष को लेकर महात्मा गाँधी ने चंपारण में सत्याग्रह आंदोलन की शुरुआत की। ब्रिटिश सरकार को अंततः झुकना पड़ा।

10. समाजवादी दल का गठन क्यों हुआ ?

उत्तर ⇒ 20वीं शताब्दी के तीसरे दशक से भारत में समाजवादी विचारधारा का भी उदय और विकास हुआ। समाजवादी भी किसानों और मजदूरों की दयनीय स्थिति में सुधार लाना चाहते थे। विश्वव्यापी आर्थिक मंदी (1929-30) ने सबसे अधिक बुरा प्रभाव श्रमिकों और किसानों पर ही डाला। अतः समाजवादियों ने अपना ध्यान इन पर केंद्रित किया। कांग्रेस के अंदर वामपंथी के अतिरिक्त समाजवादी विचारधारा भी पनपने लगी। नेहरू–सुभाष के अतिरिक्त जयप्रकाश नारायण, नरेंद्र देव, राम मनोहर लोहिया, अच्युत पटवर्धन सरीखे नेता समाजवादी कार्यक्रम अपनाने की माँग करने लगे। इनके प्रयासों से 1934 में कांग्रेस समाजवादी दल की स्थापना की गई।

11. गाँधीजी ने असहयोग आंदोलन क्यों आरंभ किया ? यह प्रथम जनआंदोलन कैसे था ?

उत्तर ⇒ रॉलेट कानून, जालियाँवाला बाग हत्याकांड के विरोध में तथा खिलाफत आंदोलन के समर्थन में गाँधीजी ने असहयोग आंदोलन चलाने का निर्णय लिया। इसका उद्देश्य स्वराज्य की प्राप्ति था। इसमें समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने पहली बार व्यापक रूप से भाग लिया। शहरी मध्यमवर्ग की इसमें मुख्य भागीदारी रही। ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों, मजदूरों तथा आदिवासियों ने भी इस आंदोलन में भाग लिया। इस प्रकार, यह प्रथम जनआंदोलन बन गया।

12. 1932 के पूना समझौता का क्या परिणाम हुआ ?

उत्तर ⇒ 26 सितंबर, 1932 को पूना में गाँधीजी और डा० अंबेदकर के बीच पूना समझौता हुआ जिसके परिणामस्वरूप दलित वर्गों (अनुसूचित जातियों) के लिए प्रांतीय और केंद्रीय विधायिकाओं में स्थान आरक्षित कर दिए गए। गाँधीजी ने अपना अनशन तोड़ दिया और हरिजनोद्धार कार्यों में लग गए।

13. रॉलेट एक्ट से आप क्या समझते हैं? इसका विरोध क्यों हुआ ?

उत्तर ⇒ भारत में बढ़ती हुई राष्ट्रवादी घटनाओं एवं असंतोष को दबाने के लिए रॉलेट एक्ट को लाया गया था जिसके अंतर्गत सरकार किसी भी व्यक्ति को बिना साक्ष्य एवं वारंट के भी गिरफ्तार कर सकती थी। इस अधिनियम के अंतर्गत एक विशेष न्यायालय के गठन का प्रावधान था जिसके निर्णय के विरुद्ध कोई अपील नहीं की जा सकती थी। इसीलिए इसका विरोध हुआ।

14. गाँधीजी ने दांडी यात्रा क्यों की? इसका क्या परिणाम हुआ ?

उत्तर ⇒ नमक के व्यवहार और उत्पादन पर सरकारी नियंत्रण था। गाँधीजी इसे अन्याय मानते थे एवं इसे समाप्त करना चाहते थे। नमक कानून भंग करने के लिए 12 मार्च, 1930 को गाँधीजी अपने 78 सहयोगियों के साथ दांडी यात्रा (नमक यात्रा) पर निकले। वे 6 अप्रैल, 1930 को दांडी पहुँचे। वहाँ पहुँचकर उन्होंने समुद्र के पानी से नमक बनाकर नमक कानून भंग किया। इसी के साथ नमक सत्याग्रह (सविनय अवज्ञा आंदोलन) आरंभ हुआ और शीघ्र ही पूरे देश में फैल गया।

1. कोयला एवं लौह उद्योग ने औद्योगिकीकरण को गति प्रदान की। कैसे ?

उत्तर ⇒ वस्त्र उद्योग की प्रगति कोयले एवं लोहे के उद्योग पर बहुत अधिक निर्भर करती थी इसलिए अंग्रेजों ने इन उद्योगों पर बहुत अधिक ध्यान दिया। इंगलैंड में लोहे और कोयले की प्रचुर मात्रा में खानें थीं। सन् 1815 में हम्फ्री डेवी ने खानों में काम करने के लिए एक 'सेफ्टी लैम्प' का आविष्कार किया। 1815 ई० में हेनरी बेसेमर ने एक शक्तिशाली. भट्ठी विकसित करके लौह उद्योग को और भी अधिक बढावा दिया। इस तरह कोयला एवं लौह उद्योग ने औद्योगीकीकरण को गति प्रदान की।

2. औद्योगिक क्रांति से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर ⇒ औद्योगिक क्रांति का अर्थ उत्पादन प्रणाली में हुए उन आधारभूत परिवर्तनों से है जिनके फलस्वरूप जनसाधारण को अपनी परंपरागत कृषि, व्यवसाय एवं घरेलू उद्योग-धंधों को छोड़कर नए प्रकार के उद्योगों में काम करने तथा यातायात के नवीन साधनों के प्रयोग का अवसर मिला। यह क्रांति सर्वप्रथम इंगलैंड में 18 वीं सदी के उत्तरार्द्ध में हुई। उद्योगों में मानवश्रम का स्थान मशीनों ने ले लिया। औद्योगिक क्रांति में न तो राजसत्ता का परिवर्तन हुआ और नहीं रक्तपात। यह क्रांति किसी निश्चित अवधि या तिथि को नहीं हुई, इसका निरंतर विकास होता रहा।

3. औद्योगिक आयोग की स्थापना कब हुई ? इसके क्या उद्देश्य थे ?

उत्तर ⇒ औद्योगिक आयोग की नियुक्ति सन् 1916 में हुई। भारतीय उद्योग तथा व्यापार के भारतीय वित्त से संबंधित उन क्षेत्रों का पता लगाना, जिसे सरकार सहायता दे सके। .

4. औद्योगिकीकरण के कारण क्या थे ?

उत्तर ⇒ औद्योगिकीकरण के महत्त्वपूर्ण कारण निम्नलिखित थे – नये – नये मशीनों का आविष्कार, फैक्ट्री प्रणाली की शुरुआत, कोयले एवं लोहे की प्रचुरता, सस्ते श्रम की उपलब्धता, यातायात की सुविधा।

5. औद्योगिकीकरण से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर ⇒ औद्योगिकीकरण अथवा उद्योगों की बृहत् रूप में स्थापना उस औद्योगिक क्रांति की देन है जिसमें वस्तुओं का उत्पादन मानव श्रम द्वारा न होकर मशीनों के द्वारा होता है। इसमें उत्पादन बृहत् पैमाने पर होता है और जिसकी खपत के लिए बड़े बाजार की आवश्यकता होती है। किसी भी देश के आधुनिकीकरण का एक प्रेरक तत्त्व उसका औद्योगिकीकरण होता है। अत: औद्योगिकीकरण एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें उत्पादन मशीनों के द्वारा कारखानों में होता है। इस प्रक्रिया में घरेलू उत्पादन पद्धति का स्थान कारखाना पद्धति ले लेता है।

6. फैक्ट्री प्रणाली के विकास के किन्हीं दो कारणों को बतायें।

उत्तर ⇒ फैक्ट्री प्रणाली के विकास के दो कारण निम्नलिखित थे।

(i) मशीनों एवं नये-नये यंत्रों का आविष्कार

(ii) उद्योग तथा व्यापार के नये – नये केंद्रों के विकास ने फैक्ट्री प्रणाली को विकसित किया।

7. कलकत्ता में पहली देशी जूट मिल किसने स्थापित की ?

उत्तर ⇒ कलकत्ता में पहली देशी जूट मिल की स्थापना 1917 ई० में एक मारवाड़ी व्यवसायी सेठ हुकुमचंद ने किया था।

8. औद्योगीकरण ने मजदूरों की आजीविका को किस तरह प्रभावित किया ?

उत्तर ⇒ औद्योगिकीकरण के फलस्वरूप बड़े-बड़े कारखाने स्थापित हुए जिसके कारण लघु तथा कुटीर उद्योगों का पतन हो गया। कारखानों में रोजगार की तलाश में गाँवों से बेरोजगार लोगों का समूह शहरों की ओर आने लगे। उन्हें शहरों में नौकरियाँ ढूँढने में अनेक प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। कारखानों में श्रमिकों को स्थायी नौकरी नहीं मिलती थी। अनेक मजदूरों को काम का मौसम समाप्त होने के बाद नौकरी से हटा दिया जाता था। औद्योगिकीकरण ने मजदूरों की आजीविका को इस तरह प्रभावित किया कि उनके पास दैनिक उपयोग की वस्तुओं को खरीदने के लिए धन नहीं रहता था। शहरों में उनके रहने-ठहरने की समुचित व्यवस्था नहीं थी।

9. भारत में निरुद्योगीकरण क्यों हुआ ?

उत्तर ⇒ 1850 के बाद अंग्रेजी सरकार की औद्योगिक नीतियों – मुक्त व्यापार की नीति, भारतीय वस्तुओं के निर्यात पर सीमा और परिवहन शुल्क लगाने, रेलवे, कारखानों में अंग्रेजी पूँजी निवेश, भारत में अंग्रेजी आयात का बढ़ावा देने इत्यादि के फलस्वरूप भारतीय उद्योगों का विनाश हुआ। कारखानों की स्थापना की प्रक्रिया बढ़ी जिससे देशी उद्योग अपना महत्त्व खोने लगे। इससे भारतीय उद्योगों का निरुद्योगीकरण हुआ।

10. सस्ते श्रम ने किस प्रकार औद्योगिकीकरण को बढ़ावा दिया ?

उत्तर ⇒ सस्ते श्रम की उपलब्धता औद्योगिकीकरण के विकास के लिए आवश्यक था। ब्रिटेन में बाड़ाबंदी अधिनियम 1792 ई० से लागू हुआ। बाड़ाबंदी प्रथा के कारण जमींदारों ने छोटे-छोटे खेतों को खरीदकर बड़े-बड़े फार्म स्थापित किए। किसान भूमिहीन मजदूर बन गए। बाड़ाबंदी कानून के कारण बेदखल भमिहीन किसान कारखानों में काम करने के लिए मजबूर हुए। ये कम मजदूरी पर भी काम करने को

बाध्य थे। इस सस्ते श्रन ने उत्पादन को बढ़ाने में सहायता की। परिणामस्वरूप औद्योगिकीकरण का मार्ग प्रशस्त हुआ।

11. 1881 के प्रथम कारखाना अधिनियम (फैक्ट्री एक्ट) का परिचय दें।

उत्तर ⇒ 1881 में पहला "फैक्ट्री एक्ट" (कारखाना अधिनियम) पारित हुआ। इसके द्वारा 7 वर्ष से कम आयु के बच्चों को कारखाना में काम करने पर प्रतिबंध लगाया गया, 12 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए काम के घंटे तय किये गये तथा महिलाओं के भी काम के घंटे एवं मजदूरी तय की गई।

12. घरेलू और कटीर उद्योग को परिभाषित करें।

उत्तर ⇒ घरेलू उद्योगों में मशीनों का उपयोग नहीं होता था। जैसे खाद्य प्रसंस्करण, निर्माण, मिट्टी के बरतन बनाना, काँच का सामान बनाना, वस्त्र निर्माण, चमड़े का सामान बनाना, फर्नीचर निर्माण आदि घरेलू उद्योगों की श्रेणी में आते हैं। कुटीर उद्योग उपभोक्ता वस्तुओं अत्यधिक संख्या को रोजगार तथा राष्ट्रीय आय का अत्यधिक सामान वितरण सुनिश्चित करते हैं। कुटीर उद्योग जनसंख्या के बड़े शहरों में प्रवाह को रोकता है।

13. इंगलैंड ने अपने वस्त्र उद्योग को बढ़ावा देने के लिए क्या किया ?

उत्तर ⇒ इंगलैंड में यांत्रिक युग का आरंभ सूती वस्त्र उद्योग से हुआ। 1773 में लंकाशायर के वैज्ञानिक जान के ने फ्लाइंग शटल नामक मशीन बनाई। इससे बुनाई की रफ्तार बढी तथा सूत की माँग बढ़ गई। 1765 में ब्लैक बर्न के जेम्स हारग्रीब्ज ने स्पिनिंग जेनी बनाई। जिससे सत की कताई आठ गुना बढ़ गई। रिचर्ड आर्कराइट ने सूत कातने के लिए स्पिनिंग फ्रेम का आविष्कार किया, जिससे अब हाथ से सूत कातने का काम बंद हो गया। क्रॉम्पटन ने स्पिनिंग म्यूल नामक मशीन बनाई। इन मशीनों के आधार पर इंगलैंड में कम खर्च में ही बारीक सूत अधिक मात्रा में बनाए जाने लगे। इससे वस्त्र उद्योग में क्रांति आ गई। इन संयंत्रों की सहायता से इंगलैंड में वस्त्र उद्योग को बढ़ावा मिला।

14. 1813 ई० का चार्टर एक्ट क्या था ?

उत्तर ⇒ 1813 ई० में ब्रिटिश संसद द्वारा पारित अधिनियम था जिसमें व्यापार पर से ईस्ट इंडिया कंपनी का एकाधिपत्य समाप्त कर दिया गया तथा उसके स्थान पर मुक्त व्यापार की नीति (Policy of Free Trade) का अनुसरण किया गया।

15. उत्पादक अपने उत्पादों को प्रचार करने के लिए कौन-कौन से साधन अपनाते थे ?

उत्तर ⇒ उत्पादों को बेचने के लिए एवं ग्राहकों को आकृष्ट करने के लिए उत्पादक अपने सामान पर लेबल लगाते थे। लेबलों से ही उत्पाद की गुणवत्ता स्पष्ट होती थी। अनेक लेबलों पर प्रभावशाली व्यक्तियों और देवी-देवताओं के चित्र बनाए जाते थे जिससे ग्राहक उनकी ओर आकृष्ट होते थे। 19वीं सदी के अंतिम चरण से उत्पादकों ने अपने-अपने उत्पादन के प्रचार के लिए आकर्षक कैलेंडर छपवाने आरंभ किए।

16. स्वदेशी आंदोलन का उद्योगों पर क्या प्रभाव पड़ा ?

उत्तर ⇒ 1905 के बंग – भंग आंदोलन में स्वदेशी और बहिष्कार की नीति से भारतीय उद्योग लाभान्वित हुए। धागा के स्थान पर कपड़ा बनना आरंभ हुआ। इससे वस्त्र उत्पादन में तेजी आई। 1912 तक सूती

GAYA GUIDANCE PROGRAMME

वस्त्र उत्पादन दोगुना हो गया। उद्योगपतियों ने सरकार पर दबाव डाला कि वह आयात-शुल्क में वृद्धि करे तथा देशी उद्योगों को रियायत प्रदान करे। कपडा उद्योग के अतिरिक्त अन्य छोटे उद्योगों का भी विकास स्वदेशी आंदोलन के कारण हुआ।

17. 1850 के बाद ब्रिटिश सरकार ने अपने उद्योगों को विकसित करने के लिए क्या किया? इसका देशी उद्योगों पर क्या प्रभाव पड़ा ?

उत्तर ⇒ 1850 के बाद ब्रिटिश सरकार ने अपने उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए मुक्त व्यापार की नीति अपनाई। भारत से आयातित निर्मित वस्तुओं पर भारी बिक्री कर सीमा शुल्क और परिवहन कर लगाया गया। भारत से कच्चा माल का निर्यात किया जाने लगा। इससे देशी कुटीर उद्योगों पर बुरा प्रभाव पड़ा।

18. 1850 -1914 तक के भारतीय उद्योगों की क्या विशेषता थी ?

उत्तर ⇒ इस अवधि में वैसे उद्योगों को बढ़ावा दिया गया जो निर्यात करनेवाले सामानों का उत्पादन करते थे और जो राष्ट्र के लिए लाभदायक थे जैसे-पटसन और चाय।. साथ ही वैसे माल का उत्पादन हुआ जिसमें विदेशी प्रतिस्पर्धा अधिक नहीं थी।

19. वर्तमान समय में भारत में कितने स्टील प्लांट हैं ?

उत्तर ⇒ वर्तमान समय में भारत में 7 स्टील प्लांट कार्यरत हैं। ये हैं –

(i) इंडियन आयरन एंड स्टील कंपनी, हीरापुर

(ii) टाटा आयरन एंड स्टील कंपनी जमशेदपुर

(iii) विश्वेश्वरैया आयरन एंड स्टील कंपनी, 'भद्रावती (कर्नाटक)

(iv) राउरकेला स्टील प्लांट, राउरकेला

(v) भिलाई स्टील प्लांट, भिलाई

(vi) दुर्गापुर स्टील प्लांट, दुर्गापुर तथा

(vii) बोकारो स्टील प्लांट, बोकारो।

20. स्लम पद्धति की शुरुआत कैसे हुई ?

अथवा, स्लम से आप क्या समझते हैं ? इसकी शुरुआत क्यों और कैसे हुइ ?

उत्तर ⇒ छोटे, गंदे और अस्वास्थ्यकर स्थानों में जहाँ फैक्ट्री मजदूर निवास करते हैं वैसे आवासीय स्थलों को 'स्लम' कहा जाता है।

औद्योगिकीकरण के फलस्वरूप बड़े-बड़े कारखाने स्थापित हुए जिसमें काम करने के लिए बड़ी संख्या में गाँवों से मजदूर पहुँचाने लगे। वहाँ रहने की कोई व्यवस्था नहीं थी। मजदूर कारखाने के निकट रहें, इसलिए कारखानों के मालिकों ने उनके लिए छोटे-छोटे तंग मकान बनवाए। जिसमें सविधाएँ उपलब्ध नहीं थीं। इन मकानों में हवा, पानी तथा रोशनी तथा साफ-सफाई की व्यवस्था भी नहीं थी। इस प्रकार औद्योगिकीकरण के फलस्वरूप स्लम पद्धति की शुरुआत हुई।

21. अठारहवीं शताब्दी में भारत के मुख्य उद्योग कौन-कौन से थे ?

उत्तर ⇒ अठारहवीं शताब्दी तक भारतीय उद्योग विश्व में सबसे अधिक विकसित थे। इस समय कुटीर उद्योग, भारतीय हस्तकला, शिल्प उद्योग मुख्य रूप से प्रचलित थे।

22. भारत की आजादी के बाद कुटीर उद्योग के विकास में भारत सरकार की नीतियों को लिखें।

उत्तर ⇒ कुटीर उद्योगों की उपयोगिता और उनके महत्त्व को देखते हुए स्वतंत्रता के बाद भारत सरकार ने कुटीर उद्योगों को प्रोत्साहन देने के लिए अनेक प्रयास किए हैं। 1948 की औद्योगिक नीति के द्वारा लघु एवं कुटीर उद्योग को प्रोत्साहन दिया गया। 1952-53 में लघु उद्योगों को प्रोत्साहन देने के लिए हथकरघा, सिल्क, खादी, नारियल के रेशे एवं ग्रामीण उद्योग बोर्ड स्थापित किए गए। 1980 की औद्योगिक नीति घोषणा-पत्र में कृषि आधारित उद्योगों को विकसित करने पर बल दिया गया।

23. यातायात की सुविधा ने औद्योगिकीकरण की गति को किस प्रकार तीव्र किया ?

उत्तर ⇒ यातायात की सुविधा ने फैक्ट्री से उत्पादित वस्तुओं को एक जगह से दूसरे जगह पर ले जाने तथा कच्चा माल के फैक्ट्री तक लाने में सहायता की। रेलमार्ग शुरू होने से पहले नदियों एवं समुद्र के रास्ते व्यापार होता था। जहाजों के द्वारा माल को तटों पर पहुँचाया जाता था। रेल के विकास ने औद्योगिकीकरण की गति को तीव्र कर दिया। रेलों द्वारा कोयला, लोहा एवं अन्य औद्योगिक वस्तुओं को कम समय में और कम खर्च पर ले जाना संभव हुआ। अतः यातायात की इन सुविधाओं ने औद्योगिकीकरण की गति को तीव्र कर दिया

24. भारत में सूती वस्त्र उद्योग का विकास लिखें।

उत्तर ⇒ भारत में कुटीर उद्योग के पतन के बाद देशी एवं विदेशी पूँजी लगाकर वस्त्र उद्योग की कई फैक्ट्रियाँ खोली गयी। 1851 में बंबई में सर्वप्रथम सूती कपड़े की मिल खोली गई। 1854 में पहला वस्त्र उद्योग का कारखाना कावसजी नानाजी दाभार ने खोला। सन् 1854 से 1880 तक 30 कारखानों का निर्माण हुआ। 1880 से 1895 तक सूती कपड़ों के मिलों की संख्या 39 से भी अधिक हो गई। इस समय सस्ते मशीनों को आयात करके भारत में सूती वस्त्र उद्योग को बहुत बढ़ाया गया 1895 से 1914 तक के बीच सूती मिलों की संख्या 144 तक पहुँच गयी थी और भारतीय सूती धागे का निर्यात चीन को होने लगा।

1. शहरीकरण से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर ⇒ शहरीकरण एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके द्वारा ग्रामीण बस्तियाँ, कस्बा या शहरों में परिवर्तित हो जाते हैं। इससे एक नई अर्थव्यवस्था उत्पन्न हुई जिसम कृषि-पशुपालन का स्थान, व्यापार, शिल्प और उद्योग धंधों ने ले लिया।

2. शहर किस प्रकार के क्रियाओं के केन्द्र होते हैं ?

उत्तर ⇒ शहर विभिन्न प्रकार की क्रियाओं के केन्द्र होते हैं, जैसे — रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार वाणिज्य, यातायात आदि। शहर गतिशील अथव्यवस्था जा मुद्रा प्रधान होती है उसके भी केन्द्र होते हैं। शहर राजनीतिक प्राधिकार का भी एक महत्त्वपूर्ण केन्द्र होता है।

3. शहरों में मध्यम वर्ग की भूमिका पर प्रकाश डालें।

उत्तर ⇒ शहरों में पूँजीपति वर्ग एवं श्रमिक वर्ग के साथ-साथ मध्यम वर्ग का भी उदय और विकास हुआ। ये नए सामाजिक समूह के रूप में उभरे। इस समूह में बुद्धिजीवी, नौकरी पेशा समूह, राजनीतिज्ञ, चिकित्सक, व्यापारी प्रमुख थे। व्यावसायिक वर्ग नगरों के विकास का प्रमुख कारण बना जिससे शहरों को नई सामाजिक-आर्थिक स्वरूप प्राप्त हुआ। बुद्धिजीवी एवं राजनीतिक वर्ग ने नया राजनीतिक-सामाजिक चिंतन दिया तथा विभिन्न आंदोलनों को दिशा एवं नेतृत्व प्रदान किया।

4. किन तीन प्रक्रियाओं के द्वारा आधुनिक शहरों की स्थापना निर्णायक रूप से हुई ?

उत्तर ⇒ जिन तीन ऐतिहासिक प्रक्रियाओं ने आधुनिक शहरों की स्थापना में निर्णायक भूमिका निभाई वे निम्नलिखित हैं –

(i) औद्योगिक पूँजीवाद का उदय,

(ii) विश्व के विशाल भू-भाग पर औपनिवेशिक शासन की स्थापना,

(iii) लोकतांत्रिक आदर्शों का विकास।

5. शहरों ने किन नई समस्याओं को जन्म दिया ?

उत्तर ⇒ नये-नये शहरों का उदय और शहरों की बढ़ती जनसंख्या ने शहरों में नई-नई समस्याओं को जन्म दिया। शहरों में श्रमिकों की बढ़ती आबादी ने कई नई समस्याओं को जन्म दिया जैसे — बेरोजगारी में वृद्धि, आवास की समस्या तथा स्वास्थ्य संबंधी समस्या इत्यादि।

6. शहरों और गाँवों में मुख्य अंतर क्या है ?

उत्तर ⇒ शहरों और गाँवों में मुख्य अंतर यह है कि ग्रामीण लोगों की आजीविका जहाँ कृषि, पशुपालन एवं घरेलू उद्योग-धंधों पर आश्रित होती है वहीं शहरों में लोग विभिन्न व्यवसायों व्यापार, उद्योग, नौकरी में लगे होते हैं।

7. शहरीकरण का पुरुषों और महिलाओं पर समान रूप से क्या प्रभाव पड़ा ?

उत्तर ⇒ शहरीकरण का पुरुषों और महिलाओं पर समान प्रभाव पड़ा। दोनों की व्यक्तिगत स्वतंत्रता, अधिकारों और कार्यों पर बल दिया गया।

8. शहरीकरण का पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ा ? इसे रोकने के लिए क्या प्रयास किए गए ?

उत्तर ⇒ शहरीकरण के कारण कल-कारखानों की स्थापना, चिमनियों से निकलनेवाले धुएँ, बेतरतीब भीड़, लोगों और सवारियों की आवाजाही, गंदगी और धूल से पर्यावरण काफी दूषित हो गया। अतः पर्यावरण की सुरक्षा के लिए समय-समय पर प्रयास किए गए। 1840 के दशक में इंग्लैंड के प्रमुख औद्योगिक नगरों में धुआँ नियंत्रण कानून लागू किया गया। भारत में 1863 में कलकत्ता में धुआँ-निरोधक कानून बनाया गया।

9. नगरीय जीवन एवं आधुनिकता एक – दूसरे से अभिन्न रूप से कैसे जुड़े हुए हैं ?

उत्तर ⇒ शहरों (नगरों) का सामाजिक जीवन आधुनिकता के साथ अभिन्न रूप से जोड़ा जा सकता है। वास्तव में नगरीय जीवन एवं आधुनिकता एक-दूसरे की अंतभिव्यक्ति है। शहरों को आधुनिक व्यक्ति का प्रभाव क्षेत्र माना जाता है। शहर व्यक्ति को संतष्ट करने के लिए अंतहीन संभावनाएँ प्रदान करता है। आधुनिकीकरण ने नगरीय जीवन को काफी हद तक प्रभावित किया है।

GAYA GUIDANCE PROGRAMME

10. यूरोपीय इतिहास में 'घेटो' का क्या अर्थ है ?

उत्तर ⇒ यूरोपीय इतिहास में 'घेटो' शब्द का सामान्यत: अर्थ मध्य यूरोपीय शहरों में यहूदियों की बस्ती के लिए प्रयोग किया जाता था। लेकिन आज के संदर्भ में यह विशिष्ट धर्म, नजाति, जाति या समान पहचानवाले लोगों के साथ रहने को इंगित करता है। घेटोकरण की प्रक्रिया में मिश्रित विशेषताओं वाले पडोस के स्थान पर एक समुदाय पड़ोस में बदलाव का होना, सामुदायिक दंगों को ये एक विशिष्ट देशिक रूप देते हैं।

11. आर्थिक तथा प्रशासनिक संदर्भ में ग्रामीण तथा नगरीय व्यवस्था के दो प्रमुख आधार क्या हैं ?

उत्तर ⇒ आर्थिक तथा प्रशासनिक संदर्भ में ग्रामीण तथा नगरीय व्यवस्था के दो प्रमुख आधार हैं –

(i) जनसंख्या का घनत्व- शहरों में जनसंख्या का घनत्व अधिक होता है।

(ii) कृषि आधारित आर्थिक क्रियाओं का अनुपात- कृषि आधारित आर्थिक क्रियाओं का अनुपात गाँवों में अधिक होता है।

12. चार्टिस्ट आंदोलन क्यों चलाया गया था ?

उत्तर ⇒ बालिग पुरुषों के लिए मताधिकार की माँग को लेकर इंगलैंड में चार्टिस्ट आंदोलन चलाया गया।

13. 19वीं, 20वीं शताब्दियों में लंदन में कामकाजी महिलाओं में किस प्रकार का बदलाव आया ? इसके क्या कारण थे ?

उत्तर ⇒ 18वीं, 19वीं शताब्दी में जब इंगलैंड में कारखाने स्थापित होने लगे, तब बड़ी संख्या में स्त्रियाँ भी इनमें काम करने लगी। कुछ समय बाद तकनीक में परिवर्तन के कारण जब कुशल श्रमिकों की आवश्यकता हुई तो इन स्त्रियों को कारखानों से हटाया जाने लगा। कारखानों में काम बंद होने पर स्त्रियाँ घरेलू काम-धंधों में लग गई। 1861 की जनगणना के अनुसार लंदन में ढाई लाख घरेलू नौकर थे जिनमें महिलाओं की संख्या अधिक थी। अनेक औरतें अपने परिवार की आमदनी बढ़ाने के लिए अपने मकान में पेईंग गेस्ट को रख लेती थी। कुछ स्त्रियाँ अपने घर ही रहकर कपड़े सिलने, ऊनी वस्त्र बुनने तथा कपड़ा धोने का काम करने लगी। प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान जब पुरुष बड़ी संख्या में युद्ध में शामिल होने लगे तथा युद्धकालीन आवश्यक सामग्रियों की माँग बढ़ गई तो महिलाएँ पुनः घरेलू काम छोड़कर विभिन्न उद्योगों में काम करने लगी। दफ्तरों में भी उन्हें रोजगार के अवसर मिले। इस प्रकार महिलाओं की आर्थिक क्रियाकलापों में महत्त्वपूर्ण भागीदारी रही।

14. 19वीं शताब्दी के मध्य में बंबई की आबादी में भारी वृद्धि क्यों हुई ?

उत्तर ⇒ 19वीं शताब्दी से बंबई का विकास एक महत्त्वपूर्ण बंदरगाह के रूप र क विकास के साथ-साथ यहाँ प्रशासकीय गतिविधियाँ भी बढ़ गई। अत: यह पश्चिम भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी का मुख्यालय भी बन गया। औद्योगिकीकरण का जब विकास हुआ तो बंबई बड़े औद्योगिक केंद्र के रूप में बदल गया। इसके बाद बंबई का तेजी से विकास हुआ। शहर फैलने लगा, व्यापारी, कारीगर, उद्योगपति, दुकानदार, श्रमिक बड़ी संख्या में आकर यहाँ बसने लगे। इससे बंबई पश्चिमी भारत का सबसे प्रमुख नगर बन गया तथा इसकी आबादी काफी बढ़ती गयी।

15. व्यावसायिक पूँजीवाद ने किस प्रकार नगरों के उद्भव में अपना योगदान दिया ?

GAYA GUIDANCE PROGRAMME

उत्तर ⇒ नगरों के उद्भव का एक प्रमुख कारण व्यावसायिक पूँजीवाद के उद्भव के साथ संभव हुआ। व्यापक स्तर पर व्यवसाय, बड़े पैमाने पर उत्पादन, मुद्रा प्रधान अर्थव्यवस्था, शहरी अर्थव्यवस्था जिसमें काम के बदले वेतन, मजदूरी का नगद भुगतान, एक गतिशील एवं प्रतियोगी अर्थव्यवस्था, स्वतंत्र उद्यम, मुनाफा कमाने की प्रवृत्ति, मुद्रा, बैंकिंग, साख बिल का विनिमय, बीमा, अनुबंध, कंपनी साझेदारी, ज्वाएंट स्टॉक, एकाधिकार आदि इस पूँजीवादी अर्थव्यवस्था की विशेषताओं ने नये-नये नगरों के उद्भव में अपना योगदान दिया।

16. गाँव के कृषिजन्य आर्थिक क्रियाकलापों की विशेषता को दर्शायें।

उत्तर ⇒ गाँव के कृषिजन्य आर्थिक क्रियाकलापों की विशेषता मुख्य रूप से यह है कि गाँव की आबादी का एक बड़ा हिस्सा कृषि संबंधी व्यवसाय से जुड़ा होता है। अधिकांश वस्तुएँ कृषि उत्पाद से जुड़ी होती हैं जो इनकी आय का प्रमुख स्रोत होती है। गाँव की कषि प्रधान अर्थव्यवस्था मूलतः जीवन-निर्वाह अर्थव्यवस्था की अवधारणा पर आधारित होती हैं।

17. समाज का वर्गीकरण ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में किस भिन्नता के आधार पर किया जाता है ?

उत्तर ⇒ गाँव एवं शहरों में सामाजिक वर्गीकरण मुख्यतः व्यवसाय में भिन्नता के आधार पर किया जाता है। ग्रामीण आबादी का एक बहुत बड़ा भाग मुख्यतः कृषिजन्य क्रियाकलापों से सम्बद्ध होता है। इसके विपरीत शहरी आबादी मख्यतः गैर कृषि व्यवसायों, नौकरी, उद्योग तथा व्यापार में संलग्न होती है।

18. उन दो कानूनों के नाम लिखें जिनके द्वारा इंगलैंड में बाल श्रमिकों को कारखानों में काम करने से रोक दिया गया।

उत्तर ⇒ (i) अनिवार्य प्राथमिक शिक्षा तथा

(ii) 1902 में फैक्ट्री कानून बनाकर इंगलैंड में बाल श्रमिकों को कारखानों में काम करने से रोक दिया गया।

23. श्रमिक वर्ग का आगमन शहरों में किन परिस्थितियों के अंतर्गत हुआ ?

उत्तर ⇒ आधुनिक शहरों में जहाँ एक ओर पूँजीपति वर्ग का अभ्युदय हुआ तो दूसरी ओर श्रमिक वर्ग का। शहरों में फैक्ट्री प्रणाली की स्थापना के कारण कृषक वर्ग जो लगभग भूमिविहीन कृषि वर्ग के रूप में थे, शहरों की ओर बेहतर रोजगार के अवसर को देखते हुए भारी संख्या में इनका पलायन हुआ। इस तरह शहरों में रोजगार की अपार संभावनाओं को देखते हुए गाँवों से शहरों की ओर श्रमिक वर्ग का आगमन हुआ।

19. नागरिक अधिकारों के प्रति एक नई चेतना किस प्रकार का आंदोलन या प्रयास से बनी ?

उत्तर ⇒ नगरीय सभ्यता ने पुरुषों के साथ-साथ महिलाओं में भी व्यक्तिवाद की भावना को उत्पन्न किया। एक ओर उनके अधिकारों के लिए विभिन्न आंदोलन चलाए गए। महिलाओं के मताधिकार आंदोलन या विवाहित महिलाओं के लिए संपत्ति में अधिकार आदि आंदोलन के माध्यम से महिलाओं में नागरिक अधिकारों के प्रति एक नई चेतना विकसित हुई। उन्नीसवीं शताब्दी में अधिकतर आंदोलन जैसे चार्टिस्ट (सभी वयस्क पुरुषों के लिए चलाया गया आंदोलन), दस घंटे का आंदोलन (कारखानों में काम के घंटे

निश्चित करने के लिए चला आंदोलन) आदि के द्वारा नागरिक अधिकारों के प्रति एक नई चेतना को विकसित किया।

1. वैश्वीकरण से क्या समझते हैं ?

उत्तर ⇒ साधारण भाषा में वैश्वीकरण का अर्थ है अपनी अर्थव्यवस्था और विश्व अर्थव्यवस्था में सामंजस्य स्थापित करना। इसके अंतर्गत अनेक विदेशी उत्पाद अपना सामान और सेवाएँ बेच सकते हैं। इसी प्रकार हम अपने देश से निर्मित माल और सेवाएँ दूसरे देशों में बेच सकते हैं। इस प्रकार वैश्वीकरण के कारण विभिन्न देश अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक–दूसरे पर परस्पर रूप में निर्भर रहते हैं।

2. भूमंडलीकरण किसे कहते हैं ?

उत्तर ⇒ भूमंडलीकरण राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक, वैज्ञानिक तथा सांस्कृतिक जीवन के विश्वव्यापी समायोजन की प्रक्रिया है जो विश्व के विभिन्न भागों के लोगों को भौतिक व मनोवैज्ञानिक स्तर पर एकीकृत करने का सफल प्रयास करता है।

3. भूमंडलीकरण में बहुराष्ट्रीय कंपनियों के योगदान (भूमिका) को स्पष्ट करें।

उत्तर ⇒ 19वीं शताब्दी के मध्य से जब पूँजीवाद विश्वव्यापी व्यवस्था बन गया. भमंडलीकरण का स्वरूप भी व्यापक होता गया। इस समय पूँजी का निर्यात अंतर्राष्टीय आर्थिक संबंधों की एक मुख्य विशेषता बन गई और व्यापार का परिमाण भी काफी बढा। धीरे–धीरे यह संपूर्ण विश्व के अर्थतंत्र का नियामक हो गया। इसके प्रभाव को कायम करने में विश्व बैंक, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व व्यापार संस्था तथा पूँजीवादी देशों की बड़ी–बड़ी व्यापारिक और औद्योगिक कंपनियाँ जिन्हें हम बहुराष्ट्रीय कंपनी कहते हैं, का बहुत बड़ा योगदान था। मुक्त बाजार, मुक्त व्यापार, खुली प्रतिस्पर्धा बहुराष्ट्रीय निगमों (कंपनी) का प्रसार, उद्योग तथा सेवा क्षेत्र का निजीकरण उक्त आर्थिक भूमंडलीकरण के मुख्य तत्त्व हैं।

4. भूमंडलीकरण के भारत पर प्रभावों को स्पष्ट करें।

उत्तर ⇒ भूमंडलीकरण के प्रभाव से भारत भी अछूता नहीं रहा। भूमंडलीकरण के कारण भारतीय लोगों का जीवन स्तर ऊँचा उठा। भूमंडलीकरण के कारण भारतीय लोगों में रोजगार के कई नवीन अवसर को उपलब्ध कराया गया जिसके कारण भारतीय लोगों के जीविकोपार्जन के क्षेत्र में काफी बदलाव आया। जैसे टर । एवं ट्रेबल एजेंसी (यातायात की सुविधा), रेस्टोरेंट रेस्ट हाउस, आवासीय होटल । इत्यादि। सूचना एवं संचार के क्षेत्र में भी क्रांति आई जिससे इस क्षेत्र में भी भारतीय लोगों को रोजगार के अवसर पैदा हुए।

5. आर्थिक संकट से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर ⇒ आर्थिक मंदी अर्थव्यवस्था में आनेवाली वैसी स्थिति है जब कृषि, उद्योग तथा व्यापार का विकास अवरुद्ध हो जाए। लाखों लोग बेरोजगारी की स्थिात में आ जाते हैं बैंकों और कंपनियों का दिवालियापन तथा वस्तु और मुद्रा दाना का बाजार में कोई कीमत नहीं रह जाती है।'

6. औद्योगिक क्रांति क्या थी ?

उत्तर ⇒ साधारणतया औद्योगिक क्रांति का तात्पर्य ऐसी प्रक्रिया से है जिसम वस्तओं का उत्पादन मानव श्रम के द्वारा न होकर मशीनों द्वारा कारखानो म हाता है। वाष्प शक्ति से संचालित मशीनों द्वारा कारखानों में व्यापक पैमाने पर वस्तुओ का अधिशेष उत्पादन ही औद्योगिक क्रांति थी।

7. ब्रटेन वुड्स सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य क्या था ?

उत्तर ⇒ ब्रटेन वुड्स सम्मेलन जुलाई, 1944 ई० में अमेरिका के न्यू हैम्पशायर स्थान पर हुआ था जिसका मुख्य उद्देश्य औद्योगिक विश्व में आर्थिक स्थिरता एवं पूर्ण रोजगार था। क्योंकि इसी आधार पर विश्व शांति स्थापित की जा सकती थी।

8. औद्योगिक क्रांति ने किस तरह विश्व बाजार के स्वरूप को विस्तृत किया ?

उत्तर ⇒ विश्व बाजार के स्वरूप को विस्तृत करने में औद्योगिक क्रांति की महत्त्वपूर्ण भूमिका थी। कारखानों के लिए कच्चा माल उपलब्ध कराने तथा उत्पादित वस्तुओं के लिए बाजार उपलब्ध कराने का काम विश्व बाजार ने किया। इस प्रक्रिया में उपनिवेशवाद ने महत्त्वपूर्ण योगदान किया। साथ ही व्यापार, पूँजी के प्रवाह और ‘ श्रमिकों के पलायन ने भी विश्व बाजार के स्वरूप को विस्तृत किया।

9. विश्व बाजार के लाभ-हानि पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

उत्तर ⇒ विश्व बाजार के लाभ –

(i) यह सभी वर्गों के हितों की सुरक्षा करता है।
(ii) इससे व्यापार और उद्योग को तीव्र गति मिली।
(iii) बैंकिंग और बीमा व्यवसाय का उदय हुआ।
(iv) उपनिवेशों में औद्योगिकीकरण और आधुनिकीकरण हुआ, जैसे–भारत में।
(v) कृषि क्षेत्र में परिवर्तन आया।
(vi) शहरीकरण और जनसंख्या में वृद्धि हुई।

हानियाँ –

(i) एशिया और अफ्रीका में उपनिवेशवाद और साम्राज्यवाद का युग आरंभ हुआ।
(ii) गरीबी, अकाल और भूखमरी बढ़ गई।
(iii) उग्र राष्ट्रवाद का विकास हुआ।

10. गिरमिटिया मजदूरों पर एक टिप्पणी लिखें।

उत्तर ⇒ गिरमिटिया मजदूर वैसे श्रमिक थे जिन्हें अनुबंध के अंतर्गत भारत से ले जाया गया था। इन्हें पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी बिहार, पंजाब, हरियाणा से जमैका, फिजी, त्रिनिदाद–टोबैगो मारीशस आदि देशों में ले जाया गया। इन्हें मुख्यतः नगदी फसलों (गन्ना) के उत्पादन में लगाया जाता था। 1921 में ब्रिटिश सरकार ने यह व्यवस्था बंद कर दी।

11. भारत पर आर्थिक महामंदी के क्या प्रभाव पड़े ?

उत्तर ⇒ भारत पर आर्थिक महामंदी के निम्नलिखित प्रभाव पड़े

(i) आर्थिक महामंदी से भारत का आयात–निर्यात व्यापार घटकर आधा हो गया।
(ii) आर्थिक महामंदी का सबसे बुरा प्रभाव भारत के किसानों को हुआ।
(iii) आर्थिक महामंदी से शहरी वर्ग प्रभावित नहीं हुआ।
(iv) महामंदी के प्रभाव को कम करने के लिए सरकार भारत से सोने का निर्यात करने लगी।
(v) आर्थिक महामंदी के कारण ही महात्मा गांधी को सविनय अवज्ञा आंदोलन प्रारंभ करना पड़ा।

12. बहुराष्ट्रीय कंपनी क्या है ?

उत्तर ⇒ कई देशों में एक ही साथ व्यापार और व्यवसाय करनेवाले कंपनियों . को बहुराष्ट्रीय कंपनी कहा जाता है। ये बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ पूँजीवादी देशों की बड़ी–बड़ी व्यापारिक और औद्योगिक कंपनियाँ हैं।

13. अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक विनिमय किन तीन प्रवाहों पर आधृत है?
उत्तर ⇒ अर्थशास्त्रियों के अनुसार अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक विनिमय तीन प्रकार के प्रवाहों पर आधृत हैं, ये हैं—
(i) व्यापार,
(ii) श्रम तथा
(iii) पूँजी।
14. ब्रेटन वुड्स सम्मेलन में स्थापित दो वित्तीय संस्थाओं के नाम लिखें।
उत्तर ⇒ ब्रेटन वुड्स सम्मेलन में स्थापित दो वित्तीय संस्था थी –
(i) अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष एवं
(ii) विश्व बैंक।
15. विश्व बाजार के स्वरूप को स्पष्ट करें।
उत्तर ⇒ 19 वीं शताब्दी से विश्व में अनेक महत्त्वपूर्ण बदलाव आए। ये बदलाव आर्थिक, राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और तकनीकी कारणों से आए जिसका समस्त विश्व पर व्यापक प्रभाव पड़ा। औद्योगिक क्रांति के द्वारा उत्पादन के बढ़ते आकार के कारण कच्चे माल तथा तैयार वस्तुओं की बिक्री के लिए बाजार की आवश्यकता हुई। इस विश्व बाजार के स्वरूप का आधार था कपडा उद्योग। औद्योगिक क्रांति के फैलाव के साथ–साथ बाजार का स्वरूप भी विश्वव्यापी होता गया।

1. गुटेनबर्ग ने मुद्रणयंत्र का विकास कैसे किया ?
उत्तर ⇒ यूरोप में छापाखाना के आविष्कार का श्रेय सर्वप्रथम जर्मनी के योहान गुटेनबर्ग को है जिसने 1448 ई० में छापाखाना का आविष्कार किया। जैतून पेरने की मशीन को आधार बनाकर उसने प्रिंटिंग प्रेस का विकास किया। इस छपाई मशीन में पेंच की सहायता से लंबा हैंडल लगाया गया था। पेंच को घुमाकर प्लाटेन को गीले कागज पर दबाया जाता था। साँचे का उपयोग कर अक्षरों की धातु की आकृतियों को ढाला गया। इन टाइपों को घुमाने या 'मूव' करने की व्यवस्था की गई थी।
2. भारतीय प्रेस की किन्हीं तीन विशेषताओं का वर्णन करें।
उत्तर ⇒ भारतीय प्रेस की विशेषताएँ निम्नलिखित हैं –
(i) यह ब्रिटिश सरकार के विरुद्ध भारतीयों की भावना को एकरूप देने, उसकी नीतियों एवं शोषण के विरुद्ध जागृति लाने एवं देशप्रेम की भावना जागृत कर राष्ट्र निर्माण में इसने महत्त्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया।
(ii) इसके द्वारा न्यायिक निर्णयों में पक्षपात, धार्मिक एवं सामाजिक सुधार आंदोलन को बल मिला तथा भारतीय जनमत जाग्रत हुआ।
(iii) इसने न केवल राष्ट्रवादी आंदोलन को एक नई दिशा दी अपितु भारत में शिक्षा को प्रोत्साहन, आर्थिक विकास एवं औद्योगिकीकरण तथा श्रम आंदोलन को भी प्रोत्साहित करने का कार्य किया।
3. वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट पारित करने का क्या उद्देश्य था ?
उत्तर ⇒ वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट पारित करने का मुख्य उद्देश्य था –

(i) सरकार वैसी कोई पत्र–पत्रिका अथवा समाचार पत्र को मुक्त रूप से प्रकाशित नहीं होने देना चाहती थी जिसमें सरकारी व्यवस्था और नीतियों की आलोचना हो तथा

(ii) भारत में उभरते राष्ट्रवाद के प्रसार को रोकने के लिए।

4. इक्वीजीशन से आप क्या समझते हैं ? इसकी जरूरत क्यों पड़ी ?

उत्तर ⇒ धर्म–विरोधी विचारों के प्रसार को रोकने के लिए रोमन चर्च ने इक्वीजीशन नामक संस्था का गठन किया। यह एक प्रकार का धार्मिक न्यायालय था। इसका काम धर्म विरोधियों की पहचान कर उन्हें दंडित करना था। नये धार्मिक विचारों के प्रसार को रोकने के लिए चर्च ने प्रकाशकों और पुस्तक विक्रेताओं पर अनेक प्रतिबंध लगा दिये जिससे वे धार्मिक स्वरूप को चुनौती देनेवाली सामग्री का प्रकाशन नहीं कर सकें। 1558 से चर्च प्रतिबंधित पुस्तकों की सूची रखने लगा जिससे उनका पुनर्मुद्रण और वितरण नहीं हो सके।

5. लॉर्ड लिटन ने राष्ट्रीय आंदोलन को गतिमान बनाया । कैसे ?

उत्तर ⇒ देशी भाषाओं के समाचार–पत्र को नियंत्रण में लाने के लिए लॉर्ड लिटन ने 1878 ई० में वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट पारित किया। देशी समाचार पत्र खुलकर औपनिवेशिक शासन के शोषणकारी नीतियों के खिलाफ राष्ट्रवादी भावना को उत्पन्न कर रहे थे। इसी को ध्यान में रखकर लिटन ने देशी भाषा समाचार–पत्र अधिनियम के माध्यम से समाचार–पत्रों पर अधिक प्रतिबंध लगाया तथा इसे नियंत्रण में लाने का प्रयास किया था। लॉर्ड लिटन के वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट ने राष्ट्रीयता की भावना एवं जन असंतोष में उबाल लाने का कार्य किया ही, साथ ही साथ राष्ट्रीय आंदोलन को भी गतिमान बनाया।

6. निम्नलिखित के बारे में 30 शब्दों में लिखें।

1. **छापाखाना**
2. **गुटेनबर्ग**
3. **वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट**
4. **प्रोटेस्टेंटवाद**
5. **रेशम मार्ग**
6. **सर सैयद अहमद**
7. **यंग इंडिया**
8. **मराठा**
9. **बाइबिल**

1. छापाखाना – छापाखाना के आविष्कार का महत्त्व इस भौतिक संसार में आग, पहिया और लिपि की तरह है जिसने अपनी उपस्थिति से पूरे विश्व की जीवन शैली को एक नया आयाम दिया। छापाखाना के आविष्कार और विकास का श्रेय चीन को है।

2. **गुटेन्वर्ग** – गुटेन्वर्ग का जन्म जर्मनी के मेन्जनगर में एक कृषक–जमींदार व्यापारी परिवार में हुआ था। छापाखाना का आविष्कार गुटेन्वर्ग ने 1450 में किया। गुटेन्वर्ग ने मुद्रण स्याही का भी निर्माण किया। गुटेन्वर्ग छपाई मशीन को 'मूवेबल टाइप प्रिंटिंग मशीन' कहा गया।

3. **वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट** – 1878 ई० में लॉर्ड लिटन ने वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट पारित किया था। यह एक्ट देशी समाचार पत्रों को नियंत्रण में लाने के लिए पास किया गया था क्योंकि देशी भाषा वाले समाचार पत्र सरकार की साम्राज्यवादी नीतियों के विरुद्ध राष्ट्रवादी भावना को उत्पन्न कर रहे थे।

4. **प्रोटेस्टेंटवाद** – मार्टिन लूथर के लेख के व्यापक प्रभाव से रोमन कैथोलिक चर्च में विभाजन हो गया। लूथर ने ईसाई धर्म की नई व्याख्या प्रस्तुत की। उसके समर्थक प्रोटेस्टेंट कहलाए। धीरे–धीरे प्रोटेस्टेंट संप्रदाय ईसाई धर्म का प्रमुख संप्रदाय बन गया। प्रोटेस्टेंटवाद यह मानता था कि चर्च के रोमन कैथोलिक समुदाय में बुराई तथा भ्रष्टाचार व्याप्त है। अतः चर्च में सुधार की आवश्यकता है।

5. **रेशम मार्ग** – समरकन्द – पर्शिया–सिरिया मार्ग को रेशम मार्ग कहा जाता था। यह एशिया से यूरोप पहुँचने का व्यापारियों का मार्ग था। इसी रेशम मार्ग से ग्यारहवीं शताब्दी में चीन से कागज यूरोप पहँचा।

6. **सर सैयद अहमद** – सर सैयद अहमद अलीगढ़ आंदोलन के प्रणेता थे। मुस्लिमों के बीच शिक्षा का प्रसार करने में सर सैयद अहमद का बहुत ही महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है। सर सैयद अहमद के राष्ट्रीय राजनीति में बढ़ते प्रभाव के कारण ही उर्दू प्रेस को कांग्रेस समर्थित राष्ट्रीय आंदोलन एवं अंग्रेजी राज से मुसलमानों के संबंधों की नई व्यवस्था करने के लिए प्रेरित किया।

7. **यंग इंडिया** – 'यंग इंडिया' नामक पत्र का संपादन महात्मा गाँधी के द्वारा उनके विचारों एवं राष्ट्रवादी आंदोलन का प्रचार करने के लिए किया गया था। इस पत्र के माध्यम से गाँधीजी ने सरकार को अपने राजनैतिक दर्शन एवं राजनीतिक कार्यक्रमों से अवगत कराया तथा भारतीयों को एक बड़े आंदोलन के लिए प्रशिक्षित किया।

8. **मराठा** – अंग्रेजी भाषा में 'मराठा' नामक समाचार–पत्र की शुरुआत बाल गंगाधर तिलक के संपादन में 1881 ई० में बंबई से हुई। यह पत्र उग्रराष्ट्रवादी विचारों से प्रभावित था तथा इसका जनमानस पर व्यापक प्रभाव था।

9. **बाइबिल** – बाइबिल ईसाइयों का पवित्र धर्म ग्रंथ है। गुटेन्वर्ग प्रेस में जो पहली पुस्तक छपी वह ईसाई धर्मग्रंथ बाइबिल ही था। गुटेन्वर्ग ने मुद्रण एवं हैण्ड प्रेस का विकास कर 36 लाइन में बाइबिल को 1448 ई० में छापा।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. इटली के एकीकरण में मेजनी ,काबूर और गैरीबाल्डी के योगदान को बताएं ।

उत्तर. मेजिनी दार्शनिक, साहित्यकार, राजनेता के साथ-साथ लोकतांत्रिक विचारों का समर्थक और कुशल सेनापति था । राष्ट्रवादी भावना से प्रेरित होकर ही उसने गुप्त क्रांतिकारी संगठन का कार्बोनारी की सदस्यता ग्रहण की थी। मेटरनिक युग के पतन के बाद इटली में मेजिनी का प्रादुर्भाव हुआ। अपने गणतंत्रवादी उद्देश्यों के प्रचार के लिए मेजिनी ने 1831 ई० में मार्सई में 'यंग इटली' की स्थापना की। इसका सदस्य उसने युवाओं को बनाया । 'यंग इटली' का एकमात्र उद्देश्य इटली को आस्ट्रिया के प्रभाव से मुक्त कर उसका एकीकरण करना था। उसने जनता-जनार्दन तथा इटली का नारा बुलंद किया। उग्र राष्ट्रवादी विचारों के कारण मेजिनी को निर्वासित होकर इंगलैंड जाना पड़ा। वहाँ से भी उसने

अपनी रचनाओं द्वारा इटली के स्वाधीनता संग्राम को प्रेरित करना चाहा । मेजिनी को इटली के एकीकरण का । पैगंबर कहा जाता है।

गैरीबाल्डी ज्यूसप गैरीबाल्डी का जन्म 1807 में नीस नामक नगर में हुआ था। यह पेशे से एक नाविक था और मेजिनी के विचारों का समर्थन था परन्तु बाद में काबूर के प्रभाव में आकर संवैधानिक राजतंत्र का समर्थक बन गया । गरीबाल्डी ने सशस्त्र क्रांति के द्वारा दक्षिणी इटली के प्रांतों का एकीकरण कर व गणतंत्र की स्थापना करने का प्रयास किया। गैबाल्डी ने सिसली और नेपल्स पर आक्रमण किया । इन प्रांतों की अधिकांश जनता बुर्बो राजवंश के निरंकुश शासन से तंग होकर गैरीबाल्डी का समर्थक बन गई थी। गैरीबाल्डी ने यहां विक्ट्री मैन्युअल को प्रतिनिधि के रूप में सत्ता संभाली । गैरीबाल्डी के दक्षिण अभियान का काबूर ने भी समर्थन कीया।

1862 में गैरीबाल्डी ने रोम पर आक्रमण की योजना बनाई का बनने गैरीबाल्डी के इन अभियान का विरोध करते हुए रोम की रक्षा के लिए पीडमाउंट की सेना भेज दी । अभियान के बीच में ही गैरीबाल्डी की काबूर से भेंट हो गई। तथा रोम अभियान वहीं खत्म हो गया । दक्षिणी इटली के जीते गए क्षेत्रों को गैरीबाल्डी ने विक्टर इमैनुएल को सौंप दिया । गैरीबाल्डी अपनी सारी सम्पत्ति राष्ट्र को समर्पित कर साधारण किसान का जीवन जीने लगा। जिस त्याग, देशभक्ति और वीरता का परिचय उसने दिया, उसके उदाहरण संसार के इतिहास में बहुत कम मिलते हैं। गैरीबाल्डी के इस चरित्र का भारतीय स्वतंत्रता संग्राम पर बहुत प्रभाव पड़ा।स्वयं लाला लाजपत राय ने गैरीबाल्डी की जीवनी लिखी है।

काबूर को इटली के एकीकरण का राजनीतिज्ञ कहा जाता है। 1850 में वह सार्डिनिया के राजा विक्टर इमैनुएल का मंत्री एवं 1852 में प्रधानमंत्री बना। उसने सैनिक और आर्थिक सुधारों द्वारा सार्डिनिया की स्थिति सुदृढ़ की। पेरिस शांति सम्मेलन में उसने इटली के एकीकरण का प्रश्न उठाया। 1859 में ऑस्ट्रिया को पराजित कर काबूर ने लोम्बार्डी पर अधिकार कर लिया।

2.राष्ट्रवाद के उदय के कारणों एवं प्रभाव की चर्चा करें ।

उत्तर :-उन्नीसवीं सदी के मध्य तक यूरोपीय देशों का रूप वैसा नहीं था जैसा कि आज है। विभिन्न क्षेत्रों पर अलग-अलग वंश के लोग राज करते थे। इन इलाकों में राजतंत्र का शासन हुआ करता था। उस काल में कई ऐसे तकनीकी परिवर्तन हुए जिनके कारण समाज में अभूतपूर्व बदलाव आये। समाज में आये इन परिवर्तनों ने लोगों में राष्ट्रवाद की भावना को जन्म दिया। नये राष्ट्रों के निर्माण की प्रक्रिया 1789 में शुरु होने वाली फ्रांस की क्रांति के साथ शुरु हो गई थी। लेकिन किसी भी नई विचारधारा की तरह राष्ट्रवाद को भी अपनी जड़ जमाने में लगभ एक सदी लग गया। इस लंबी प्रक्रिया के अंतिम चरण में फ्रांस का एक प्रजातांत्रिक देश के रूप में गठन हुआ। उसके बाद यह सिलसिला यूरोप के कई अन्य देशों में भी चलने लगा। बीसवीं सदी की शुरुआत आते आते विश्व के कई हिस्सों में आधुनिक प्रजातंत्र की स्थापना हुई।

नये राष्ट्रों के निर्माण की प्रक्रिया 1789 में शुरु होने वाली फ्रांस की क्रांति के साथ शुरु हो गई थी। लेकिन किसी भी नई विचारधारा की तरह राष्ट्रवाद को भी अपनी जड़ जमाने में लगभ एक सदी लग गया। इस लंबी प्रक्रिया के अंतिम चरण में फ्रांस का एक प्रजातांत्रिक देश के रूप में गठन हुआ। उसके बाद यह सिलसिला यूरोप के कई अन्य देशों में भी चलने लगा। बीसवीं सदी की शुरुआत आते आते विश्व के कई हिस्सों में आधुनिक प्रजातंत्र की स्थापना हुई।

3. जर्मनी के एकीकरण में बिस्मार्क की भूमिका का वर्णन करें ।

उत्तर. जर्मनी के एकीकरण में बिस्मार्क की, महत्त्वपूर्ण भूमिका थी। वह विख्यात राष्ट्रवादी और कूटनीतिज्ञ थे। फ्रैंकफर्ट संसद में उसने भाग लिया। वे रूस और फ्रांस में राजदूत भी रहे। 1862 में वह प्रशा का चांसलर बना। सर्वप्रथम बिस्मार्क ने प्रशा की आर्थिक और सैनिक शक्ति सुदृढ़ की। तत्पश्चात उसने डेनमार्क (1864), आस्ट्रिया (1866-सेडोवा का युद्ध) तथा फ्रांस (1870-सीडान का युद्ध) को पराजित कर जर्मनी का एकीकरण किया। लौह एवं रक्त की नीति का प्रतिपादन बिस्मार्क ने किया था। इस नीति के अनुसार सैन्य शक्ति की सहायता से पूरे जर्मन प्रदेश का एकीकरण करना था।

प्रशा का राजा विलियम प्रथम ने प्रख्यात राष्ट्रवादी और कूटनीतिज्ञ बिस्मार्क को अपना प्रधानमंत्री (चांसलर) नियुक्त किया। जर्मनी के एकीकरण के लिए बिस्मार्क ने 'रक्त और तलवार' की नीति अपनायी। सबसे पहले बिस्मार्क ने आर्थिक सुधारों के द्वारा प्रशा की स्थिति मजबूत की। इससे सैनिक शक्ति सुदृढ़ हुई। प्रशा के एकीकरण के लिए उसने डेनमार्क, आस्ट्रिया तथा फ्रांस के साथ युद्ध किया। इसके परिणामस्वरूप ही यूरोप के नक्शे पर एकीकृत जर्मन राष्ट्र का उदय हुआ।

1. रुसी क्रांति के कारणों की विवेचना करें ।

उत्तर. 1917 की रूसी क्रान्ति के कुछ कारण तो दशकों पुराने थे, तात्कालिक कारणों ने व्याप्त असंतोष का विस्फोट कर दिया। ये कारण निम्नलिखित थे –

(i) जार की निरंकुशता एवं अयोग्य शासन - यद्यपि 19वीं सदी के मध्य में राजतंत्र की शक्ति सीमित की जा चुकी थी। रूसी राजतंत्र अपना विशेषाधिकार छोड़ने को तैयार नहीं था। जार निकोलस-II राजा के दैवी अधिकरों में विश्वास रखता था। जार की अफसरशाही अस्थिर, जड़ तथा अकुशल थी। गलत सलाहकारों के कारण जार की स्वेच्छाचारिता बढ़ती गई और जनता की स्थिति बद से बदतर होती गई।

(ii) कृषकों की दयनीय स्थिति - रूस की बहुसंख्यक जनता कृषक थी जो अपने छोटे-छोटे खेत पर पुराने ढंग से खेती करती थी। दयनीय आर्थिक स्थिति में भी वे करों के बोझ से दबे हुए थे।

(iii) मजदूरों की दयनीय स्थिति - मजदूरों को कम मजदूरी में अधिक काम करना होता था। उन्हें कोई राजनैतिक अधिकार नहीं थे। अपनी माँगों के समर्थन में वे हड़ताल भी नहीं कर सकते थे।

(iv) औद्योगीकरण की समस्या - रूस में कुछ ही क्षेत्रों में उद्योग संकेन्द्रित था। राष्ट्रीय पुंजी के अभाव में विदेशी पूँजी पर निर्भरता बढ़ गई थी। विदेशी पूँजीपति आर्थिक शोषण करते थे।

(v) रूसीकरण की नीति – रूस की जनता में यहूदी, पोल, किन, उजबेक, तातार, कजाक, आर्मीनियन, रूसी आदि जातियों के लोग थे। इनके भाषा व रस्म-रिवाज भिन्न-भिन्न थे। जार द्वारा सभी पर रूसी भाषा, शिक्षा एवं संस्कृति लादने के प्रयासों से ये सभी असंतुष्ट थे।

(vi) बौद्धिक क्रान्ति एवं मार्क्सवाद - लियो टॉलस्टॉय, दोस्तोवस्की, तुर्गनेव जैसे चिंतन लोगों में राजनीतिक जागृति ला रहे थे। कार्ल मार्क्स का समाजवादी विचार मजदूरों तथा किसानों को प्रभावित किये हुए थे। प्लेखानोव का साम्यवाद भी जारशाही के खिलाफ था।

(vii) तात्कालिक कारण-प्रथम विश्वयुद्ध में रूस की पराजय – क्रीमिया युद्ध में रूस की पराजय ने रूस

में सुधारों का युग आरम्भ किया। 1905 में रूस-जापान युद्ध में रूस की पराजय ने रूस में पहली क्रान्ति 1917 की क्रान्ति का तात्कालिक कारण बनी। युद्ध में कृषि तथा उद्योग से जुड़े लोग भी सैनिक कार्य हेतु भेजे गये जिसका प्रतिकूल असर अनाज एवं अन्य उत्पादों के उत्पादन पर पड़ा। जनता के बीच दुर्भिक्ष की स्थिति हो रही थी।

मार्च 1917 तक स्थिति नियंत्रण से बाहर हो गयी। जनता .रोटी दो. नारे लगाती सड़क पर उतर गई और क्रान्ति की शुरुआत हो गई ।

2.नई आर्थिक निति क्या है ?

उत्तर : साम्यवाद काल में रूस की आर्थिक व्यवस्था डगमगाने लगी | 1920–21 ई० में उत्पादन का स्तर काफी गिर गया | अतः, लेनिन ने अपनी आर्थिक नीति में संशोधन कर नई आर्थिक नीति (NEP) चलाई | इस नई आर्थिक नीति (NEP) के निम्नलिखित उद्देश्य थे–

(i) उत्पादनल में इतनी वृद्धि कि आन्तरिक आवश्यकताओं की पूर्ति कर निर्यात व्यापार भी पुनः प्रारम्भ हो सके |
(ii)खेतिहर वर्ग के असंतोष को दूर करना |
(iii) आंशिक राष्ट्रीयकरण की नीति को अपनाना |

नई आर्थिक नीति मिश्रित अर्थव्यवस्था पर आधारित की गई | इसमें निम्नांकित प्रमुख बातें थीं

(i) किसानों से अनाज ले लेने के स्थान पर एक निश्चित कर लगाया गया | बचा हुआ अनाज का किसान मनचाहा इस्तेमाल कर सकता था |
(ii) यद्यपि यह सिद्धान्त कायम रखा गया कि जमीन राज्य की है फिर भी जमीन किसान की हो गई |
(iii) 20 से कम कर्मचारियों वाले उद्योगों को व्यक्तिगत रूप से चलाने का अधिकार मिल गया |
(iv) उद्योगों का विकेन्द्रीकरण कर दिया गया | निर्णय और क्रियान्वयन के बारे में विभिन्न इकाइयों को काफी छूट दी गई|
(v) विदेशी पूँजी भी सीमित तौर पर आमंत्रित की गई |
(vi) व्यक्तिगत संपत्ति और जीवन बीमा भी राजकीय एजेंसी द्वारा शुरू किया गया|
(vii) विभिन्न स्तरों पर बैंक खोले गये |
(viii) ट्रेड यूनियन की अनिवार्य सदस्यता समाप्त कर दी गई|

इस नई आर्थिक नीति के द्वारा लेनिन ने उत्पादन की कमी को नियंत्रित किया| इसके. फलस्वरूप कृषि एवं औद्योगिक उत्पादन में आशातीत वृद्धि हुई|

1. हिंद-चीन में राष्ट्रवाद के विकास का वर्णन करें।

उत्तर ⇒ हिंद–चीन में राष्ट्रवाद के विकास में विभिन्न तत्त्वों का योगदान था, जिनमें औपनिवेशिक शोषण की नीतियों तथा स्थानीय आंदोलनों ने काफी बढ़ावा दिया। 20 वीं शताब्दी के शुरुआत में यह विरोध और मुखर होने लगा। उसी परिपेक्ष्य में 1903 ई० में फान–बोई–चाऊ ने 'दुई तान होई' नामक एक क्रांतिकारी संगठन की स्थापना की जिसके नेता कुआंग दें थे। फान–बोई–चाऊ ने "द हिस्ट्री ऑफ द लॉऑफ वियतनाम" लिखकर हलचल पैदा कर दी।

1905 में जापान द्वारा रूस को हराया जाना हिंद–चीनियों के लिए प्रेरणा स्रोत बन गया। साथ ही रूसो एवं मांटेस्क्यू जैसे फ्रांसीसी विचारकों के विचार भी इन्हें उद्वेलित कर रहे थे। इसी समय एक–दूसरे राष्ट्रवादी नेता फान–चू–त्रिन्ह हुए जिन्होंने राष्ट्रवादी आंदोलन के राजतंत्रीय स्वरूप की गणतंत्रवादी बनाने का प्रयास किया। जापान में शिक्षा प्राप्त करने गए छात्र इसी तरह के विचारों के समर्थक थे। इन्हीं। छात्रों ने वियतनाम कुवान फुक होई (वियतनाम मुक्ति एसोसिएशन) की स्थापना की। हालाँकि हिंद–चीन में प्रारंभिक राष्ट्रवाद का विकास कोचिन–चीन, अन्नाम, तोकिन जैसे शहरों तक ही सीमित था, परंतु जब प्रथम विश्वयुद्ध शुरू हुआ तो इन्हीं प्रदेशों के हजारों लोगों को सेना में भर्ती किया गया, हजारों मजदूरों को बेगार के। लिए फ्रांस ले जाया गया। युद्ध में हिंद–चीनी सैनिकों की ही बड़ी संख्या में मृत्यु हुई। इन सब बातों की तीखी प्रतिक्रिया हिंद–चीनी लोगों पर हुई और 1914 ई० में ही देशभक्तों ने एक "वियतनामी राष्ट्रवादी दल" नामक संगठन बनाया 1930 के दशक की विश्वव्यापी आर्थिक मंदी ने भी राष्ट्रवाद के विकास में । योगदान किया।

2. हिन्द-चीन उपनिवेश स्थापना का उद्देश्य क्या था ?

अथवा, हिन्द–चीन में फ्रांसीसियों द्वारा उपनिवेश स्थापना के किन्ही तान उद्देश्यों का उल्लेख करें।

उत्तर ⇒ फ्रांस द्वारा हिन्द–चीन में उपनिवेश स्थापना के उद्देश्य इस प्रकार थे

(i) व्यापारिक प्रतिस्पर्धा – फ्रांस द्वारा हिन्द–चीन में उपनिवेश स्थापना का मुख्य उद्देश्य डच एवं ब्रिटिश कंपनियों के व्यापारिक प्रतिस्पर्धा का सामना करना था। भारत में फ्रांसीसी पिछड़ रहे थे तथा चीन में उनके व्यापारिक प्रतिद्वंद्वी मुख्यतः अंग्रेज थे। अतः सुरक्षात्मक आधार के रूप में उन्हें हिन्द–चीन का क्षेत्र उचित लगा जहाँ से वे भारत एवं चीन दोनों तरफ कठिन परिस्थितियों को संभाल सकते थे।

(ii) कच्चे माल तथा बाजार की उपलब्धता- औद्योगिक क्रांति के बाद विभिन्न उद्योगों के सुचारुपूर्वक संचालन के लिए भारी मात्रा में कच्चा माल तथा तैयार उत्पादों की खपत हेतु बाजार की आवश्यकता थी। अतः इन दोनों आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए उपनिवेश की स्थापना आवश्यक हो गई।

(iii) गोरे होने का दायित्व – यूरोपीय गोरे लोगों का यह स्वघोषित दायित्व था कि वे पिछड़े काले लोगों के समाज को सभ्य बनाएँ। वे इसे ईश्वर प्रदत्त दायित्व समझते थे।इसके अतिरिक्त कैथोलिक धर्म का प्रचार भी उपनिवेश स्थापना का एक उद्देश्य था।

3. वियतनाम के स्वतंत्रता संग्राम में हो ची मिन्ह के योगदान का मूल्यांकन करें।

उत्तर ⇒ वियतनामी स्वतंत्रता के नेता हो ची मिन्ह थे। उनका मूल नाम नगूयेन सिन्ह कुंग था। वे गूयेन आई क्वोक के नाम से जाने जाते थे। उनका जन्म 19 मई, 1890 को मध्य वियतनाम के एक गाँव के गरीब परिवार में हुआ था। उन्होंने पेरिस और मास्को में शिक्षा ग्रहण की थी। वे मार्क्सवादी विचारधारा से गहरे रूप से प्रभावित थे। उनका मानना था कि संघर्ष के बिना वियतनाम को आजादी नहीं मिल सकती है। फ्रांस में रहते हुए 1917 में उन्होंने वियतनामी साम्यवादियों का एक गुट बनाया। लेनिन द्वारा कॉमिन्टन की स्थापना के बाद वे इसके सदस्य बन गए। साम्यवाद से प्रेरित होकर 1925 में उन्होंने वियतनामी क्रांतिकारी दल का गठन किया। फरवरी, 1930 में हो ची मिन्ह ने वियतनाम के विभिन्न समूह के राष्ट्रवादियों को

एकजुट किया। स्वतंत्रता संघर्ष प्रभावशाली ढंग से चलाने के लिए उन्होंने 1930 में वियतनामी कम्युनिस्ट पार्टी (वियतनाम कांग सान देंग) की स्थापना की। यह दल उग्र विचारधारा का समर्थक था। इस दल का नाम बाद में बदलकर इंडो–चाइनिज कम्युनिस्ट पार्टी कर दिया गया। इसी दल के अधीन और हो ची मिन्ह के नेतृत्व में वियतनाम ने स्वतंत्रता प्राप्त की।

4. अमेरिकी वियतनामी युद्ध में हो ची मिन्ह भूलभुलैया मार्ग की क्या भूमिका थी ?

उत्तर ⇒ अमेरिकी वियतनाम युद्ध में हो ची मिन्ह मार्ग की काफी महत्त्वपूर्ण का थी। यद्यपि अमेरिकी फौज ने इस मार्ग को बाधित करने तथा इसे नष्ट करने भी काफी प्रयास किया। इस मार्ग पर बम भी बरसाए गए, परंतु वियतनामियों ने मार्ग को बनाए रखा। इसको क्षतिग्रस्त होने पर इसकी तत्काल मरम्मत कर ली होती थी। उत्तर से दक्षिण वियतनाम तक सैनिक साजो–सामान और रसद पहुँचाने के लिए वियेतमिन्ह द्वारा हो ची मिन्ह 'भूल भुलैया मार्ग' का सहारा लिया गया। यह मार्ग वियतनाम के बाहरी इलाकों में लाओस और कंबोडिया होता हुआ उनी वियतनाम से दक्षिणी वियतनाम पहुँचता था। अनुमानतः प्रतिमाह बीस हजार उत्तरी वियतनाम के योद्धा इस मार्ग द्वारा दक्षिणी वियतनाम पहुँचते थे। इस मार्ग में स्थान–स्थान पर विद्रोही वियतनामियों ने सैनिक छावनियाँ और युद्ध में घायलों की चिकित्सा के लिए चिकित्सालय बनवा रखे थे। इसी मार्ग द्वारा रसद और अन्य आवश्यक सामग्रियाँ भेजी जाती थी। ज्यादातर सामानों की ढुलाई महिला–कुली करती थी। इसी मार्ग पर नियंत्रण करने के उद्देश्य से अमेरिका लाओस एवं कम्बोडिया पर आक्रमण भी कर दिया था, परंतु तीन तरफा संघर्ष में फंस कर उसे वापस होना पड़ा था।

1. भारत में राष्ट्रवाद के उदय के कारणों का परीक्षण करें।

उत्तर ⇒ 19वीं शताब्दी में भारतीय राष्ट्रवाद के उदय में अनेक कारणों का योगदान था। इनमें निम्नलिखित कारण प्रमुख थे–

(i) अंग्रेजी साम्राज्यवाद के विरुद्ध असंतोष – भारतीय राष्ट्रीयता के विकास का सबसे प्रमुख कारण अंग्रेजी नीतियों के प्रति बढ़ता असंतोष था। अंग्रेजी सरकार की नीतियों के शोषण के शिकार देशी रजवाड़े, ताल्लुकेदार, महाजन, कृषक, मजदूर, मध्यम वर्ग सभी बने। सभी अंग्रेजी शासन को अभिशाप मानकर इसका खात्मा करने का मन बनाने लगे।

(ii) आर्थिक कारण – भारतीय राष्ट्रवाद का उदयं का एक महत्त्वपूर्ण कारण आर्थिक था। सरकारी आर्थिक नीतियों के कारण कृषि और कुटीर–उद्योग धंधे नष्ट हो गए। किसानों पर लगान एवं कर्ज का बोझ चढ़ गया। किसानों को नगदी फसल नील, गन्ना, कपास उपजाने को बाध्य कर उसका भी मुनाफा सरकार ने उठाया। अंग्रेजी आर्थिक नीति से भारत से धन का निष्कासन हुआ, जिससे भारत की गरीबी बढ़ी। इससे भारतीयों में प्रतिक्रिया हुई एवं राष्ट्रीय चेतना का विकास हुआ।

(iii) अंग्रेजी शिक्षा का प्रसार-19वीं शताब्दी में भारत में अंग्रेजी शिक्षा का प्रचार ने भारतीयों की मानसिक जड़ता समाप्त कर दी। वे भी अब अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम, फ्रांस एवं यूरोप की अन्य महान क्रांतियों से परिचित हुए। रूसो, वाल्टेयर, मेजिनी, गैरीबाल्डी जैसे दार्शनिकों एवं क्रांतिकारियों के विचारों का प्रभाव उनपरपरा पड़ा ।

(iv) सामाजिक, धार्मिक सुधार आंदोलन का प्रभाव –19वीं शताब्दी के सामाजिक, धार्मिक सुधार आंदोलनों ने भी राष्ट्रीयता की भावना विकसित की। ब्रह्मसमाज, आर्य–समाज, प्रार्थना समाज, रामकृष्ण मिशन ने एकता, समानता एवं स्वतंत्रता की भावना जागृत की तथा भारतीयों में आत्म–सम्मान, गौरव एवं राष्ट्रीयता की भावना का विकास करने में योगदान किया।

(v) राजनीतिक एकीकरण- भारत में अंग्रेजों ने उग्र साम्राज्यवादी नीति अपनाई। वारेन हेस्टिंग्स से लेकर लॉर्ड डलहौजी ने येन–केन–प्रकारेण देशी रियासतों को अपना अधीनस्थ बना लिया। 1857 के विद्रोह के बाद महारानी विक्टोरिया ने सभी देशी राज्यों की अंग्रेजी अधिसत्ता में ले लिया। इससे एक प्रकार से भारत का । राजनीतिक एवं प्रशासनिक एकीकरण हुआ। लॉर्ड डलहौजी द्वारा रेल, डाक–तार की व्यवस्था से आवागमन और संचार की सुविधा बढ़ गई। इससे संपूर्ण भारत में। स्थानीयता की भावना के स्थान पर राष्ट्रीयता की भावना बढ़ी।

2. भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में गाँधीजी के योगदान की विवेचना करें।

उत्तर ⇒ भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में 1919-1947 का काल गाँधी युग के नाम से जाना जाता है। राष्ट्रीय आंदोलन को गाँधीजी ने एक नई दिशा दिया। सत्य अहिंसा, सत्याग्रह का प्रयोग कर गाँधीजी भारतीय राजनीति में छा गए। इन्हीं अस्ता का सहारा लेकर वे औपनिवेशिक सरकार के विरुद्ध राष्ट्रीय आंदोलनों क जन–आंदोलन में परिवर्तित कर दिया। 1917-18 में उन्होंने चंपारण, खेड़ा और अहमदाबाद में सत्याग्रह का सफल प्रयोग किया। 1920 ई० में गाँधीजी ने अहसयोग आंदोलन आरंभ किया। जिसम बहिष्कार, स्वदेशी तथा रचनात्मक कार्यक्रमों पर बल दिया गया। 1930 में गाँधी जी ने सरकारी नीतियों के विरुद्ध दूसरा व्यापक आंदोलन सविनय अवज्ञा आंदोलन आरभ किया। इसका आरंभ उन्होंने 12 मार्च, 1930 को दांडी यात्रा से किया। गाँधीजी का 1942 का भारत छोड़ो आंदोलन था जिसमें उन्होंने लोगों को प्रेरित करते हुए 'करो या मरो' का मंत्र दिया। गाँधीजी के सतत् प्रयत्नों के परिणामस्वरूप ही 15 अगस्त, 1947 को भारत का आजादी प्राप्त हुई। वे एक राजनीतिक नेता के साथ–साथ प्रबुद्ध चिंतन समाजसुधारक एवं हिन्दू–मुस्लिम एकता के प्रबल समर्थक थे।

3. सविनय अवज्ञा आंदोलन के कारणों की विवेचना करें।

उत्तर ⇒ ब्रिटिश औपनिवेशिक सत्ता के खिलाफ गाँधीजी के नेतृत्व में 1930 ई० में शुरू किया गया सविनय अवज्ञा आंदोलन के महत्त्वपूर्ण कारण निम्नलिखित थे –

(i) साइमन कमीशन- सर जॉन साइमन की अध्यक्षता में बनाया गया यह 7 सदस्यीय आयोग था जिसके सभी सदस्य अंग्रेज थे। भारत में साइमन कमीशन के विरोध का मुख्य कारण कमीशन में एक भी भारतीय को नहीं रखा जाना तथा भारत के स्वशासन के संबंध में निर्णय विदेशियों द्वारा किया जाना था।

(ii) नेहरू रिपोर्ट- कांग्रेस ने फरवरी, 1928 में दिल्ली में एक सर्वदलीय सम्मेलन का आयोजन किया। समिति ने ब्रिटिश सरकार से डोमिनियन स्टेट' की दर्जा देने की माँग की। यद्यपि नेहरू रिपोर्ट स्वीकृत नहीं हो सका, लेकिन संप्रदायिकता की भावना उभरकर सामने आई। अतः गाँधीजी ने इससे निपटने के लिए सविनय अवज्ञा का कार्यक्रम पेश किया।

(iii) विश्वव्यापी आर्थिक मंदी- 1929-30 की विश्वव्यापी आर्थिक मंदी का प्रभाव भारत की अर्थव्यवस्था पर बहुत बुरा पड़ा। भारत का निर्यात कम हो गया लेकिन अंग्रेजों ने भारत से धन का निष्कासन बंद नहीं

किया। पूरे देश का वातावरण सरकार के खिलाफ था। इस प्रकार सविनय अवज्ञा आंदोलन हेतु एक उपयुक्त अवसर दिखाई पड़ा।

(iv) **समाजवाद का बढ़ता प्रभाव-** इस समय कांग्रेस के युवा वर्गों के बीच मार्क्सवाद एवं समाजवादी विचार तेजी से फैल रहे थे, इसकी अभिव्यक्ति कांग्रेस के अंदर वामपंथ के उदय के रूप में हुई। वामपंथी दबाव को संतुलित करने के आंदोलन के नए कार्यक्रम की आवश्यकता थी।

(v) **क्रांतिकारी आंदोलनों का उभार-** इस समय भारत की स्थिति विस्फोटक थी। 'मेरठ षड्यंत्र केस' और 'लाहौर षड्यंत्र केस' ने सरकार विरोधी विचारधारा को उग्र बना दिया था। बंगाल में भी क्रांतिकारी गतिविधियाँ एक बार फिर उभरी।

(vi) **पूर्णस्वराज्य की माँग-** दिसंबर, 1929 के कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन में पर्ण स्वराज्य की माँग की गयी। 26 जनवरी, 1930 को पूर्ण स्वतंत्रता दिवस मनाने की घोषणा के साथ ही पूरे देश में उत्साह की एक नई लहर जागृत हुई।

(vii) **गाँधी का समझौतावादी रुख** – आंदोलन प्रारंभ करने से पूर्व गाँधी ने वायसराय लार्ड इरावन के समक्ष अपनी 11 सूत्रीय माँग को रखा। परन्तु इरविन ने मांग मानना तो दूर गाँधी से मिलने से भी इनकार कर दिया। सरकार का दमन चक्र तेजी से चल रहा था। अतः बाध्य होकर गाँधीजी ने अपना आंदोलन डांडी मार्च आरम्भ करने का निश्चय किया।

4. असहयोग आंदोलन के कारण एवं परिणाम का वर्णन करें।

उत्तर ⇒ महात्मा गाँधी के नेतृत्व में प्रारंभ किया गया प्रथम जन–आदोलन असहयोग आंदोलन था। इस आंदोलन के प्रमुख कारण निम्नलिखित थे –

(i) **रॉलेट कानून-** 1919 ई० में न्यायाधीश सिडनी रॉलेट की अध्यक्षता में रॉलेट कानून (क्रांतिकारी एवं अराजकता अधिनियम) बना। इसके अनुसार किसी भी व्यक्ति को बिना कारण बताए गिरफ्तार कर जेल में डाला जा सकता था तथा इसके खिलाफ वह कोई भी अपील नहीं कर सकता था।

(ii) **जालियाँवाला बाग हत्याकांड-** 13 अप्रैल, 1919 ई० को बैसाखी मैले के अवसर पर पंजाब के जालियाँवाला बाग में सरकार की दमनकारी नीति के खिलाफ लोग एकत्रित हुए थे। जनरल डायर के द्वारा वहाँ पर निहत्थी जनता पर गाली चलवाकर हजारों लोगों की जान ले ली गयी। गांधीजी ने इस पर काफी प्रतिक्रिया व्यक्त किया।

(iii) **खिलाफत आंदोलन-** इसी समय खिलाफत का मुद्दा सामने आया। गांधीजी ने इस आंदोलन को अपना समर्थन देकर हिंदू–मुस्लिम एकता स्थापित करने और एक बड़ा सशक्त अंग्रेजी राज विरोधी असहयोग आंदोलन आरंभ करने का निर्णय लिया।

परिणाम – 5 फरवरी, 1922 ई० को गोरखपुर के चौरी–चौरा नामक स्थान पर हिंसक भीड़ द्वारा थाने पर आक्रमण कर 22 पुलिसकर्मियों की हत्या कर दी गयी। जिससे नाराज होकर गाँधीजी ने असहयोग आंदोलन को तत्काल बंद करने की घोषणा की। असहयोग आंदोलन का व्यापक प्रभाव पड़ा। असहयोग आंदोलन के अचानक स्थगित हो जाने और गाँधीजी की गिरफ्तारी के कारण खिलाफत के मुद्दे का भी अंत हो गया। हिंदू–मुस्लिम एकता भंग हो गई तथा संपूर्ण भारत में संप्रदायिकता का बोलबाला हो गया। न ही

स्वराज की प्राप्ति हुई और न ही पंजाब के अन्यायों का निवारण हुआ। असहयोग आंदोलन के । परिणामस्वरूप ही मोतीलाल नेहरू तथा चितरंजन दास के द्वारा स्वराज पार्टी की स्थापना हुई।

5. खिलाफत आंदोलन क्यों हुआ ? गाँधीजी ने इसका समर्थन क्यों किया ?

उत्तर ⇒ तुर्की (ऑटोमन साम्राज्य की राजधानी) का खलीफा जो ऑटोमन साम्राज्य का सुलतान भी था, संपूर्ण इस्लामी जगत का धर्मगुरु था। पैगंबर के बाद सबसे अधिक प्रतिष्ठा उसी की थी। प्रथम विश्वयुद्ध में जर्मनी के साथ तुर्की भी पराजित हुआ। पराजित तुर्की पर विजयी मित्र–राष्ट्रों ने कठोर संधि थोप दी (सेव्र की संधि)। ऑटोमन साम्राज्य को विखंडित कर दिया गया।खलीफा और ऑटोमन साम्राज्य के साथ किए गए व्यवहार से भारतीय मुसलमानों में आक्रोश व्याप्त हो गया। वे तुर्की के सुल्तान एवं खलीफा की शक्ति और प्रतिष्ठा की पुनः स्थापना के लिए संघर्ष करने को तैयार हो गए। इसके लिए खिलाफत आंदोलन आरंभ किया गया। 1919 में अली बंधुओं (मोहम्मद अली और शौकत अली) ने बंबई में खिलाफत समिति का गठन किया। आंदोलन चलाने के लिए जगह–जगह खिलाफत कमिटियाँ बनाकर तुर्की के साथ किए गए अन्याय के विरुद्ध जनमत तैयार करने का प्रयास किया गया। ‘ गाँधीजी ने इस आंदोलन को अपना समर्थन देकर हिंदू–मुसलमान एकता स्थापित करने और एक बड़ा सशक्त राजविरोधी आंदोलन आरंभ करने का निर्णय लिया।

6. असहयोग आंदोलन और सविनय अवज्ञा आंदोलन के स्वरूप में क्या अंतर था ? महिलाओं की सविनय अवज्ञा आंदोलन में क्या भूमिका थी ?

उत्तर ⇒ असहयोग आंदोलन और सविनय अवज्ञा आंदोलन के स्वरूप में काफी विभिन्नता थी। असहयोग आंदोलन में जहाँ सरकार के साथ असहयोग करने की बात थी, वहीं सविनय अवज्ञा आंदोलन में न केवल अंग्रेजों का सहयोग न करने के लिए बल्कि औपनिवेशिक कानूनों का भी उल्लंघन करने के लिए आह्वान किया जाने लगा। असहयोग आंदोलन की तुलना में सविनय अवज्ञा आंदोलन काफी व्यापक जनाधार वाला आंदोलन साबित हुआ।
सविनय अवज्ञा आंदोलन में पहली बार महिलाओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। वे घरों की चारदीवारी से बाहर निकलकर गांधीजी की सभाओं में भाग लिया। अनेक स्थानों पर स्त्रियों ने नमक बनाकर नमक कानून भंग किया। स्त्रियों ने विदेशी वस्त्र एवं शराब के दुकानों की पिकेटिंग की। स्त्रियों ने चरखा चलाकर सूत काते और स्वदेशी को प्रोत्साहन दिया। शहरी क्षेत्रों में ऊँची जाति की महिलाएं आंदोलन में सक्रिय थीं तो ग्रामीण इलाकों में संपन्न परिवार की किसान स्त्रिया।

7. भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में वामपंथियों की भूमिका को रेखांकित करें।

उत्तर ⇒ 20 वीं शताब्दी के प्रारंभिक काल में ही भारत में साम्यवादी विचारधाराओं क अंतर्गत बंबई, कलकत्ता, कानपर, लाहौर, मद्रास आदि जगहों पर साम्यवादी सभाएं बननी शुरू हो गई थी। उस समय इन विचारों से जुड़े लोगों में मुजफ्फर अहमद, एस० ए० डांगे, मौलवी बरकतुल्ला, गुलाम हुसैन आदि नाम प्रमुख हैं। इन लोगों ने अपने पत्रों के माध्यम से साम्यवादी विचारों का पोषण शुरू कर दिया था। परंतु रूसी क्रांति की सफलता के बाद साम्यवादी विचारों का तेजी से भारत में फैलाव शुरू हुआ। उसी समय 1920 में एम० एन० राय ने ताशकंद में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना की। असहयोग आंदोलन के

दौरान पत्र–पत्रिकाओं के माध्यम से उन्हें उपने विचारों को फैलाने का मौका मिला। अब ये लोग आतंकवादी राष्ट्रवादी आंदोलनों से भी जुड़ने लगे थे। इसलिए असहयोग आंदोलन की समाप्ति के बाद सरकार ने इन लोगों का दमन शुरू किया और पेशावर षड्यंत्र केस (1922-23), कानपुर षड्यंत्र केस (1924) और मेरठ षड्यंत्र केस (1929) के तहत लोगों पर मुकदमें चलाए। तब साम्यवादियों ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया और राष्ट्रवादी "साम्यवादी शहीद" कहे जाने लगे। इसी समय इन्हें कांग्रेसियों का समर्थन मिला क्योंकि सरकार द्वारा लाए गए "पब्लिक सेफ्टी बिल" को कांग्रेसी पारित होने नहीं दिए थे, क्योंकि यह कानून कम्युनिस्टों के विरोध में था। इस तरह अब साम्यवादी आंदोलन प्रतिष्ठित होता जा रहा था।

अब तक कई मजदूर संघों का गठन हो चुका था। 1920 में AITUC की स्थापना हो गई थी तथा 1929 में एन० एम० जोशी ने AITUF का गठन कर लिया। इस तरह वामपंथ का प्रसार मजदूर संघों पर बढ़ रहा था। किसानों को भी साम्यवाद से जोड़ने का प्रयास हुआ। लेबर स्वराज पार्टी भारत में पहली किसान मजदूर पार्टी थी लेकिन अखिल भारतीय स्तर पर दिसंबर, 1928 में अखिल भारतीय मजदूर किसान पार्टी बनी। अक्टूबर, 1934 में बंबई में कांग्रेस समाजवादी दल की स्थापना की गयी। सविनय अवज्ञा आंदोलन के दौरान साम्यवादियों ने कांग्रेस का विरोध करना शुरू किया क्योंकि कांग्रेस उन उद्योगपतियों एवं मर्थन से चल रही थी जो मजदूरों का शोषण करते थे।

8. अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना कैसे हुई ? इसके प्रारंभिक उद्देश्य क्या थे ?

उत्तर ⇒ भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन की शुरुआत 19 वीं शताब्दी के अन्तिम चरण में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना से माना जाता है। 1883 ई० में इंडियन एसोसिएशन के सचिव आनंद मोहन बोस ने कलकत्ता में 'नेशनल काँफ्रेंस' नामक अखिल भारतीय संगठन का सम्मेलन बुलाया जिसका उद्देश्य बिखरे हुए राष्ट्रवादा शक्तियों को एकजुट करना था। परंतु, दूसरी तरफ एक अंग्रेज अधिकारी एलेन ऑक्टोवियन ह्यूम ने इस दिशा में अपने प्रयास शुरू किए और 1884 में "भारतीय राष्ट्रीय संघ' की स्थापना की। भारतीयों को संवैधानिक मार्ग अपनाने और सरकार के लिए सुरक्षा कवच बनाने के उद्देश्य से ए०ओ०ह्यूम ने 28 दिसम्बर, 1885 को अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना की। इसके प्रारंभिक उद्देश्य निम्नलिखित थे

(i) भारत के विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्रीय हित के नाम से जुड़े लोगों के , संगठनों के बीच एकता की स्थापना का प्रयास।

(ii) देशवासियों के बीच मित्रता और सद्भावना का संबंध स्थापित कर धर्म, वंश, जाति या प्रांतीय विद्वेष को समाप्त करना।

(iii) राष्ट्रीय एकता के विकास एवं सुदृढ़ीकरण के लिए हर संभव प्रयास करना। राजनीतिक तथा सामाजिक प्रश्नों पर भारत के प्रमुख नागरिकों से चर्चा करना एवं उनके संबंध में प्रमाणों का लेखा तैयार करना।

(v) प्रार्थना पत्रों तथा स्मार पत्रों द्वारा वायसराय एवं उनकी काउन्सिल से सुधारों हेतु प्रयास करना। इस प्रकार कांग्रेस का प्रारंभिक उद्देश्य शासन में सिर्फ सुधार करना था।

1. औद्योगिकीकरण का भारत पर क्या प्रभाव पड़ा ?

उत्तर ⇒ औद्योगिकीकरण का भारत पर व्यापक पड़ा। औद्योगिकीकरण के भारत पर प्रभाव निम्नलिखित हुए –

(i) उद्योगों का विकास – औद्योगिकीकरण के विकास के पूर्व भारत मा उत्पादन का कार्य छोटे गह उद्योगों में होता था। अब उत्पादन कारखानों में होने लगा। कपड़ा बुनन, सूत कातने के लिए मिल स्थापित हुए। इस प्रकार औद्योगिकीकरण से भारतीय उद्योगों का विकास हुआ।

(ii) नगरीकरण को बढ़ावा- औद्योगिकीकरण ने नगरीकरण को बढ़ावा दिया। औद्योगिक केंद्र नगर के रूप में परिवर्तित हए। वहाँ बाहर के लोगों को आकर बसने से जनसंख्या में वृद्धि हुई। औद्योगिकीकरण के कारण पुराने नगरों जैसे बंबई, कलकत्ता की समृद्धि में वृद्धि हुई तो नए नगर भी विकसित हुए जैसे जमशेदपुर, बोकारो, सिंदरी, धनबाद, डालमियानगर इत्यादि।

(iii) कुटीर उद्योगों की अवनति – कारखानों की स्थापना ने परंपरागत कुटीर एवं लघु उद्योगों का पतन कर दिया। इसका एक मुख्य कारण था, कारखानों में उत्पादित सामान सस्ते थे जबकि कुटीर उद्योगों में उत्पादित सामान महंगे होते थे। इसलिए बाजार में इनकी माँग घट गई। सरकारी नीतियों के कारण कुटीर उद्योगों को कच्चा माल मिलना भी दुर्लभ हो गया। फलत: वे बंद प्राय हो गए।

(iv) सामाजिक विभाजन – 'भारत में औद्योगिकीकरण के विकास के साथ ही नए-नए सामाजिक वर्गों का उदय और विकास हुआ। कल-कारखानों के विकास के कारण समाज में पूँजीपति वर्ग तथा श्रमिक वर्ग का उदय हुआ।

2. कुटीर उद्योग के महत्त्व एवं उपयोगिता पर प्रकाश डालें।

उत्तर ⇒ भारत में औद्योगिकीकरण ने कुटीर उद्योगों को काफी क्षति पहुँचाई परंतु दस विषम परिस्थिति में भी गाँवों में यह उद्योग फल-फूल रहा था, जिसका लाभ आम जनता को मिल रहा था महात्मा अनुसार लघु एवं कुटीर उद्योग भारतीय सामाजिक दशा के अनकल हैं। कटीर उद्योग उपभाक से अत्यधिक संख्या में रोजगार उपलब्ध कराने में तथा रा. जैसे महत्त्व से जुड़ा है। सामाजिक तथा आर्थिक समस्या स्याओं का समाधान कुटीर उधागों द्वारा ही होता है। कटीर उद्योग में बहत कम पूँजी का अ जी की आवश्यकता होती है। कुटीर उद्योग में वस्तुओं के उत्पादन करने की क्षमत असर उद्योग में वस्तुओं के उत्पादन करने की भापता कछ लोगों क हाथ म न रहकर बहुत से लोगों के हाथ में रहती है। कटीर उद्योग जनसंख्या का या को बड़े शहरों में पलायन को रोकता है। कुटीर उद्योग गाँवों को आत्मनिर्भर बनाने का एक औजार है। आद्यागिकीकरण के विकास के पहले भारतीय निर्मित वस्तुओं का विश्वव्यापी बाजार था। भारतीय मलमल तथा छींट सती कपड़ों की माँग पूरे विश्व में थी। ब्रिटेन भारतीय हाथों से बनी हई वस्तओं का ज्यादा महत्त्व दिया जाता था। हाथों से बन महीन धागों के कपडे तसर मिल्क बनारसी तथा बालुचेरी साड़िया तथा बने हुए बॉडर वाली साडियाँ एवं मद्रास की लंगियों की मांग ब्रिट अधिक थी। चूंकि ब्रिटिश सरकार की नीति भारत में विद बाटश सरकार की नीति भारत में विदेशी निर्मित वस्तओं आयात एवं भारत के कच्चा माल के

निर्यात को प्रोत्साहन देना था, इसलिए ग्रामीण उद्योगों पर ध्यान नहीं दिया गया। फिर भी स्वदेशी आंदोलन के समय खादी जैसे वस्त्रों की माँग नं कुटीर उद्योग को बढ़ावा दिया।

3. औद्योगिकीकरण के कारणों का उल्लेख करें।

उत्तर ⇒ औद्योगिकीकरण के प्रमुख कारण निम्नलिखित थे-

(i) स्वतंत्र व्यापार एवं अहस्तक्षेप की नीति- ब्रिटेन में स्वतंत्र व्यापार और अहस्तक्षेप की नीति ने ब्रिटिश व्यापार को बहुत अधिक विकसित किया। जिसके कारण उत्पादित वस्तुओं की मांग में काफी वृद्धि हुई।

(ii) नय-नये मशीनों का आविष्कार- अठारहवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में ब्रिटेन में नये-नये यंत्रों एवं मशीनों के आविष्कार ने उद्योग जगत में ऐसी क्रांति का सूत्रपात किया, जिससे औद्योगिकीकरण का मार्ग प्रशस्त हुआ। 1770 ई० में जेम्स हारग्रीब्ज ने सूत काटने की एक अलग मशीन 'स्पिनिंग जेनी' बनाई। सन् 1773 में जॉन के ने फ्लाइंग शदल' बनाया जिसके द्वारा जुलाहे बड़ी तेजी से काम करने लगे तथा धागे की माँग बढ़ने लगी। टॉमस बेल के 'बेलनाकार छपाई' के आविष्कार ने तो सूती वस्त्रों की रंगाई एवं छपाई में नई क्रांति ला दी।

(iii) कोयले एवं लोहे की प्रचुरता – चूँकि वस्त्र उद्योग की प्रगति कोयले एवं लोहे के उद्योग पर बहुत अधिक निर्भर करती है, इसलिए इन उद्योगों पर बहुत अधिक ध्यान दिया गया। ब्रिटेन में कोयल एवं लोहे की खाने प्रचूर मात्रा में थी। 1815 ई० में हेनरी बेसेमर ने एक शक्तिशाली भट्टी विकसित करके लौह उद्योग को और भी बढ़ावा दिया।

(iv) उद्योग तथा व्यापार के नये-नये केंद्र- फैक्ट्री प्रणाली के कारण उद्योग एवं व्यापार के नये-नये केंद्र स्थापित होने लगे। लिवरपुल में स्थित लंकाशायर तथा मैनचेस्टर सूती वस्त्र उद्योग का बड़ा केंद्र बन गया। न्यू साउथ वेल्स ऊन उत्पादन का केंद्र बन गया।

(v) सस्ते श्रम की उपलब्धता – औद्योगिकीकरण में ब्रिटेन में सस्ते श्रम की आवश्यकता की भूमिका भी अग्रणी रही। बाड़ाबंदी प्रथा की शुरुआत के कारण जमींदारों ने छोटे-छोटे खेतों को खरीदकर बड़े-बड़े फार्म स्थापित कर लिए। जमीन बेचनेवाले छोटे किसान भूमिहीन मजदूर बन गए। मशीनों द्वारा फैक्ट्री में काम करने के लिए असंख्य मजदूर कम मजदूरी पर भी तैयार हो जाते थे।

(vi) यातायात की सुविधा- फैक्ट्री में उत्पादित वस्तुओं को एक जगह स दसरे जगह पर ले जाने तथा कच्चा माल की फैक्ट्री तक लाने के लिए ब्रिटेन म यातायात की अच्छी सुविधा उपलब्ध थी। रेलमार्ग शुरू होने से पहले नदियों एवं समुद्र के रास्ते व्यापार होता था। जहाजरानी उद्योग में यह विश्व का अग्रणी देश था और सभी देशों के सामानों का आयात-निर्यात मुख्यतया ब्रिटेन के व्यापारिक जहाजी बेड़े से ही होता था, जिसका आर्थिक लाभ औद्योगिकीकरण की गति का तीव्र करने में सहायक बना।

(vii) विशाल उपनिवेश – औद्योगिकीकरण की दिशा में ब्रिटेन द्वारा स्थापित विशाल उपनिवेशों ने भी योगदान दिया। इन उपनिवेशों से कच्चा माल सस्ते दामा में प्राप्त करना तथा उत्पादित वस्तुओं को वहाँ के बाजारों में महँगे दामों पर बेचना आसान था।

4. उपनिवेशवाद से आप क्या समझते हैं ? औद्योगिकीकरण ने उपनिवेशवाद को कस जन्म दिया ?

उत्तर ⇒ किसी शक्तिशाली साम्राज्यवादी देशों द्वारा किसी दूसरे कमजोर देशों पर अधिकार कर उसकी सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक एवं उसके शासन प्रबंध पर नियंत्रण कर लेने की प्रक्रिया को ही उपनिवेशवाद कहते हैं। अठारहवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में नये-नये यंत्रों एवं मशीनों के आविष्कार ने उद्योग जगत में ऐसे क्रांति का सूत्रपात किया जिससे औद्योगिकीकरण एवं उपनिवेशवाद दोनों का मार्ग प्रशस्त हुआ। मशीनों का आविष्कार तथा कारखानों की स्थापना से उत्पादन में काफी वृद्धि हुई। इसकी खपत किसी एक देश में होना संभव नहीं था। अतः सामानों की बिक्री के लिए तथा कच्चे माल की प्राप्ति के लिए यूरोप के बड़े-बड़े देश बाजार और उपनिवेश खोजने लगे। यूरोप के नई राष्ट्रों ने अमेरिका, एशिया, अफ्रीका इत्यादि महादेशों में अपने-अपने उपनिवेश स्थापित किए। इसी क्रम में एशिया में भारत ब्रिटेन के एक विशाल उपनिवेश के रूप में उभरा। भारत सिर्फ प्राकृतिक एवं कृत्रिम संसाधनों में ही सम्पन्न नहीं था, बल्कि यह उनका एक वृहत बाजार भी साबित हुआ। इस तरह हम कह सकते हैं कि औद्योगिकीकरण ने उपनिवेशवाद को बढ़ावा दिया।

5. औद्योगिक क्रांति सर्वप्रथम इंगलैंड में ही क्यों हुई ?

उत्तर ⇒ औद्योगिक क्रांति सबसे पहले इंगलैंड में हुई। इसके प्रमख कारण निम्नलिखित थे

(i) इंगलैंड की भौगोलिक स्थिति उद्योग धंधों के विकास के अनुकूल थी। उसके पास अच्छे समुद्री बंदरगाह एवं प्रचुर मात्रा में कोयला और लोहा जैसे खनिज पदार्थ उपलब्ध थे।

(ii) 18 वीं शताब्दी में इंगलैंड में कृषि क्रांति हुई जिससे सस्ते मजदूर बड़ी संख्या में उपलब्ध हो गए।

(iii) उपनिवेशों से व्यापारिक संबंध स्थापित कर व्यापारियों ने कारखानों को चलाने के लिए कच्चा माल तथा उत्पादित वस्तुओं की बिक्री के लिए बड़ा बाजार . सुनिश्चित कर लिया।

(iv) मुक्त व्यापार और अहस्तक्षेप की नीति अपनाकर ब्रिटिश सरकार ने व्यापार और उद्योगों के विकास को बढ़ावा दिया।

(v) औद्योगिक क्रांति लाने में इंगलैंड के वैज्ञानिकों का भी महत्त्वपूर्ण योगदान था जिन्होंने नए-नए मशीनों का आविष्कार किया।

(vi) भारत जैसे संपन्न उपनिवेशों से इंगलैंड को उद्योगों के लिए कच्चा माल एवं उत्पादित वस्तुओं के लिए बाजार भी उपलब्ध हो गया।

उपरोक्त कारणों के चलते ही औद्योगिक क्रांति सर्वप्रथम यूरोप में हुई।

6. औद्योगिक क्रांति का इंगलैंड पर क्या प्रभाव पड़ा ?

उत्तर ⇒ औद्योगिक क्रांति ने व्यापक रूप से इंगलैंड के आर्थिक, सामाजिक एवं राजनीतिक जीवन को प्रभावित किया। इंगलैंड में औद्योगिक क्रांति के निम्नलिखित महत्त्वपूर्ण परिणाम हुए –

(i) कारखानेदारी प्रथा का विकास – औद्योगिक क्रांति के कारण इंगलैंड में बड़ी संख्या में विशाल कारखाने खुले जिनमें बड़े स्तर पर उत्पादन होने लगा।

(ii) नगरों के स्वरूप में परिवर्तन – कारखानों की स्थापना से तत्कालीन नगरों का स्वरूप बदल गया। अब आधुनिक नगरों का उदय हुआ। अनेक नगर औद्योगिक केन्द्र बन गए।

(iii) पूँजीपति वर्ग का विकास – औद्योगिक क्रांति के परिणामस्वरूप इंगलैंड में पूंजीपति वर्ग का विकास हुआ। कुलीन, सम्पन्न एवं व्यापारी अपनी अतिरिक्त पूँजी उद्योगों में निवेश करने लगा।

(iv) श्रमिक वर्ग का उदय – औद्योगिक क्रांति के कारण कारखानों में काम करने वाले श्रमिक वर्ग का उदय हुआ। ये अपना घर-गाँव छोड़कर शहरों में आकर कारखानों में काम करने लगे। परंतु इनकी स्थिति शोचनीय थी। वे शोषण, गरीबी और भूखमरी के शिकार थे।

(v) बाल श्रम की प्रथा का विकास – कारखानेदारी प्रथा के विकास ने बाल श्रम की प्रथा को भी बढ़ावा दिया। उद्योगपति इन्हें कम मजदूरी पर ही बहाल कर इनसे कारखानों में काम लेते थे जिससे उन्हें मुनाफा होता था।

(vi) स्त्री-श्रम का विकास- बच्चों के समान स्त्रियों को भी कारखानेदारों ने कम मजदूरी पर काम में लगाया। इनका भी जीवन कष्टदायक था।

(vii) उपनिवेशवाद का विकास- औद्योगिक क्रांति ने उपनिवेशवाद को बढ़ावा दिया। कारखानों को चलाने के लिए कच्चे माल की आपूर्ति एवं उत्पादित : सामान की खपत के लिए बाजार की खोज के लिए एशिया और अफ्रीका में उपनिवेश स्थापित किए गए।

7. औद्योगिकीकरण के परिणामस्वरूप होने वाले परिवर्तनों पर प्रकाश डालें।

उत्तर ⇒ औद्योगिकीकरण के प्रभाव से यहाँ के आर्थिक एवं सामाजिक जीवन में महत्त्वपूर्ण परिवर्तन हुए। ये परिवर्तन निम्नलिखित हैं

(i) साम्राज्य-राष्ट्रवाद का विकास – औद्योगिकीकरण के कारण भारी मात्रा में कच्चे माल तथा उत्पादों की खपत हेतु बाजार की आवश्यकता थी। उपनिवेशों में ये दोनों ही उपलब्ध थे। उपनिवेशों की होड़ ने साम्राज्यवाद को जन्म दिया।

(ii) कुटीर उद्योगों का पतन – बड़े-बड़े कारखानों की स्थापना से प्राचीन लघु एवं कुटीर उद्योग का पतन हो गया। कुटीर उद्योग में तैयार माल महंगा तथा कारखाने में उत्पादित सामान सस्ता था। नतीजा यह हुआ कि कुटीर उद्योग समाप्त होने लगे क्योंकि बाजार में इसकी माँग घट गयी थी।

(iii) समाज में वर्ग विभाजन – औद्योगिकीकरण के फलस्वरूप समाज म तीन वर्गों का उदय हुआ.पूँजीपति, बुर्जुआ तथा मजदूर वर्ग।

(iv) स्लम पद्धति की शुरुआत – औद्योगिकीकरण के परिणामस्वरूप नवोदित फैक्ट्री मजदूर वर्ग शहर में छोटे-छोटे घरों में रहने लगे। जहाँ किसी प्रकार की सुविधा नहीं थी। इस प्रकार स्लम पद्धति की शुरुआत हुई।

(v) उद्योगों का विकास –औद्योगिकीकरण के कारण भारत में कारखानों की स्थापना एवं नये-नये यंत्रों का आविष्कार हुआ। विभिन्न उद्योगों से संबद्ध कारखाने खुले और उद्योगों का बड़े स्तर पर विकास हुआ। लोहा एवं इस्पात, कोयला, सीमेंट, चीनी, कागज, शीशा और अन्य उद्योग स्थापित हुए जिनमें बड़े स्तर' पर उत्पादन हुआ।

GAYA GUIDANCE PROGRAMME

8. ईस्ट इंडिया कंपनी ने भारतीय बुनकरों से सूती और रेशमी वस्त्र नियमित आपूर्ति के लिए क्या व्यवस्था की ?

उत्तर ⇒ सूती वस्त्र उद्योग में व्याप्त प्रतिद्वंद्विता को समाप्त कर उस पर अपना एकाधिकार स्थापित करने के लिए ईस्ट इंडिया कंपनी ने नियंत्रण एवं प्रबंधन की नई नीति अपनाई जिससे उसे वस्त्र की आपूर्ति लगातार होती रही। इसके लिए कंपनी ने निम्नलिखित व्यवस्था की –

(i) गुमाश्तों की नियुक्ति – कपड़ा व्यापार पर एकाधिकार स्थापित करने के लिए बिचौलियों को समाप्त करना एवं बुनकरों पर सीधा नियंत्रण स्थापित करना आवश्यक था। इसके लिए कंपनी ने अपने नियमित कर्मचारी नियुक्त किए जो "गुमाश्ता" कहे जाते थे। इनका मुख्य काम बुनकरों पर नियंत्रण रखना, उससे कपड़ा इकट्ठा करना तथा बुने गए वस्त्रों की गुणवत्ता की जाँच करना था।

(ii) बुनकरों को पेशगी की व्यवस्था – बनुकरों से स्वयं तैयार सामान प्राप्त करने के लिए कंपनी ने उन्हें अग्रिम पेशगी देने की नीति अपनाई। अग्रिम राशि या पेशगी प्राप्त कर बुनकर अब सिर्फ कंपनी के लिए ही वस्त्र तैयार कर सकते थे। वे अपना माल ईस्ट इंडिया कंपनी के अतिरिक्त अन्य किसी कंपनी या व्यापारी को नहीं बेच सकते थे। बुनकरों को कच्चा माल खरीदने के लिए ऋण भी उपलब्ध कराया गया। अग्रिम राशि और कर्ज से कपड़ा तैयार कर बुनकरों को माल गुमाश्तों को सौंपना पड़ा।

9. प्रथम विश्वयुद्ध के समय भारत का औद्योगिक उत्पादन क्यों बढ़ा ? व्याख्या कीजिए।

उत्तर ⇒ प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान और उसके बाद भारत के औद्योगिक । उत्पादन में काफी तेजी आई जिसके निम्नलिखित प्रमुख कारण थे –

(i) प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान ब्रिटेन में सैनिक आवश्यकता के अनुरूप अधिक सामान बनाए जाने लगे जिससे मैनचेस्टर में बननेवाले वस्त्र उत्पादन में गिरावट आई। इससे भारतीय उद्यमियों को अपने बनाए गए वस्त्र की खपत के लिए देश में ही बहत बड़ा बाजार मिल गया।

(ii) विश्वयुद्ध के लंबा खींचने पर भारतीय उद्योगपतियों ने भी सैनिकों की आवश्यकता के लिए सामान बनाकर मुनाफा कमाना आरंभ कर दिया। सैनिकों की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए देशी कारखानों में भी सैनिकों के लिए वर्दी, जूते, जूट की बोरियाँ, टेन्ट, जीन इत्यादि बनाए जाने लगे। इससे देशी कारखानों में उत्पादन बढ़ा।

(iii) युद्ध काल में कारखानों में उत्पादन बढाने के अतिरिक्त अनेक नये-नय कारखाने खोले गए। मजदूरों की संख्या में भी वृद्धि की गयी। फलस्वरूप प्रथम विश्वयुद्ध के समय भारत के औद्योगिक उत्पादन में तेजी से वृद्धि हुआ।

10. स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत सरकार ने मजदूरों की स्थिति म सधार के क्या प्रयास किए ?

उत्तर ⇒ स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत सरकार ने मजदूरों की स्थिति में सुधार लाने के लिए कुछ सराहनीय प्रयास किया। मजदूरों की आजीविका एवं उनके अधिकारों को ध्यान में रखते हुए सरकार ने सन् 1948 में न्यूनतम मजदूरी कानून पारित किया जिसके द्वारा कुछ उद्योगों में मजदूरों को न्यूनतम मजदूरी देना आवश्यक बना दिया गया। प्रथम पंचवर्षीय योजना में इसे महत्त्वपूर्ण स्थान दिया गया तथा

GAYA GUIDANCE PROGRAMME

दूसरी योजना में तो यहाँ तक स्पष्ट किया गया कि श्रमिकों को इतनी मजदूरी अवश्य मिलनी चाहिए जिससे वह अपना गुजारा कर सकें तथा साथ ही अपनी कार्यकुशलता बनाए रख सकें। तीसरी पंचवर्षीय योजना में मजदूरी वार्ड स्थापित किया गया और बोनस आयोग भी स्थापित किया गया। मजदूरों की स्थिति में सुधार हेतु सन् 1962 में केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय श्रम आयोग स्थापित किया। इसके द्वारा मजदूरों को रोजगार उपलब्ध कराया गया तथा उनकी मजदूरी को सुधारने का प्रयास किया गया।

इस तरह स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत सरकार ने उद्योग में लगे मजदूरों की आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए कई कदम उठाए हैं, जिसके कारण श्रमिकों की स्थिति में काफी सुधार आया है।

1. ग्रामीण तथा नगरीय जीवन के बीच भिन्नताओं को स्पष्ट करें।

उत्तर ⇒ ग्रामीण तथा शहरी या नगरीय जीवन के बीच दो मूलभूत अंतर देखा जाता है। प्रथम जनसंख्या का घनत्व और दूसरा कृषि आधारित आर्थिक क्रियाओं का अनुपात। नगरों में जनसंख्या का घनत्व ग्रामीण इलाकों से अधिक होता है। गाँवों में कम लोग ही अधिक स्थानों में रहते हैं परंतु नगरों में कम स्थानों में अधिक लोग रहते हैं। इसलिए गाँव जहाँ खुलापन लिए होते हैं वहीं शहर संकुचित एवं भीड़-भाड़ वाले होते हैं। नगरों और गाँवों में दूसरा मूलभूत अंतर कृषिजन्य क्रियाकलापों से संबंधित है। ग्रामीण जनसंख्या का एक बहुत बड़ा भाग कृषि और इसके उत्पाद पर आश्रित रहता है और वही इनकी आजीविका का मुख्य साधन होता है। इसके विपरीत शहरी जनसंख्या का अधिकांश भाग गैर-कृषि व्यवसायों विशेषकर नौकरी, उद्योग तथा व्यापारिक गतिविधियों में लगी रहती है। इसके अतिरिक्त ग्रामीण तथा शहरी जीवन की अर्थव्यवस्था एक-दूसरे से भिन्न होती है। शहरी अर्थव्यवस्था मुद्रा प्रधान अर्थव्यवस्था होती है। यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था की तुलना में अधिक गतिशील होती है।

2. शहरीकरण की प्रक्रिया में व्यवसायी वर्ग, मध्यम वर्ग एवं मजदूर वर्ग की भूमिका की चर्चा करें।

उत्तर ⇒ शहरीकरण की प्रक्रिया से समाज में विभिन्न वर्गों का अस्तित्व आया। शहरीकरण की प्रक्रिया में इन वर्गों की भूमिका क्रमानुसार इस प्रकार है

व्यवसायी वर्ग – शहरीकरण की प्रक्रिया के कारण व्यापार तथा वाणिज्य का विकास हुआ। नये-नये व्यवसायों के कारण विभिन्न व्यवसायी वर्ग का उदय हुआ चुकी व्यापार शहरों में ही होते थे इसलिए शहरों में ही विभिन्न व्यवसायी वर्ग अस्तित्व में आए। शहरों में यह व्यवसायी वर्ग एक नये सामाजिक शक्ति के रूप में उभरकर आए।

मध्यम वर्ग – शहरीकरण के परिणामस्वरूप समाज के एक नये वर्ग मध्यम वर्ग का उदय हुआ। यह एक शिक्षित वर्ग था जो विभिन्न पेशों में रहकर भी औसतन एक समान आय प्राप्त करने वाला वर्ग के रूप में उभरकर सामने आया एवं बुद्धिजीवी वर्ग कहलाया। यह मध्यम वर्ग शहरों में विभिन्न रूपों में कार्यरत जैसे- शिक्षक, वकील, चिकित्सक, इंजीनियर, क्लर्क, एकाउंटेंट्स आदि। समाज पर इनका व्यापक प्रभाव था। ये राजनीतिक आदोलन में भाग लेते थे एवं इसे नेतृत्व भी प्रदान करते थे।

मजदूर वर्ग – शहरीकरण की प्रक्रिया ने समाज में जहाँ एक ओर पूँजीपति वर्ग को जन्म दिया वहीं दूसरी ओर प्रमिक या मजदूर वर्ग को भी। कारखानेदारी प्रथा से शहरों में श्रमिक वर्ग का भी उदय और विकास

हुआ। ये मजदूर वर्ग संगठित होकर अपना संगठन बनाये तथा अपनी मांगों के समर्थन में समय-समय पर हड़ताल भी किए। इस प्रकार हड़ताल और श्रमिक आंदोलन आधुनिक शहरों की विशेषता बन गई।

3. शहरी जीवन में किस प्रकार के सामाजिक बदलाव आए ?

उत्तर ⇒ शहरी जीवन के कारण विभिन्न प्रकार के सामाजिक बदलाव आए, जो निम्नलिखित हैं

(i) शहरों में 'सामूहिक पहचान' के सिद्धांत को बढ़ावा मिला। ये समूह विभिन्न प्रजातियों, नृजातियों, जातियों, प्रदेश, क्षेत्रीयता का प्रतिनिधित्व करते हैं। कम स्थान में विभिन्न प्रकार के लोगों के रहने से पहचान की भावना बढ़ती है।

(ii) शहरीकरण के कारण शहरों में नए सामाजिक समूह बने। ये समूह व्यावसायिक थे जैसे बुद्धिजीवी, नौकरी पेशा समूह, राजनीतिज्ञ, चिकित्सक, व्यापारी इत्यादि। व्यवसायी वर्ग नगरों के उदय का एक प्रमुख कारण बना।

(iii) शहरीकरण के कारण समाज के नये मध्यमवर्ग का उदय हुआ। यह वर्ग पढ़ा-लिखा था। इसके अधिकांश सदस्य या तो नौकरी पेशा से संबंधित थे अथवा स्वतंत्र व्यवसाय में कार्यरत थे—जैसे वकील, डॉक्टर, लिपिक इत्यादि। ये नये सामाजिक परिवर्तनों को अपनाकर इनका प्रसार करते थे। समाज पर इनका व्यापक प्रभाव था।

(iv) शहरीकरण के कारण समाज में पूँजीपति वर्ग का भी उदय हुआ। अपनी पूँजी के आधार पर ये उद्योगों को नियंत्रित करते थे। आर्थिक उन्मुक्तवाद की नीति का लाभ उठाकर इन लोगों ने अपार धन संग्रह किया था। ये मजदूरों का शोषण करते थे। इसलिए धीरे-धीरे इनके विरुद्ध मजदूरों में प्रतिक्रिया हुई और मजदूर आंदोलन हुए।

(v) शहरी जीवन ने श्रमिकों के जीवन स्तर में भी काफी बदलाव लाए । कारखानों और उद्योगों में रोजगार की तलाश में गाँवों से आकर बड़ी संख्या में भूमिहीन किसान और मजदूर शहरों में बसने लगे। इनके श्रम पर ही औद्योगिक इकाइयाँ चली। परंतु पूँजीपतियों ने श्रमिकों का शोषण किया। फलतः श्रमिक संगठित हुए और श्रमिक संघों की स्थापना की गई। श्रमिकों ने अपनी मांगों की पूर्ति के लिए समय-समय पर हड़ताल किये। इस प्रकार हड़ताल और श्रमिक आंदोलन आधुनिक शहरों की विशेषता बन गई। शहरी जीवन ने औरतों के प्रति सोच में भी काफी बदलाव लाया। औरतों ने भी मताधिकार की माँग अथवा विवाहित स्त्रियों को संपत्ति में अधिकार देने के लिए आंदोलन चलाया।

4. शहरीकरण से आप क्या समझते हैं ? शहरीकरण में सहायक तत्वों का उल्लेख करें। या, शहरों के विकास की पृष्ठभूमि एवं उसके प्रक्रिया पर प्रकाश डालें।

उत्तर ⇒ शहरीकरण का इतिहास काफी पुराना है। मानव सभ्यता के विकास के साथ-साथ शहरों का भी उदय और विकास हुआ। सुमेर (मेसोपोटामिया), हड़प्पा (भारत-पाकिस्तान) रोम और यूनानी सभ्यताओं में अनेक नगर विकसित हुए। मध्यकालीन और आधुनिक काल में भी शहरीकरण की प्रक्रिया जारी रही। प्राचीन, मध्यकालीन और आधुनिक शहरों के स्वरूप में अंतर देखा जा सकता है। इन सभी शहरों की एक साझा विशेषता थी कि शहर गैर कषक उत्पादन, व्यवसाय और व्यापार के केंद्र थे। शहरों में नगरीय जीवन

एवं संस्कृति का विकास हुआ। शहरीकरण उस प्रक्रिया को कहते हैं जिसके अंतर्गत गाँव, छोटे कस्बे, शहर, र और महानगर में तब्दील हो जाते हैं। शहरों के उदय और विकास में अनेक नों का योगदान रहा है। इनमें आर्थिक, राजनीतिक और धार्मिक कारणों का समान महत्त्वपूर्ण है। शहरों का उदय एवं इसकी विकास की प्रक्रिया में तीन तत्त्वों का महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है। ये हैं –

(i) औद्योगिक पूँजीवाद का उदय |

(ii) उपनिवेशवाद का विकास |

(iii) लोकतांत्रिक आदर्शों का विकास।

शहरीकरण ने आर्थिक व्यवस्था के साथ-साथ सामाजिक एवं राजनीतिक व्यवस्था पर भी गहरा प्रभाव डाला।

5. शहरीकरण का पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ा ? प्रदूषण को रोकने के लिए क्या प्रयास किए गए ?

उत्तर ⇒ शहरीकरण का प्रतिकूल प्रभाव पर्यावरण पर पड़ता है। शहरों में कल-कारखानों के खुलने, बेतरतीब भीड़, गाड़ियों और लोगों की लगातार आवाजाही, गंदगी और धूल से पर्यावरण दूषित होगा। शहरों का विस्तार करने के क्रम में पाकतिक वातावरण को नष्ट कर दिया गया। जंगल काटे गए, पहाड़ियों को समतल किया गया तथा तटीय इलाकों को भूमि के रूप में परिवर्तित किया गया। इन सबका परिणाम हुआ पर्यावरण का दूषित होना। हवा, पानी को गंदगी ने प्रदूषित कर दिया, शोर-शराबे से भी वायु प्रदूषण बढ़ा। धीरे-धीरे नगर नियोजक इन समस्याओं कीओर ध्यान देने लगे। पर्यावरण को साफ-सुथरा बनाए रखने के लिए कुछ प्रयास किए गए।सरकार ने समय-समय पर शहरों के पर्यावरण में सुधार लाने और प्रदूषण को नियंत्रित करने के प्रयास किए। शहर में दुर्गंध फैलानेवाले इलाकों की सफाई करवाई गई। गंदे कारखानों को शहर से बाहर स्थानांतरित करने का प्रयास किया गया जो कारगर नहीं हुआ। भारत में पहली बार कलकत्ता में ही 1863 में धुआँ निरोधक कानून पारित किया गया। बंगाल धुआँ निरोधक आयोग के प्रयासों से कलकत्ता में औद्योगिक इकाइयों से निकलनेवाले धुएँ पर नियंत्रण कर वायु प्रदूषण को कम करने का प्रयास किया गया।

6. बंबई की चॉल और उनमें रहने वालों के जीवन पर एक संक्षिप्त निबंध लिखें।

उत्तर ⇒ चॉल मुख्यतः गरीब लोगों और बाहर से बंबई में आकर बसनेवाले लोगों के लिए बनवाए गए। 1901 की जनगणना के अनुसार बंबई की लगभग 80 प्रतिशत आबादी इन चॉलों में रहती थी।चॉल बहुमंजिली इमारतें थी। इनमें एक कमरे के मकान (खोली) कतार में बने होते थे। इनमें शौचालय और नल की व्यवस्था सार्वजनिक रूप से की गई थी। एक कमरे में औसतन चार-पाँच व्यक्ति रहते थे। कमरों का किराया अधिक होने के कारण कई मजदूर मिलकर एक कमरा ले लेते थे। एक चॉल में सामान्यतः एक ही जाति बिरादरी वाले रहते थे।

चॉलों का वातावरण अत्यंत दूषित और अस्वास्थ्यकर था। इनके पास ही खुले गटर और गंदी नालियाँ बहती थी। भैंसों के तबेले भी इनके पास ही रहते थे। इसस बराबर दुर्गंध आती रहती थी। शौचालयों में जाने के लिए एवं पानी लेने के लिए नल पर कतारें लगानी पड़ती थी। कमरों में स्थान की कमी होने के

कारण सड़कों पर और सार्वजनिक स्थान पर खाना बनाया जाता था, कपड़ा धोया जाता था और सोया भी जाता था। खाली जगहों पर शराब की दुकानें एवं अखाड़े भी खोल लिए जात थे। सार्वजनिक स्थलों पर विविध प्रकार के मनोरंजन भी किए जाते थे। चॉलों में रहनेवालों का जीवन चॉलों में ही सिमटा हुआ था। यहीं उन्हें रोजगारों, हड़तालों, प्रदर्शनों और अन्य गतिविधियों के विषय में जानकारी मिलती थी। इस प्रकार चॉलों में रहनेवालों के लिए बंबई कठिनाइयों और संघर्ष का पर्याय था।

07. एक औपनिवेशिक शहर के रूप में बंबई शहर के विकास की समीक्षा करें।

उत्तर ⇒ बंबई भारत का एक प्रमुख शहर था। सत्रहवीं शताब्दी में यह सात टापुओं का इलाका था। 1661 ई० में इंगलैंड के सम्राट चार्ल्स द्वितीय का विवाह पुर्तगाल की राजकुमारी से हुआ, जिसके परिणामस्वरूप पुर्तगाल ने चार्ल्स द्वितीय को दहेज में बंबई दे दिया। बाद में चार्ल्स-11 ने बंबई को ईस्ट इंडिया कंपनी को दे दिया। अपने व्यापार और राजनीतिक प्रभाव के विकास के क्रम में ईस्ट इंडिया कंपनी ने बंबई का विकास कर उसे महानगर में परिवर्तित कर दिया। बंबई का महत्त्व कपड़ा निर्यात केंद्र के रूप में था। अत: कंपनी ने पश्चिम भारत के प्रमुख बंदरगाह सूरत के स्थान पर बंबई को अपनी व्यापारिक गतिविधियों का केंद्र बनाया। 19वीं शताब्दी से बंबई का विकास एक महत्त्वपूर्ण बंदरगाह के रूप में होने लगा। यहाँ से अफीम और कपास का निर्यात किया जाता था। व्यापार के विकास के साथ-साथ यहाँ प्रशासकीय गतिविधियाँ भी बढ़ गई। अत: यह पश्चिमी भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी का मुख्यालय भी बन गया। औद्योगिकीकरण का जब विकास हुआ तो बंबई बड़े औद्योगिक केंद्र के रूप में बदल गया। ईस्ट इंडिया कंपनी ने बंबई को बंबई प्रेसीडेंसी की राजधानी बनाई। इसके बाद बंबई का तेजी से विकास हुआ। शहर फैलने लगा, व्यापारी, कारीगर, उद्योगपति, दुकानदार, श्रमिक बड़ी संख्या में यहाँ आकर बसने लगे। इससे बंबई पश्चिमी भारत का सबसे प्रमुख नगर बन गया। औद्योगिकीकरण के कारण बंबई नगर का तेजी से विकास हुआ। 1854 में बंबई में पहली सूती मिल की स्थापना के साथ ही बंबई औद्योगिकीकरण के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ा।

1. 1929 के आर्थिक संकट के कारण और परिणामों को स्पष्ट करें |

उत्तर ⇒ 1929 के आर्थिक संकट के कारण−1929 के आर्थिक संकट के महत्त्वपूर्ण कारण निम्नलिखित हैं−

(i) कृषि के क्षेत्र में अति उत्पादन के कारण विश्व बाजारों में खाद्यान्नों की आपूर्ति आवश्यकता से अधिक हो गई। इससे अनाज के मूल्य में कमी आई तथा उनका खरीददार नहीं रहा।

(ii) गरीबी और बेरोजगारी से उपभोक्ताओं की क्रय−क्षमता घट गई थी, अतः विश्व बाजार पर आधारित व्यवस्था लड़खड़ा गई।

(iii) अमेरिकी पैंजी के प्रवाह में कमी आर्थिक संकट का एक अन्य महत्त्वपूर्ण कारण था। अमेरिकी अर्थव्यवस्था का संकटग्रस्त हो जाना विश्व में महामंदी की स्थिति ला दी।

1929 के आर्थिक संकट के परिणाम – आर्थिक महामंदी का विश्वव्यापी प्रभाव पड़ा। यूरोपीय अर्थव्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। यूरोप के अनेक बैंक रातोंरात बंद हो गए। अनेक देशों की मुद्रा का अवमूल्यन हो

गया। अनाज और कच्चे माल की कीमतें घटने लगी। व्यापक विश्व बाजार का स्थान संकुचित आर्थिक राष्ट्रवाद ने ले लिया।

2. आर्थिक मंदी का अमेरिका, यूरोप तथा भारत पर हुए प्रभावों को इंगित करें।

उत्तर ⇒1929 ई० की आर्थिक संकट मंदी का प्रभाव अमेरिका, युरोप सहित भारत पर भी पडा जो निम्नलिखित हैं

(i) अमेरिका पर प्रभाव- आर्थिक मंदी का सबसे बुरा परिणाम अमेरिका को झेलना पड़ा। मंदी के कारण बैंकों ने लोगों को कर्ज देना बंद कर दिया और दिए हुए कर्ज की वसूली तेज कर दी। कर्ज वापस नहीं हो पाने से बैंकों ने लोगों के सामानों को कुर्क कर लिया। कारोबार के ठप पड़ जाने से बेरोजगारी बढ़ी तथा कर्ज की वसूली नहीं होने पर बैंक बर्बाद हो गए।

(ii) यूरोप पर प्रभाव- इस आर्थिक मंदी से सबसे प्रभावित देश जर्मनी और ब्रिटेन था। फ्रांस इस मंदी से इसलिए बच गया क्योंकि उसे जर्मनी से काफी मात्रा में युद्ध हर्जाना की राशि प्राप्त हुई थी। जर्मनी में अराजकता फैल गयी जिसका लाभ उठाकर हिटलर ने अपने आपको सत्तासीन किया। 1929 के बाद ब्रिटेन के उत्पादन, निर्यात, रोजगार, आयात तथा जीवन निर्वाह स्तर पर सबमें तेजी से गिरावट आई।

(iii) भारत पर प्रभाव- इस आर्थिक महामंदी ने भारतीय व्यापार को काफी प्रभावित किया। 1928 से 1934 के बीच देश का आयात–निर्यात घटकर आधा हो गया। गेहूँ की कीमत में 50 प्रतिशत की गिरावट आई। कृषि मूल्य में कमी के बावजद अंग्रेजी सरकार लगान की दरें कम करने को तैयार नहीं थी जिससे किसानों में असंतोष की भावना बढ़ी। आर्थिक मंदी भारत में सविनय अवज्ञा आंदोलन को जन्म दिया।

3. 1919 से 1945 के बीच विकसित होनेवाले राजनैतिक और आर्थिक संबंधों पर टिप्पणी लिखें।

उत्तर ⇒ युद्धोत्तर आर्थिक व्यवस्था और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों को दो चरणों में बाँटकर देखा जा सकता है (i) 1920 से 1929 तक का काल तथा (ii) 1929 से द्वितीय विश्वयुद्ध की समाप्ति अथवा 1945 तक का काल। इस समय के अंतर्राष्ट्रीय संबंधों को विकसित करने में आर्थिक कारणों का महत्त्वपूर्ण योगदान था।

(i) 1920 से 1929 तक का काल सामान्यतः आर्थिक समुत्थान एवं विकास का काल था। प्रथम महायुद्ध के बाद विश्व पर से यूरोप का प्रभाव क्षीण हो गया। हालाँकि एशियाई–अफ्रीकी उपनिवेशों पर उसकी पकड़ यथास्थिति बनी रही। युद्ध की समाप्ति के तत्काल बाद का दो वर्ष आर्थिक संकट का काल था। इस समय उत्पादन और माँग में कमी आई, बेरोजगारी बढ़ी जिससे औद्योगिक इकाइयों में श्रमिकों के हड़ताल होने लगे। 1922 के बाद के वर्षों में स्थिति में बदलाव आने लगा। नये तकनीक की सहायता से औद्योगिक विकास ने गति पकडी जिससे उत्पादन बढ़ा तथा उपभोक्ता वर्ग का भी विकास हुआ।

(ii) 1929-1945 इस चरण में अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संबंधों का विकास विश्वव्यापी आर्थिक महामंदी के प्रभावों को समाप्त करने अथवा उन्हें नियंत्रित करने के उद्देश्य से हुआ। आर्थिक महामंदी का आरंभ अमेरिका से हुआ था। अतः मंदी के प्रभाव को नियंत्रित करने का प्रयास वहीं से आरंभ हुआ। 1932 में फ्रेंकलीन डी० रूजवेल्ट अमेरिका के राष्ट्रपति निर्वाचित हुए। मंदी से निबटने के लिए रूजवेल्ट ने नई आर्थिक नीति अपनाई जिसे न्यू डील का नाम दिया गया। अमेरिका के समान यूरोपीय राष्ट्रों ने भी महामंदी के प्रभाव से बाहर निकलने एवं अर्थव्यवस्था को विकसित करने का प्रयास किया। इसके लिए यूरोपीय राष्ट्रों की सरकारों ने कड़ा मुद्रा नियंत्रण स्थापित किया। पूर्वी यूरोपीय राष्ट्रों ने 1932 में ओटावा सम्मेलन आयोजित किया, जिसमें आयात–निर्यात को संतुलित करने का प्रयास किया गया।

4. दो महायुद्धों के बीच और 1945 के बाद औपनिवेशिक देशों में होनेवाले राष्ट्रीय आन्दोलनों पर एक निबंध लिखें।

उत्तर ⇒ प्रथम विश्वयुद्ध के समाप्त होते ही मित्र राष्ट्रों ने दुनिया के सभी राष्ट्रों के लिए जनतंत्र तथा राष्ट्रीय आत्मनिर्णय का एक नया यग आरम्भ करने का वचन दिया था। ब्रिटिश सरकार ने तो यह घोषणा कर दी थी कि स्वराज्य स्थापना के जिस सिद्धांतों के लिए हम लड़ रहे हैं उसे भारत सहित सभी उपनिवेशों में लागू कर क्रमशः एक जिम्मेवार सरकार की स्थापना की जायेगी। युद्ध प्रारंभ होने के समय निलक तथा गाँधी जैसे नेताओं ने ब्रिटिश सरकार को युद्ध में हर संभव सहायता न की। परन्तु युद्ध के बाद मित्र राष्ट्रों ने उपनिवेशों में जनतंत्र लागू करने के बजाए इस पर और कठोर नियंत्रण स्थापित करने का प्रयास किया। रॉलेट एक्ट (1919) पारित होना तथा जालियांवाला बाग हत्याकाण्ड भारत में इसका उदाहरण है। 1029 की आर्थिक संकट के कारण उपनिवेशों का निर्यात घट गया। कषि सीटों के दाम घट गए फिर भी सरकार लगान की दर में कमी हेत तैयार नहीं भी दन सबसे उपनिवेशों में सरकार के प्रति घोर असंतोष राष्ट्रीय आंदोलन हेत जनता को प्रेरित कर रहा था। इसी वातावरण में 1930 ई० में भारत में सविनय अवज्ञा आन्दोलन शुरू हुआ। द्वितीय विश्वयुद्ध के समय ब्रिटेन ने पुनः भारतीयों से युद्ध में सहयोग की अपेक्षा रखते हुए क्रमशः अगस्त प्रस्ताव तथा क्रिप्स मिशन भेजा। इन दोनों प्रस्ताव से बात नहीं बनी और 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन ने ब्रिटिश शासन की नींव हिला दी।

5. 1945 से 1960 के बीच विश्व स्तर पर विकसित होने वाले आर्थिक संबंधों पर प्रकाश डालें।

उत्तर ⇒ 1945 से 1960 के बीच विश्व स्तर पर विकसित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संबंधों को तीन क्षेत्रों में विभाजित करके देखने का प्रयास किया जा सकता है। प्रथम, 1945 के बाद विश्व में दो भिन्न अर्थव्यवस्था का प्रभाव बढ़ा और दोनों ने विश्वस्तर पर अपने प्रभावों तथा नीतियों को बढ़ाने का प्रयास किया। संपूर्ण विश्व मुख्यतः दो गुटों में विभाजित हो गया। एक साम्यवादी अर्थतंत्र वाले देशों का गुट जिसका नेतृत्व सोवियत रूस कर रहा था, जिसकी विशेषता थी राज्य नियंत्रित अर्थव्यवस्था और दूसरा, पूँजीवादी अर्थतंत्र वाले देशों का गुट जिसकी विशेषता थी बाजार और मुनाफा आधारित आर्थिक व्यवस्था जिसका नेतृत्व संयुक्त राज्य अमेरिका कर रहा था। दूसरा क्षेत्र, पूँजीवादी अर्थतंत्र वाले देशों के बीच बनने वाले अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संबंधों के विकास के अंतर्गत आता है। यह क्षेत्र पूर्णतः संयुक्त राज्य अमेरिका के द्वारा संचालित हो रहा था। इसका प्रमुख उद्देश्य साम्यवादी अर्थतंत्र के विचार के बढ़ते प्रभाव को रोकना था। संयुक्त राज्य अमेरिका ने विश्व के दो क्षेत्रों दक्षिण अमेरिकी और मध्य तथा पश्चिम एशिया के तेल संपदा संपन्न देशों (इराक, इरान, सऊदी अरब, जार्डन, यमन, सीरिया, लेबनान) में जबरन अपनी नीतियों को थोपने का काम किया। वस्तुतः अमेरिका यह जानता था कि बाजार आधारित व्यवस्था के आधुनिक रूप की रीढ़ तेल और गैस नामक ऊर्जा स्रोत है, जिसकी कमी उसके सहयोगी अधिकांश पूँजीवादी अर्थव्यवस्था वाले देशों में थी। एक तीसरा क्षेत्र भी था जहाँ नवीन आर्थिक संबंध विकसित हुआ था, वह क्षेत्र था एशिया और अफ्रीका के नवस्वतंत्र देशों का। इन देशों पर तत्कालीन विश्व के दोनों महत्त्वपूर्ण आर्थिक शक्ति अमेरिका और सोवियत रूस अपना प्रभाव स्थापित करना चाहते थे। चूँकि ये सभी नवस्वतंत्र देश लंबे औपनिवेशिक शासन के दौरान आर्थिक रूप से बिलकुल विपन्न हो गए थे और अपनी स्वतंत्रता को बनाए रखने के लिए उन्हें इन दोनों देशों से आर्थिक और राजनीतिक दोनों प्रकार के सहयोग चाहिए था।

6. विश्व बाजार की क्या उपयोगिता है ? इससे क्या हानियाँ हुई है ?

उत्तर ⇒ आर्थिक गतिविधियों के कार्यान्वयन में विश्व बाजार की महत्त्वपूर्ण उपयोगिता है। विश्व बाजार व्यापारियों, पूँजीपतियों, किसानों, श्रमिकों, मध्यम वर्ग तथा सामान्य उपभोक्ता वर्ग के हितों की सुरक्षा करता है। विश्व बाजार का विकास होने से किसान अपने उत्पाद दूर–दूर के स्थानों और देशों में व्यापारियों के माध्यम से बेचकर अधिक धन प्राप्त करते हैं। कुशल श्रमिकों को विश्वस्तर पर पहचान और आर्थिक लाभ इसी बाजार से मिलता है। वैश्विक बाजार में नएं रोजगार के अवसर उपलब्ध होते हैं।

विश्व बाजार से हानियाँ – विश्व बाजार से जहाँ अनेक लाभ हुए, वहीं इससे अनेक नुकसानदेह परिणाम भी हुए। विश्व बाजार ने यूरोप में संपन्नता ला दी, लेकिन इसके साथ–साथ एशिया और अफ्रीका में साम्राज्यवाद और उपनिवेशवाद का नया युग आरंभ हुआ। औपनिवेशिक शक्तियों ने उपनिवेशों का आर्थिक शोषण बढ़ा दिया। भारत भी उपनिवेशवाद एवं साम्राज्यवाद का शिकार बना। सरकार ने ऐसी नीति बनायी जिससे यहाँ के कुटीर उद्योग नष्ट हो गए।
वैश्विक बाजार का एक दुष्परिणाम यह हुआ कि औपनिवेशिक देशों में रोजगार छिनने और खाद्यान्न के उत्पादन में कमी आने से गरीबी, अकाल और भूखमरी बढ़ गयी। विश्व बाजार के विकास से यूरोपीय राष्ट्रों में साम्राज्यवादी प्रतिस्पर्धा भी बढ़ी। इससे उग्र राष्ट्रवादी भावना का विकास हुआ।

1. वर्तमान समय (स्वतंत्र भारत) में प्रेस की भूमिका का वर्णन करें।
उत्तर ⇒ स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद और वर्तमान समय में भी प्रेस भारतीय राजनीति समाज, आर्थिक और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के विकास में महत्त्वपूर्ण एवं प्रभावशाली भूमिका का निर्वहन कर रहा है। इसका प्रभाव प्रत्येक क्षेत्र में देखा जा सकता है। वह सूचना, मनोरंजन, शिक्षा, खेलकट सिनेमा, रंगमंच, अंतर्राष्ट्रीय घटनाओं, सरकारी नीतियों, प्रादेशिक क्षेत्रीय और स्थानीय घटनाओं की जानकारी देनेवाला मुख्य माध्यम बन गया है। समाचारपत्रों ने साहित्यिक एवं सांस्कृतिक अभिरुचि जगाने में भी योगदान किया है। इसने सामाजिक सुधार कार्यक्रमों को भी प्रोत्साहित किया है। वर्तमान संदर्भ में प्रेस रचनात्मक भूमिका का भी निर्वहन कर रहा है। समाज के समक्ष आधुनिक वैज्ञानिक और दार्शनिक उपलब्धियों को रखकर यह नई चेतना और विश्वबंधुत्व की भावना जागृत कर रही है। लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करने में मानवाधिकारों की सुरक्षा करने में तथा प्रशासनिक भ्रष्टाचारों को उजागर करने में प्रेस की प्रभावशाली भूमिका है। आज प्रेस स्वतंत्र है। यह सरकार पर नियंत्रण रखने का प्रभावशाली अस्त्र बन गया है।
2. भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में प्रेस की भूमिका एवं प्रभाव की विवेचना कीजिए। अथवा, राष्ट्रीय आंदोलन को भारतीय प्रेस ने कैसे प्रभावित किया ?
उत्तर ⇒ भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के उद्भव एवं विकास में प्रेस की प्रभावशाली भूमिका रही। इसने राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक एवं अन्य मुद्दों को उठाकर, उन्हें जनता के समक्ष लाकर उनमें राष्ट्रवादी भावना का विकास किया तथा लोगों में जागृति ला दी।
प्रेस में प्रकाशित लेखों और समाचार–पत्रों से भारतीय औपनिवेशिक शासन के वास्तविक स्वरूप से परिचित हुए। वे अंग्रेजों की प्रजातीय विभेद और शोषण की नीतियों से परिचित हुए। समाचार–पत्रों ने उपनिवेशवाद और साम्राज्यवाद के घिनौने मुखौटा का पर्दाफाश कर दिया तथा इनके विरुद्ध लोकमत को संगठित किया। जनता को राजनीतिक शिक्षा देने का दायित्व समाचार–पत्रों ने अपने ऊपर ले लिया।

समाचार–पत्रों ने देश में चलने वाले विभिन्न आंदोलनों एवं राजनीतिक कार्यक्रमों से जनता को परिचित कराया। कांग्रेस के कार्यक्रम हों या उसके अधिवेशन, बंग–भंग आदोलन अथवा असहयोग आंदोलन, नमक सत्याग्रह और भारत छोड़ो आंदोलन समाचार पत्रों द्वारा लोगों को इनमें भाग लेने की प्रेरणा मिलती थी। कांग्रेस की भिक्षाटन की नीति का प्रेस ने विरोध किया तथा स्वदेशी और बहिष्कार की भावना को बढ़ावा देकर राष्ट्रवाद का प्रसार किया। इस प्रकार समाचार–पत्रों ने राष्ट्रीय आंदोलन को नई दिशा दी। तिलक, ऐनीबेसेंट, महात्मा गाँधी और अन्य प्रभावशाली नेता प्रेस के माध्यम से ही जनता तक पहुँच सके। समाचार–पत्रों के माध्यम से आम जनता भी प्रेस और राष्ट्रवाद से जुड़ गयी।

3. मद्रण क्रांति ने आधुनिक विश्व को कैसे प्रभावित किया।

उत्तर ⇒ मुद्रण क्रांति ने आम लोगों को जिन्दगी ही बदल दी | मुद्रण क्रांति के कारण छापाखानों की संख्या में भारी वृद्धि हुई। जिसके परिणामस्वरूप आधुनिक विश्व के निर्माण में अप्रत्याशित वृद्धि हुई। मुद्रण क्रांति के फलस्वरूप किताबें समाज के हर तबकों के बीच पहुँच पायी। किताबों की पहुंच आसान होने से पढ़ने की एक नई संस्कृति विकसित हुई। एक नया पाठक वर्ग पैदा हुआ तथा पढ़ने के कारण उनके अंदर तार्किक क्षमता का विकास हुआ। पठन–पाठन से विचारों का व्यापक प्रचार–प्रसार हुआ तथा तर्कवाद और मानवतावाद का द्वार खुला। धर्म सुधारक मार्टिन लूथर ने रोमन कैथोलिक चर्च की कुरीतियों की आलोचना करते हुए अपनी पिच्चानवें स्थापनाएँ लिखी। फलस्वरूप चर्च में विभाजन हुआ और प्रोटेस्टेंटवाद की स्थापना हुई। इस तरह छपाई से नए बौद्धिक माहौल का निर्माण हुआ एवं धर्म सुधार आंदोलन के नए विचारों का फैलाव बड़ी तेजी से आम लोगों तक हुआ। वैज्ञानिक एवं दार्शनिक बातें भी आम जनता की पहुँच से बाहर नहीं रही। न्यूटन, टामसपेन, वाल्तेयर और रूसो की पुस्तकें भारी मात्रा में छपने और पढ़ी जाने लगी।
मुद्रण क्रांति के फलस्वरूप प्रगति और ज्ञानोदय का प्रकाश यूरोप में फैल चुका था। लोगों में निरंकुश सत्ता से लड़ने हेतु नैतिक साहस का संचार होने लगा था। फलस्वरूप मुद्रण संस्कृति ने फ्रांसीसी क्रांति के लिए अनुकूल परिस्थितियों का निर्माण किया।

4. 19वीं शताब्दी में भारत में प्रेस के विकास को रेखांकित करें।

उत्तर ⇒ 19वीं शताब्दी में प्रेस ज्वलंत राजनीतिक एवं सामाजिक प्रश्नों को उठानेवाला एक सशक्त माध्यम बन गया । आधुनिक भारतीय प्रेस का आरंभ 1766 में विलियम बोल्टस द्वारा प्रकाशित समाचार–पत्र से माना जाता है। 1780 में जेम्स आगस्टस हिक्की ने अंग्रेजी भाषा में 'बंगाल गजट' नामक पत्रिका का प्रकाशन आरंभ किया। हिक्की के प्रेस को कंपनी ने जब्त कर लिया। नवम्बर, 1780 में प्रकाशित 'इंडिया गजट' दूसरा भारतीय पत्र था। भारतीयों द्वारा प्रकाशित प्रथम समाचार–पत्र 1816 में गंगाधर भट्टाचार्य का साप्ताहिक 'बंगाल गजट' था।1821 में बंगाली में संवाद कौमुदी तथा 1822 में फारसी में प्रकाशित मिरातुल अखबार के साथ प्रगतिशील राष्ट्रीय प्रवृत्ति के समाचार–पत्रों का प्रकाशन आरंभ हुआ। इन समाचार पत्रों के संस्थापक राममोहन राय थे जो अंग्रेजी में ब्राझिनिकल मैंगजीन भी निकाला। 1822 में बंबई से गुजराती भाषा में दैनिक बंबई समाचार निकलने लगे। द्वारकानाथ टैगोर, प्रसन्न कुमार टैगोर तथा राममोहन राय के प्रयास से 1830 में बंगदत्त की स्थापना हुई। 1831 में जामे जमशेद, 1851 में गोफ्तार तथा अखबारें सौदागर

का प्रकाशन आरंभ हुआ। ईस्ट इंडिया कंपनी के अधिकारी भारतीय समाचार–पत्रों द्वारा सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक चेतना के विकास को शंका की दृष्टि से देखते थे। इसलिए 19वीं शताब्दी में भारतीय प्रेस को प्रतिबंधित करने का कुत्सित प्रयास किया।

5. मुद्रण यंत्र की विकास यात्रा को रेखांकित करें। यह आधुनिक स्वरूप में कैसे पहुँचा?

उत्तर ⇒ मुद्रण कला के आविष्कार और विकास का श्रेय चीन को जाता है। 1041 ई० में एक चीनी व्यक्ति पि–शेंग ने मिट्टी के मुद्रा बनाए। इन अक्षर मुद्रों को साजन कर छाप लिया जा सकता था। इस पद्धति ने ब्लॉक प्रिंटिंग का स्थान ले लिया। धातु के मुवेबल टाइप द्वारा प्रथम पुस्तक 13वीं सदी के पूर्वार्द्ध में मध्य कोरिया में छापी गई। यद्यपि मवेबल टाइपों द्वारा मुद्रण कला का आविष्कार ता पूरख में ही हुआ, परंतु इस कला का विकास यूरोप में अधिक हुआ। 13वीं सदी के आतम में रोमन मिशनरी एवं मार्कोपोलो द्वारा ब्लॉक प्रिंटिंग के नमनं यरोप पहुँचे। रोमन लिपि में अक्षरों की संख्या कम होने के कारण लकड़ी तथा धातु के बने मूर्वबल टाइम का प्रसार तेजी से हुआ। इसी काल में शिक्षा के प्रसार, व्यापार एवं मिशनारया का बढ़ती गतिविधियों से सस्ती मुद्रित सामग्रियों की माँग तेजी से बढ़ी। इस मांग की पति के लिए तेज और सस्ती मद्रण तकनीकी की आवश्यकता थी, जिसे (14304 दशक में) स्ट्रेसवर्ग के योहान गुटेन्वर्ग ने पूरा कर दिखाया।

18वीं सदी के अंतिम चरण तक धातु के बने छापाखानं काम करने लगे। 19वीं–20वीं सदी में छापाखाना में और अधिक तकनीकी सुधार किए गए। 19वा शताब्दी में न्यूयार्क निवासी एम० ए० हो ने शक्ति–चालित बेलनाकार प्रेस का निर्माण किया। इसके द्वारा प्रतिघंटा आठ हजार ताव छापे जाने लगे। इससे मुद्रण में तेजी आई। 20वीं सदी के आरंभ से बिजली संचालित प्रेस व्यवहार में आया। इसने छपाई को और गति प्रदान की। प्रेस में अन्य तकनीकी बदलाव भी लाए गए।

6. औपनिवेशिक सरकार ने भारतीय प्रेस को प्रतिबंधित करने के लिए क्या किया ?

उत्तर ⇒ औपनिवेशिक काल में प्रकाशन के विकास के साथ–साथ इसे नियंत्रित करने का भी प्रयास किया। ऐसा करने के पीछे दो कारण थे—पहला, सरकार वैसी कोई पत्र–पत्रिका अथवा समाचार पत्र मुक्त रूप से प्रकाशित नहीं होने देना चाहती थी जिसमें सरकारी व्यवस्था और नीतियों की आलोचना हो तथा दूसरा, जब अंगरेजी राज की स्थापना हुई उसी समय से भारतीय राष्ट्रवाद का विकास भी होने लगा। राष्ट्रवादी संदेश के प्रसार को रोकने के लिए प्रकाशन पर नियंत्रण लगाना सरकार के लिए आवश्यक था। भारतीय प्रेस को प्रतिबंधित करने के लिए औपनिवेशिक सरकार के द्वारा पारित विभिन्न अधिनियम उल्लेखनीय हैं –

(i) 1799 का अधिनियम- गवर्नर जनरल वेलेस्ली ने 1799 में एक अधिनियम पारित किया। इसके अनुसार समाचार–पत्रों पर सेंशरशिप लगा दिया गया।

(ii) 1823 का लाइसेंस अधिनियम- इस अधिनियम द्वारा प्रेस स्थापित करने से पहले सरकारी अनुमति लेना आवश्यक बना दिया गया।

(iii) 1867 का पंजीकरण अधिनियम – इस अधिनियम द्वारा यह आवश्यक बना दिया गया कि प्रत्येक पुस्तक, समाचार पत्र एवं पत्र–पत्रिका पर मुद्रक, प्रकाशक तथा मुद्रण के स्थान का नाम अनिवार्य रूप से

दिया जाए। साथ ही प्रकाशित पुस्तक की एक प्रति सरकार के पास जमा करना आवश्यक बना दिया गया।

(iv) वाक्यूलर प्रेस एक्ट (1878) – लार्ड लिटन के शासनकाल में पारित प्रेस को प्रतिबंधित करने वाला सबसे विवादास्पद अधिनियम यही था। इसका उद्देश्य देशी भाषा के समाचार पत्रों पर कठोर अंकुश लगाना था। अधिनियम के अनुसार भारतीय समाचार पत्र ऐसा कोई समाचार प्रकाशित नहीं कर सकती थी जो अंगरेजी सरकार के प्रति दुर्भावना प्रकट करता हो। भारतीय राष्ट्रवादियों ने इस अधिनियम का बड़ा विरोध किया।

GAYA GUIDANCE PROGRAMME

अर्थशास्त्र

वस्तुनिष्ठ प्रश्न:-

1. अर्थव्यवस्थाओं के मुख्य प्रकार है -

(क) दो (ख) तीन(ग) चार(घ) अनेक

[Ans- ख]

2. किस अर्थव्यवस्था में उत्पादन के साधनों पर किसी व्यक्ति या नीजी संस्था का अधिकार रहता है?

(क) पूंजीवादीअर्थव्यवस्था में (ख) समाजवादी अर्थव्यवस्था में
(ग) मिश्रित अर्थव्यवस्था में (घ) इनमे से कोई नहीं

[Ans- क]

3. निम्नलिखित में कौन मिश्रित अर्थव्यवस्था है?

(क)निजी क्षेत्र (ख) सार्वजनिक क्षेत्र
(ग) 'क' एवं'ख' दोनों(घ) इनमे से कोई नहीं

[Ans- ग]

4. निम्रांकित में किस देश में मिश्रित अर्थव्यवस्था है?

(क) चीन(ख) अमेरिका(ग) भारत(घ) इनमे से कोई नहीं

[Ans- ग]

5.निम्नांकित में कौन-सा देश विकसित अर्थव्यवस्था का उदहारण है?

(क) इंडोनेशिया (ख) श्रीलंका(ग)भारत(घ) अमेरिका

[Ans- घ]

6.जीवन की भौतिक गुणवत्ता का सूचक है –

(क) जीवन प्रत्याशा (ख) शिशु मृत्यु दर
(ग) मौलिक साक्षरता (घ) इनमे सभी

[Ans- घ]

7.भारत में योजना आयोग की स्थापना हुई-

(क) 1948 में (ख) 1950 में(ग) 1951 में(घ) 1952 में

[Ans- ख]

8.बिहार एक राज्य है-

(क) उद्योग - प्रधान (ख) पशुपालन - प्रधान
(ग) खनिज – प्रधान (घ) कृषि प्रधान

[Ans- घ]

9.बिहार के आर्थिक पिछड़ेपन का कारण है-

(क) जनसंख्या में तीव्र वृद्धि (ख) कृषि पर आधारित जन भार
(ग) बाढ़ एवं सूखा का प्रकोप (ग) इनमे सभी

[Ans- घ]

10. भारत सरकार की नवीन आर्थिक नीति लागू हुई है–

(क) 1984-85 में (ख) 1990-91 में
(ग) 1994-95 में (घ)2001-02 में

[Ans- ख]

11. राज्य घरेलू उत्पाद का आकलन किया जाता है-

(क)वर्तमान मूल्यों पर (ख) स्थिर मूल्यों पर
(ग) 'क' एवं'ख' दोनों (घ) इनमे से कोई नहीं

[Ans- ग]

12. भारत में वितीय या लेखावर्ष की अवधी है-

(क) 1 जनवरी से 31 दिसंबर (ख) 1 अप्रैल से 31 मार्च
(ग) 1 जुलाई से 30 जून (घ) 1 सितम्बर से 31 अगस्त

[Ans- ख]

GAYA GUIDANCE PROGRAMME

13.राष्ट्रीय आय की गणना किस पद्धति द्वारा की जाती है ?
(क) उत्पादन-गणना पद्धति (ख) व्यय-गणना पद्धति
(ग) आय-गणनापद्धति(घ) इनमे से सभी[Ans- घ]

14. राजकीयआय का अभिप्राय है-
(क) सार्वजनिक उपक्रमों की आय (ख) सरकार की आय
(ग) 'क' एवं'ख' दोनों (घ) इनमे से कोई नहीं

[Ans- ख]

15. राष्ट्रीय आय में वृद्धि होने पर वृद्धि होती है –
(क) उपभोग में (ख) विनियोग में
(ग) 'क' एवं'ख' दोनों में (घ) इनमे से कोई नहीं

[Ans- ग]

16. बिहार में किस जिले की प्रति व्यक्ति आय सबसे कम है -
(क) नालंदा(ख) रोहतास (ग) सिवान(घ) शिवहर

[Ans- घ]

17. विनिमय की प्रारंभिक अवस्था में व्यापार किस पर आधारित था?
(क) वस्तु - विनिमय पर (ख) मौद्रिक – विनिमय पर
(ग)'क' एवं'ख' दोनों पर (घ) इनमे से कोई नहीं

[Ans- क]

18. 'मुद्रा वह है जो मुद्रा का कार्य करती हो |" मुद्रा की यह परिभाषा किसने दी है?
(क) मार्शल ने (ख) रॉबर्टसन ने (ग) हार्टले विदर्स ने (घ) सेलिगमैन ने

[Ans- ग]

19. मुद्रा की वैधानिक परिभाषा किसने दी?
(क) प्रो० मार्शल ने (ख) प्रो० पीगू ने (ग)प्रो० राबर्ट्सन ने(घ) सेलिगमैन ने [Ans- घ]

20. मुद्राकेप्रमुख कार्य हैं –
(क) विनिमय का माध्यम (ख) मूल्य का मापक
(ग) मूल्य का संचय (घ) इनमे से सभी

[Ans- घ]

21. "मुद्रा वह धुरी है जिसके चारो ओर अर्थविज्ञान घूमता है |" यह किस अर्थशास्त्री का कथन है –
(क) पीगू(ख) क्राउथर
(ग) मार्शल(घ) राबर्ट्सन

GAYA GUIDANCE PROGRAMME

[Ans- ग]

22. हमारे देश में किस मुद्रा को वैधानिक मान्यता है –
(क) वस्तु-मुद्रा(ख) साख-मुद्रा
(ग) चेक(घ) पत्र-मुद्रा

[Ans- घ]

23. साख का अर्थ है –
(क) विश्वास करना (ख) ऋण लौटाने की क्षमता
(ग) 'क' एवं'ख' दोनों (घ) इनमे से कोई नहीं

[Ans- ग]

24. व्यावसायिक बैंकों द्वारा दिया जाने वाला ऋण को कहते हैं –
(क) साख-मुद्रा(ख) बैंक-मुद्रा(ग) 'क' एवं'ख' दोनों(घ) इनमे से कोई नहीं[Ans- ग]

25. भारत का केन्द्रीय बैंक है –
(क) स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया (ख) बैंक ऑफ इंडिया
(ग) सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया (घ) रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया

[Ans- घ]

26. राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक स्थापना हुई –
(क) 1952 में (ख) 1962 में (ग) 1972 में (घ) 1982 में

[Ans- घ]

27. रिज़र्व बैंक स्थापना हुई थी –
(क) 1930 में (ख) 1935 में (ग) 1942 में (घ) 1945 में

[Ans- ख]

28. व्यावसायिक बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया गया–
(क) 1969 में (ख) 1971 में (ग) 1975 में (घ) 1982 में

[Ans- क]

29. केन्द्रीय सहकारी बैंकों का संगठन होता है –
(क) ग्राम-स्तर पर (ख) जिला-स्तर पर
(ग) राज्य-स्तर पर (घ) राष्ट्रिय-स्तर पर

[Ans- ख]

30. भूमि विकास बैंक किस प्रकार का ऋण प्रदान करता है ?
(क) अल्पकालीन ऋण (ख) मध्यकालीन ऋण
(ग) दीर्घकालीन ऋण (घ) इनमे से सभी

[Ans- ग]

GAYA GUIDANCE PROGRAMME

31. एकअर्थव्यवस्था के किस क्षेत्र को सेवा क्षेत्र कहा जाता है?
(क) प्राथमिक क्षेत्र(ख) द्वितीयक क्षेत्र
(ग) तृतीयक क्षेत्र (घ) इनमे से सभी

[Ans- ग]

32. विकासशील देशों कीकार्यशील जनसंख्या का अधिकांश भाग कार्यरत होता है –
(क) कृषि क्षेत्र में (ख) औद्योगिक क्षेत्र में
(ग) सेवा क्षेत्र में(घ) इनमे से सभी [Ans- क]

33. आर्थिक विकास का तीसरा क्षेत्र है –
(क) कृषि क्षेत्र (ख) उद्योग क्षेत्र (ग) विज्ञान क्षेत्र (घ) सेवा क्षेत्र

[Ans- घ]

34. भारत की परिवहन सेवाओं में कौन सर्वाधिक महत्वपूर्ण है ?
(क) सड़कें (ख) रेलवे (ग) जहाजरानी (घ) नगर विमानन

[Ans- ख]

35. भारत का पहला टेलीविजन केन्द्र कहाँ स्थापित हुआ था?
(क) मुंबई (ख) कोलकाता (ग) दिल्ली (घ) चेन्नई

[Ans- ग]

36. किस आयु वर्ग वाले बच्चों को निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा प्रदान करना राज्य का दायित्व है?
(क) 4-12 वर्ष(ख) 6-19 वर्ष (ग) 7-15 वर्ष (घ) 8-16 वर्ष

[Ans- ख]

37. सरकार ने 'राष्ट्रीय पोषण सहयोग कार्यक्रम' अथवा'मध्याह्न भोजन' आरंभ किया है–
(क)जुलाई 1990 से (ख) जुलाई 1991 से
(ग) अगस्त 1995 से (घ) जून 2001 से

[Ans- ग]

38. वैश्वीकरण का अर्थ है –
(क) आयात पर नियंत्रण(ख) निर्यात पर नियंत्रण
(ख)विश्व अर्थव्यवस्था से समन्वय (घ) इनमे से कोई नहीं

[Ans- ग]

39. वैश्वीकरण के मुख्य अंग हैं –

(क) दो (ख) तीन (ग) चार (घ) पाँच

[Ans- ग]

40. विश्व व्यापार संगठन की स्थापना हुई –
(क) 1990 में (ख) 1991 में (ग) 1995 में (घ) 1997 में

[Ans- ग]

41. निम्नांकित में कौन-सी संस्था वैश्वीकरण के विस्तार में सहायक हुई –
(क) अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (ख) विश्व बैंक
(ग) विश्व व्यापार संगठन(घ) इनमे से सभी

[Ans- घ]

42. वैश्वीकरण से बिहार के किस उद्द्योग को प्रोत्साहन मिला है –
(क) कृषि एवं पशुपालन (ख) पर्यटन
(ग) विनिर्माण(घ) इनमेसे कोई नहीं

[Ans- ख]

43. राज्य-नियंत्रित उद्द्योगों को किस नाम से संबोधित किया जाता है –
(क) सार्वजनिक उपक्रम (ख) लोक उपक्रम
(ग) राजकीय उपक्रम (घ) इनमे से सभी

[Ans- घ]

44. भारत सरकार द्वारा आर्थिक सुधर-संबंधी नवीन आर्थिक नीति अपनाई गई
(क) 1980 में (ख) 1985 में (ग) 1991 में (घ) 2001 में

[Ans- ग]

45. उपभोक्ता जागरूकता आन्दोलन का प्रारंभ हुआ –
(क) अमेरिका में (ख) फ्रांस में (ग) इंग्लॅण्ड में (घ) जर्मनी में

[Ans- ग]

46. सर्वप्रथम किस देश में उपभोक्ता अधिकारों की घोषणा हुई–
(क) इंग्लॅण्ड में (ख) अमेरिका में (ग) भारत में (घ) श्रीलंका में

[Ans- ख]

47. उपभोक्ताआन्दोलन के प्रवर्तकमाने जाते हैं –
(क) राष्ट्रपति रूजवेल्ट (ख) प्रो० मोहम्मदयुनुस
(ग) राल्फ नादर (घ) डॉ० कलाम

[Ans- ग]

48. उपभोक्ता जागरूकता के लिए भारत सरकार का सबसे प्रचलित नारा है –

GAYA GUIDANCE PROGRAMME

(क) 'जागो ग्राहक जागो' (ख) 'धोखाधड़ी से बचो'
(ग) 'अपने अधिकारों को पहचानो' (घ) 'सजग उपभोक्ता बनो'

[Ans- क]

49. सूचना का अधिकार किस प्रकार का अधिकार है ?
(क) वैधानिक (ख) एच्छिक (ग) धार्मिक (घ) परंपरागत

[Ans- क]

50. भारत में सूचना का अधिकार का अधिनियम पारित हुआ –
(क) मार्च 2001 में (ख) अप्रैल 2003
(ग) अक्टूबर 2005 में (घ) नवंबर 2007 में

[Ans- ग]

51. भारत में 'मानव अधिकार सुरक्षा अधिनियम' पारित हुआ –
(क) 1981 में (ख) 1991 में
(ग) 1993 में (घ) 1995 में

[Ans- ग]

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. आर्थिक विकास से आप क्या समझते हैं ?
उत्तर :- 'आर्थिक विकास' दो शब्दों से बना है आर्थिक तथा विकास। इसके अंतर्गत सभी मानवीय, पूँजीगत तथा प्राकृतिक एवं तकनीकी संसाधनों का विकास शामिल किया जाता है।
2. राष्ट्रीय आय क्या हैं?
उत्तर :– वर्ष भर में किसी देश में अर्जित आय की कुल मात्रा को राष्ट्रीय आय कहा जाता है। इसमें देश में उत्पादित वस्तुओं एवं सेवाओं का मूल्य शामिल किया जाता है।
3. मुद्रा की वैधानिक परिभाषा दें ?
उत्तर :– वैधानिक परिभाषा के अनुसार मद्रा वह है जिसे सरकार कानूनी रूप से मुद्रा की मान्यता प्रदान करती है। भारत में रुपया इसका उदाहरण है।
4. मुद्रा का प्रधान या प्राथमिक कार्य क्या है ?
उत्तर :– मुद्रा के प्रधान या प्राथमिक कार्य इस प्रकार से हैं :
(i) मुद्रा साख का आधार है क्योंकि इसी को आधार बनाकर साख–पत्र जारी होता है।
(ii) यह सामाजिक आय के वितरण का भी आधार है।
(iii) मुद्रा अधिकतम संतुष्टी का भी आधार है।
(iv) मुद्रा द्वारा शोधन क्षमता की गारंटी प्रदान की जाती है।
(v) मुद्रा निर्णय का वाहक है क्योंकि इसके द्वारा किसी भी सेवा या वस्तु का क्रय किया जा सकता है।
5. साख क्या है ?

उत्तर :– साख का अर्थ विशवास या भरोसा करना है। परंतु साख शब्द का यह व्यापक अर्थ है। जब हम किसी व्यक्ति या संस्था की साख का उल्लेख करते हैं तब इससे उसकी ईमानदारी तथा ऋण लौटाने की क्षमता का बोध होता है। जिस व्यक्ति को आसानी से ऋण या उधार मिल जाता है, हम कहते हैं कि उसकी साख अच्छी है।

6. बिहार में प्रतिव्यक्ति आय निम्न होने का क्या कारण है ?

उत्तर :– बिहार में प्रतिव्यक्ति आय निम्न होने का कारण बचत का निम्न स्तर है।

7.कुल घरेलू उत्पाद क्या है ?

उत्तर : सकल **घरेलू उत्पाद** (जीडीपी) एक विशिष्ट समय अवधि में देश की सीमाओं के भीतर उत्पादित सभी तैयार वस्तुओं और सेवाओं का मौद्रिक मूल्य है। किसी देश को मापने का सबसे अच्छा तरीका सकल **घरेलू उत्पाद** हैअर्थव्यवस्था. जीडीपी देश में सभी लोगों और कंपनियों द्वारा उत्पादित हर चीज का **कुल** मूल्य है।

8.मानव विकास सूचकांक में आर्थिक विकास के क्या मापदंड निर्धारित किये गये हैं ?

उत्तर : मानव विकास सूचकांक (HDI) एक **सूचकांक** है, जिसका उपयोग देशों को "**मानव विकास**" के आधार पर आंकने के लिए किया जाता है। ... **मानव विकास सूचकांक** (एचडीआई) [जीवन प्रत्याशा], [शिक्षा], और [प्रति व्यक्ति आय] संकेतकों का एक समग्र आंकड़ा है, जो **मानव विकास** के चार स्तरों पर देशों को श्रेणीगत करने में उपयोग किया जाता है।

9. सहकारिता से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर :- सामान्य अर्थों में सहकारिता का अर्थ है – एक साथ मिल – जुल कर कार्य करना। लेकिन अर्थशास्त्र में सहकारिता की परिभाषा इस प्रकार दी जा सकती है —“ सहकारिता वह संगठन है जिनके द्वारा दो या दो से अधिक व्यक्ति स्वेच्छापूर्वक मिल–जुलकर समान स्तर पर आर्थिक–हितों की वृद्धि करते हैं। इस प्रकार सहकारिता उस आर्थिक व्यवस्था को कहते हैं जिसमें मनुष्य किसी आर्थिक उद्देश्य की पूर्ति के लिए मिल–जुलकर कार्य करते हैं।

10. स्वयं सहायता समूह क्या है ?

उत्तर :- ग्रामीण या शहरी क्षेत्र में छोटी बचत करने वाले 15-20 व्यक्तियों का वह समूह जो अपने सदस्यों को उनके निजी एवं व्यावसायिक जरूरतों के लिए ब्याज पर ऋण देता है, स्वयं सहायता समूह (SHG) कहलाता है। यह समूह बैंक से ऋण लेकर अपने सदस्यों को मदद करता है। इनकी ब्याज दर महाजन / साहुकार द्वारा लिए जानेवाले ब्याज से कम होती है।

11. सूक्ष्म वित्त योजना को परिभाषित करें ?

उत्तर :- सूक्ष्म वित्त योजना के द्वारा गाँव, कस्बा और जिला में गरीब जरूरतमंद लोगों को स्वयं सहायता समूह के माध्यम से ऋण उपलब्ध कराया जाता है। इससे छोटे पैमाने पर कम ब्याज पर साख अथवा ऋण की सुविधा प्रदान होती है।

12. एक अर्थव्यवस्था में रोजगार के प्रमुख क्षेत्र क्या हैं ?

उत्तर :- एक अर्थव्यवस्था में रोजगार के मुख्यतः तीन क्षेत्र हैं

(i) कृषि क्षेत्र,
(ii) उद्योग क्षेत्र एवं
(iii) सेवा क्षेत्र।

13. तृतीयक क्षेत्र के अंतर्गत कौन-कौन सी सेवाओं को सम्मिलित किया जाता है ?

उत्तर : तृतीयक क्षेत्र का विकास २०वीं शताब्दी के आरम्भ में शुरू हुआ। इसके **अन्तर्गत** व्यापार, यातायात, संप्रेषण (कमुनिकेशन्स), वित्त, पर्यटन, सत्कार (हॉस्पितैलिटी), संस्कृति, मनोरंजन, लोक प्रशासन एवं लोक **सेवा**, सूचना, न्याय, स्वास्थ्य, शिक्षा आदि आते **हैं**।

14.आउटसोर्सिंग किसे कहते हैं?

उत्तर : आउटसोर्सिंग' का साफ अर्थ किसी तीसरी पार्टी द्वारा निष्पादित कार्य को कहा जा सकता है।

15.बहुराष्ट्रीय निगम क्या है ?

उत्तरः एक बहुराष्ट्रीय निगम (MNC) या ट्रांसनैशनल कॉर्पोरेशन (TNC), जिसे बहुराष्ट्रीय उद्यम (MNE) भी कहा जाता है, एक निगम या उद्यम है जो उत्पादन का प्रबंधन करता है या एक से अधिक देशों में सेवाएं प्रदान करता है। इसे अंतर्राष्ट्रीय निगम के रूप में भी संदर्भित किया जा सकता है।

16. विश्व व्यापार संगठन कब और क्यों स्थापित किया गया ?

उत्तर :- विश्व व्यापार संगठन (WTO)की स्थापना 1995 में हुई। द्वितीय महायुद्ध के समय विश्व के प्रायः सभी देशों में विदेशी व्यापार पर कई प्रकार के कारण अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का क्षेत्र क्रमशः संकुचित होता जा रहा था। अतः, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की सुविधाओं को बढ़ाने के लिए 1947 में जेनेवा सम्मेलन में एक समझौता हुआ। यह समझौता ही 'सामान्य प्रशुल्क एवं व्यापार समझौता' (GATT) कहा जाता है। इस समझौते का मुख्य उद्देश्य व्यापारिक प्रतिबंधों को कम करना है।

17.प्रत्यक्ष विदेशी निवेश क्या है?

उत्तरः फौरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट (FDI) यानी **प्रत्यक्ष विदेशी निवेश** वह **निवेश** होता है जो किसी एक देश की कंपनी या व्यक्ति या दूसरे देश में स्थित व्यवसाय हितों के लिए किया जाता है। आम तौर पर, एफडीआई तब होता है जब कोई **निवेशक** विदेश में व्यवसाय प्रचालन की स्थापना करता है या किसी दूसरे देश में **विदेशी** व्यवसाय एसेट की खरीद करता है।

18.उदारीकरण से आप क्या समझते हैं

उत्तर : उदारीकरण का अर्थ ऐसे नियंत्रण में ढील देना या उन्हें हटा लेना है, जिससे आर्थिक विकास को बढ़ावा मिले। **उदारीकरण** में वे सारी क्रियाएँ सम्मिलित हैं, जिसके द्वारा किसी देश के आर्थिक विकास में बाधा पहुँचाने वाली आर्थिक नीतियों, नियमों, प्रशासनिक नियंत्रणों, प्रक्रियाओं आदि को समाप्त किया जाता है या उनमे शिथिलता दी जाती है।

19.भारत में उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम पारित करने की क्यों आवशयकता हुई ?

उत्तर: उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम - उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986 व्यापार और उद्योग के शोषण से उन लोगों के अधिकारों और हितों को बचाने के लिए बनाया गया था जो किसी न किसी प्रकार से **उपभोक्ता** है। इस **अधिनियम** के अनुसार कोई भी व्यक्ति, जो अपने प्रयोग हेतु वस्तुएं एवं सेवाएं खरीदता है **उपभोक्ता** है।

20.भारतीय मानक ब्यूरों का प्रमुख कार्य क्या है ?

उत्तर : भारतीय मानक ब्यूरो (बी. आई.एस.) ... **भारतीय मानक ब्यूरो** की मानकीकरण और प्रमाणन योजना उपभोक्ताओं और उद्योग को लाभ पहुँचाने के अलावा, विशेष रूप से उत्पाद सुरक्षा, उपभोक्ता संरक्षण खाद्य सुरक्षा सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण भवन और निर्माण आदि जैसे क्षेत्रों में विभिन्न सरकारी नीतियों का समर्थन करती है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. आर्थिक विकास क्या है ? आर्थिक विकास एवं आर्थिक वृद्धि में अंतर बताइए।

उत्तर–आर्थिक विकास एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके द्वारा दीर्घकाल में किसी अर्थव्यवस्था की वास्तविक राष्ट्रीय आय में वृद्धि होती है। आर्थिक विकास का मुख्य उद्देश्य अर्थव्यवस्था के समस्त क्षेत्रों में उत्पादकता का ऊँचा स्तर प्राप्त करना होता है। इसके लिए विकास प्रक्रिया को गतिशील करना पड़ता है। सामान्य तौर पर आर्थिक विकास एवं वृद्धि, दोनों में कोई अंतर नहीं माना जाता। दोनों शब्दों को एक–दूसरे के स्थान पर प्रयोग किया जाता है। अर्थशास्त्र के विशेषज्ञों ने इनमें निम्नलिखित अंतर पाया है। श्रीमती उर्सला हिक्स के अनुसार, "आर्थिक वृद्धि शब्द का प्रयोग आर्थिक दष्टि से विकसित उन्नत देशों के संबंध में किया जाता है जबकि विकास शब्द का प्रयोग विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के संदर्भ में किया जा सकता है।

आर्थिक विकास एवं आर्थिक वद्धि में अन्तर

(i)आर्थिक विकास विकसित देशों के विकास से संबंधित अवधारणा है जबकि आर्थिक वद्धि विकसित देशों के विकास से संबंधित अवधारणा है

(ii) आर्थिक विकास में आकस्मिक तथा रुक–रुककर परिवर्तन आते हैं जबकि आर्थिक वृद्धिएक क्रमिक, दीर्घकाल में स्थिर प्रक्रिया है

(iii) आर्थिक विकास उन्नती की प्रबल इच्छा एवं सृजनात्मक शक्तियों का प्रतिफल हैं जबकि आर्थिक वृद्धि एक परंपरागत तथा नियमित घटनाओं का परिणाम है।

(iv) आर्थिक वृद्धि के अन्तर्गत उत्पादकता में वृद्धि होती है जबकि आर्थिक विकास के अन्तर्गत उत्पादकता में वृद्धि के साथ–साथ तकनीकी और संस्थागत परिवर्तन होता है।

(v)आर्थिक विकास गत्यात्मक संतुलन की स्थिति को बताती है जबकि आर्थिक वद्धि स्थैतिक संतुलन की स्थिति होती है।

2. बिहार के आर्थिक पिछड़ेपन के क्या कारण हैं ? बिहार के पिछडेपन को दूर करने के उपायों को लिखें।

उत्तर– बिहार में पिछड़ेपन के निम्नलिखित कारण हैं –

(i) तीव्र गति से बढ़ती जनसंख्या- बिहार में तीव्र गति से जनसंख्या में वृद्धि हो रही है। 2011 की जनगणना के अनुशार यहाँ की जनसंख्या 10,38,04,637 करोड़ हो गयी है। बढ़ती जनसंख्या विकास में बड़ी बाधा है।

(ii) धीमी कृषि का विकास-राज्य की अर्थव्यवस्था कृषि पर आधारित है। यहाँ की कृषि व्यवस्था उन्नत नहीं है। जिससे कृषि पिछड़ा हुई है

(iii) उद्योग धंधों का अभाव- झारखण्ड के अलग होने से अधिकांश उघोग–अंधे झारखंड चले गये हैं. जो पिछडापन का मख्य कारण है।

(iv) बाढ एवं सूखा से क्षति- बिहार को बाढ़ एवं सूखा से प्रतिवर्ष काफी क्षति उठानी पडती हैं। प्रत्येक वर्ष सीतामढ़ी, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, मधुबनी, सहरसा आदि जिलों में बाढ़ तथा सूखा की स्थिति देखने को मिलती है।

(v) गरीबी- बिहार भारत के बीमारू राज्यों में से एक है। प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत से कम है। इस प्रकार यहाँ गरीबी का कुचक्र चलता रहता है

(vi) प्राकृतिक साधनों के समुचित उपयोग का अभाव –बिहार है। उपलब्ध प्राकृतिक साधनों का समुचित उपयोग नहीं हो पा रहा है। झारखण्ड के अलग हो जाने के बाद यहाँ वन एवं खनिज की कमी हो गयी है। इसव पिछड़ापन का शिकार है।

(vii) कुशल प्रशासन का अभाव- बिहार में प्रशासन व्यवस्था की स्थति भी काफी खराब है।

पिछड़ापन दूर करने के उपाय- बिहार का आर्थिक पिछडापन आर्थिक,समाजिक एव राजनैतिक कारणों का संयुक्त परिणाम है तथा इसके संवृद्धि एवं कृषि एवं ग्राम–प्रधान राज्य है। अतः कृषि के विकास अतः कृषि के विकास और आधुनिकीकरण के बिना राज्य की संवद्धि संभव नहीं है। बिहार में कृषि वर्तमान स्थिति अत्यंत शोचनीय है। इसमें सुधार के लिए भूमि सुधार कार्यक्रमों का प्रभावपूर्ण कार्यान्वयन, सिंचाई–सुविधाओं का विस्तार, कृषि कार्यो के लिए पर्याप्त बिजली की आपूर्ति तथा बाढ़ और जल जमाव की समस्याओं का समाधान आवश्यक है। बिहार की भूमि उर्वर है और यहाँ कई प्रकार की व्यावसायिक फसलों का उत्पादन होता है। अतएव, इसके पिछड़ेपन को दूर करने के लिए राज्य में खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को विकसित करना भी आवश्यक है।

3. राष्ट्रीय आय की परिभाषा दें। उसकी गणना की प्रमुख विधियाँ कौन-कौन सी हैं ?

उत्तर–किसी देश की पूँजी एवं श्रम का उसके प्राकृतिक साधना करने से प्रतिवर्ष वस्तओं का एक शद्ध समह उत्पन्न होता है जिसम अभौतिक पदार्थ एवं सभी प्रकार की सेवाएँ सम्मिलित रहती है। इस स जाति को देश की वास्तविक वार्षिक आय या वार्षिक राजस्व अथवा राष्ट्रीय आय कहते हैं।
राष्ट्रीय आय की माप के निम्न तरीके हैं–

(i) उत्पत्ति गणना पद्धति- इस पद्धति के अनुसार किसी वर्ष में कृषि, उद्योग तथा उत्पादन के अन्य क्षेत्रों में जो उत्पादन होता है उसकी गणना की जाती है। इस कल उत्पत्ति में से अचल पँजी का ह्रास तथा चल पूजा पातस्थापन को आय तथा कर एवं बीमा आदि का व्यय निकालकर जा शप है उसे शद्ध उत्पत्ति कहते हैं। यह शद्ध उत्पत्ति राष्ट्रीय आय होती है। इस पर के विभिन्न साधनों के बीच वितरित किया जाता है।

(ii) आय गणना पद्धति- राष्टीय आय को मापने की आय गणना पद्धात वह विधि है जो एक लेखा वर्ष में उत्पादन के प्राथमिक साधनों को उनका उत्पादक सेवाओं के बदले किए गए भगतानों की दष्टि से राष्ट्रीय आय की माप करता है।

(iii) व्यय विधि- व्यय विधि वह विधि है जिसके द्वारा एक लेखा वर्ष में बाजार कीमत पर सकल घरेलू उत्पाद पर किए गए अंतिम व्यय को मापा जाता है। यह अंतिम व्यय बाजार कीमत पर सकल घरेल उत्पाद के बराबर लेता है।

(iv) **व्यावसायिक गणना पद्धति-** इस प्रणाली में लोगों की आय की गणना इनके पेशें के अनुसार की जाती है। जहाँ आय के पर्याप्त आँकड़े नहीं प्राप्त होते वहाँ इसी पद्धति को काम में लाया जाता है। पहले विभिन्न प्रकार के व्यवसाय से लोगों को प्राप्त आय की गणना की जाती है और तब इनका कुल योग राष्ट्रीय आय को सूचित करता है। जैसे—कृषि, उद्योग, यातायात तथा अन्य व्यवसाय।

(v) **सामाजिक लेखांकन पद्धति-** प्रो० रिचर्ड ने राष्ट्रीय आय की माप करने के लिए इस पद्धति का प्रयोग किया था। सामाजिक लेखांकन आर्थिक नीति का एक नियोजक यंत्र है। यह राष्ट्र की गतिविधियों पर विशेष ध्यान रखता है तथा देश की आर्थिक नीतियों के निर्माण में सहायता करता है।

4. वस्तु-विनिमय प्रणाली की कठिनाइयों का वर्णन कीजिए। मुद्रा ने इस कठिनाई को कैसे दूर किया है ?

उत्तर–वस्तु–विनिमय प्रणाली काफी समय तक प्रचलन में थी, लेकिन इसम अनेक कठिनाइयाँ थीं। इस प्रणाली की मख्य कठिनाइयाँ निम्नाकित है–

(i) **आवश्यकताओं के दोहरे संयोग का अभाव-** वस्तु–वा के अंतर्गत ऐसे दो व्यक्तियों में संपर्क होना आवश्यक है जिन का आवश्यकता–पूर्ति हेत वस्तएँ हों। लेकिन वास्तविक जीवन में इस प्रकार का संयोग बहुत कठिनाई से होता है। यदि विनिमय का क्षेत्र ह। यदि विनिमय का क्षेत्र अत्यंत सीमित है तो ऐसा दोहरा संयोग मिल सकता है और विनिमय में विशेष र सकता है और विनिमय में विशेष कठिनाई नहीं होगा। परंतु, विनिमय एवं व्यापार के विस्तार के साथ यह का विस्तार के साथ यह कठिनाई बढ़ती जाती है।

(ii) **मूल्य के सामान्य मापदंड का अभाव-** वस्तु–विनिमय प्रणाली में मूल्य को मापने का कोई सामान्य मापदंड नहीं होता। एक
मान्य मापदंड नहीं होता। एक सामान्य मापदंड के अभाव में दो वस्तुओं के बीच विनिमय का अनुपात निश्चित करना कठिन होता है। उदाहरण के लिए एक गाय के बदले कितना लए एक गाय के बदले कितना चावल मिलेगा, एक क्विंटल चावल के बदले कितना कपडा मिलेगा इत्यादि। इस प्रकार, पड़ा मिलेगा इत्यादि। इस प्रकार, मूल्य का एक सामान्य मापदंड नहीं होने कारण वस्तु–विनिमय में व्यापार की शर्त को निश्चित करने में मापदंड नहीं होने क कारण वस्त–विनिमय में व्यापार की शर्त को निश्चित करने में कठिनाई होती है।

(iii) **विभाजन की कठिनाई-** कुछ वस्तुएँ ऐसी हैं जिन्हें विभाजित नहीं किया जा सकता, क्योंकि विभाजित करने पर इनकी उपयोगिता समाप्त हो जाती है, जैसे एक गाय या घोडा। वस्त–विनिमय के अंतर्गत ऐसी वस्तुओं का विनिमय कम मूल्य को वस्तयों से संभव नहीं है। .

(iv) **मल्य-संचय की कठिनाई-** वस्तु–विनिमय प्रणाली के अंतर्गत मूल्य अथवा धन के संचय का कार्य अत्यंत कठिन है। वस्तुओं के रूप में धन का संग्रह करने के लिए बहत अधिक स्थान की आवश्यकता होगी। इसके अतिरिक्त वस्तुएँ नाशवान होती हैं। अतः उन्हें अधिक समय तक सुरक्षित भी नहीं रखा जा सकता।

(v) **मूल्य के हस्तांतरण की कठिनाई-** वस्तु–विनिमय प्रणाली में वस्तुओं को विनिमय के लिए एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने में कठिनाई थी। इस प्रणाली के अंतर्गत अचल संपत्ति के हस्तांतरण या खरीदने–बेचने का कार्य और भी कठिन था।

मुद्रा नए उपरोक्त समस्याओं को इस प्रकार दूर करने का प्रयास किया है | वर्तमान युग मुद्रा का युग है। मुद्रा आधनिक समय में आर्थिक जीवन का आधार केंद्र है। मुद्रा के आर्थिक महत्त्व को बताते हुए मार्शल का कथन है मुद्रा वह धूरी है जिसके चारों ओर समस्त अर्थविज्ञान चक्कर लगाता है।' इस सन्दर्भ में मुद्रा का आर्थिक महत्त्व एक विशेष अर्थ को संबोधित करता है।

(i) उपभोग के क्षेत्रों में मुद्रा का महत्त्व- उपभोग के क्षेत्रों में मुद्रा का एक अलग महत्त्व है। इसके कारण विभिन्न वस्तुओं की उपलब्धि संभव हो पाती है। इससे संचय आसान हो जाता है जो वस्तु विनिमय प्रणाली में संभव नहीं था। किसी वस्तु का उपभोग कर लेने के बाद उसका भुगतान करने में भी इसकीमहत्त्वपूर्ण भूमिका रही है। इससे अधिकतम संतुष्टि की प्राप्ति होती रही है।

(ii) उत्पादन के क्षेत्रों में मुद्रा का महत्त्व- मुद्रा के प्रचलन से उत्पादन जगत में विशेष बदलाव आया। इसके कारण उत्पत्ति के साधनों को जुटाना और अधिक आसान हो गया। श्रम का विभाजन होने से उत्पादन प्रक्रिया को गति मिली। फलतः बड़े स्तर पर उत्पादन संभव हो सका।

(iii) विनिमय के क्षेत्रों में मुद्रा का महत्त्व- मुद्रा की सबसे बड़ी उपलब्धि वस्तु विनिमय प्रणाली की कठिनाइयों को दूर करने में रही है। इसके फलस्वरूप बैंक व साख संस्थाओं का विकास हआ। पँजी संचय की संभावना धीरे–धीरे बढ़ती चली गई। एक सबसे बड़ी उपलब्धि यह मिली की पूँजी सदैव अपनी गतिशील अवस्था में रही।

(iv) वितरण के क्षेत्रों में मुद्रा का महत्त्व- वितरण के क्षेत्रों में भी मुद्रा का अत्यधिक महत्त्व है। बड़े पैमाने के उत्पादन में लोग संयुक्त रूप से कार्य करते हैं। उन सभी को उनके कार्य का पुरस्कार मुद्रा के रूप में ही प्रदान किया जाता है।

(v) राजस्व के क्षेत्र में मुद्रा का महत्त्व- सरकार के आय–व्यय संबंधी सभी कार्य मुद्रा से ही होते हैं। वह जो भी कर लगाती है, मुद्रा में ही देना पड़ता है। वह अपना व्यय भी मुद्रा में ही करती है। मुद्रा के कारण सरकार अधिकतम सामाजिक लाभ के सिद्धांत का पालन करने में समर्थ है।

5. मुद्रा की परिभाषा दीजिये तथा इसके प्रमुख कार्यों का वर्णन करें।

उत्तर– **मुद्रा** एक ऐसा मूल्यवान रिकॉर्ड है या आमतौर पर वस्तुओं और सेवाओं के लिए भुगतान के रूप में स्वीकार किया जाने वाला तथ्य है. यह सामाजिक–आर्थिक संदर्भ के अनुसार ऋण के पुनर्भुगतान के रूप में भी इस्तेमाल किया जा सकता है. **मुद्रा** का सबसे महत्वपूर्ण **कार्य** है लेनदेन को सुविधाजनक बनाना.

मुद्रा के प्रमुख कार्य निम्नलिखित हैं–

(i) विनिमय का माध्यम- मुद्रा विनिमय का माध्यम है। मुद्रा क्रय तथा विक्रय दोनों में ही मध्यस्थ का कार्य करती है।

(ii) मूल्य का मापक- मुद्रा मूल्य का मापक हैं। किस वर होगा, यह मुद्रा द्वारा ही संभव है। मुद्रा के इस कार्य के कारण विनिमय करना आसान हो गया है।

(iii) विलंबित भुगतान का मान- आधुनिक युग में बहुत से आर्थिक कार्य उधार पर होता है और उसका भुगतान बाद में किया जाता है। मुद्रा ने उधार दन नया लेने के कार्य को काफी आसान बना दिया है।

(iv) मूल्य का संचय- मनुष्य वर्तमान की आवश्यकताओं को पूरा करते हुए भविष्य की आवश्यकताओं के लिए भी कछ बचाकर रखना चाहता है। मुद्रा की यह विशेषता है कि इसे जमा करके रखा जा सकता है। .

(v) क्रय शक्ति का हस्तांतरण- मुद्रा के द्वारा कोई भी व्यक्ति किसी एक स्थान पर अपनी संपत्ति बेचकर किसी अन्य स्थान पर नयी सम्पत्ति खरीद सकता है।
(vi) क्रय शक्ति का हस्तांतरण- मुद्रा साख के आधार का कार्य करती है। बिना मुद्रा के साख पत्र जैसे चेक, ड्राफ्ट . हुण्डी इत्यादि प्रचलन में नहीं रह सकते।

इस प्रकार मुद्रा विभिन्न प्रकार के कार्यों को करते हैं।

6. व्यावसायिक बैंकों के प्रमुख कार्यों की विवेचना करें।

उत्तर–सामान्य बैंकिंग का कार्य करनेवाले बैकों को व्यापारिक अथवा व्यवसायिक बैंक कहते हैं। इन बैंकों का मुख्य उद्देश्य व्यापारिक संस्थानों की अल्पकालीन वित्तीय आवश्यकताओं की पर्ति करना है। ये धन जमा करने, ऋण देने, चेकों से संग्रह या भुगतान तथा एजेंसी–संबंधी अनेक कार्य करते हैं। इनके प्रमुख कार्य इस प्रकार हैं

(i) जमा स्वीकार करना- व्यापारिक बैंकों का एक महत्त्वपर्ण कार्य जनता से रकम जमा करना होता है। ये विभिन्न प्रकार की योजनाओं के तहत रकम लेते हैं। जैसे–चालू जमा योजना, बचत जमा योजना, सावधि जमा योजना तथा आवर्ती जमा योजना।

(ii) ऋण देना- बैंकों का दसरा मुख्य कार्य लोगों को ऋण देना है। बैंक के पास जो रुपया जमा के रूप में आता है। उसमें से एक निश्चित राशि नकद कोष में रखकर बाकी रुपया बैंक द्वारा दूसरे व्यक्तियों को उधार दे दिया जाता है। ये बैंक प्रायः उत्पादक कार्यों के लिए ऋण देते हैं तथा उचित जमानत की माँग करते हैं। ऋण की रकम प्रायः जमानत के मूल्य से कम होती है।
(ii) साख निर्माण में सहायक- वर्तमान समय में साख निर्माण व्यापारिक बैंकों का प्रमुख कार्य बन गया है। बैंक जनता से प्राथमिक जमाएँ (जमा राशि) प्राप्त करते हैं और साख गणक के आधार पर प्राप्त जमाओं से कई गुणा अधिक ऋण देते हैं सभी ऋण माँग जमाओं के रूप में होती है।

(iv) एजेन्ट के रूप में कार्य- व्यापारिक बैंक कई प्रकार की सुविधाएँ जनता को प्रदान करते हैं। ये बैंक अपने ग्राहकों की तरफ से चेक, किराया, ब्याज, लाभ आदि एकत्रित कर उनकी ओर से करों, बीमा आदि की किस्तों का भुगतान करते हैं। प्रतिभतियों की खरीद–बिक्री. धन का प्रेषण आदि इनके कार्यों के अंतर्गत आता है। केंद्रीय बैंक के निर्देशानसार विदेशी मद्रा का क्रय–विक्रय भी करते हैं।

(v) सामान्य उपयोगिता के कार्य- ये बैंक अपने ग्राहकों के हित में सामान्य. उपयोगिता के कार्यों को संपादित करते हैं। अपने ग्राहकों को लॉकर की सुविधा, यात्री चेक, ATM तथा क्रेडिट कार्ड की सुविधा आदि जैसे सामान्य कार्य संपादित करते हैं।

7. सहकारिता क्या हैं? भारत में सहकारिता के विकास का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।

उत्तर–सहकारिता एक ऐच्छिक संगठन है। इसमें व्यक्ति स्वेच्छा से अपनी आर्थिक उन्नति के लिए सम्मिलित होते हैं। सहकारिता के मूल तत्त्व इस प्रकार हैं

(i) सहकारिता एक ऐच्छिक संगठन है।
(ii) इसमें सभी सदस्यों को समान अधिकार प्राप्त होते हैं।
(iii) इसकी स्थापना सामान्य आर्थिक हितों की प्राप्ति के लिए होती है।
(iv) इसका प्रबंध प्रजातांत्रिक सिद्धांतों के आधार पर होता है।

भारत में सहकारिता की शुरुआत विधिवत रूप से सहकारी साख अधिनियम, 1904 के पारित होने के बाद ही हुई। इसके अनुसार गाँव या नगर में कोई भी दस व्यक्ति मिलकर सहकारी साख समिति की स्थापना कर सकते हैं। लेकिन 1904 में जो अधिनियम पारित हुआ, उसके क्षेत्र को विस्तृत करने के लिए 1912 में सहकारी समिति अधिनियम पारित किया गया, जिसके अनुसार सहकारी साख एवं गैर–सहकारी साख समितियों की स्थापना की व्यवस्था की गई। 1929 के महान आर्थिक मंदी के कारण इसके विकास में कुछ बाधाएँ आ गई, लेकिन रिजर्व बैंक ने 1935 से ही इसमें सक्रिय सहयोग देकर प्रोत्साहित किया है। भारत में योजना काल के 53 वर्षों की अवधि में सहकारिता की अच्छी प्रगति हुई है। 1950-51 में यहाँ 1.8 लाख सहकारी समितियाँ थी, जिनके सदस्यों की संख्या 173 लाख थी जो बढ़कर 2001-02 में क्रमशः 5.28 लाख हो गयी। इस काल में सहकारी समितियों की संख्या तीन गुनी, समितियों के सदस्यों की संख्या में तेरह गुनी वृद्धि हुई है। 1919 के राजनीतिक सुधारों के अनुसार इसे प्रांतीय सरकारों का हस्तांतरित विषय बना दिया गया। इसका संचालन अब राज्य सरकारों के द्वारा होता है।

बिहार एक ग्राम प्रधान राज्य है। यहाँ की लगभग 90 प्रतिशत जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती हैं। इनमें अधिकांश कृषि एवं इससे संबद्ध क्रियाकलापों द्वारा जीविकोपार्जन करते हैं। बिहार के ग्रामीण परिवारों में बहुत छोटे अथवा सीमांत किसानों तथा भूमिहीन श्रमिकों की संख्या सर्वाधिक है। इस प्रकार के सीमित साधनों वाले व्यक्ति सहकारी संस्थाओं के माध्यम से ही अपने आर्थिक हितों में वृद्धि कर सकते हैं। हमारे राज्य के विकास में सहकारिता की भूमिका कई प्रकार से महत्त्वपूर्ण हो सकती है। वर्तमान में सहकारी संस्थाएँ कृषि–ऋण की आवश्यकताओं का एक बहुत छोटा भाग पूरा करती हैं। परिणामतः महाजनों आदि पर छोटे किसानों की निर्भरता बहुत अधिक है। सहकारिता के विस्तार से ग्रामीण क्षेत्रों में महाजनों और साहूकारों का प्रभुत्व कम होगा तथा ब्याज की दरों में गिरावट आएगी। सहकारी संस्थाएँ कृषि–उपज के विक्रय, भूमि की चकबंदी तथा उन्नत खेती की व्यवस्था करने में भी सहायक हो सकती है। . राज्य के विभाजन के पश्चात बिहार के अधिकांश बड़े और मँझोले उद्योग झारखंड में चले गए हैं तथा अब राज्य में छोटे आकारवाले उद्योगों की ही प्रधानता है। लेकिन, पँजी के अभाव में बिहार के अधिकांश कुटीर एवं लघु उद्योग रुग्न हो गए हैं। इनके पुनरुद्धार में भी सहकारी संस्थाओं की महत्त्वपूर्ण भूमिका हो सकती है।

8. आर्थिक विकास के विभिन्न क्षेत्रों की विवेचना कीजिए। सेवाक्षेत्र में शिक्षा की क्या भूमिका है ?

उत्तर–किसी भी देश के आर्थिक विकास के लिए तीन क्षेत्रों की उपस्थिति महत्त्वपूर्ण हैं।

(i) प्राथमिक क्षेत्र- प्राथमिक क्षेत्र में कृषि व उससे संबंधित क्रियाओं को शामिल किया जाता है, जैसे— फलों का उत्पादन, वनोत्पादन, पशुपालन, मछलीपालन इत्यादि।
(ii) द्वितीयक क्षेत्र- इस क्षेत्र में निर्माण एवं विनिर्माण को सम्मिलित किया जाता है। इसमें छोटे व बड़े उद्योगों की क्रियाओं को शामिल किया जाता है, जैसे विद्युत् उत्पादन, गैस उत्पादन, जलापूर्ति एवं अन्य।
(iii) तृतीयक क्षेत्र/सेवा क्षेत्र–इस क्षेत्र में सेवाओं को सम्मिलित किया जाता है। जैसे—परिवहन, भण्डारण, संचार, होटल एवं व्यापार, बैंकिंग एवं बीमा, लोक प्रशासन एवं सामाजिक सामुदायिक एवं वैयक्तिक सेवाएँ आदि। सेवा क्षेत्र में शिक्षा की भूमिका सेवा क्षेत्र में शिक्षा की भूमिका बहुत महत्त्वपूर्ण है क्योंकि शिक्षित व्यक्ति इस क्षेत्र में अपने कार्य को सही गति प्रदान करते हैं। क्योंकि शिक्षा लोगों को कौशल सिखाती है। अतः वस्तुओं के उत्पादन में गुणवत्ता की दृष्टि से शिक्षा काफी महत्त्वपूर्ण है। जिस प्रकार एक कारखाने के निर्माण में निवेश करने से परिणाम प्राप्त होते हैं ठीक उसी प्रकार शिक्षा साधनों में निवेश से देश के आर्थिक विकास में महत्त्वपूर्ण परिणाम प्राप्त होते हैं।

9. वैश्वीकरण से आप क्या समझते हैं?वैश्वीकरण को प्रोत्साहित करने वाले कारकों का उल्लेख करें।

उत्तर- वैश्वीकरण का तात्पर्य विश्व के विभिन्न समाजों और अर्थव्यस्थाओं के एकीकरण से है। यह उत्पादों, विचारों, दृष्टिकोणों, विभिन्न सांस्कृतिक पहलुओं आदि के आपसी विनिमय के परिणाम से उत्पन्न विचार है। इसके कारण विश्व में विभिन्न लोगों, क्षेत्रों एवं देशों के मध्य अन्तःनिर्भरता में वृद्धि होती है। वैश्वीकरण को संभव बनाने वाले प्रमुख कारक निम्न हैं

(i) तकनीकी प्रगति में परिवर्तन- वैश्वीकरण की प्रक्रिया को तीव्र करने में प्रौद्योगिकी का काफी महत्त्वपूर्ण स्थान है। आज तकनीकी प्रगति के विकास के कारण ही समय, स्थान एवं दूरियाँ नजदीकियाँ में बदल गयी है। विश्व एक वैश्विक गाँव–सा बनकर रह गया है। यातायात एक दूरसंचार के क्षेत्र में तकनीकी प्रगति ने न सिर्फ यातायात के साधनों को सुगम बना दिया है, बल्कि दूरसंचार के माध्यम से समय की बचत हो गयी है, अनेक प्रकार के खर्चों में भी भारी बचत हुई है। टेलीफोन, मोबाइल, फोन, फैक्स आदि के द्वारा आज विश्व के किसी भी स्थान से अविलंब सम्पर्क स्थापित किया जा सकता है। ई० मेल के द्वारा कम मूल्य पर कम समय में ई–मेल से भेज सकते हैं। कम्प्यूटर का उपयोग काफी तेजी से हो रहा है। इसका प्रयोग आज घर–घर एवं हरेक कोने तक फैल गया है। इस प्रकार हम देखते हैं कि सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के विकास ने लोगों को नजदीक लाकर वैश्वीकरण की प्रक्रिया को काफी तेज कर दिया है।

(ii) प्रतिस्पर्द्धा – प्रतिस्पर्द्धा के कारण ही कंपनियों को, विदेशों में नये बाजार खोजने की आवश्यकता हुई तथा इसी के फलस्वरूप उत्पादन तथा विक्रय की नयी विधियों का विकास हुआ है।

(iii) उदारवादी नीतियाँ- वैश्वीकरण के विकास का मुख्य कारण विभिन्न देशों द्वारा अपनायी गयी उदारवादी नीतियाँ हैं। इनके फलस्वरूप अन्तर्राष्टीय आर्थिक लेन–देन पर लगी रोकों को हटा दिया गया है। विश्व अर्थव्यवस्था में कई प्रकार की रुकावटें दूर होने से वैश्वीकरण की प्रक्रिया के लिए रास्ता साफ हो गया है।

(iv) विकासशील अर्थव्यवस्था के अनुभव- वैश्वीकरण की प्रक्रिया को अपनाने वाली विकासशील अर्थव्यवस्थाएँ जैसे—कोरिया, थाइलैंड, ताइवान, हांगकांग, सिंगापुर आदि आर्थिक दृष्टि से बहुत ज्यादा सफल रही है। चीन भी वैश्वीकरण की प्रक्रिया को अपनाकर आर्थिक विकास की ऊँची दर प्राप्त करने में अधिक सफल रहा है।

(v) अन्य कारक- अन्य कारकों में प्रमुख रूप से

(i) वितरण प्रणाली एवं विपणन दृष्टिकोण एक समान रूप वाले होते जा रहे हैं।

(ii) पूँजी बाजारों का सार्वभौमिकीकरण होता जा रहा है।

(iii) कम्प्यूटर एवं संबद्ध तकनीकी के विस्तार के परिणामस्वरूप सभी देशों में तकनीकी पुनर्रचना की प्रक्रिया लागू है।

इस तरह वैश्वीकरण को प्रोत्साहित करने वाले उपर्युक्त कई कारक हैं।

10. बिहार के आर्थिक व्यवस्था पर वैश्वीकरण के सकारात्मक प्रभाव का वर्णन करें।

उत्तर- बिहार के आर्थिक व्यवस्था पर वैश्वीकरण का सकारात्मक प्रभाव पड़ा है जो निम्नलिखित हैं–

(i) कृषि उत्पादन में वृद्धि – वैश्वीकरण के कारण आपात स्थिति में भी सरकार खाद्य सुरक्षा के मामले में सबल है अर्थात् कृषि उत्पादन में काफी वृद्धि

(ii) विदेशी प्रत्यक्ष निवेश की प्राप्ति- वैश्वीकरण के फलस्वरूप बिहार में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश भी हुआ है और भविष्य में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश में वृद्धि की आशा की जाती है।

(iii) राज्य की आय तथा प्रतिव्यक्ति आय में वृद्धि- वैश्वीकरण के कारण बिहार राज्य की आय तथा प्रतिव्यक्ति आय में वृद्धि हुई है।

(iv) विश्वस्तरीय उपभोक्ता वस्तुओं की उपलब्धता- वैश्वीकरण के कारण बिहार के बाजारों में बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के मोबाइल फोन, जते. रेडिमेट–खाद्य पदार्थ, कारें एवं अन्य इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएँ बिहार में उपलब्ध है।

(v) रोजगार के अवसरों में वृद्धि- वैश्वीकरण के फलस्वरूप बिहार के बहुत सारे सॉफ्टवेयर इंजीनियर आज संयुक्त राज्य अमेरिका एवं इंगलैंड आदि में बड़ी संख्या में नौकरी कर रहे हैं।

(vi) बहराष्ट्रीय बैंक एवं बीमा कम्पनियों का आगमन – वैश्वीकरण के कारण एच०एस०बी०सी० बैंक, बजाज एलियांस, बिरला सनलाइफ, टाटा ए०आई० जी०, अवीवा इत्यादि का बिहार में आगमन हुआ है। इस प्रकार बिहार की अर्थव्यवस्था पर वैश्वीकरण का सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

11. भारत में उपभोक्ताओं को समर्थ बनाने के लिए सरकार ने क्या क़ानूनी उपाय किये हैं ?

उत्तर – उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986 एक महत्त्वपूर्ण अधिनियम है, जिसमें उपभोक्ताओं को बाजार में बेची जानेवाली वस्तुओं के संबंध में संरक्षण का अधिकार दिया गया है। उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के दायरे में सभी वस्तुओं, सेवाओं तथा व्यक्तियों, चाहे वह निजी या सार्वजनिक क्षेत्र के, को शामिल किया जाता है। इसके तहत उपभोक्ताओं को यह जानने का अधिकार प्राप्त है कि वस्तु या सेवा की गणवत्ता. परिणाम, क्षमता, शद्धता. मानक और मूल्य के बार म जानकारी प्राप्त कर सकता है। उसे यह अधिकार भी है कि उसे जो वस्तु या सवा मिल रही है वह खतरनाक तो नहीं है, ताकि वह अपना बचाव कर सकें। उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के निम्नलिखित विशेषताएँ हैं

(i) सुरक्षा का अधिकार
(ii) सूचना का अधिकार
(iii) चुनाव या पसंद करने का अधिकार
(iv) शिकायत निवारण या क्षतिपूर्ति का अधिकार

उपभोक्ता को शिकायत होने पर पहले शिकायत "जिला फोरम" में की जाती है। इसके बाद उपभोक्ता संतुष्ट न हो तो फिर मामले को "राज्य फोरम" फिर "राष्ट्रीय फोरम" में ले जाया जा सकता है। फिर भी उपभोक्ता संतुष्ट न हों तो वह आदेश के 30 दिनों के अंदर "उच्चतम न्यायालय" (Supreme court) में अपील कर सकता है।

अध्याय–01
लोकतंत्र में सत्ता की भागीदारी

बहुविकल्पीय प्रश्न

[1] साम्प्रदायिक राजनीति आधारित होती है।

(A) **धर्म पर**

(B) जाति पर

(C) क्षेत्र पर

(D) इनमें से कोई नहीं

[2] अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस किस तिथि को मनाया जाता है ?

(A) 7 मार्च

(B) **8 मार्च**

(C) 9 मार्च

(D) 10 मार्च

[3] झारखंड राज्य का गठन कब हुआ था ?

(A) 1 नवम्बर, 2000

(B) 9 नवम्बर, 2000

(C) **15 नवम्बर, 2000**

(D) 15 नवम्बर, 2001

[4] धर्म को समुदाय का मुख्य आधार मानने वाले व्यक्ति को कहा जाता है।

(A) जातिवादी

(B) **सांप्रदायिक**

(C) धर्म निरपेक्ष

(D) आदर्शवादी

[5] सत्ता में साझेदारी किस व्यवस्था में सर्वश्रेष्ठ रूप से संभव है?

(A) राजतंत्र

(B) **लोकतंत्र**

(C) निरंकुशवाद

(D) अधिनायकतंत्र

[6] सत्ता में साझेदारी का अच्छा उदाहरण प्रस्तुत करने वाला राष्ट्र कौन-सा है ?

(A) पाकिस्तान

(B) श्रीलंका

(C) **बेल्जियम**

(D) यूगोस्लाविया

[7] सत्ता में साझेदारी का तात्पर्य है।

(A) विधायक या सांसद बनाना

(B) प्रतिनिधित्व की इच्छा रखना और राजनीतिक दल बनाना

(C) अपनी भाषा या धर्म इत्यादि को संवैधानिक पहचान दिलाना

(D) **शासन एवं प्रशासन के मूलभूत निर्णयों को अपने अनुकूल प्रभावित करने की क्षमता प्राप्त करना।**

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. सत्ता की साझेदारी लोकतंत्र में क्या महत्व रखती है?

उत्तर– सत्ता की साझेदारी लोकतंत्र में महत्वपूर्ण स्थान रखती है। सत्ता में भागीदारी की आवश्यकता दो महत्त्वपूर्ण कारणों से है –

(क) देश की एकता और अखंडता के लिए जिससे व्यवस्था में स्थायित्व बना रहे और

(ख) अधिक–से–अधिक लोगों तथा समूहों को शासन व्यवस्था से जोड़ने के लिए जिससे लोकतंत्र की जड़ें मजबूत हो सकें।

2. लोकतंत्र किन स्थितियों में सामाजिक विषमताओं को कम करने में मददगार होता है और सामंजस्य के वातावरण का निर्माण करता है?

उत्तर– लोकतंत्र में सामाजिक–आर्थिक विषमताएँ, जैसे ऊँच–नीच, गरीब–अमीर, स्त्री–पुरुष आदि मौजूद रहती हैं। इनके बावजूद लोकतंत्र व्यक्ति को बराबरी का अधिकार देता है, विकास का समान अवसर देता है। कमजोर वर्ग को विकास के लिए आरक्षण और विशेष सहायता एवं सुविधा देकर विषमता को कम करने की कोशिश करता है। यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देकर आपसी संवाद कायम करता है। इससे समाज में पारस्परिक विश्वास एवं सामंजस्य उत्पन्न होता है।

3. भारत में लोकतंत्र के भविष्य को आप किस रूप में देखते हैं?

उत्तर– भारत में लोकतंत्र की जड़ें गहरी हो रही हैं। समानता, स्वतंत्रता एवं जनभागीदारी पर आधृत होने के कारण लोकतंत्र में जनता का विश्वास दृढ़ होता जा रहा है। स्वतंत्र एवं निष्पक्ष निर्वाचन की प्रक्रिया से सत्ता परिवर्तन के कारण जनप्रतिनिधियों में उत्तरदायित्व की भावना बढ़ रही है। तथापि, अशिक्षा, बेरोजगारी एवं गरीबी उन्मूलन की चुनौती बनी हुई है। ले–देकर भारत में लोकतंत्र का भविष्य उज्ज्वल है।

4. सत्ता में साझेदारी से आप क्या समझते हैं?

उत्तर– सत्ता में साझेदारी का अर्थ है – सरकारी क्रियाकलापों में जनता की भागीदारी तथा सरकार के निर्णयों एवं नीति–निर्माण में भाग लेना। इस प्रक्रिया को जनता द्वारा प्रभावित किया जाना चाहिए, ताकि नीतियाँ जनता की इच्छा के अनुरूप हो, नीतियों के क्रियान्वयन में जनता की भागीदारी सुनिश्चित हो एवं शासन जनोन्मुखी, उत्तरदायी तथा जनइच्छा से संचालित हो। इस तरह, सत्ता में जनता की भागीदारी के ये मुख्य पहलू हैं।

05. लोकतंत्र से आप क्या समझते हैं?

उत्तर– लोकतंत्र का अर्थ 'जनता का शासन' होता है। लोकतंत्र का अंग्रेजी शब्द 'डेमोक्रेसी' दो **यूनानी** शब्दों – **'डेमोस'** और **'क्रेशिया'** से बना है, जिनका अर्थ क्रमशः 'जनता' और 'शासन' है। स्पष्ट है कि व्युत्पत्ति की दृष्टि से लोकतंत्र का अर्थ 'नता का शासन' हुआ। लोकतांत्र के दो प्रकार हैं – प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष। भारत में अप्रत्यक्ष लोकतंत्र है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

01. लोकतंत्र किस प्रकार आर्थिक संवृद्धि एवं विकास में सहायक बनता है?

उत्तर– लोकतंत्र जनता के प्रति उत्तरदायी और जनसमस्याओं के प्रति संवेदनशील शासन है। यह आर्थिक विषमता की जगह सामाजिक न्याय, शोषण से मुक्त, गरिमापूर्ण और अभावहीन जीवन को अपना लक्ष्य मानता हैं आर्थिक संवृद्धि और चहुँमुखी विकास लोकतंत्र का लक्ष्य है। परंतु, आर्थिक संवृद्धि और विकास को लोकतंत्र नैतिक दृष्टि से भी देखता है।

केवल कुल राष्ट्रीय उत्पाद और प्रतिव्यक्ति आय में वृद्धि को लोकतंत्र आर्थिक संवृद्धि और विकास नहीं मानता है, बल्कि एक न्यायपूर्ण सामाजिक–आर्थिक जीवन, एक गरिमापूर्ण जीवन की स्थिति प्रदान करना इसका लक्ष्य है। इसलिए शोषण से मुक्ति, अधिकतम रोजगार का सृजन, अवसर की समानता, उत्पादन में वृद्धि, संसाधनों का न्यायपूर्ण वितरण, पूँजी के केन्द्रीकरण को रोकना, आर्थिक समानता, राजनीतिक स्वतंत्रता और सांस्कृतिक सामंजस्य लोकतंत्र के उद्देश्य हैं। समावेशी विकास को लोकतंत्र ने अपने विकास का सिद्धांत बनाया है। अतः, गरिमापूर्ण आर्थिक संवृद्धि और समावेशी विकास की दिशा में लोकतंत्र तेजी से प्रगति कर रहा है।

2. लोकतंत्र किस तरह उत्तरदायी एवं वैध सरकार का गठन करता है?

उत्तर– लोकतंत्र एक उत्तरदायी एवं वैध सरकार का गठन करता है। लोकतंत्र में जनता ही शासकों का निर्वाचन करती है और उनपर नियंत्रण भी रखती है। उत्तरदायी रहकर काम नहीं करनेवाली सरकार को जनता अगले निर्वाचन में हटा देती है। इसलिए, प्रत्येक सरकार के लिए आवश्यक होता है कि वह जनता की समस्याओं का समाधान करे। जनता की इच्छा और भावना का आदर करे। शासक यह समझे कि जनता सरकार से क्या चाहती हे, अन्यथा सरकार को अपदस्थ कर दिया जा सकता है।

लोकतंत्र एक वैध सरकार का गठन करता है। इसके समस्त निर्णय कानूनी प्रक्रिया से लिए जाते हैं। कार्यों के संपादन की भी निर्धारित प्रक्रिया होती है। इससे बाहर जाने और मनमानेपन पर न्यायपालिका की नजर होती है। जनता को विरोध करने की शक्ति होती है। इसलिए, लोकतंत्र में पारदर्शिता रहती है।

3. भारत में लोकतंत्र कैसे सफल हो सकता है? स्पष्ट करें।

उत्तर– भारत में लोकतंत्र की सफलता के लिए निम्नांकित शर्तें आवश्यक हैं :–

(1) जनता की जागरूकता – 'सजगता प्रजातंत्र का आधार' है। जनता की जागरूकता, सतर्कता तथा अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति समर्पण इसकी सफलता की शर्तें हैं।

(2) सामंजस्यपूर्ण सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिवेश – भारत में हर क्षेत्र में विषमता वर्तमान है। सामंजस्यपूर्ण समाज और सहमति आधारित लोकतंत्र की स्थापना के लिए इन्हें दूर करना होगा।

(3) अशिक्षा की समाप्ति और नागरिक गुणों का विकास – अशिक्षा की समाप्ति के बिना न तो प्रजातंत्र की कीमत समझी जा सकती है, न ही मताधिकार का सही प्रयोग संभव हो सकता है। शिक्षा के व्यापक प्रसार के द्वारा नागरिक गुणों का विकास किया जा सकता है।

(4) लोकतांत्रिक गुणों का विकास – समानता, स्वतंत्रता और भ्रातृत्व जैसे सिद्धांतों की स्थापना करके लाोकतंत्र के विकास के मार्ग की बाधाओं को दूर करना होगा।

(5) नैतिक मूल्यों की स्थापना – जीवन के हर क्षेत्र में नैतिक मूल्यों को प्रतिष्ठित कर लोकतंत्र को स्वार्थ, द्वेष और अन्य बुराइयों से मुक्त करना होगा।

(6) **अन्य शर्तें** – निष्पक्ष प्रेस, सामाजिक–आर्थिक समानता, बेरोजगारी पर नियंत्रण तथा पंचायती/नगरीय राज व्यवस्था को और मजबूत बनाकर हम लोकतंत्र को सफल बना सकते हैं।

अध्याय–02
जातीय, लैंगिक एवं सांप्रदायिक विभेद का लोकतांत्रिक राजनीति पर प्रभाव

बहुविकल्पीय प्रश्न

[1] संविधान का कौन-सा अनुच्छेद, धर्म, वंश, जाति या स्थान के आधार पर किसी प्रकार के भेदभाव का निषेध करता है?

(A) अनुच्छेद 16
(B) **अनुच्छेद 15**
(C) अनुच्छेद 10
(D) अनुच्छेद 20

[2] रंगभेद की नीति के विरुद्ध आवाज उठाने वाला व्यक्ति कौन था ?

(A) **मार्टिन लूथर किंग**
(B) अब्राहम लिंकन
(C) जार्ज वाशिंगटन
(D) लूई सोलहवाँ

[3] भारत एक राष्ट्र है।

(A) धार्मिक
(B) **धर्मनिरपेक्ष**
(C) विकसित
(D) साम्प्रदायिक

[4] महिला आरक्षण विधेयक निम्नलिखित से किससे संबंधित है ?

(A) महिलाओं की शिक्षा से
(B) महिलाओं की शक्ति से
(C) महिलाओं की गरीबी दूर करने से
(D) **महिला प्रतिनिधियों की संख्या बढ़ाने से**

[5] जाति पर आधारित विभाजन कहाँ है?

(A) अमेरिका
(B) पाकिस्तान
(C) **भारत**
(D) बेल्जियम

[6] भारत में महिलाओं की साक्षरता दर है।

(A) 50 प्रतिशत
(B) 90 प्रतिशत
(C) **65 प्रतिशत**
(D) 20 प्रतिशत

[7] भारत के 17वीं लोकसभा में महिला प्रतिनिधियों का प्रतिशत है।

(A) 50 से भी ऊपर
(B) 20 प्रतिशत
(C) 33 प्रतिशत
(D) **14 प्रतिशत**

[8] मानव जाति में आधी आबादी किसका है ?

(A) पुरुषों की
(B) **महिलाओं की**
(C) युवाओं की
(D) इनमें कोई नहीं

[9] इंगलैंड में महिलाओं का वयस्क मताधिकार किस वर्ष प्राप्त हुआ ?

(A) **1918 में**

(B) 1919 में

(C) 1928 में

(D) 1945 में

[10] सिंहली किस देश की राजभाषा घोषित किया गया है ?

(A) म्यांमार

(B) **श्रीलंका**

(C) मलेशिया

(D) मारिशश

[11] श्रीलंका में सामाजिक विभाजन किस स्तर पर है।

(A) क्षेत्रीय

(B) सामाजिक

(C) **A तथा B दोनों**

(D) इनमें से कोई नहीं

[12] सम्प्रदाय का संबंध है।

(A) सिख

(B) **ईसाई**

(C) जैन

(D) बौद्ध

[13] पीटर नार्मन धावक कहाँ का था ?

(A) जर्मनी

(B) बेल्जियम

(C) फ्रांस

(D) **आस्ट्रेलिया**

[14] निम्नलिखित में से कौन राजनेता जातिगत भेदभाव से मुक्त समाज निर्माण के पक्षधर थे ?

(A) डॉ॰ भीमराव अम्बेडकर

(B) पेरियार स्वामी

(C) डॉ॰ राम मनोहर लोहिया

(D) **इनमें से सभी**

[15] प्राचीन काल में निम्न में से किनको शिक्षा पाने का भी अधिकार नहीं था ?

(A) ब्राह्मणों को

(B) क्षत्रिय को

(C) राज परिवार को

(D) **शुद्रों को**

[16] निम्नलिखित में से कौन सामाजिक विभाजन का तरीका नहीं है ?

(A) क्षेत्रियता की भावना

(B) नस्ल एवं रंग

(C) **सरकारी नौकरी**

(D) भाषा

[17] किस राष्ट्र में विभेद कम पाया जाता है ?

(A) **रूस**

(B) भारत

(C) अमेरिका

(D) दक्षिण कोरिया

लघु उत्तरीय प्रश्न

01. **श्रम का लैंगिक विभाजन क्या है?**

Ans :- श्रम के लैंगिक विभाजन के अंतर्गत महिलाओं को घर के अंदर के सारे कामों को पूरा करना होता था। तथा पुरुषों को घर के बाहर के सारे कार्यों सौंपा गया था। यही श्रम का लैंगिक विभाजन है।

02. **धर्म निंपेक्षता का क्या अर्थ है?**

Ans :- धर्म निंपेक्षता का अर्थ है। धर्म के आधार पर किसी भी प्रकार का भेद -भाव नहीं करना तथा किसी भी व्यक्ति को अपने धर्म में विश्वास कर रखने की आजादी देना।

03. **संप्रदायिकता से आप क्या समझते हैं?**

Ans :- जब हम यह कहते हैं धर्म ही समुदाय का निर्माण कहते हैं संप्रदायिक राजनीति जन्म लेने लगती है। और इस अवधारणा पर आधारित सोच ही संप्रदायिकता है। संप्रदायिकता का सही अर्थ है- अपने धर्म को अन्य धर्मों से ऊंचा मानना, अपने धार्मिक हितों के लिए राष्ट्रहित का बलिदान करना संप्रदायिकता कहलाता है।

04. **धर्मनिरपेक्ष राज्य से क्या समझते हैं?**

Ans :- वैसा राज्य जिसमें किसी भी धर्म विशेष को प्राथमिकता न देकर सभी धर्मों को समान आदर प्राप्त होता है। उसे धर्मनिरपेक्ष राज्य कहते हैं। जैसे – भारत

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

01. **संप्रदायिकता के किन्ही चार कारणों को लिखे।**

Ans :- सांप्रदायिकता के किन्ही चार कारण निम्नलिखित है-

(i) एक धर्म के अनुयायियों के लौकिक हित दूसरे धर्म के अनुयायियों के लोगों के हित बिल्कुल भिन्न तथा परस्पर विरोध होना।

(ii) अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो की नीति द्वारा खास धर्म को प्रोत्साहित करना।

(iii) राजनीतिज्ञों द्वारा सत्ता प्राप्ति के लिए विशेष धर्म को बढ़ावा देना।

(iv) एक दूसरे के धार्मिक व सांस्कृतिक क्रियाकलापों में अंतर तथा विरोध का होना।

02. राजनीति को जाति अनेक रूपों में प्रभावित करती है। कैसे?

उत्तर– राजनीति को जाति अनेक रूपों में प्रभावित करती है, जैसे –

(1) विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा जाति के आधार पर उम्मीदवारों का चयन किया जाता है।

(2) सरकार में विभिन्न जातियों का प्रतिनिधित्व होता है जो सरकार को स्थायित्व प्रदान करने में अपनी भूमिका निभाता है।

(3) जातीय भावनाओं को उकसाने में राजनीतिक दलों की सक्रियता अधिक होती है तथा उससे वे चुनाव में अपना लाभ लेने का प्रयास करते हैं।

(4) कमजोर जाति के लोगों की राजनीति में बढ़ती अभिरुचि यह दिखाती है कि वे भी राजनीति की महत्ता को समझने लगे हैं और अपनी स्थिति मजबूत करने के पक्षधर दिखते हैं।

इस प्रकार हम देखते हैं कि राजनीति में जाति का महत्वपूर्ण योगदान होता है। कई राजनीतिक पार्टियाँ तो जाति की राजनीति के दम पर चुनाव लड़ा करती हैं और उनकी राजनीतिक किसी जाति के आस–पास ही हमेशा चलती है।

अध्याय–03
सत्ता में भागीदारी की कार्यप्रणाली

बहुविकल्पीय प्रश्न

[1] निम्नलिखित में से किसमें सामाजिक विभाजन का आधार देखने को नहीं मिलता हैं ?

(A) संप्रदायवाद
(B) भाषावाद
(C) क्षेत्रियतावाद
(D) **नस्लवाद**

[2] मैक्सिको ओलंपिक की घटना एक उदाहरण है।

(A) **रंगभेद का**
(B) सांप्रदायिकता का
(C) जातिवाद का
(D) आतंकवाद का

[3] इनमें से किसकी शुरुआत जर्मनी से हुई थी ?

(A) नक्सलवाद
(B) माओवाद
(C) **नाजीवाद**
(D) फासीवाद

[4] निम्नलिखित में से किसने कहा है कि "धर्म को कभी भी राजनीति से अलग नहीं होना चाहिए।

(A) ज्योतिवा फूले

(B) लोकनायक जयप्रकाश

(C) दयानन्द सरस्वती

(D) **महात्मा गाँधी**

[5] निम्नलिखित में कौन-सा देश धर्मनिरपेक्ष नहीं है?

(A) **पाकिस्तान**

(B) भारत

(C) अमेरिका

(D) नेपाल

[6] निम्नलिखित में से किस देश को धार्मिक और जातीय आधार पर विखंडन का सामना करना पडा ?

(A) बेल्जियम

(B) भारत

(C) **युगोस्लाविया**

(D) नीदरलैंड

[7] जन्म पर आधारित विभेद किस देश में है ?

(A) **भारत**

(B) चीन

(C) अमेरिका

(D) आस्ट्रेलिया

[8] भाषाई आधार पर बनने वाला प्रथम राज्य है।

(A) बिहार

(B) झारखंड

(C) उत्तराखंड

(D) **आंध्रप्रदेश**

[9] लैंगिक विभाजन का क्या अर्थ है?

(A) समाज में स्त्रियों की संख्या की गणना

(B) स्त्रियों एवं पुरुषों की संख्या का अनुपात

(C) **स्त्री एवं पुरुष के बीच जैविक अंतर**

(D) समाज द्वारा स्त्रियों एवं पुरुषों को दी गई असमान भूमिकाएँ।

[10] निम्नलिखित व्यक्तियों में कौन लोकतंत्र में रंगभेद विरोधी नहीं थे ?

(A) मार्टिन लूथर किंग

(B) महात्मा गाँधी

(C) ओलंपिक धावक टॉमी स्मिथ एवं जॉनकार्लोस

(D) **जेड गुडी**

[11] क्षेत्रवाद की भावना का एक कुपरिणाम है।

(A) अपने क्षेत्र से लगाव

(B) राष्ट्रहित

(C) राष्ट्रीय एकता

(D) **अलगाववाद**

[12] महिलाओं को मतदान का अधिकार सर्वप्रथम किस राष्ट्र में दी गई ?

(A) भारत में

(B) आस्ट्रेलिया में

(C) **ब्रिटेन में**

(D) अमेरिका में

[13] श्रीलंका में भेदभाव का आधार है।

(A) नस्ल एवं रंग

(B) जाति

(C) **भाषायी**

(D) वर्ण

[14] प्रोटेस्टेंट संप्रदाय किस धर्म से संबंधित है?

(A) हिन्दू

(B) मुस्लिम

(C) **ईसाई**

(D) सिख

[15] ब्रुसेल्स में 80% लोग किस भाषा को बोलते हैं?

(A) डच

(B) अंग्रेजी

(C) फ्रेंच

(D) हिन्दी

[16] विविधता और विभेद किसी राष्ट्र के लिए है।

(A) केवल नकारात्मक

(B) केवल सकारात्मक

(C) **नकारात्मक एवं सकारात्मक दोनों**

(D) कोई भी नहीं

लघु उत्तरीय प्रश्न

01. लोकतंत्र जनता का जनता के द्वारा तथा जनता के लिए शासन है। कैसे?

उत्तर– लोकतंत्र में जनता मतदान करती है, अपनी चुने हुए प्रतिनिधियों द्वारा शासन चलाती है और यह शासन जनहित में काम करते हुए जनता के प्रति उत्तरदायी होती है।

02. सामाजिक विभाजन से आप क्या समझते हैं?

उत्तर– जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्र, संप्रदाय इत्यादि के आधार पर समाज में जो विभेद पैदा होता है वहीं सामाजिक विभाजन का रूप ले लेता है या सामाजिक विभाजन कहलाता है। सामाजिक विभेद को मिटाकर ही सामाजिक विभाजन को रोका जा सकता है।

03. शिक्षा का अभाव लोकतंत्र के लिए चुनौती है? स्पष्ट करें।

उत्तर– शिक्षित जनता ही राजनीति के प्रति सजग और अधिकारों के प्रति जागरूक हो सकती है। शिक्षित जनता ही प्रबुद्ध जनमत की अभिव्यक्ति कर सकती है। शिक्षा ही अधिकारों के प्रति जागरूक बनाती है। शिक्षा के अभाव में मतदाता अपने मताधिकार का सही प्रयोग नहीं कर पाते हैं। मताधिकार के दुरुपयोग से लोकतंत्र की नींव कमजोर होती है। शिक्षा का अभाव लोगों को सरकार के प्रति लापरवाह और उदासीन बना देता है। उन्हें सरकार के काम–काज में दिलचस्पी नहीं रहती है। अतः, अशिक्षा के अंधकार को मिटाना और शिक्षा का प्रसार लोकतंत्र की सफलता के लिए आवश्यकता है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

01. सत्ता की साझेदारी के अलग–अलग तरीके क्या हैं?

उत्तर– सत्ता की साझेदारी के अलग–अलग तरीके इस प्रकार हैं :–

(1) सत्ता में साझेदारी के प्रश्न पर भाषा, धर्म, क्षेत्र और समुदायों के बीच भेदभाव समाप्त कर दिया गया है। इस क्षेत्र में अवसर की समानता के सिद्धांत को अपनाया गया है।

(2) सरकार के तीनों अंगों–विधायिका, कार्यपालिका एवं न्यायपालिका के बीच सत्ता का विभाजन कर दिया गया है। ऐसी व्यवस्था कर दी गई है कि कोई अंग अपने अधिकारों का दुरुपयोग नहीं कर सके। इससे अधिक–से–अधिक लोगों की सत्ता में साझेदारी सुनिश्चित होगी।

(3) केन्द्र एवं राज्य दोनों स्तरों की सरकारों के बीच भी सत्ता का विभाजन किया गया है। इस उद्देश्य से ही तीन सूचियाँ बनाई गई है – संघ सूची, राज्य सूची एवं समवर्ती सूची।

02. लोकतांत्रिक व्यवस्थाएँ किस प्रकार अनेक तरह के सामाजिक विभाजनों को संभालती हैं?

उत्तर– सामाजिक विभाजनों को लोकतांत्रिक संस्थाएँ सफलतापूर्वक संभालती हैं। सामाजिक विभाजनों से उत्पन्न मतभेद, टकराव और सामंजस्य लोकतंत्र के विकास का सोपान है जिसपर चलकर ही लोकसत्ता अपनी नीतियाँ निर्धारित करती हैं। उदाहरणस्वरूप भारत में पिछड़ों के लिए आरक्षण की रानजीति वर्षों तक चली। समाधान हेतु काका कालेलकर आयोग तथा मंडल आयोग बनाया गया। उनके निष्कर्ष सरकार को प्राप्त हुए। एक लंबे संघर्ष और हिंसक तनावों के बाद आरक्षण की व्यवस्था लागू हो पायी। इस प्रकार लोकतांत्रिक व्यवस्था के अंतर्गत सामाजिक विभाजन की प्रक्रिया सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई।

03. भावी समाज में लोकतंत्र की जिम्मेवारी और उद्देश्य पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

उत्तर– भावी समाज में लोकतंत्र की बहुत बड़ी जिम्मेवारी एवं जवाबदेही है। इस प्रकार की शासन व्यवस्था में जनकल्याण की महती जिम्मेवारी निहित रहती है। लोकतंत्र का उद्देश्य जनता का सर्वांगीण विकास करना है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में सामाजिक न्याय को प्रमुखता दी जाती है, ताकि शासन एवं लोकतंत्र के प्रति जनता को सरकार पर भरोसा कायम हो। लोकतंत्र का मूल उद्देश्य आर्थिक, सामाजिक तथा राजनीतिक विषमताओं को दूर करना है।

अध्याय–04
संघात्मक शासन व्यवस्था

बहुविकल्पीय प्रश्न

[1] संघ राज्य की विशेषता नहीं है

(A) लिखित संविधान

(B) शक्तियों का विभाजन

(C) **इकहरी शासन-व्यवस्था**

(D) सर्वोच्च न्यायपालिका

[2] भारत में संविधान सभा का गठन कब हुआ?

(A) **1946**
(B) 1947
(C) 1948
(D) 1949

[3] भारत में कितने राज्य हैं?

(A) 26
(B) 27
(C) **28**
(D) 29

[4] भारत में कितने केंद्रशासित राज्य हैं?

(A) 7
(B) 9
(C) **8**
(D) 6

[5] 17वीं लोकसभा में महिलाओं की संख्या है—

(A) 61
(B) **78**
(C) 65
(D) 74

[6] संघ सरकार का उदाहरण है।

(A) **अमेरिका**

(B) चीन

(C) ग्रेट ब्रिटेन

(D) इनमें से कोई नहीं

[7] इसमें कौन राज्य की विशेषता नहीं है ?

(A) जनसंख्या

(B) सरकार

(C) **सम्प्रभुता**

(D) इनमें से कोई नहीं

[8] भारत में संविधान के आठवीं सूची के अनुसार कितनी भाषा को मान्यता प्राप्त है ?

(A) 16
(B) 20
(C) **22**
(D) 25

[9] संविधान के अनुसार भारत है।

(A) संघात्मक राज्य

(B) **राज्यों का संघ**

(C) अर्द्धसंघात्मक राज्य

(D) इनमें कोई नहीं

[10] निम्नलिखित में कौन संघीय शासन व्यवस्था का उद्देश्य नहीं है ?

(A) राष्ट्रीय एकता

(B) अखण्डता

(C) सत्ता का विकेन्द्रीकरण

(D) **सम्प्रदायिकता**

[11] इनमें किस राज्य को विशेष राज्य का दर्जा प्राप्त है ?

(A) झारखण्ड

(B) पंजाब

(C) **उत्तराखण्ड**

(D) बिहार

[12] भारत में किस प्रकार की शासन प्रणाली है ?

(A) संघीय और अध्यक्षीय

(B) संघीय और संसदीय

(C) एकात्मक और अध्यक्षीय

(D) **एकात्मक और संघीय**

[13] कौटिल्य की पुस्तक है।

(A) धर्मशास्त्र

(B) नीतिशास्त्र

(C) **अर्थशास्त्र**

(D) इनमें कोई नहीं

[14] भारत में सर्वोच्च न्यायालय के मुख्यन्यायाधीश की नियुक्ति कौन करता है ?

(A) प्रधानमंत्री

(B) **राष्ट्रपति**

(C) संसद

(D) उपराष्ट्रपति

[15] अवशिष्ट अधिकार किसके पास होता है ?

(A) **केंद्र के पास**

(B) राज्यों के पास

(C) नीति आयोग के पास

(D) कार्यपालिका के पास

[16] भारतीय संविधान के किस अनुसूची में भाषाओं को रखा गया है ?

(A) पाँचवीं

(B) पहली

(C) सातवीं

(D) **आठवीं**

[17] भारतीय संविधान के संघ सूची में कुल कितने विषय रखे गए हैं ?

(A) **97**
(B) 66
(C) 47
(D) 20

[18] समवर्ती सूची में रखा जाता है

(A) राज्य

(B) **केंद्र एवं राज्य दोनों**

(C) केंद्र

(D) इनमें से कोई नहीं

[19] गठबंधन सरकार की पकड़ प्रशासन पर होती है

(A) मजबूत

(B) **ढीली**

(C) अति मजबूत

(D) कठोर

[20] निम्नलिखित में से कौन समवर्ती सूची का विषय है?

(A) सड़क

(B) पुलिस

(C) अणु शक्ति

(D) **शिक्षा**

[21] सत्ता का विकेन्द्रीकरण कब हआ है?

(A) 1990 ई०

(B) 1991 ई०

(C) **1992 ई०**

(D) 1993 ई०

[22] नेपाल में वर्तमान समय में किस प्रकार की शासन व्यवस्था है?

(A) राजतंत्र

(B) सैनिक तानाशाही

(C) **लोकतंत्र**

(D) इनमें से कोई नहीं

[23] सरकार के एक ही स्तर पर सत्ता विभाजन को कहा जाता है

(A) **क्षैतिज वितरण**

(B) उर्ध्वाधर वितरण

(C) मौलिक वितरण

(D) इनमें से कोई नहीं

[24] निम्नलिखित देशों में किस देश में संघात्मक शासन व्यवस्था नहीं है?

(A) भारत

(B) फ्रांस

(C) स्विटजरलैंड

(D) **बेल्जियम**

[25] भारत में संघ एवं राज्यों के बीच अधिकारों के विभाजन से संबंधित कौन-सी सूची है?

(A) संघ सूची

(B) राज्य सूची

(C) समवर्ती सूची

(D) **इनमें सभी**

[26] नेपाल में लोकतंत्र की पुनः स्थापना कब हुई?

(A) 2005
(B) **2006**

(C) 2003
(D) 2010

[27] लिच्छवी बिहार के किस जिले में है?

(A) पटना

(B) नालंदा

(C) **वैशाली**

(D) भागलपुर

[28] किस देश में संघात्मक शासन व्यवस्था नहीं है ?

(A) भारत में

(B) **फ्रांस में**

(C) स्विट्जरलैंड में

(D) बेल्जियम में

लघु उत्तरीय प्रश्न

01. संघीय शासन की विशेषताएँ बताइए।

उत्तर– संघात्मक शासन की प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं :–

(क) लिखित संविधान और
(ख) दुहरे स्तर पर सरकार का गठन।
(ग) स्वतंत्र एवं निष्पक्ष न्यायपालिका
(घ) संविधान की सर्वोच्चता
(ड़) वित्तीय स्वाधीनता
(च) क्षेत्रीय विविधताओं का सम्मान
(छ) दोनों सरकारों के बीच सत्ता का विभाजन संविधान द्वारा।
(ज) संविधान के मौलिक प्रावधानों में सांविधानिक संशोधन द्वारा ही परिवर्तन।

02. संघ राज्य का अर्थ बताइए।

उत्तर– जब किसी देश में शासन संचालन के लिए दुहरे स्तर पर सरकार का गठन किया जाता है तो वह संघ राज्य कहलाता है। संघ राज्य में सर्वोच्च स्तर पर केन्द्र की सरकार होती है। राज्य संघ के सहायक होते हैं जिनके शासन के संचालन के लिए राज्यों की सरकारें होती हैं। लिखित संविधान के द्वारा दोनों स्तर की सरकारों के बीच शक्तियों का विभाजन कर दिया जाता है। दोनों के कार्यक्षेत्र परिभाषित कर दिए जाते हैं।

03. केन्द्र–राज्य संबंध पर टिप्पणी लिखें।

उत्तर – संघीय शासन व्यवस्था में केन्द्र और राज्यों के बीच एक संबंध होता है। भारत में भी संघ–राज्य के संबंधों को तीन श्रेणियों में बाँटा गया है – विधायी, प्रशासकीय और वित्तीय। केन्द्र–राज्य संबंधों को बेहतर बनाने की सिफारिश सरकारिया आयोग द्वारा की गई थी।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

01. भाषा नीति क्या है?

उत्तर– भारत विविधताओं का देश है। यहाँ धार्मिक, जातीय एवं क्षेत्रीय विविधताएँ तो हैं ही, भाषाई विविधताएँ भी वर्तमान हैं। यहाँ 22 भाषाएँ प्रमुखता से बोली जाती हैं जिन्हें भारत सरकार के द्वारा कार्यालयी भाषा के रूप में मान्यता दी गई है। 114 भाषाएँ मान्यता प्राप्त करने की कतार में हैं।

विभिन्न भाषा–भाषी अपनी भाषाओं से जुड़े हैं। इन भाषाओं को वे अपनी पहचान का प्रतीक मानते हैं। यह सच है कि यहाँ हिन्दी भाषा–भाषियों की संख्या सबसे अधिक 41.2 प्रतिशत है। परंतु, भारत के 28 में से 18 राज्य गैर हिंदी भाषी राज्य हैं। हिंदी को 'राजभाषा' माना गया है, परंतु, इसे राष्ट्रभाषा के रूप में आजतक मान्यता नहीं मिली है। हिंदी के साथ–साथ अन्य 21 भाषाओं को भी मान्यता दी गई है। राज्य सरकारों को भी अपने–अपने राज्यों में अपनी भाषा के प्रयोग की स्वतंत्रता दी गई है। लोक सेवा आयोग की परीक्षा में भी मान्यता प्राप्त भाषाओं के प्रयोग की अनुमति दी गई है। अंग्रेजी का प्रयोग सरकारी काम–काज में बना हुआ है। देश के संघीय स्वरूप को बनाए रखने के लिए हिंदी को राष्ट्रभाषा का दर्जा प्राप्त नहीं हो सका है। इस तरह, भारत की भाषा नीति के अंतर्गत विभिन्न भाषाओं को मान्यता प्राप्त है तथा हिंदी राजभाषा है।

02. संघात्मक एवं एकात्मक सरकार में क्या अंतर है?

उत्तर – संघात्मक एवं एकात्मक सरकार की व्यवस्था में अंतर को निम्नलिखित रूप से स्पष्ट किया जा रहा है –

संघात्मक सरकार :–

- संविधान तथा न्यायपालिका सर्वोच्च होती है।
- दोहरा कानून
- अधिक खर्च तथा अकुशलता पाई जाती है।
- स्वतंत्र तथा निष्पक्ष सर्वोच्च न्यायलय का होना परम आवश्यक है।
- विकेन्द्रीयकरण संघात्मक शासन की विशेषता है।

एकात्मक सरकार :–

- व्यवस्थापिका सर्वोच्च होती है।
- एक कानून होता है।
- अधिक दक्ष तथा कम खर्चीला होता है।
- स्वतंत्र और महत्वपूर्ण सर्वोच्च न्यायलय का रहना आवश्यक नहीं।
- केन्द्रीयकरण एकात्मक शासन की विशेषता है।

03. राज्यों के पुनर्गठन पर एक निबंध लिखें।

उत्तर – भारत की स्वतंत्रता के बाद देशी राज्यों के एकीकरण, राज्यों के पुनर्गठन, भाषा और क्षेत्र की आकांक्षाओं के अनुरूप नए राज्यों के निर्माण से भारत का राजनीतिक मानचित्र परिवर्तित हो गया। स्वतंत्रता–प्राप्ति के पूर्व देशी राज्यों की संख्या लगभग 565 थी। सरदार पटेल, वी.पी. मेनन तथा माउंटबेटन के प्रयास से देशी राज्यों का भारत में विलय हो गया। भारत में चार श्रेणियों के राज्य बनाए गए – 'अ', 'ब', 'स' एवं 'द'।

देशी राज्यों के भारत में विलय के साथ–साथ राज्यों के पुनर्गठन की समस्या भी आई। भाषा के आधार पर राज्यों के पुनर्गठन की माँग बढ़ गई थी। इसके लिए कई आयोग और समिति बने। 1956 में राज्य पुनर्गठन अधिनियम बना, जिसके अनुसार भारत में **14** राज्यों और **06** संघीय क्षेत्रों का गठन किया गया। राज्यों की चार श्रेणियाँ समाप्त कर दी गईं। सर्वप्रथम भाषा के नाम पर आंध्रप्रदेश को राज्य का दर्जा प्राप्त हुआ तदोपरांत राज्यों का बनना, उसका विभाजन होना, नए राज्यों को भारत में शामिल होना आदि लगा रहा है। वर्ष 2000 में छत्तीसगढ़, उत्तराचंल का गठन किया गया। 2014 में तेलंगाना को राज्य का दर्जा प्राप्त हुआ तथा वर्ष 2019 में जम्मू कश्मीर एवं लद्दाख को संघ शासित प्रदेश के रूप में बदला गया। अभी वर्तमान समय में 28 राज्य एवं 08 संघ शासित प्रदेश भारत में मौजूद हैं।

अध्याय–05
बिहार में पंचायती राज एवं नगरीय संस्थाएँ

बहुविकल्पीय प्रश्न

[1] पंचायती राज व्यवस्था सर्वप्रथम किस राज्य में लागू किया गया?

(A) **राजस्थान**

(B) बिहार

(C) उत्तराखंड

(D) मध्यप्रदेश

[2] जिला परिषद का प्रधान कौन होता है?

(A) **अध्यक्ष**

(B) प्रमुख

(C) मुखिया

(D) इनमें से कोई नहीं

[3] भारत की किस संस्थाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण का प्रावधान है ?

(A) ग्राम पंचायत

(B) पंचायत समिति

(C) जिला परिषद

(D) **इनमें सभी**

[4] कौन से संशोधन अधिनियम द्वारा सरकार का तीसरा स्तर बनाया गया था ?

(A) 71वाँ संशोधन

(B) **73वाँ संशोधन**

(C) 59वाँ संशोधन

(D) 64वाँ संशोधन

[5] निम्न में से कौन पंचायती राज व्यवस्था का दर स्तर है?

(A) ग्राम पंचायत

(B) जिला पंचायत

(C) **पंचायत समिति**

(D) नगर पालिका

[6] ग्राम पंचायत की अध्यक्षता कौन करता है?

(A) प्रमुख

(B) **मुखिया**

(C) पंच

(D) सरपंच

[7] बिहार में पंचायती राज संस्थाएँ हैं-

(A) एक स्तरीय

(B) दो स्तरीय

(C) **तीन स्तरीय**

(D) चार स्तरीय

[8] बिहार पंचायत राज अधिनियम के अनुसार, ग्राम पंचायत की स्थापना के लिए आबादी का शर्त क्या है?

(A) 5,000
(B) **7,000**
(C) 1,000
(D) 1,0000

[9] पंचायती राज की शुरुआत कब हुई थी?

(A) **1952 ई० में**

(B) 1949 ई० में

(C) 1955 ई० में

(D) 1956 ई० में

[10] पंचायत सचिव किस संस्था का सचिव होता है।

(A) पंचायत समिति

(B) नगर पंचायत

(C) **ग्राम पंचायत**

(D) ग्राम कचहरी

[11] ग्राम पंचायत का बजट कौन पास करता है?

(A) मुखिया

(B) पंचायत समिति

(C) जिला परिषद

(D) **ग्रामसभा**

[12] जिला परिषद पंचायती राज व्यवस्था का कौन-सा स्तर है?

(A) पहला

(B) दूसरा

(C) **तीसरा**

(D) चौथा

[13] सरपंच अधिकतम कितने रुपयों तक के मामलों की सुनवाई कर सकता है?

(A) 1 लाख रुपये

(B) 50,000 रुपये

(C) **10 हजार रुपये**

(D) 20 हजार रुपये

[14] पंचायती राज व्यवस्था किस प्रधानमंत्री के शासन काल में हुआ था?

(A) इंदिरा गाँधी

(B) **पं० जवाहरलाल नेहरू**

(C) लाल बहादुर शास्त्री

(D) इनमें से कोई नहीं

[15] बिहार पंचायती राज अधिनियम कब बना?

(A) 2004 में

(B) 2005 में

(C) **2006 में**

(D)2007 में

[16] नगर पंचायत में सदस्यों की संख्या होती है—

(A) **10 से 25 तक**

(B) 20 से 25 तक

(C) 25 से 30 तक

(D) 30 से 35 तक

[17] पंचायत समिति का पदेन सचिव कौन होता है?

(A) मुखिया

(B) प्रमुख

(C) **प्रखण्ड विकास पदाधिकारी**

(D) सरपंच

[18] बिहार में पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं के लिए कितनी सीटें आरक्षित हैं ?

(A) **50%**
(B) 25%
(C) 33%
(D) इनमें से कोई नहीं

[19] न्यायमित्र निम्नलिखित में किस संस्था का सेवक है।

(A) **ग्राम कचहरी**

(B) ग्राम सभा

(C) पंचायत समिति

(D) नगर पंचायत

[20] भारत में कहाँ महिलाओं के लिए आरक्षण की व्यवस्था है?

(A) लोकसभा

(B) विधानसभा

(C) **पंचायती राज व्यवस्था**

(D) मंत्रिमंडल

[21] सत्ता में साझेदारी सही है क्योंकि

(A) **यह विविधता को अपने में समेट लेती है**

(B) देश की एकता को कमजोर करती है

(C) फैसले लेने में अनावश्यक व्यवधान पैदा होता है

(D) विभिन्न समुदायों के बीच टकराव कम करती है।

[22] ग्राम कचहरी का प्रधान कौन होता है?

(A) पंच

(B) **सरपंच**

(C) प्रमुख

(D) न्यायमित्र

[23] भारत में राष्ट्रीय स्तर पर पंचायती राज स्थापना कब हुई ?

(A) **1959**

(B) 1969

(C) 1979

(D) 1989

[24] बिहार में पंचायती राज का स्वरूप है—

(A) ग्राम पंचायत

(B) पंचायत समिति

(C) जिला परिषद्

(D) **इनमें से सभी**

[25] निम्नलिखित में कौन पंचायत समिति का अंग है।

(A) पंचायत सेवक

(B) ग्राम सभा

(C) नगर पंचायत

(D) **प्रमुख**

[26] पंचायत समिति का प्रधान कौन होता है ?

(A) मुखिया

(B) सरपंच

(C) **प्रमुख**

(D) पंचायत सेवक

[27] कितनी जनसंख्या वाले शहरों में नगर परिषद का गठन किया जाता है ?

(A) 20 हजार से अधिक

(B) 30 हजार से अधिक

(C) **40 हजार से अधिक**

(D) इनमें से कोई नहीं

[28] ग्रामीण स्थानीय स्वशासन की इकाई इनमें कौन नहीं है ?

(A) **नगर परिषद्**

(B) पंचायत समिति

(C) ग्राम पंचायत

(D) जिला परिषद्

[29] भारत में सर्वप्रथम नगर निगम की स्थापन गई

(A) **चेन्नई**

(B) मुंबई

(C) बिहार

(D) इनमें से कोई नहीं

[30] किस विदेशी यात्री ने पाटलिपुत्र के नगरपालिका संगठन के विषय में लिखा है?

(A) इब्नबतूता

(B) **मेगास्थनीज**

(C) फाह्यान

(D) इनमें से कोई नहीं

[31] किन धार्मिक पुस्तक/ पुस्तकों में स्थानीय स्वशासन की चर्चा है ?

(A) महाभारत

(B) मनुस्मृति

(C) **दोनों में**

(D) किसी में भी नहीं

[32] प्रमुख का निर्वाचन कौन करता है ?

(A) ग्राम सभा

(B) **पंचायत समिति**

(C) नगर पंचायत

(D) ग्राम कचहरी

[33] बिहार में कुल नगर निगम की संख्या है ?

(A) पाँच

(B) आठ

(C) सात

(D) **बारह**

[34] पटना नगर निगम की स्थापना कब हुई थी ?

(A) 1950 ई० में

(B) 1951 ई० में

(C) **1952 ई० में**

(D) 1949 ई० में

[35] पटना नगर निगम में कितने वार्ड हैं ?

(A) 72
(B) **75**
(C) 49
(D) 45

[36] जिला परिषद का कार्यकाल होता है।

(A) दो वर्ष

(B) दस वर्ष

(C) **पाँच वर्ष**

(D) एक वर्ष

[37] निम्नलिखित में स्थानीय स्वशासन की ग्रामीण संस्था कौन है ?

(A) नगर निगम

(B) नगर परिषद

(C) नगर पंचायत

(D) **जिला परिषद**

[38] बिहार में कितनी आबादी पर पंचायत समिति का एक सदस्य चुना जाता है ?

(A) 500
(B) 700
(C) **5,000**
(D) 7,000

[39] नगर निगम में नगर आयुक्तों की नियुक्ति कौन करता है ?

(A) **राज्य सरकार**

(B) केन्द्र सरकार

(C) महापौर

(D) चुनाव के द्वारा

[40] बिहार में नगर निगम की स्थापना होती है।

(A) दो लाख पर

(B) **तीन लाख पर**

(C) चार लाख पर

(D) पाँच लाख पर

[41] राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस कब मनाया जाता है?

(A) **24 अप्रैल**

(B) 20 अप्रैल

(C) 15 अप्रैल

(D) 17 अप्रैल

[42] स्थानीय शासन की शुरुआत किस राज्य से हुई ?

(A) बिहार

(B) गुजरात

(C) **राजस्थान**

(D) उत्तर प्रदेश

[43] जिला परिषद का एक सदस्य चुना जाता है।

(A) 1 लाख पर

(B) 75 हजार पर

(C) **50 हजार पर**

(D) 25 हजार पर

[44] निम्नलिखित में से किस वर्ग के लोगों को पंचायती राजव्यवस्था में आरक्षण नहीं है ?

(A) **मुस्लिम वर्ग**

(B) अनुसूचित जाति

(C) अनुसूचित जनजाति

(D) अत्यंत पिछड़ा वर्ग

[45] भारतीय संविधान में किया गया 73वा संशोधन संबंधित है।

(A) नगरपालिकाओं से

(B) **पंचायती राज से**

(C) ग्राम पंचायत से

(D) ग्राम कचहरी से

लघु उत्तरीय प्रश्न

01. नगर निगम के किन्हीं चार कार्यों के विषय में बताइए।

उत्तर– नगर निगम के निम्नांकित प्रमुख कार्य हैं –

- नगर निगम क्षेत्र में पेशाबखानों, शौचालयों, नालियों आदि का निर्माण एवं देखभाल।
- सफाई का प्रबंध।
- पीने के पानी का प्रबंध।
- पुलों, गलियों, उद्यानों का निर्माण एवं सफाई।
- प्राथमिक विद्यालयों, पुस्तकालयों, अजायबघरों की स्थापना एवं व्यवस्था।

कल्याण–केन्द्रों, मातृ–केन्द्रों, वृद्धाश्रमों की स्थापना एवं प्रबंध आदि।

02. महापौर पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

उत्तर– महापौर नगर का प्रथम नागरिक माना जाता है। निगम परिषद् अपने सदस्यों के बीच से ही एक महापौर चुनता है। यह निगम परिषद् का सभापति होता है तथा निगम की बैठकों की अध्यक्षता करता है। मेयर की अनुपस्थिति में उपमेयर ही निगम की बैठकों की अध्यक्षता करता है।

03. पंचायती राज क्या है?

उत्तर– पंचायती राज के अंतर्गत ग्राम, प्रखण्ड एवं जिला स्तर पर क्रमशः ग्राम पंचायत, पंचायत समिति एवं जिला परिषद् का गठन किया जाता है। यह स्थानीय स्तर पर सत्ता के संचालन की एक व्यवस्था है जिसमें स्थानीय लोगों को सरकार में शामिल होने का अवसर प्राप्त होता है तथा विकास से जुड़ने का अवसर प्राप्त होता है।

04. ग्राम कचहरी के गठन एवं शक्ति का वर्णन करें।

उत्तर– बिहार में पंचायत राज अधिनियम, 2006 के अनुसार, ग्राम कचहरी का गठन निर्वाचन द्वारा किया जाता है जिसमें एक निर्वाचित सरपंच और निश्चित संख्या में निर्वाचित पंच होते हैं। ग्राम कचहरी में भी आरक्षण का प्रावधान है। ग्राम कचहरी का प्रधान सरपंच होता है। ग्राम कचहरी का एक सचिव और एक न्यायमित्र होता है जिनकी नियुक्ति राज्य सरकार द्वारा होती है। इसको फौजदारी और दीवानी दोनों प्रकार के मुकदमों की सुनवाई करने का अधिकार है। इसे अधिकतम एक हजार रुपये तक जुर्माना करने का अधिकार है।

05. जिला परिषद् के तीन कार्य लिखें।

उत्तर– जिला परिषद् के तीन महत्वपूर्ण कार्य हैं :–

(क) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण–संबंधी कार्य

(ख) सामाजिक कल्याण–संबंधी कार्य तथा

(ग) शिक्षा–संबंधी कार्य।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

01. ग्राम पंचायत के संगठन एवं कार्यों का वर्णन करें?

उत्तर– ग्राम पंचायत के प्रमुख संगठन निम्नलिखित हैं –

मुखिया – प्रत्येक ग्राम पंचायत का प्रधान मुखिया होता है। मुखिया की सहायता के लिए एक उप–मुखिया का पद सृजित किया गया है।

ग्रामसभा – यह पंचायत की व्यवस्थापिका सभा है। पंचायत क्षेत्र के अंदर रहनेवाले प्रत्येक स्त्री–पुरुष जिनकी उम्र 18 वर्ष से कम नहीं है, इसके सदस्य होते हैं।

ग्राम रक्षा दल – यह गाँव की एक पुलिस व्यवस्था है। गाँव के 18 वर्ष से 30 वर्ष तक की आयु वाले युवक इसके सदस्य हो सकते हैं।

ग्राम कचहरी – यह ग्राम पंचायत का न्यायालय है। यह ग्राम पंचायत के अन्तर्गत न्यायिक कार्यों को देखता है।

ग्राम पंचायत के कार्य :– (1) ग्राम पंचायत का प्रथम काम पंचायत क्षेत्र के विकास के लिए वार्षिक योजना एवं बजट तैयार करना है। (2) ग्राम पंचायत प्राकृतिक आपदा के समय लोगों की सहायता करता है। (3) सार्वजनिक संपत्ति से अतिक्रमण हटाना ग्राम पंचायत का एक अन्य कार्य है। (4) ग्राम पंचायत स्वैच्छिक श्रमिकों को संगठित करता है और सामाजिक कार्यों में स्वैच्छिक सहयोग करता है।

02. नगर निगम की आय के प्रमुख साधनों को बताइए।

उत्तर– नगर निगम की आय के निम्नलिखित स्रोत हैं – संपत्ति कर और मकान कर; वाहनों और पशुओं पर कर; मनोरंजन स्थलों पर कर; विज्ञापन कर; व्यवसाय कर; शिक्षा कर; मनोरंजन कर; नगर की भूमि की बढ़ी हुई कीमत पर विकास कर; जल–आपूर्ति कर; सफाई कर; गैर–मशीनवाले वाहनों पर कर जैसे–रिक्शा, घोड़ागाड़ी; नगर क्षेत्र के बाजारों में बिक्री के लिए लाई गई वस्तुओं पर कर तथा सरकार से प्राप्त अनुदान।

अध्याय–06
लोकतांत्रिक जनसंघर्ष एवं आंदोलन

बहुविकल्पीय प्रश्न

[1] बिहार में संपूर्ण क्रांति का नेतृत्व निम्नांकित में किसने किया ?

(A) मोरारजी देसाई

(B) नीतीश कुमार

(C) इंदिरा गाँधी

(D) **जयप्रकाश नारायण**

[2] बिहार में छात्र आंदोलन की शुरुआत करने वाले थे।

(A) महात्मा गाँधी

(B) पं० जवाहरलाल नेहरू

(C) **जयप्रकाश नारायण**

(D) इंदिरा गाँधी

[3] इनमें से कौन बिहार के महान दलित नेता थे ?

(A) महेन्द्र सिंह टिकैत

(B) **जगजीवन राम**

(C) भीमराव अंबेदकर

(D) इनमें से कोई नहीं

[4] चिपको आन्दोलन का प्रारम्भ किसके द्वारा किया गया था ?

(A) **महिलाओं द्वारा**

(B) छात्रों द्वारा

(C) मजदूरों द्वारा

(D) किसानों द्वारा

[5] "चिपको आन्दोलन" निम्नलिखित में से किससे संबंधित है ?

(A) **पेड़ बचाने से**

(B) आर्थिक शोषण की मुक्ति से

(C) शराबखोरी के विरुद्ध आवाज से

(D) काँग्रेस पार्टी के विरोध से

[6] चिपको आंदोलन का नेतृत्व निम्नलिखित में से किसने किया ?

(A) चंडी प्रसाद भट्ट

(B) **सुन्दर लाल बहुगुणा**

(C) महेन्द्र सिंह टिकैत

(D) हेमनन्दन बहुगुणा

[7] 'चिपको आंदोलन' का क्या उद्देश्य था ?

(A) **पर्यावरण की सुरक्षा**

(B) नशाबंदी

(C) भंगी मुक्ति

(D) सुशासन

[8] चिपको आंदोलन की शुरूआत किस राज्य से हुईं।

(A) **उत्तराखंड से**

(B) बिहार से

(C) मध्य प्रदेश से

(D) छत्तीसगढ़ से

[9] भारतीय लोकतंत्र में सत्ता के विरुद्ध जन आक्रोश किस दशक से प्रारंभ हुआ ?

(A) 1960 के दशक से

(B) **1970 के दशक से**

(C) 1980 के दशक से

(D) 1990 के दशक से

[10] डॉ मेघा पाटकर घनिष्ठ रूप से जुड़ी हैं।

(A) गंगा बचाओ आन्दोलन से

(B) दून घाटी आन्दोलन से

(C) **नर्मदा बचाओ आन्दोलन से**

(D) साइलेन्ट घाटी आन्दोलन से

[11] 'नर्मदा घाटी परियोजना' किन राज्यों से संबंधित है।

(A) बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश

(B) तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक

(C) पं० बंगाल, उत्तर प्रदेश, पंजाब

(D) **गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश**

[12] 'ताड़ी विरोधी आंदोलन' निम्नलिखित में से किस प्रांत में शुरू किया गया ?

(A) बिहार

(B) उत्तर प्रदेश

(C) **आंध्र प्रदेश**

(D) तमिलनाडु

[13] किस राज्य से हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनाने के विरुद्ध आंदोलन की शुरुआत हुई ?

(A) **तमिलनाडु**

(B) केरल

(C) बिहार

(D) आंध्रप्रदेश

[14] जलयुद्ध किस देश में हुआ था ?

(A) म्यांमार

(B) श्रीलंका

(C) भारत

(D) **बोलिविया**

[15] श्रीलंका कब आजाद हुआ ?

(A) 1947 में

(B) **1948 में**

(C) 1949 में

(D) 1950 में

[16] 'नर्मदा बचाओं आंदोलन' संबंधित है—

(A) **पर्यावरण**

(B) शिक्षा

(C) भ्रमण

(D) उर्वरक

[17] 'चिपको आन्दोलन' निम्नलिखित में से किससे संबंधित नहीं है ?

(A) अंगू के पेड़ काटने की अनुमति से

(B) आर्थिक शोषण से मुक्ति से

(C) शराबखोरी के विरुद्ध आवाज से

(D) **काँग्रेस पार्टी के विरोध से**

[18] ब्रिटेन में गौरवपूर्ण क्रांति कब हुई थी ?

(A) 1555

(B) **1688**

(C) 1885

(D) 1795

[19] 'सूचना का अधिकार आंदोलन' की शुरुआत कहाँ से हुई ?

(A) **राजस्थान**

(B) दिल्ली

(C) तमिलनाडु

(D) बिहार

[20] 1 जनवरी, 2015 को कौन-सी नई संस्था स्थापित की गई है ?

(A) **नीति आयोग**

(B) राज्य आयोग

(C) राष्ट्रीय आयोग

(D) राज्य परिषद्

[21] उस कानून का नाम बताएँ जो एक जन आंदोलन के द्वारा प्राप्त किया गया।

(A) **सूचना का अधिकार कानून**

(B) कम्पनी कानून

(C) उत्पाद कानून

(D) इनमें से कोई नहीं

[22] सम्पूर्ण क्रांति का क्या उद्देश्य था ?

(A) लोकतंत्र की स्थापना

(B) **निर्वाचित सरकार को बदलना**

(C) सैनिकतंत्र की स्थापना

(D) इनमें से कोई नहीं

[23] निम्नलिखित में कौन किसान यूनियन के नेता थे ?

(A) मोरारजी देसाई

(B) **जय प्रकाश नारायण**

(C) महेन्द्र सिंह टिकैत

(D) चौधरी चरण सिंह

[24] भारतीय किसान दिवस कब मनाया जाता है ?

(A) 20 दिसम्बर

(B) 22 दिसम्बर

(C) **23 दिसम्बर**

(D) 25 दिसम्बर

लघु उत्तरीय प्रश्न

01. सूचना का अधिकार क्या है?

Ans :- सूचना का अधिकार का कानून लोगों को जानकार बनाने और लोकतंत्र के रखवाले के तौर पर सक्रिय करने का अच्छा उदाहरण साबित हुआ है सूचना का अधिकार सरकार में व्याप्त भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने का काम करता है। इस कानून के पारित होने के बाद अब जनता काफी जागरूक हो गई है।

02. **ताड़ी विरोधी आंदोलन क्यों हुआ ?**

Ans :- ताड़ी ताड़ के पेड़ से प्राप्त होने वाली एक शराब है। ताड़ी विरोधी आंदोलन महिलाओं द्वारा शराबबंदी के लिए चलाया गया था। इसका उद्देश्य पुरुषों में शराब की लत को समाप्त करना था। इसलिए ताड़ी विरोधी आंदोलन हुआ।

03. **बिहार में हुए छात्र आंदोलन के प्रमुख कारण क्या थे?**

Ans :- बिहार में हुए छात्र आंदोलन के प्रमुख कारण बिहार में बेरोजगारी और भ्रष्टाचार एवं खदान की कमी और कीमतों में हुई अप्रत्याशित वृद्धि के छात्र आंदोलन के प्रमुख कारण थे।

04. **दबाव समूह से आप क्या समझते हैं?**

Ans :- लोगों का ऐसा समूह जो अपनी मांगों की ओर सरकार का ध्यान दिलाने के लिए सरकार पर अप्रत्यक्ष रूप से दबाव डालने के लिए संगठन बनाता है। दबाव समूह कहलाता है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

01. नर्मदा बचाओ आंदोलन के क्या उद्देश्य थे?

उत्तर– नर्मदा बचाओ आंदोलन का उद्देश्य कृषि क्षेत्र में सुधार के लिए सरकार का ध्यान आकृष्ट करना था। आठवें दशक के प्रारंभ में मध्य भारत की नर्मदा एवं उसकी सहायक नदियों पर सरकार ने 30 बड़े, 135 मँझोले तथा 300 छोटे बाँध बनाने का निर्णय लिया। इन बाँधों के निर्माण से लगभग 245 गाँवों के डूब जाने की आशंका थी। परिणामस्वरूप, बाढ़ की आशंकावाले लगभग ढ़ाई लाख ग्रामीणों ने इसके विरुद्ध आंदोलन करने का निश्चय किया। उन्होंने इसके लिए एक गैर–राजनीतिक संगठन बनाकर नर्मदा बचाओं आंदोलन प्रारंभ कर दिया। इस आंदोलन के समर्थकों ने अपने तर्क दिया कि जल, जंगल और जमीन जैसे प्राकृतिक संसाधनों पर उनका प्रभावी नियंत्रण होना चाहिए।

02. चिपको आंदोलन का मुख्य उद्देश्य क्या है?

Ans:- चिपको आंदोलन में स्थानीय निवासियों का जल जंगल जमीन जैसे प्राकृतिक संसाधनों पर नियंत्रण था सरकार से यह मांग की गई थी कि जंगल की कटाई का कोई भी ठेका बाहरी व्यक्तियों को ना दिया जाए । चिपको आंदोलन का मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित थे

(i) वन सम्पदा की सुरक्षा

(ii) वन जीव की सुरक्षा

(iii) मिल मालिकों के शोषण से मुक्त तथा

(iv) पर्यावरण सुरक्षा

अध्याय–07
राजनीतिक दल

बहुविकल्पीय प्रश्न

[1] भारतीय जनता पार्टी का चुनाव चिन्ह क्या है?

(A) हाथ का पंजा

(B) **कमल का फूल**

(C) गेंदा का फूल

(D) चक्र

[2] निम्नलिखित में कौन राष्ट्रीय दल हैं?

(A) जनता दल (यू)

(B) डी० एम० के०

(C) लोक जनशक्ति पार्टी

(D) **भारतीय जनता पार्टी**

[3] भारत की दल पद्धति की क्या विशेषता है?

(A) द्विदलीय पद्धति

(B) **बहुदलीय पद्धति**

(C) साम्प्रदायिक दलों का अभाव

(D) क्षेत्रीय दलों का अभाव

[4] राजनीतिक दलों की नींव सर्वप्रथम किस देश में पड़ी ?

(A) **ब्रिटेन में**

(B) भारत में

(C) फ्रांस में

(D) संयुक्त राज्य अमेरिका में

[5] किस देश में बहुदलीय व्यवस्था नहीं है ?

(A) पाकिस्तान

(B) भारत

(C) बांग्लादेश

(D) **ब्रिटेन**

[6] राजनीतिक दल का आशय है।

(A) अफसरों के समूह से

(B) सेनाओं के समूह से

(C) **व्यक्तियों के समूह से**

(D) किसानों के समूह से

[7] भारतीय जनता पार्टी की स्थापना कब हुई

(A) 1979
(B) **1980**
(C) 1981
(D) इनमें से कोई नहीं

[8] निम्न में से कौन राष्ट्रीय दल है ?

(A) जनता दल (यू)

(B) डी०एम०के०

(C) लोक जनशक्ति पार्टी

(D) **भारतीय जनता पार्टी**

[9] बोलीविया में जनसंघर्ष का मुख्य कारण था।

(A) **पानी की कीमत में वृद्धि**

(B) खाद्यान्न की कीमत में वृद्धि

(C) पेट्रोल की कीमत में वृद्धि

(D) इनमें से कोई नहीं

[10] राजनीतिक दलों की मान्यता और उसका चिन्ह किसके द्वारा प्रदान किया जाता है ?

(A) राष्ट्रपति

(B) प्रधानमंत्री

(C) **निर्वाचन आयोग**

(D) इनमें से कोई नहीं

[11] 1977 की लोकसभा के चुनाव में किस दल को स्पष्ट बहुमत मिला ?

(A) भारतीय जनता पार्टी

(B) **जनता पार्टी**

(C) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस

(D) भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी

[12] सोलहवीं लोकसभा का चुनाव किस वर्ष हुआ ?

(A) 2012
(B) 2013
(C) **2014**
(D) 2015

[13] निम्नलिखित राजनीतिक दलों में कौन क्षेत्रीय दल है ?

(A) भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस

(B) भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी

(C) भारतीय जनता पार्टी

(D) **तृणमूल काँग्रेस**

[14] भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति कौन करता है ?

(A) प्रधानमंत्री

(B) **राष्ट्रपति**

(C) मंत्रिमंडल

(D) संसद

[15] किस वर्ष राजा ज्ञानेन्द्र के खिलाफ जन आन्दोलन की शुरुआत नेपाल में हुई थी ?

(A) 2000
(B) **2006**
(C) 1998
(D) 2009

[16] निम्नलिखित में से किसे 'लोकतंत्र का प्राण' कहा जाता है ?

(A) सरकार को

(B) न्यायपालिका को

(C) संविधान को

(D) **राजनीतिक दल को**

[17] राजनीतिक दलों को मान्यता और उसका चिह्न किसके द्वारा प्रदान किया जाता है ?

(A) राष्ट्रपति सचिवालय द्वारा

(B) प्रधानमंत्री सचिवालय द्वारा

(C) **निर्वाचन आयोग द्वारा**

(D) संसद द्वारा

[18] 2014 की लोकसभा के चुनाव में किस दल को स्पष्ट बहुमत मिला ?

(A) **भारतीय जनता पार्टी को**

(B) भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस को

(C) जनता पार्टी को

(D) भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी को

[19] भारत में हुए 1977 के आम चुनाव में किस पार्टी को बहुमत मिला था।

(A) काँग्रेस पार्टी को

(B) **जनता पार्टी को**

(C) कम्युनिस्ट पार्टी को

(D) इनमें से कोई नहीं

[20] केन्द्र में जनता पार्टी की सरकार कब स्थापित हुई थी ?

(A) 1975
(B) 1976
(C) 1980
(D) **1977**

[21] वर्ष 1975 भारतीय राजनीति में किस लिए जाना जाता है ?

(A) इस वर्ष आम चुनाव हुए थे

(B) श्रीमती इंदिरा गाँधी प्रधानमंत्री बनी थी

(C) **देश के अंदर आपातकाल लागू हुआ था**

(D) जनता पार्टी की सरकार बनी थी

[22] भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस की स्थापना कब हुई थी?

(A) **1885**
(B) 1993
(C) 1795
(D) 1800

[23] किसी भी देश में राजनीतिक स्थायित्व के लिए निम्नलिखित में से क्या नहीं आवश्यक है ?

(A) सभी दलों द्वारा सरकार को रचनात्मक सहयोग देना

(B) किसी भी ढंग से सरकार को अपदस्थ करना

(C) निर्णय प्रक्रिया में सरकार द्वारा सबकी सहमति लेना

(D) **सरकार द्वारा विरोधी दलों को नजरबंद**

[24] लोकसभा में निर्वाचन हेतु कुल सीटों की संख्या होती है।

(A) 542
(B) 544

(C) **543**
(D) 545

[25] इनमें से राष्ट्रीय पार्टी कौन है ?

(A) भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस
(B) भारतीय जनता पार्टी
(C) जनता दल (यू)
(D) **'A' और 'B' दोनों**

[26] गठबंधन की सरकार बनाने की संभावना कि प्रकार की दलीय व्यवस्था में रहती है ?

(A) एकदलीय व्यवस्था
(B) द्विदलीय व्यवस्था
(C) **बहुदलीय व्यवस्था**
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

[27] भारतीय जनता पार्टी के प्रथम अध्यक्ष कौन थे ?

(A) लालकृष्ण आडवाणी
(B) राजनाथ सिंह
(C) सावरकर
(D) **अटल बिहारी वाजपेयी**

[28] बिहार में जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में आन्दोलन कब हुआ ?

(A) 1972
(B) 1973
(C) **1974**
(D) 1975

[29] निम्नलिखित में से कौन राजनीतिक दलों के लिए चुनौती नहीं है ?

(A) नेतृत्व का संकट
(B) आंतरिक लोकतंत्र का अभाव
(C) दल-बदल की राजनीति
(D) **संविधान निर्माण**

[30] भारत में पहली बार केन्द्र में गैर-काँग्रेसी सरकार कब बनी ?

(A) 1975
(B) **1977**
(C) 1989
(D) 1991

[31] लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रतिनिधि चुनने का अधिकार किसके पास है ?

(A) **जनता**
(B) विधायक
(C) सांसद
(D) ग्रामसभा

[32] भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना किसने किया ?

(A) पं० जवाहरलाल नेहरू
(B) महात्मा गाँधी
(C) श्रीमती इंदिरा गाँधी
(D) **ए० ओ० ह्यूम**

[33] राजनीतिक दल को कौन-सा सदन कहते हैं ?

(A) उच्च सदन
(B) निम्न सदन
(C) **तृतीय सदन**
(D) इनमें से कोई नहीं

[34] निम्नलिखित में से कौन राष्ट्रीय दल नहीं है ?

(A) भारतीय काँग्रेस
(B) बहुजन समाज पार्टी
(C) **लोक जनशक्ति पार्टी**
(D) भारतीय जनता पार्टी

[34] नेपाल में सप्तदलीय गठबंधन का मुख्य उद्देश्य क्या है ?

(A) राजा को देश छोड़ने पर मजबूर करना
(B) **लोकतंत्र की स्थापना करना**
(C) भारत-नेपाल के बीच संबंधों को और बेहतर बनाना
(D) सर्वदलीय सरकार की स्थापना करना

[36] वर्तमान में भारत में कितने राष्ट्रीय राजनीतिक दल है।

(A) 5
(B) 6
(C) 7
(D) **8**

[37] निम्न में से कौन वामपंथी दल है ?

(A) **सी॰पी॰आई॰**

(B) मुस्लिम लीग

(C) समाजवादी पार्टी

(D) तृणमूल कांग्रेस

[38] निम्नलिखित में से कौन-सा देश में एकदलीय शासन है ?

(A) ब्रिटेन

(B) **चीन**

(C) अमेरिका

(D) नेपाल

लघु उत्तरीय प्रश्न

01. राजनीतिक दल से आप क्या समझते हैं?

Ans :- लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए देश में कुछ राजनीतिक समूह होते हैं। जिन्हें राजनीतिक दल कहा जाता है। राजनीतिक दल को लोकतंत्र की रीड कहा जाता है।

02. **राजनीतिक दल को लोकतंत्र का प्राण क्यों कहते हैं?**

Ans:- राजनीतिक दल शासन व्यवस्था के पक्ष विपक्ष से अवगत कराते हुए जनता के समक्ष बेहतर विकल्प पेश करता है जनमत निर्माण की इस प्रक्रिया में जनता को निर्णय लेने में सुविधा होती है राजनीतिक दलों के अभाव में चुनाव का कोई अंत अस्तित्व नहीं होता। चुनाव एवं राजनीतिक दल में जरूरी संबंध है अतएव राजनीतिक दल लोकतंत्र का प्राण है।

03. **राजनीतिक दल के प्रमुख कार्य क्या है?**

Ans:- राजनीतिक दलों के प्रमुख कारण निम्नलिखित हैं-

(i) जनता को शिक्षित करना

(ii) जनमत का निर्माण करना

(iii) निर्वाचन में भाग लेना

(iv) शासन चलाना

(v) सरकार की आलोचना करना

04. **भारतीय जनता पार्टी की स्थापना कब हुई विवेचना करें।**

Ans :- भारतीय जनता पार्टी के स्थापना सन 1980 ईस्वी में हुआ। इसका प्रथम अध्यक्ष अटल बिहारी बाजपेई को बनाया गया। भारतीय जनता पार्टी का प्रमुख लक्ष्य भारत को प्राचीन संस्कृति और मूल्यों से प्रेरणा लेकर आधुनिक भारत का निर्माण करना है। यह जम्मू कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने के खिलाफ है। B.J.P राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन N.D.A बनाकर 1998 ईस्वी में पहली बार सत्ता में आई। वर्तमान में यह 2014 से देश पर शासन कर रही है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

01. **राजनीतिक दलों को प्रभावशाली बनाने के लिए तीन उपायों को लिखें।**

Ans :- लोकतंत्र में राजनीतिक दलों के सामने आज अनेकों चुनौतियां हैं। जिसका सामना करने के लिए राजनीतिक दलों को प्रभावशाली बनाने के लिए तीन उपाय निम्नलिखित है।

(i) दल बदल कानून लागू हो

(ii) न्यायपालिका के आदेश का पालन

(iii) दलों के बीच आंतरिक लोकतंत्र बहाल हो

02. **लोकतंत्र की सफलता में विपक्ष की क्या भूमिका होती है?**

उत्तर– लोकतंत्र की सफलता की आवश्यकत शर्तों में एक शर्त यह भी है कि एक सशक्त विपक्षी दल अवश्य रहे। भारत का यह दुर्भाग्य रहा है कि ब्रिटेन और अमेरिका की तरह ऐसा कोई विरोधी दल नहीं है जो अकेले अपनी सरकार बनाने में समर्थ हो सके। 1977 के चुनाव के अवसर पर पहली बार विपक्ष ने जनता पार्टी के रूप में उभरकर सत्ता प्राप्त की।

लोकतंत्र में विपक्षी दल के कार्य भी सरकार से कम महत्त्वपूर्ण नहीं होते। चुनाव के बाद जब कोई राजनीतिक दल सत्ता में आ जाता है तब अगले चुनाव तक वह जनता के नियंत्रण से मुक्त हो जाता है। दो चुनावों के बीच सत्तारूढ़ दल पर अंकुश रखने की आवश्यकता पड़ती है। इस आवश्यकता की पूर्ति विपक्ष द्वारा ही संभव है। सरकार की आलोचना कर, सरकारी निर्णय के विरुद्ध आंदोलन एवं प्रदर्शन कर, मंत्रियों से प्रश्न पूछकर, सदन में कार्यस्थगन प्रस्ताव लाकर तथा आवश्यकता पड़ने पर सरकार के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाकर विपक्ष सरकार को नियंत्रित करता रहता है। कानून के निर्माण में भी विपक्ष की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। कई अन्य माध्यम से भी विपक्ष सरकार पर नियंत्रण रखने का कार्य करती है। इस प्रकार हम देखते हैं कि विपक्ष का मजबूत होना एक अच्छे सरकार के लिए आवश्यक होता है।

अध्याय–08
लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था के परिणाम

बहुविकल्पीय प्रश्न

[1] लोकतंत्र की सफलता निर्भर करती है।

(A) नागरिकों की उदासीनता पर

(B) नागरिकों की गैर-कानूनी कार्रवाई पर

(C) **नागरिकों की विवेकपूर्ण सहभागिता पर**

(D) इनमें से कोई नहीं

[2] "लोकतंत्र जनता का, जनता के द्वारा और जनता के लिए शासन है।" यह कथन किसका है ?

(A) अरस्तु

(B) जार्ज वॉशिंगटन

(C) **अब्राहम लिंकन**

(D) लार्ड ब्राइस

[3] निम्नांकित में कौन-सा कदम लोकतांत्रिक सुधार का सूचक है ?

(A) अशिक्षा

(B) **पंचायती राज**

(C) सामाजिक असमानता

(D) इनमें से कोई नहीं

[4] लोकतंत्र की उपलब्धियों का सही मूल्यांकन किस प्रकार कर सकते हैं ?

(A) लोकतंत्र मूर्खों की सरकार

(B) समय और धन का अपव्यय

(C) विविधताओं का साम्राज्य

(D) **एक उत्तरदायी शासन व्यवस्था**

[5] इनमें से कौन-सी एक बात लोकतांत्रिक व्यवस्था के अनुरूप नहीं है ?

(A) कानून के समक्ष समानता

(B) स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव

(C) उत्तरदायी शासन व्यवस्था

(D) **बहुसंख्यकों का शासन**

[6] भारतीय लोकतंत्र है।

(A) एक सफल लोकतंत्र

(B) विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र

(C) **दोनों (A एवं B)**

(D) एक असफल लोकतंत्र

[7] लोकतंत्र के परिणामों का सही आधार है।

(A) लोकतंत्र मूर्खों की सरकार

(B) समय और धन का अपव्यय

(C) विविधताओं का साम्राज्य

(D) **एक उत्तरदायी शासन व्यवस्था**

[8] लोकतंत्र का कौन-सा सही गुण नहीं है ?

(A) समानता का पोषक

(B) व्यक्ति की गरिमा में वृद्धि

(C) **बहुसंख्यकों का शासन**

(D) विभिन्नताओं में सामंजस्य की क्षमता

[9] लोकतांत्रिक सरकारों का आधार है।

(A) **बहुमत**

(B) अल्पमत

(C) सैनिकवाद

(D) पूँजीवाद

[10] लोकतंत्र का सर्वोत्तम गुण क्या है ?

(A) शिक्षा का अभाव

(B) जनसंख्या की अधिकता

(C) बहुदलीय पद्धति

(D) **नागरिकों की गरिमा में वृद्धि**

[11] लोकतंत्र की सफलता की एक आवश्यक शर्त क्या है ?

(A) शिक्षा

(B) स्वास्थ्य

(C) रोजगार

(D) **लोकतंत्र में आस्था**

[12] किस आधार पर लोकतंत्र को सर्वोत्तम शासन कहते हैं ?

(A) निर्णय में देर

(B) राष्ट्रीय भावना का अभाव

(C) राजनीतिक चेतना का अभाव

(D) **जनमत पर आधृत**

[13] लोकतांत्रिक देशों में फैसले एवं निर्णय किसके द्वारा लिए जाते हैं?

(A) अफसरों द्वारा

(B) **जनप्रतिनिधियों द्वारा**

(C) राजनीतिक नेताओं द्वारा

(D) बुद्धिजीवियों द्वारा

[14] निम्नलिखित में कौन लोकतंत्र की सफलता के लिए आवश्यक शर्त है ?

(A) साम्प्रदायिकता

(B) **प्रेस की स्वतंत्रता**

(C) विशेषाधिकार

(D) आर्थिक असमानता

[15] लोकतंत्र के बारे में कौन-सा कथन सत्य है ?

(A) जनता के मध्य टकराव का अभाव

(B) आर्थिक-असमानता का अभाव

(C) **निर्णय में देरी परंतु सर्वोत्तम फैसले**

(D) सामाजिक असमानता का अंत

[16] निम्न में से कौन-सी स्थिति लोकतंत्र की सफलता के लिए सबसे आवश्यक है ?

(A) **मजबूत जनमत**

(B) निरक्षर नागरिक

(C) मजबूत सेंसर बोर्ड

(D) नियंत्रित मीडिया और प्रेस

[17] "भारत एक लोकतांत्रिक राज्य है।" निम्नलिखित में से किसमें यह घोषणा की गई है ?

(A) **प्रस्तावना**

(B) पाठ

(C) कानूनी पुस्तक

(D) नागरिक शास्त्र

[18] किस बात से स्पष्ट होता है कि बिहार में लोकतंत्र की जड़ें गहरी हैं ?

(A) साक्षरता की दर 61.8 प्रतिशत

(B) **वैशाली का लिच्छवी गणतंत्र**

(C) नालंदा का प्राचीन विश्वविद्यालय

(D) इनमें से कोई नहीं

[19] भारत में किस तरह की लोकतंत्र की व्यवस्था की गई है ?

(A) प्रत्यक्ष

(B) **अप्रत्यक्ष**

(C) दोनों

(D) इनमें से कोई नहीं

[20] एक उत्तरदायी एवं वैध शासन है।

(A) **लोकतंत्र**

(B) राजतंत्र

(C) सैनिकतंत्र

(D) तानाशाही

[21] देश में निष्पक्ष चुनाव कराने की जिम्मेवारी किसके ऊपर है ?

(A) राष्ट्रपति

(B) प्रधानमंत्री

(C) **चुनाव आयोग**

(D) संसद

[22] स्वतंत्र भारत में पहली बार राज्यों का पुनर्गठन किया गया ?

(A) 1950
(B) 1952
(C) 1955
(D) **1956**

[23] लोकतांत्रिक व्यवस्था की केन्द्र बिन्दु होती है ।

(A) संसद

(B) राष्ट्रपति

(C) **जनता**

(D) प्रधानमंत्री

[24] 15वीं लोकसभा का चुनाव कब हुआ था ?

(A) 2007
(B) **2009**
(C) 2005
(D) 2010

[25] विश्व के लगभग कितने देशों में लोकतांत्रिक व्यवस्था है ?

(A) 50 देशों में

(B) 25 देशों में

(C) **100 देशों में**

(D) 200 देशों में

[26] किस प्रकार की सरकार जनता के प्रति उत्तरदायी होती है ?

(A) तानाशाही

(B) राजशाही

(C) गैर-लोकतांत्रिक

(D) **लोकतांत्रिक**

[27] ——— देशों में सामाजिक विविधताओं के सी सामंजस्य स्थापित होता है।

(A) **लोकतांत्रिक**

(B) गैर लोकतांत्रिक

(C) राजतांत्रिक

(D) पूँजीवादी

[28] भारत की प्रमुख सामाजिक समस्या क्या है ?

(A) जातिवाद

(B) भाषावाद

(C) सम्प्रदायवाद

(D) **इनमें से सभी**

[29] किस प्रकार की शासन व्यवस्था में फैसले लेने में विलंब होता है ?

(A) राजतंत्र

(B) लोकतंत्र

(C) **तानाशाही**

(D) इनमें से कोई नहीं

लघु उत्तरीय प्रश्न

01. विधि का शासन क्या है ?

Ans :- विधि का शासन का तात्पर्य है- कि लोकतंत्र में सरकार संविधान द्वारा निर्दिष्ट अधिकारों के अनुसार जनता पर शासन करें। यह सिद्धांत के अनुसार को जनता के प्रति उत्तरदाई बनाया गया है। पहले राजतंत्र में राजा ही समस्त शक्तियों का स्रोत होता था। परंतु लोकतंत्र में सरकार मनमानी नहीं कर सकती है।

02. लोकतंत्र से जनता की सबसे बड़ी अपेक्षा क्या है?

Ans :- लोकतंत्र से जनता की अनेक अपेक्षाएं हैं लेकिन जो सबसे बड़ी अपेक्षा है। वह जनता को लोकतांत्रिक व्यवस्था में आर्थिक समस्याओं से जूझना नहीं पड़ेगा। आर्थिक स्वतंत्रता ही लोकतंत्र का आधार है। क्योंकि भूखे व्यक्ति के लिए लोकतंत्र का कोई महत्व नहीं रह जाता है।

03. लोकतांत्रिक सरकार किसे कहते हैं?

Ans :- वह सरकार जो जनता के द्वारा चुनी गई हो। जो जनता के कल्याण के लिए कार्य करती है। तथा जो अपने जनता को समानता प्रदान करती है। उसे ही लोकतांत्रिक सरकार कहते हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

01. **भारत में लोकतंत्र के भविष्य को आप किस रूप में देखते हैं ?**

Ans :- भारतवर्ष में लोकतंत्र का भविष्य अत्यंत उज्जवल है। क्योंकि शुरू से ही यहां पर एक लोक कल्याणकारी सरकार का गठन किया गया है। जो जनता को मौलिक अधिकार प्रदान करती है। तथा शक्ति की गरिमा को बढ़ाने का प्रयास करती है। भारत सरकार विभिन्न समूहों के मध्य सत्ता का विभाजन करके सामंजस्य स्थापित करती है। यही कारण है। कि इसकी विश्व स्तर पर उत्तम छवि है।

02. **लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था की कमजोरियों को दूर करने के लिए क्या उपाय है? लिखें।**

Ans :- लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था की कमजोरियों को दूर करने के लिए निम्नलिखित उपाय है। जो इस प्रकार है।

(i) शिक्षा प्रसार

(ii) बेरोजगारों को रोजगार

(iii) पंचायती राज्य

(iv) सुधारात्मक कानूनों का निर्माण

(v) निष्पक्ष निर्वाचन पद्धति

03. **भारतीय लोकतंत्र की सफलता में कौन–कौन सी बाधाएँ हैं? व्याख्या करें।**

उत्तर– भारत संसार का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। स्वतंत्रता–प्राप्ति के लगभग 70 वर्ष बीत जाने के बाद भी भारत में लोकतंत्र के निर्माण की प्रक्रिया में अनेक बाधाएँ हैं। भारत में सफल लोकतंत्र की स्थापना नहीं हो सकी है। भारतीय लोकतंत्र की सफल्ता के मार्ग में निम्नलिखित बाधाएँ हैं :–

1. शिक्षा का अभाव।
2. लोकतंत्र में विश्वास की कमी।
3. नगारिक गुणों का अभाव।
4. मतदान का दुरुपयोग।
5. सामाजिक असमानता।
6. आर्थिक असमानता।
7. निष्पक्ष समाचारपत्रों का अभाव आदि।

04. **लोकतंत्र सर्वोत्तम शासन प्रणाली है। कैसे?**

उत्तर – लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में कुछ ऐसे गुण पाए जाते हैं, जो अन्य शासन प्रणालियों में नहीं पाए जाते। इन्हीं कारणों से यह अन्य शासन प्रणालियों से आगे निकल जाता है। ऐसे गुणों की चर्चा निम्नलिखित की जा रही है :–

1. जनमत पर आधारित शासन व्यवस्था।
2. समानता और स्वतंत्रता का पोषक।
3. जनकल्याण का पोषक।
4. राजनीतिक जागृति उत्पन्न करने में सहायक।
5. लोकप्रिय एवं स्थायी शासन।
6. राजनीतिक एवं सामाजिक क्रांति का भय नहीं।
7. राष्ट्रीयता और देशभक्ति की भावना का विकास।
8. व्यक्ति की गरिमा में वृद्धि।
9. निर्णय करने का ठोस तरीका।
10. मतभेदों में सामंजस्य की संभावना आदि।

अध्याय–09
लोकतंत्र की चुनौतियाँ

बहुविकल्पीय प्रश्न

[1] भारत में लोकतंत्र की चुनौती क्या है ?

(A) जातिवाद

(B) आतंकवाद

(C) परिवारवाद

(D) **इनमें सभी**

[2] निम्नलिखित में से कौन भारतीय लोकतंत्र की चुनौती नहीं है ?

(A) **मुस्लीम भेदभाव को समाप्त करना**
(B) संघ एवं इकाइयों के बीच टकराव
(C) सामाजिक भेदभाव
(D) मजबूरी की गठबंधन

[3] इनमें कौन लोकतंत्र की चुनौती का उदाहरण नहीं है ?

(A) दक्षिण अफ्रिका में गोरे अल्पसंख्यकों को दी गई रियासतें वापस लेने का दबाव
(B) सऊदी अरब में महिलाओं को सार्वजनिक गतिविधियों में हिस्सा लेने की अनुमति नहीं।
(C) **भारत में अल्पसंख्यकों के हितों की रक्षा।**
(D) श्रीलंका में सरकार और तमिलों के बीच तनाव

[4] लोकतांत्रिक देशों में फैसले एवं निर्णय किसके द्वारा लिए जाते हैं ?

(A) व्यवसायियों द्वारा
(B) पदाधिकारियों द्वारा
(C) **जनप्रतिनिधियों के द्वारा**
(D) धार्मिक संगठनों के द्वारा

[5] लोकतंत्र के सामने सबसे बड़ी चुनौती क्या है ?

(A) खाद्यान की व्यवस्था
(B) उच्च शिक्षा की व्यवस्था
(C) **लोकतंत्र को सशक्त बनाना**
(D) जनसंख्या पर नियंत्रण

[6] आजकल लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा चुनौती क्या है ?

(A) गरीबी
(B) अखण्डता
(C) **भ्रष्टाचार**
(D) शिक्षा का अभाव

[7] भारत में लोकतंत्र के विकास के मार्ग में कौन-सी] प्रमुख चुनौतियाँ है ?

(A) **सामाजिक भेदभाव समाप्त करना**
(B) आतंकवाद
(C) जातीय समस्या को समाप्त करना
(D) नागरिक अधिकार को लागू करना

[8] लिच्छवी किसकी उदाहरण थी ?

(A) **प्राचीन गणतंत्र**
(B) राजतंत्र
(C) तानाशाही
(D) सैनिक सत्ता

[9] लिच्छवी गणतंत्र भारत के किस राज्य में अवस्थित था ?

(A) **बिहार**
(B) राजस्थान
(C) महाराष्ट्र
(D) त्रिपुरा

[10] "लोकतंत्र जनता का, जनता के द्वारा तथा जनता के लिए शासन है" यह कथन है।

(A) अरस्तू
(B) **अब्राहम लिंकन**
(C) रूसो
(D) ग्रीन

[11] मॉडर्न डेमोक्रेसि नामक पुस्तक के लेखक हैं।

(A) **लॉर्ड ब्राईस**
(B) जे०एस०मील
(C) अब्राहम लिंकन
(D) गार्नर

[12] इनमें से कौन एक लोकतांत्रिक समस्या नहीं है ?

(A) मुद्रा का अवैध आगमन
(B) **राष्ट्रीय अखंडता**
(C) आतंकवाद
(D) क्षेत्रवाद

[13] लोकतंत्र के मार्ग की सबसे बड़ी बाधा क्या है ?

(A) लोकतंत्र में आस्था
(B) **अशिक्षा**

(C) सामाजिक समानता

(D) राजनीतिक जागृति

[14] लोकतंत्र किसको बढ़ावा नहीं देता है ?

(A) समानता की भावना को

(B) गरिमा एवं प्रतिष्ठा को

(C) **विशेषाधिकार को**

(D) फैसला लेने की गुणवत्ता को

[15] इनमें किस देश में अप्रत्यक्ष लोकतंत्र है ?

(A) भारत

(B) अमेरिका

(C) इंगलैंड

(D) **इनमें सभी**

[16] वर्तमान में नेपाल की शासन-प्रणाली क्या है ?

(A) **लोकतंत्र**

(B) राजतंत्र

(C) सैनिकतंत्र

(D) इनमें से कोई नहीं

[17] सूचना का अधिकार अधिनियम कानून कब लागू हुआ ?

(A) 2004
(B) **2005**
(C) 2009
(D) 2007

[18] भारतीय लोकतंत्र के कितने अंग है ?

(A) दो

(B) **तीन**

(C) चार

(D) पाँच

[19] स्विट्जरलैंड में महिलाओं को मताधिकार किस वर्ष प्राप्त हुआ ?

(A) 1848
(B) **1871**
(C) 1971
(D) 1991

[20] एनक्रूमा कहाँ के राष्ट्रपति चुने गए थे ?

(A) पोलैण्ड

(B) चीन

(C) **घाना**

(D) मैक्सिको

[21] रंगभेद के खिलाफ मंडेला ने कहाँ आन्दोलन चलाया था ?

(A) मैक्सिको

(B) **द. अफ्रीका**

(C) बोलिविया

(D) युगोस्लाविया

[22] निम्न में से कौन एक सामाजिक कुरीतियों में शामिल नहीं है ?

(A) बाल मजदूरी

(B) नारी शोषण

(C) जातिवाद

(D) **राष्ट्रीयता**

[23] महादलितों के लिए विकास के लिए 'महादलित आयोग' किस राज्य में बनाया गया है ?

(A) केरल

(B) झारखंड

(C) **बिहार**

(D) उत्तर प्रदेश

[24] निम्न में से कौन क्षेत्रीय दल है ?

(A) भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस

(B) **राष्ट्रीय जनता दल**

(C) भारतीय जनता पार्टी

(D) इनमें से कोई नहीं

[25] महिला आरक्षण बिल विधेयक में महिलाओं के लिए कितने प्रतिशत आरक्षण की बात कही गई है ?

(A) 22 प्रतिशत

(B) 25 प्रतिशत

(C) **33 प्रतिशत**

(D) 35 प्रतिशत

[26] सेवा का अधिकार (राइट टू सर्विस एक्ट) बिहार में कब लागू किया गया ?

(A) 15 अगस्त, 2009 में

(B) 15 अगस्त, 2010 में

(C) **15 अगस्त, 2011 में**

(D) 15 अगस्त, 2012 में

[27] जनरल पिनोशे का संबंध किस देश से था ?

(A) **चीली**

(B) पोलैण्ड

(C) म्यांमार

(D) घाना

[28] 15वीं लोकसभा चुनाव से पूर्व लोकसभा में महिलाओं की भागीदारी थी-

(A) **10 प्रतिशत**

(B) 15 प्रतिशत

(C) 33 प्रतिशत

(D) 50 प्रतिशत

[29] किस देश में लिट्टे नामक आतंकवादी संगठन का गठन किया गया था ?

(A) **श्रीलंका**

(B) म्यांमार

(C) पाकिस्तान

(D) अफगानिस्तान

[30] वर्तमान में नेपाल की शासक प्रणाली है।

(A) राजशाही

(B) **लोकतंत्रात्मक**

(C) सैनिक तंत्र

(D) तानाशाही

[31] 1789 में ——- क्रांति हुई।

(A) **फ्रांसीसी**

(B) गौरवपूर्ण

(C) औद्योगिक

(D) रूसी

[32] किस देश ने स्वतंत्रता, समानता एवं बंधुत्व का नारा दिया ?

(A) इंगलैंड

(B) अमेरिका

(C) फ्रांस

(D) **स्विट्जरलैण्ड**

[33] विधि के शासन की शुरुआत किस देश से हुआ ?

(A) भारत

(B) अमेरिका

(C) फ्रांस

(D) **इंगलैंड**

[34] अरस्तू कहाँ के दार्शनिक थे ?

(A) कम्बोडिया

(B) **यूनान**

(C) थाइलैंड

(D) इन्डोनेशिया

[35] उत्तरदायी सरकार का सिद्धान्त निम्न में से किस क्रांति की देन है।

(A) **गौरवपूर्ण क्रान्ति**

(B) अमेरिकी क्रान्ति

(C) फ्रांसीसी क्रान्ति

(D) इनमें से कोई नहीं

[36] प्रत्यक्ष लोकतंत्र का देश कौन है ?

(A) **स्विट्जरलैंड**

(B) अमेरिका

(C) ब्रिटेन

(D) भारत

[37] इंगलैंड में विधि का शासन किसकी देन है ?

(A) हॉब्स

(B) **डायसी**

(C) लॉर्ड ब्राइस

(D) गार्नर

[38] किस देश में महिलाओं को सार्वजनिक गतिविधियों में हिस्सा लेने पर प्रतिबंध लगा रखा है ?

(A) बेल्जियम

(B) नेपाल

(C) युगोस्लाविया

(D) **सऊदी अरब**

[39] राष्ट्रीय महिला आयोग अधिनियम किस वर्ष बना ?

(A) **1990**
(B) 1985
(C) 1965
(D) 1995

[40] निम्नलिखित में से किस शासन में महिलाओं को मतदान का अधिकार होता है ?

(A) **लोकतांत्रिक शासन**

(B) धार्मिक शासन

(C) तानाशाही शासन

(D) इनमें से कोई नहीं

लघु उत्तरीय प्रश्न

01. **बूथ छापेमारी से आप क्या समझते हैं?**

Ans :- चुनावी दंगल में बूथ छापामारी वह दाब है। जिसे कोई उम्मीदवार दूसरे उम्मीदवार को हराने के लिए लगाता है। जिस उम्मीदवार के पास ताकत होता है। जिसका बोल चाल है। उसके समर्थन बूथों पर छापामारी करके सारे मत अपने पक्ष में अनेक सारे मत अपने पक्ष में डलवाने में समर्थ हो जाते हैं। जिसे ही भूत छापेमारी कहा जाता है।

02. बिहार में लोकतंत्र की जड़ें कितनी गहरी है?

Ans :- बिहार भी भारतीय लोकतंत्र का एक अंग है। बिहार में प्राचीन काल से ही लोकतंत्र विद्वान है। बिहार के ही वैशाली जिले में लिक्षवियो का गणतंत्र था। लिक्षवियो की शासन प्रणाली गणतांत्रिक पद्धति पर आधारित थी। राज्य की शक्ति जनता में निहित थी अतः यह कहना उचित नहीं होगी। कि बिहार में लोकतंत्र की जड़ें काफी गहरी थी।

03. लोकतंत्र किस प्रकार आर्थिक संवृद्धि का विकास में सहायक बनता है?

Ans :- लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था एवं जनता के प्रति उत्तरदाई होती है। इस आधार पर यह सोचना अप्रांसगिक नहीं होगा कि – इस व्यवस्था में सरकारी अच्छी होंगी साथ ही यहां आर्थिक खुशहाली होगी। और विकास की दृष्टि से भी अग्रणी होगा। लेकिन हम जब लोकतांत्रिक शासन और तानाशाही शासन व्यवस्था में आर्थिक खुशहाली और विकास की दरों पर गौर करते हैं। तो काफी निराश होती है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

01. **लोकतंत्र की प्रमुख चुनौतियां क्या था ?**

Ans :- लोकतंत्र की प्रमुख चुनौतियां निम्नलिखित है-

(i) जातिवाद का जहर

(ii) महिलाओं का अत्याचार

(iii) अशिक्षा

(iv) संपत्ति का आसमान वितरण

(v) भ्रष्टाचार

(vi) बेरोजगारी

(vii) राजनीतिक दलों का

(viii) परिवार वाद

02. **लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था के समक्ष कौन-कौन सी समस्याएं हैं? लिखें।**

Ans :- लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था के समक्ष अनेक समस्याएं हैं जो निम्नलिखित है।

(i) अशिक्षा

(ii) महंगाई

(iii) बेरोजगारी

(iv) जातिवाद

(v) आतंकवाद

(vi) संप्रदायिकता

(vii) पड़ोसी देश की एक खराब नियति।

(viii) प्राकृतिक आपदा

03. **भारतीय लोकतंत्र जनता की उन्नति, सुरक्षा और गरिमा के संवर्द्धन में कहाँ तक सहायक है? व्याख्या करें।**

उत्तर– लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता अपनी उन्नति की आकांक्षा रखती है और साथ–साथ अपनी सुरक्षा एवं गरिमा को बनाए रखने की भी अपेक्षा रखती है। भारतीय लोकतंत्र कहाँ तक जनता की उन्नति, सुरक्षा और गरिमा के संवर्द्धन में कहाँ तक सहायक रहा है, उसकी चर्चा निम्नलिखित की जा रही है :–

(1) **जनता की उन्नति** :– भारतीय लोकतंत्र का उद्देश्य अपने नागरिकों का अधिकतम कल्याण है। इसे कल्याणकारी स्वरूप प्रदान किया गया है। अतः, एक निःस्वार्थ माता की तरह भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था अपने नागरिकों की उन्नति के लिए सतत प्रयत्नशील रहती है। भारतीय लोकतंत्र को समाजवादी स्वरूप देने के उद्देश्य से ही भारतीय संविधान में राज्य के नीति–निर्देशक तत्त्व के अंतर्गत अनेक प्रावधान किए गए हैं। इन प्रावधानों का उद्देश्य नागरिकों की अधिकतम उन्नति ही है। हालाँकि इस मार्ग में कई बाधाएँ भी हैं।

(2) **जनता की सुरक्षा** :– भारतीय लोकतंत्र जनता को सुरक्षा प्रदान करने में भी सफल नहीं हो पा रहा है। भारत की जनता आतंकवाद, नक्सलवाद, अपहरण, हत्या, अपराध जैसी घटनाओं से त्रस्त है। स्वाभाविक है कि जब तक नागरिकों का जीवन ही सुरक्षित नहीं रहेगा तब तक वे उन्नति के पथ पर अग्रसर कैसे हो सकेंगें? इसी कारण भारतीय लोकतंत्र के सामने सबसे बड़े चुनौती सुरक्षा की है।

(3) **व्यक्ति की गरिमा** :– व्यक्ति की गरिमा के संवर्द्धन के लिए भी भारतीय लोकतंत्र सजग है। किसी आधार पर नागरिकों के बीच विभेद व्यक्ति की गरिमा के संवर्द्धन में सबसे बड़ी बाधा है। जातिवाद, संप्रदायवाद, क्षेत्रवाद, लैंगिक विभेद, अमीर–गरीब का विभेद, ऊँच–नीच का भेदभाव व्यक्ति की गरिमा को ठेस पहुँचानेवाले तत्त्व हैं। इसी को ध्यान में रखकर संविधान में कई प्रावधान किए गए है जिससे इसकी रक्षा की जा सके।

स्पष्ट है कि भारतीय लोकतंत्र के मार्ग में अनेक बाधाओं के रहते हुए भी जनता की उन्नति, सुरक्षा और गरिमा के संवर्द्धन में यह बहुत हद तक सहायक है।

# # # # # #

GUIDANCE PROGRAMME

भूगोल

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

निर्देश " वस्तुनिष्ठ प्रश्न के उत्तर विकल्प में दिए गए लाल रंग से अंकित है :"

प्रश्न (1) - कोयला किस प्रकार का संसाधन है।
(क) मानवकृत (ख) नवीकरणीय
(ग) जैव (घ) अजैव

प्रश्न (2) - संसार का सबसे कीमती संसाधन कौन है –
(क) पशु (ख) वन
(ग) खनिज (घ) नदियां

प्रश्न (3) - निम्नलिखित में कौन प्राकृतिक संसाधन नहीं है –
(क) वन (ख) नदियां
(ग) नगर (घ) खनिज

प्रश्न (4) - समुद्री क्षेत्र में राजनैतिक सीमा के कितनी कि.मी. क्षेत्र तक राष्ट्रीय संपदा निहित है -
(क) 10.2 कि.मी. (ख) 15.5 कि.मी.
(ग) 12.2 कि.मी. (घ) 19.2 कि.मी.

प्रश्न (5) - तटरेखा से कितने कि.मी. क्षेत्र सीमा अपवर्जक आर्थिक क्षेत्र कहलाते हैं ?
(क) 100 (ख) 200
(ग) 150 (घ) 250

प्रश्न (6) - डाकूओं की अर्थव्यवस्था का संबंध है।
(क) संसाधन संग्रहण से
(ख) संसाधनों के अनियोजित विदोहन से
(ग) संसाधन के नियोजित दोहन से
(घ) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न (7) - किस राज्य में सीढीनुमा खेती (सोपानी कृषि) प्रचलित है।
(क) पंजाब (ख) हरियाणा
(ग) उत्तराखंड (घ) बिहार

प्रश्न (8) - काली मृदा का दूसरा नाम क्या है ?
(क) बलुई मृदा (ख) रेगुर मृदा

(ग) लाल मृदा (घ) पर्वतीय मृदा

प्रश्न (9) - मृदा संरक्षण के लिए कौन उपाय उपयोगी नहीं है ?
(क) पशुओं की चराई कराना (ख) समोच्चरेखीय जुताई
(ग) खेतों में ह्यूमस डालना (घ) पशु चराई पर नियंत्रण

प्रश्न (10) - मेंढक के प्रजनन को नष्ट करने वाला रसायन कौन है ?
(क) बेंजीन (ख) यूरिया
(ग) एल्ड्रिन (घ) फास्फोरस

प्रश्न (11) - इनमें काली मृदा का क्षेत्र कौन है –
(क) छोटानागपुर (ख) महाराष्ट्र
(ग) गंगाघाटी (घ) अरुणाचल प्रदेश

प्रश्न (12) - मरुस्थलीय मृदा का विस्तार निम्न में से कहां है ?
(क) उत्तर प्रदेश (ख) राजस्थान
(ग) कर्नाटक (घ) महाराष्ट्र

प्रश्न (13) - भारत में पर्वत का प्रतिशत क्या है ?
(क) 10 % (ख) 27 %
(ग) 30 % (घ) 48 %

प्रश्न (14) - मिट्टी का PH मान कितना होना चाहिए ?
(क) 9 (ख) 5
(ग) 10 (घ) 7

प्रश्न (15) - बृहद क्षेत्र में जल की उपस्थिति के कारण ही पृथ्वी को कहते हैं -
(क) उजला ग्रह (ख) नीला ग्रह
(ग) लाल ग्रह (घ) हरा ग्रह

प्रश्न (16) - देश के बांधों को किसने भारत का मंदिर कहा था ?
(क) महात्मा गांधी (ख) डॉ राजेंद्र प्रसाद
(ग) पंडित जवाहरलाल नेहरू (घ) स्वामी विवेकानंद

प्रश्न (17) - बिहार में अति जल दोहन से किस तत्व का संकेंद्रण बढ़ा है ?
(क) फ्लोराइड (ख) क्लोराइड
(ग) आर्सेनिक (घ) लौह

प्रश्न (18) - विश्व के कुल जल का कितना प्रतिशत महासागरों में पाया जाता है ?
(क) 9.5% (ख) 95.5%
(ग) 96% (घ) 96.5%

प्रश्न (19) - भारत सरकार ने कब राष्ट्रीय पेयजल मिशन चालू किया ?

GAYA GUIDANCE PROGRAMME

(क) 1956 ई. में (ख) 1966 ई. में
(ग) 1976 ई. में (घ) 1986 ई. में

प्रश्न (20) - कदवन जलाशय योजना किस राज्य से संबंधित थी ?
(क) बिहार (ख) छत्तीसगढ़
(ग) केरल (घ) असम

प्रश्न (21) - भारत में जल का सबसे अधिक उपयोग किया जाता है ?
(क) सिंचाई में (ख) उद्योग में
(ग) घरेलू उपयोग में (घ) व्यापार में

प्रश्न (22) - बिहार में कितने प्रतिशत भौगोलिक क्षेत्र में वन का फैलाव है ?
(क) 15 (ख) 20
(ग) 22 (घ) 7

प्रश्न (23) - किस राज्य में वन का सबसे अधिक विस्तार है ?
(क) केरल (ख) कर्नाटक
(ग) मध्य प्रदेश (घ) उत्तर प्रदेश

प्रश्न (24) - वन संरक्षण एवं प्रबंधन की दृष्टि से वनों को वर्गीकृत किया गया है -
(क) 4 वर्गों में (ख) 3 वर्गों में
(ग) 5 वर्गों में (घ) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न (25) - संविधान की धारा 21 का संबंध है -
(क) वन जीवों तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण से
(ख) मृदा संरक्षण से
(ग) जल संसाधन संरक्षण से
(घ) खनिज संपदा संरक्षण से

प्रश्न (26) - मैन्ग्रोव्स का सबसे अधिक विस्तार है -
(क) अंडमान-निकोबार द्वीप समूह के तटीय भाग में
(ख) सुंदरवन में
(ग) पश्चिमी तटीय प्रदेश में
(घ) पूर्वोत्तर राज्य में

प्रश्न (27) - किस वर्ग की विलुप्त प्रजातियों की संख्या सबसे अधिक है –
(क) वनस्पति (ख) पक्षी
(ग) मछलियां (घ) सरीसृप

प्रश्न (28) - इनमें से कौन लौह अयस्क का एक प्रकार है -
(क) लिग्नाइट (ख) हेमाटाइट

GAYA GUIDANCE PROGRAMME

(ग) बिटुमिनस (घ) इनमें से सभी

प्रश्न (29) - इनमें से कौन भारत का सबसे बड़ा लोहा उत्पादक राज्य है ?

(क) कर्नाटक (ख) गोवा

(ग) ओडीशा (घ) झारखंड

प्रश्न (30) - एक टन इस्पात बनाने में कितने मैग्नीज का उपयोग होता है ?

(क) 5 कि.ग्रा. (ख) 10 कि.ग्रा.

(ग) 15 कि.ग्रा. (घ) 20 कि.ग्रा.

प्रश्न (31) - ओडीशा किस खनिज का सबसे बड़ा उत्पादक है ?

(क) लौह अयस्क (ख) मैग्नीज

(ग) टिन (घ) तांबा

प्रश्न (32) - सीमेंट उद्योग का सबसे प्रमुख कच्चा माल क्या है ?

(क) चूना पत्थर (ख) बॉक्साइट

(ग) ग्रेनाइट (घ) लोहा

प्रश्न (33) - बैलाडीला खान से कौन-सा खनिज निकाला जाता है ?

(क) कोयला (ख) मैग्नीज

(ग) लौह अयस्क (घ) तांबा

प्रश्न (34) - सिलिकोसिस नामक दम घोटू बीमारी किसे होती है ?

(क) खदान कर्मियों को (ख) रेल कारखाना कर्मियों को

(ग) विस्फोटक कारखाना कर्मियों को (घ) इनमें कोई नहीं

प्रश्न (35) - झारखंड का घाटशिला किस खनिज के लिए प्रसिद्ध है ?

(क) तांबा (ख) बॉक्साइट

(ग) अभ्रक (घ) लौह अयस्क

प्रश्न (36) - किस राज्य में खनिज तेल का विशाल भंडार है ?

(क) असम (ख) राजस्थान

(ग) बिहार (घ) तमिलनाडु

प्रश्न (37) - भारत के किस स्थान पर पहला परमाणु ऊर्जा केंद्र स्थापित किया गया था?

(क) कलपक्कम (ख) नरोरा

(ग) राणाप्रताप सागर (घ) तारापुर

प्रश्न (38) - प्राथमिक ऊर्जा का उदाहरण नहीं है ?

(क) कोयला (ख) विद्युत

(ग) पेट्रोलियम (घ) प्राकृतिक गैस

प्रश्न (39) - ऊर्जा का गैर-पारंपरिक स्रोत है –

GAYA GUIDANCE PROGRAMME

(क) कोयला (ख) जल
(ग) पेट्रोलियम (घ) सौर ऊर्जा

प्रश्न (40) - गोंडवाना समूह के कोयले का निर्माण हुआ था -
(क) 20 करोड़ वर्ष पूर्व (ख) 20 लाख वर्ष पूर्व
(ग) 20 हजार वर्ष पूर्व (घ) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न (41) - भाखड़ा नांगल परियोजना किस नदी पर अवस्थित है ?
(क) नर्मदा (ख) झेलम
(ग) सतलज (घ) व्यास

प्रश्न (42) - दक्षिण भारत की सबसे बड़ी नदी घाटी परियोजना किस नदी पर है ?
(क) चंबल (ख) तुंगभद्रा
(ग) सोन (घ) कोसी

प्रश्न (43) - भारत के किस राज्य में सौर-ऊर्जा के विकास की सर्वाधिक संभावना है?
(क) असम (ख) अरुणाचल प्रदेश
(ग) राजस्थान (घ) मेघालय

प्रश्न (44) - इनमें कौन भारतीय उपमहाद्वीप का सुनहरा रेशा कहलाता है -
(क) चावल (ख) गेहूं
(ग) जूट (घ) कपास

प्रश्न (45) - दक्षिण भारत में सर्वाधिक गन्ना उत्पादक राज्य कौन हैं ?
(क) महाराष्ट्र (ख) तमिलनाडु
(ग) आंध्र प्रदेश (घ) ओडिशा

प्रश्न (46) - झूम खेती भारत के किस क्षेत्र में की जाती है ?
(क) उत्तरी (ख) दक्षिणी
(ग) पूर्वोत्तर (घ) पश्चिमी

प्रश्न (47) - इनमें किस फसल की खेती के लिए ढालू भूमि आवश्यक है ?
(क) गेहूं (ख) कपास
(ग) कहवा (घ) गन्ना

प्रश्न (48) - इनमें कॉफी की किस्म कौन है ?
(क) अरेबिका (ख) लिबेरीका
(ग) रोबस्टा (घ) इनमें सभी

प्रश्न (49) - ऑपरेशन फ्लड से क्या तात्पर्य है ?
(क) बाढ़-नियंत्रण (ख) डेयरी विकास
(ग) बांध मरम्मत (घ) धान की उन्नत खेती

GAYA GUIDANCE PROGRAMME

प्रश्न (50) - हरित क्रांति का दूसरा चरण कब प्रारंभ हुआ ?

(क) 1983-84 में (ख) 1951-52 में

(ग) 2000-01 में (घ) 1914-15 में

प्रश्न (51) - हार्वेस्टर और थ्रेशर का प्रयोग किस कार्य में किया जाता है ?

(क) चीनी उत्पादन में (ख) कृषि में

(ग) पशुपालन में (घ) दूध उत्पादन में

प्रश्न (52) - बिहार में नहरों द्वारा सर्वाधिक सिंचाई किस जिले में होती है -

(क) रोहतास (ख) सिवान

(ग) गया (घ) पश्चिमी चंपारण

प्रश्न (53) - कुशेश्वर स्थान किस जिला में स्थित है ?

(क) वैशाली में (ख) दरभंगा में

(ग) बेगूसराय में (घ) भागलपुर में

प्रश्न (54) - कावर झील स्थित है ?

(क) दरभंगा जिला में (ख) भागलपुर जिला में

(ग) बेगूसराय जिला में (घ) मुजफ्फरपुर जिला में

प्रश्न (55) - पाइराइट खनिज है ?

(क) धात्विक (ख) अधात्विक

(ग) परमाणु (घ) इंधन

प्रश्न (56) - बिहार के किस शहर में कांच उद्योग स्थापित है ?

(क) हाजीपुर (ख) शाहपुर

(ग) मुरकुंडा (घ) भवानी नगर

प्रश्न (57) - किस नगर में कालीन तैयार होता है ?

(क) ओबरा (ख) दाउदनगर

(ग) बिहारशरीफ (घ) गया

प्रश्न (58) - खाद कारखाना कहां स्थित है ?

(क) बरौनी (ख) बाढ़

(ग) मोकामा (घ) लखीसराय

प्रश्न (59) - मंदार हिल किस जिला में स्थित है ?

(क) मुंगेर (ख) भागलपुर

(ग) बांका (घ) बक्सर

प्रश्न (60) - इनमे कौन औद्योगिक अवस्थिति का कारक नही है ?

(क) बाजार (ख) जनसंख्या

GAYA GUIDANCE PROGRAMME

(ग) पूंजी (घ) ऊर्जा

प्रश्न (61) - भारत में सबसे पहले स्थापित लौह इस्पात कंपनी निम्नलिखित में से कौन है-

(क) भारतीय लौह और इस्पात कंपनी (ख) टाटा लौह इस्पात कंपनी

(ग) बोकारो स्टील सिटी (घ) विश्वेश्वरैया लौह और इस्पात उद्योग

प्रश्न (62) - पहली आधुनिक सूती मिल मुंबई में स्थापित की गई थी क्योंकि

(क) मुंबई एक पत्तन है (ख) यह कपास उत्पादक क्षेत्र के निकट स्थित है

(ग) मुंबई में पूंजी उपलब्ध थी (घ) उपरोक्त सभी

प्रश्न (63) - निम्नलिखित में से कौन उद्योग कृषि पर आधारित नहीं है ?

(क) सूती वस्त्र (ख) सीमेंट

(ग) चीनी (घ) जूट उद्योग

प्रश्न (64) - हुगली औद्योगिक प्रदेश का केंद्र है?

(क) कोलकाता-रिसड़ा (ख) कोलकाता-कोन्नागरि

(ग) कोलकाता-मोदिनीपुण (घ) कोलकाता-हावड़ा

प्रश्न (65) - निम्नलिखित में से कौन उद्योग सार्वजनिक क्षेत्र के अंतर्गत आता है ?

(क) जे.के. सीमेंट उद्योग (ख) टाटा लौह एवं इस्पात

(ग) बोकारो लौह इस्पात उद्योग (घ) रेमंड कृत्रिम वस्त्र उद्योग

प्रश्न (66) - स्वतंत्रता प्राप्ति के समय देश में सड़कों की कुल लंबाई कितनी थी ?

(क) 2.42 लाख किलोमीटर (ख) 1.46 लाख किलोमीटर

(ग) 3.88 लाख किलोमीटर (घ) 5.78 लाख किलोमीटर

प्रश्न (67) - पक्की सड़कों की लंबाई की दृष्टि से प्रथम स्थान पर कौन राज्य है ?

(क) बिहार (ख) महाराष्ट्र

(ग) तमिलनाडु (घ) केरल

प्रश्न (68) - निम्नलिखित में से कौन सड़कों का एक वर्ग नहीं है ?

(क) पूरब-पश्चिम गलियारा (ख) एक्सप्रेस वे

(ग) स्वर्णिम त्रिभुज राजमार्ग (घ) सीमांत सड़कें

प्रश्न (69) - किस वर्ष इंडियन एयरलाइंस को इंडियन नाम दिया गया ?

(क) 2006 (ख) 2003

(ग) 2008 (घ) 2005

प्रश्न (70) - भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण का गठन किस वर्ष किया गया थ ?

(क) 1986 (ख) 1988

(ग) 1985 (घ) 1989

प्रश्न (71) - इंनौर पत्तन किस राज्य में स्थित है?

GAYA GUIDANCE PROGRAMME

(क) गुजरात (ख) गोवा
(ग) तमिलनाडु (घ) कर्नाटक

आपदा प्रबंधन

प्रश्न (1) - इनमें से कौन मानवजनित आपदा है -
(क) संप्रदायिक दंगे (ख) आतंकवाद
(ग) महामारी (घ) उपयुक्त सभी

प्रश्न (2) - सुनामी का प्रमुख कारण क्या है ?
(क) समुंद्र में भूकंप का आना (ख) स्थलीय क्षेत्र पर भूकंप का आना
(ग) द्वीप पर भूकंप का आना (घ) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न (3) - बिहार का कौन सा क्षेत्र बाढ़ ग्रस्त क्षेत्र है ?
(क) पूर्वी बिहार (ख) दक्षिणी बिहार
(ग) पश्चिमी बिहार (घ) उत्तरी बिहार

प्रश्न (4) - निम्नलिखित में से किस नदी को बिहार का शोक कहा जाता है ?
(क) गंगा (ख) गंडक
(ग) कोसी (घ) पुनपुन

प्रश्न (5) - सूखे के लिए जिम्मेदार कारक हैं ?
(क) वर्षा की कमी (ख) भूकंप
(ग) बाढ़ (घ) ज्वालामुखी क्रिया

प्रश्न (6) - सूखा किस प्रकार की आपदा है ?
(क) प्राकृतिक आपदा (ख) मानव जनित आपदा
(ग) सामान्य आपदा (घ) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न (7) - भूकंप से पृथ्वी की सतह पर पहुंचने वाली सबसे पहली तरंग को किस नाम से जाना जाता है ?
(क) पी-तरंग (ख) एस-तरंग
(ग) एल-तरंग (घ) टी-तरंग

प्रश्न (8) - भूकंप केंद्र के ऊर्ध्वाधर पृथ्वी पर स्थित केंद्र को क्या कहा जाता है?
(क) भूकंप केंद्र (ख) अधि केंद्र
(ग) अनु केंद्र (घ) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न (9) - मलबे के नीचे दबे हुए लोगों को पता लगाने के लिए किस यंत्र की मदद ली जाती है ?
(क) दूरबीन (ख) इंफ्रारेड कैमरा

GAYA GUIDANCE PROGRAMME

(ग) हेलीकॉप्टर (घ) टेलिस्कोप

प्रश्न (10) - आग से जलने की स्थिति में जले हुए स्थान पर क्या प्राथमिक उपचार करना चाहिए ?

(क) ठंडा पानी डालना (ख) गर्म पानी डालना

(ग) अस्पताल पहुंचाना (घ) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न (11) - सुदूर संवेदी उपग्रह (रिमोट सेंसिंग उपग्रह) का प्रयोग किस लिए होता है ?

(क) दूरसंचार के लिए (ख) मौसम विज्ञान के लिए

(ग) संसाधनों की खोज के लिए (घ) दूरदर्शन के लिए

प्रश्न (12) - भूकंप संभावित क्षेत्रों में भवनों की आकृति कैसी होनी चाहिए ?

(क) अंडाकार (ख) त्रिभुजाकार

(ग) चौकोर (घ) आयताकार

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

प्रश्न (1) - संसाधन को परिभाषित कीजिए।

उत्तर –

प्रकृति में उपलब्ध वह सारे भौतिक और जैविक संसाधन मानव के लिए संसाधन बन जाते हैं जब मानव इसे अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए अर्थात अपनी सुख-सुविधा के लिए उपयोग करता है।

प्रश्न (2) - संसाधन निर्माण में तकनीकी क्या भूमिका है, स्पष्ट कीजिए।

उत्तर –

संसाधनों के निर्माण में तकनीक का महत्वपूर्ण योगदान होता है। बिना तकनीक के सहयोग के मानव अपने उपयोग के लिए किसी भी प्रकार के संसाधन का निर्माण नहीं कर सकता है। विकसित एवं विकासशील देशों में संसाधनों के विकास में भिन्नता पाई जाती है क्योंकि विकसित देशों ने तकनीक का भरपूर उपयोग कर प्राकृतिक जैविक एवं अजैविक पदार्थों को संसाधन के रूप में बदल चुका है। विकसित देश एक ही संसाधन का कई रूप में उपयोग करता है। जैसे - कोयला एक संसाधन है जिससे विभिन्न तकनीकों द्वारा कोलतार, प्लास्टिक, रंग, कृत्रिम रेशा आदि बनाकर उसका संसाधन के रूप में उपयोग कर रहे हैं।

GAYA GUIDANCE PROGRAMME

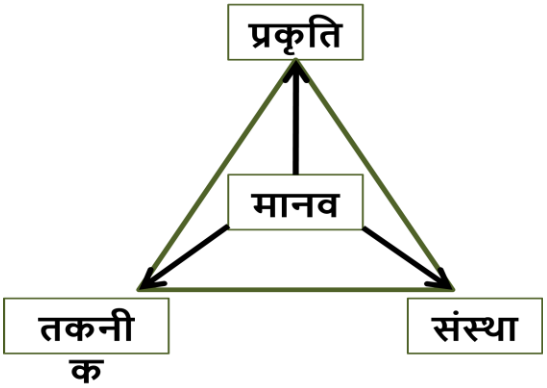

प्रश्न (3) - जलोढ़ मृदा के विस्तार वाले राज्यों के नाम बताएं। इस मृदा में कौन-कौन सी फसलें लगायी जा सकती है ?

उत्तर –

उत्तर भारत के विशाल मैदानी भाग में स्थित राज्य पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल आदि राज्यों में सिंधु, गंगा, ब्रह्मपुत्र एवं उसकी सहायक नदियों द्वारा लाए गए जलोढ़ मृदा से निर्मित हुआ है। इनके अतिरिक्त भारत के पूर्वी तटीय मैदान भी महानदी, गोदावरी, कृष्णा, कावेरी इत्यादि नदियों द्वारा निर्मित डेल्टा क्षेत्र भी जलोढ़ मृदा से निर्मित हुआ है। इस क्षेत्र के प्रमुख राज्य हैं आंध्र प्रदेश, उड़ीसा तथा तमिलनाडु । जलोढ़ मृदा अत्याधिक उपजाऊ मृदा होती है इस मृदा में लगभग सभी प्रकार के फसलों का उत्पादन किया जाता है। जैसे- चावल, गेहूं, दलहन, तिलहन, गन्ना, कपास, सब्जियां आदि।

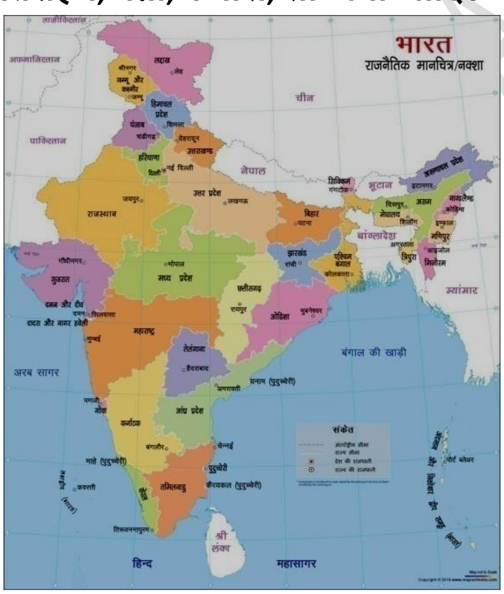

प्रश्न (4) - खादर एवं बांगर मृदा में अंतर स्पष्ट करें। (लघु उत्तरीय प्रश्न)

उत्तर –

जलोढ़ मृदा को आयु के आधार पर दो भागों में बांटा जाता है -

(1) **बांगर मृदा एवं** **(2) खादर मृदा**

बांगर मृदा पुरानी जलोढ़ मृदा है। इस मृदा में कंकड़ एवं बजरी की मात्रा अधिक होती है। अतः यह मृदा उपजाऊ कम होती है।

खादर मृदा बांगर मृदा की तुलना में नवीन जलोढ़ मृदा होती है। इसके कण भी बारीक होते हैं तथा इसकी उर्वरा शक्ति अधिक होती है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में प्रतिवर्ष नई-नई खादर मृदा की परत जमा होते रहती है। बिहार का दियरा क्षेत्र खादर मृदा का अच्छा उदाहरण है।

प्रश्न (5) - मृदा अपरदन क्या है ? मृदा संरक्षण के किन्ही तीन प्रभावी उपायों का उल्लेख करें।

अथवा

मिट्टी-कटाव के दो रूप और मिट्टी संरक्षण के कोई तीन उपाय बताएं।

उत्तर –

मृदा का अपने स्थान से विभिन्न प्राकृतिक एवं मानवीय क्रियाओं द्वारा हट जाना मृदा अपरदन या भू-क्षरण कहलाता है।

मृदा अपरदन विभिन्न प्रकार से होती है। प्राकृतिक कारणों में गतिशील जल, पवन, हिमानी और समुद्री लहरों द्वारा मृदा का अपरदन हो जाता है। क्रियाकलाप जैसे - वनोन्मूलन, अति-पशुचारण, खनन इत्यादि कारण से भी मृदा का कटाव हो जाता है।

मृदा संरक्षण के उपाय :-

I. **पर्वतीय भागो पर वन कटाव पर रोक एवं रिक्त भागों पर वृक्षारोपण करवाना चाहिए। अन्य भागों पर भी वृक्षारोपण करवाना चाहिए।**
II. **खनन के उपरांत खाई वाले भाग को भर देना चाहिए।**
III. **वायु क्षरण को रोकने के लिए अति पशुचारण पर भी प्रतिबंध लगाना चाहिए।**

प्रश्न (6) - जल संकट क्या है ?

उत्तर –

जल संकट को निम्नलिखित दो वर्गों में रखा जा सकता है –

(i) मात्रात्मक :-

- ✓ **मीठे या शुद्ध जल की अनुपलब्धता**
- ✓ **जल संसाधन का अत्यधिक दोहन**
- ✓ **शहरों में पक्के मकान और सड़कों के कारण वर्षा का जल बह जाती है जिसके कारण भू-जल स्तर कम होते जा रहा है।**

(ii) गुणात्मक :-

GAYA GUIDANCE PROGRAMME

- ✓ औद्योगिक अपशिष्ट, कृषि में प्रयुक्त रासायनिक उर्वरकों व कीटनाशकों इत्यादि के जल में मिलने से जल प्रदूषित हो रहा है।
- ✓ जल प्रदूषण के कारण बिहार एवं पश्चिम बंगाल में जल में आर्सेनिक की मात्रा बढ़ गई है तथा दिल्ली, राजस्थान और महाराष्ट्र के जल में फ्लोराइड की मात्रा बढ़ गई है।

प्रश्न (7) - अंतर्राज्यीय जल-विवाद के क्या कारण है ?

उत्तर – भारत के लोगों का प्रमुख कार्य कृषि है और यहां जल का सबसे अधिक उपयोग सिंचाई में ही किया जाता है। भारत के विशाल भूखंड में अनेक नदियों के होने के बावजूद कृषि एवं अन्य कार्य के लिए जल आपूर्ति पूर्ण नहीं हो पाती है। यही कारण है कि भारत के दो राज्यों के बीच बहने वाली नदी के जल उपयोग के लिए विवाद रहता है। प्रत्येक राज्य चाहता है कि उसके क्षेत्र से बहने वाली नदियों के जल का अधिकतम उपयोग करें।

उदाहरण - कृष्णा-गोदावरी नदी जल-विवाद तेलंगाना और आंध्र प्रदेश तथा कावेरी नदी जल विवाद तमिलनाडु, केरल एवं कर्नाटका राज्यों के बीच है।

प्रश्न (8) – भारत की नदियों के प्रदुषण के कारण का वर्णन कीजिये।

उत्तर –

भारत के अधिकांश नदियों में औद्योगिक अपशिष्ट, उद्योगों से निकलने वाला रासायनिक पदार्थों, घरों से निकलने वाला कूड़ा-कचरा, नदियों में चलने वाली वाहन के रासायनिक रिसाव इत्यादि के कारणो से भारत की अधिकांश नदियां प्रदूषित हो रही है।

प्रश्न (9) - वन के पर्यावरणीय महत्व का वर्णन कीजिए।

उत्तर –

वन पृथ्वी के लिए सुरक्षा कवच के समान कार्य करती है। वन मानव के लिए संसाधन मात्र ना होकर पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

वनों के कारण पृथ्वी में तापमान एवं वर्षा दोनों प्रभावित होती है। वनों के उपस्थिति से सभी जीव-जंतुओं को शुद्ध ऑक्सीजन प्राप्त होती है। वन मानव के आर्थिक जीवन को भी प्रभावित करती है, जैसे- वनों से मानव इमारती लकड़ी लकड़ियां, फर्नीचर के लिए लकड़ियां ,वनों से रबड़, का ॅर्क, फल, मसाले इत्यादि प्राप्त करते हैं। अतः वन मानव एवं पर्यावरण दोनों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करती हैं। परंतु वनों के सबसे महत्वपूर्ण कार्यों में जलवायु की स्थिरता, जल-चक्र का विनियमन, तथा सैकड़ों-हज़ारों जीवों को निवास-स्थल प्रदान करना है।

प्रश्न (10) - वन विनाश के कोई दो मुख्य कारकों को अंकित करें।

उत्तर –

वन विनाश के दो मुख्य कारक निम्नलिखित है -

- **वन क्षेत्र का कृषि भूमि के रूप में बदला जाना**
- **पशु चारण और इंधन के लिए लकड़ियों का भारी मात्रा में कांटा जाना**

GAYA GUIDANCE PROGRAMME

प्रश्न (11) - चिपको आंदोलन क्या है ?

उत्तर –

उत्तर प्रदेश टिहरी-गढ़वाल पर्वतीय जिले में वृक्षों की कटाई रोकने के लिए सुंदरलाल बहुगुणा के नेतृत्व में वहां की जनजातियों द्वारा 1972 ई. में यह आंदोलन प्रारंभ हुआ था। इस आंदोलन में स्थानीय लोग ठेकेदारों की कुल्हाड़ी से हरे-भरे पेड़ों को बचाने के लिए पेड़ों में लिपट जाते थे।

इस आंदोलन के कारण उत्तर प्रदेश इस क्षेत्र की पारिस्थितिकी अक्षुण्ण रखी जा सकी। इसके साथ-साथ इस आंदोलन ने देश के अन्य क्षेत्रों के लोगों को वृक्षों के संरक्षण की प्रेरणा दी।

प्रश्न (12) – मैग्नीज के उपयोग पर प्रकाश डालें।

उत्तर –

मैगनीज का उपयोग मुख्यतः जंगरोधी इस्पात, मिश्र धातु, शुष्क बैटरीयों के निर्माण में, फोटोग्राफी, चमड़ा, माचिस उद्योग, पेंट एवं कीटनाशक दवाइयां बनाने के काम आता है।

मैग्नीज उड़ीसा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश आदि राज्यों से प्राप्त होता है।

प्रश्न (13) – खनिजों के संरक्षण एवं प्रबंधन से क्या समझते हैं।

उत्तर –

खनिज संसाधन एक अनवीकरणीय संसाधन है। यह वर्तमान में विकास का आधार है। अतः इसका संरक्षण एवं प्रबंधन मानव भविष्य के कल्याण के लिए महत्वपूर्ण है। खनिजों के संरक्षण एवं प्रबंधन के निम्नलिखित उपाय हैं-

i. **खनिज संसाधन का विवेक पूर्ण, योजनाबद्ध एवं समुचित उपयोग करना।**
ii. **निरंतर दोहन पर नियंत्रण लगाना।**
iii. **खनिजों के अवशिष्ट (स्क्रैप) पदार्थों का उपयोग करना।**
iv. **कच्चे माल के लिए सस्ते और आसान विकल्पों का उपयोग करना चाहिए।**

प्रश्न (14) – खनिजों की मुख्य विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

उत्तर –

भारत हो या विश्व का कोई अन्य क्षेत्र सभी जगह खनिजों का वितरण असम्मान है। खनिजों की उत्पत्ति भूगर्भिक प्रक्रियाओं से हुआ है। अधिक गुणवत्ता वाले खनिज कम मात्रा में तथा कम गुणवत्ता वाले खनिज अधिक मात्रा में पाए जाते हैं। कुछ खनिज आग्नेय चट्टानों और कुछ खनिज अवसादी चट्टानों में मिलते हैं, जबकि अधिकतर खनिज रूपांतरित चट्टानों में पाए जाते हैं।

प्रश्न (15) - पारंपरिक एवं गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों के तीन-तीन उदाहरण लिखिए।

उत्तर –

वाणिज्य और उद्योग में उपयोग के आधार पर उर्जा संसाधन को निम्नलिखित दो वर्गों में बांटा जाता है-

GAYA GUIDANCE PROGRAMME

पारम्परिक ऊर्जा स्रोत	गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोत
उदाहरण- कोयला, पेट्रोलियम, परमाणु ऊर्जा, जल विद्युत ऊर्जा आदि।	उदाहरण- पवन ऊर्जा, समुद्री ज्वार, सूर्य, भू-ताप आदि।

<u>प्रश्न (16)</u> - गोण्डवाना समूह के कोयला क्षेत्रों के नाम लिखिए।

<u>उत्तर</u> –

कोयला निर्माण के समय के अनुसार भारत में दो प्रकार (काल) का कोयला क्षेत्र है :-

(i) गोंडवाना समूह

(ii) टर्शियरी समूह

(i) <u>गोंडवाना समूह</u> -

गोंडवाना समूह में 99% कोयले का भंडार है। इस समूह मे 20 करोड़ वर्ष पूर्व कोयले का निर्माण हुआ। इसका क्षेत्र भारत में मुख्यतः चार नदी घाटियों में पाए जाते हैं-

(1) दामोदर नदी घाटी

(2) सोन नदी घाटी

(3) महानदी घाटी एवं

(4) वर्धा-गोदावरी नदी घाटी

<u>प्रश्न (17)</u> - कोयले के विभिन्न प्रकारों के नाम लिखिए।

<u>उत्तर</u> –

कार्बन की मात्रा के आधार पर कोयला को निम्नलिखित चार वर्गों में रखा गया है :-

ऐंथ्रासाइट	बिटुमिनस	लिग्नाइट	पीट
कार्बन 80% से अधिक	कार्बन 60% से 80%	कार्बन 30% से 60%	कार्बन 30% से कम

<u>प्रश्न (18)</u> - पेट्रोलियम से किन-किन वस्तुओं का निर्माण होता है ?

<u>उत्तर</u> –

पेट्रोलियम ऊर्जा के स्रोत के साथ-साथ अनेक उद्योगों का कच्चा माल भी है। पेट्रोलियम से निम्नलिखित महत्वपूर्ण वस्तुओं का निर्माण किया जाता है -

जैसे - प्लास्टिक, साबुन, मोम, कीटनाशक दवाइयां, मोबिल तेल, कृत्रिम रेशा, किरासन तेल, डीजल, पेट्रोल आदि।

GAYA GUIDANCE PROGRAMME

प्रश्न (19) - परमाणु शक्ति किन-किन खनिजों से प्राप्त होता है ?

उत्तर –

परमाणु शक्ति मुख्यतः यूरेनियम, मोनाजाइट (थोरियम) से प्राप्त होता है। भारत में चेरालाइट, जिरकोनियम और ग्रेफाइट से भी परमाणु शक्ति प्राप्त होती है।

प्रश्न (20) - सौर ऊर्जा का उत्पादन कैसे होता है ?

उत्तर –

सौर ऊर्जा को प्राप्त करने के लिए सोलर प्लेट का निर्माण किया जाता है। इस प्लेट में सीजीएम धातु के पतले-पतले तार लगाए जाते हैं। जब इन तारों पर सूर्य-प्रकाश पड़ता है तो फोटोवोल्टाइक प्रौद्योगिकी द्वारा धूप को सीधे विद्युत में परिवर्तित किया जाता है। इसे विद्युत सौर प्लेट में लगे तार द्वारा उपयोग की जानेवाली वस्तु से जोड़ दिया जाता है। इस प्रकार बिना अधिक खर्च के ऊर्जा की प्राप्ति होती है।

प्रश्न (21) - सागर सम्राट क्या है ?

उत्तर –

मुंबई तट से 176 कि.मी. दूर उत्तर-पश्चिम दिशा में अरब सागर में मुंबई हाई क्षेत्र स्थित है। यहां पर सन् 1975 ई. में तेल खोजा गया था। इसी समुंद्री स्थान पर एक मंच बनाया गया है, जो एक जलयान है और पानी के भीतर तेल के कुएं खोदने का कार्य करता है। इसी जलयान रूपी मंच को सागर सम्राट नाम दिया गया है।

प्रश्न (22) - हरित क्रांति से आप क्या समझते हैं।

उत्तर- विश्व में हरित क्रांति प्रारंभ करने का श्रेय नॉर्मन बोरलॉग महोदय को है। भारत में हरित क्रांति के जनक एम0 एस0 स्वामीनाथन महोदय को है। भारत में वर्ष 1967-68 में हरित क्रांति की शुरुआत की गई। हरित क्रांति में फसलों के उत्पादन को बढ़ाया गया। जिसके तहत उत्तम किस्म के एच वाई भी बीजो, रसायनिक खाद, रासायनिक कीटनाशक दवाइयां, सिंचाई के साधन इत्यादि विकसित किए गए। कृषि में नई तकनीकों का उपयोग किया गया।

हरित क्रांति में भारत के प्रभावित क्षेत्र पंजाब, हरियाणा एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश हैं। जबकि हरित क्रांति में सबसे ज्यादा गेहूं फसल भारत में प्रभावित रहा।

भारत में हरित क्रांति में कृषि उत्पादन बढ़ाने और खाद्यान्न उत्पादन में देश को आत्मनिर्भर बनाया गया।

प्रश्न (23) - ऑपरेशन फ्लड से आप क्या समझते हैं।

उत्तर -

ऑपरेशन फ्लड कार्यक्रम के तहत नगरों एवं महानगरों को दूध की आपूर्ति की जाती है। इसे श्वेत क्रांति भी कहा जाता है।

प्रश्न (24) - भारतीय कृषि की निम्न उत्पादकता के कारणों को संक्षेप में लिखिए।

GAYA GUIDANCE PROGRAMME

उत्तर-

भारतीय कृषि की निम्न उत्पादकता के मुख्य कारण निम्नलिखित हैं:-

-जनसंख्या का कृषि भूमि पर निरंतर बढ़ता दबाव।

-घटता कृषि भूमि क्षेत्र।

-खेतों का छोटा आकार।

-मानसूनी वर्षा की अनिश्चितता।

-सिंचाई की कम और अनिश्चित सुविधाएं।

-कृषि योग्य भूमि का निम्नीकरण।

-कम पूंजी निवेश।

-आधुनिक कृषि तकनीक (एच वाई वी सीड, रासायनिक खाद, आधुनिक यंत्र आदि) का सीमित उपयोग।

-कृषि उत्पादों का उचित मूल्य ना मिलना।

-कृषि में वाणिज्यीकरण का अभाव।

-कृषि शोध एवं प्रचार-प्रसार तंत्रों का अच्छी स्थिति में नहीं होना।

प्रश्न (25) - भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि का क्या महत्व है।

उत्तर-

-भारत कृषि प्रधान देश है। यहां लगभग दो तिहाई जनसंख्या कृषि कार्य करती है।

-देश के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि का योगदान 14% है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से आज तक सकल घरेलू उत्पाद में कृषि का योगदान लगातार घट रहा है। जो एक चिंता का विषय है।

-वर्ष 2012 - 13 में देश के निर्यात में कृषि एवं उससे संबंधित अन्य उत्पादों की हिस्सेदारी 12% थी।

-वैश्वीकरण का भारतीय कृषि पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ा है।

-वैश्वीक प्रतिस्पर्धा का सामना करने के लिए भारतीय बाजार का एकीकरण करना होगा।

प्रश्न (26) - तल चिन्ह और स्थानिक ऊंचाई क्या है?

उत्तर-

तल चिन्ह (BENCH MARK) :-

वास्तविक सर्वेक्षण के द्वारा भवनों, खंभों, पत्थरों आदि द्वारा निर्देशित किया जाता है। इनके ऊपर स्पष्ट रूप से समुद्र तल से उस स्थान की ऊंचाई अंकित कर दी जाती है। तल चिन्ह / BENCH MARK (B.M) में ऊंचाई फीट अथवा मीटर किसी एक इकाई में लिखा जाता है।

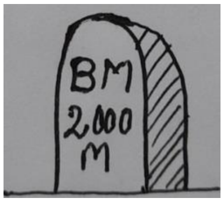

<u>तल चिन्ह (BENCH MARK)</u>

स्थानिक ऊंचाई (SPOT HEIGHT):-

तल चिन्ह की सहायता से किसी स्थान विशेष की मापी गई ऊंचाई को स्थानिक ऊंचाई कहा जाता है।

स्थानिक ऊंचाई विधि में बिंदुओं (●) के द्वारा मानचित्र में विभिन्न स्थानों की ऊंचाई संख्या में लिख दिया जाता है।

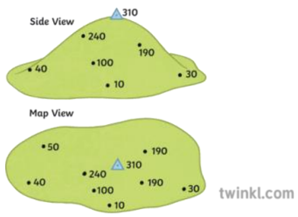

<u>स्थानिक ऊंचाई (SPOT HEIGHT)</u>

<u>प्रश्न (27) -</u> हैश्यूर विधि तथा पर्वतीय छायाकरण विधि में अंतर स्पष्ट कीजिए?

<u>उत्तर</u>

हैश्यूर विधि :-

इस विधि में भूमि के ढाल को दिखाने के लिए छोटी, महीन और खंडित रेखाएं खींची जाती है।

तीव्र ढाल के लिए यह रेखाएं पास-पास एवं मोटी और मंद डाल के लिए यह रेखाएं पतली एवं दूर-दूर बनाई जाती है। जबकि समतल क्षेत्र को खाली छोड़ दिया जाता है।

हैश्यूर विधि का विकास ऑस्ट्रिया देश के एक सैन्य अधिकारी "लेहमान" ने किया था।

<u>हैश्यूर विधि</u>

पर्वतीय छायाकरण विधि :-

इस विधि में भू-आकृतियों पर उत्तर-पश्चिम कोने से (ऊपर से) प्रकाश डालने की कल्पना करते हैं।

अंधेरे वाले भाग को तीव्र ढाल जबकि प्रकाश वाले भाग को कम ढाल मानते हैं।

पर्वतीय छायाकरण विधि

प्रश्न (28) - सार्वजनिक और निजी उद्योग में अंतर स्पष्ट करें ?

उत्तर –

सार्वजनिक उद्योग -

जब किसी उद्योग का संचालन एवं नियंत्रण सरकार अथवा इसके द्वारा नियुक्त व्यक्ति के हाथों मे होता है। तब उसे सार्वजनिक उद्योग कहा जाता है। जैसे- भिलाई लौह इस्पात उद्योग, भारत हेवी इलेक्ट्रिक लिमिटेड इत्यादि।

निजी उद्योग -

जब किसी उद्योग का स्वामित्व एवं नियंत्रण किसी निजी व्यक्ति अथवा उसके द्वारा नियुक्त व्यक्ति के हाथों में होता है। तब इस प्रकार के उद्योग को निजी उद्योग कहा जाता है। जैसे- टाटा उद्योग, गोदरेज गोदरेज उद्योग इत्यादि।

प्रश्न (29) - उद्योग के स्थानीयकरण के तीन कारकों को लिखिए।

उत्तर –

उद्योग को स्थापित करने वाले तीन कारक निम्नलिखित हैं -

शक्ति संसाधन-

उद्योगों की स्थापना के लिए शक्ति संसाधन अति आवश्यक है।

परिवहन सुविधा –

कच्चे माल को प्राप्त करने तथा निर्मित वस्तुओं को बाजार तक पहुंचाने के लिए परिवहन की सुविधा अति आवश्यक है।

मशीन एवं पूंजी –

उद्योग की स्थापना के लिए मशीनों और पर्याप्त पूंजी की आवश्यकता पड़ती है।

प्रश्न (30) - भारत में सड़कों के प्रादेशिक वितरण का वर्णन प्रस्तुत कीजिए ।

उत्तर –

भारत में सड़कों का प्रादेशिक वितरण विषम है। सभी राज्यों में सड़कों का विकास एक समान नहीं हुआ है। समान रूप से विकास नहीं होने का मुख्य कारण है भू-आकृति, केंद्र एवं राज्य सरकारों की उदासीनता एवं राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी। महाराष्ट्र में 2.70 कि.मी. लंबी पक्की सड़कें हैं जबकि उत्तर प्रदेश, उड़ीसा में क्रमश 2.47 और 2.36 लाख कि.मी. है। पक्की

GAYA GUIDANCE PROGRAMME

सड़कों की सबसे कम लंबाई लक्षद्वीप में है। सड़कों के घनत्व की दृष्टि से केरल (प्रति 100 वर्ग किलोमीटर पर 387.24 किलोमीटर) प्रथम स्थान पर है।

आपदा प्रबंधन

प्रश्न (1) - आपदा प्रबंधन की आवश्यकता क्यों है ?

उत्तर-

आपदा से धन जन की हानि तथा प्रकृति को होने वाले नुकसान को बचाने के लिए या कम करने के लिए आपदा का प्रबंधन आवश्यक है।

भूकंप, सुनामी, बाढ़, सूखा, भूस्खलन आदि प्राकृतिक आपदा को रोका नहीं जा सकता है। लेकिन इनके प्रभाव को कम किया जा सकता है।

आपदा प्रबंधन के लिए भारत में राष्ट्रीय स्तर से राज्य स्तर तक आपदा प्रबंधन का व्यवस्था किया गया है।

प्रश्न (2) - बाढ़ से होने वाली हानि को बताएं।

उत्तर- बाढ़ से हानि-

-जनधन की हानि होती है।

-फसल बर्बाद होती है।

-मकानों को नुकसान होता है।

-जीव जंतु मर जाते हैं ।

-सड़क मार्ग, रेल मार्ग, पुल आदि यातायात के साधन टूट जाते हैं ।

-बाढ़ क्षेत्र से पानी हटने के बाद उस क्षेत्र में हैजा जैसे अनेक जल जनित बीमारियां महामारी के रूप में फैल जाती है।

प्रश्न (3) - बाढ़ से सुरक्षा हेतु अपनाई जाने वाली सावधानियों को लिखें।

उत्तर- बाढ़ से सुरक्षा -

-नदियों पर बांध बनाना चाहिए ।

-नदियों के किनारे तटबंधो की दीवारें ऊंचा और मजबूत बनाना चाहिए ।

-नहरों का निर्माण करना चाहिए ।

-बाढ़ की संभावना वाले क्षेत्रों में मकान ऊंचे स्थान पर बनाना चाहिए ।

-बाढ़ संभावित क्षेत्रों में नाव की पर्याप्त व्यवस्था होनी चाहिए ।

-सूचना - तंत्र भी सुदृढ होना चाहिए।

प्रश्न (4) - सूखे की स्थिति को परिभाषित करें।

उत्तर- सूखे से फसलों को नुकसान के साथ पेयजल की भी समस्या उत्पन्न होती है ।

किसी क्षेत्र को सुखाड़ प्रभावित क्षेत्र निम्नलिखित तीन कारणों से माना जाता हैं -

-प्रति वर्ष 50 सेंटीमीटर से कम वर्षा वाले क्षेत्र को प्रचंड सुखाड़वाला क्षेत्र कहते हैं ।

-जब किसी क्षेत्र के औसत वार्षिक वर्षा में 25% से अधिक की कमी आ जाती है ।तब उस क्षेत्र में सूखे की स्थिति उत्पन्न हो जाती है ।

-जब किसी क्षेत्र का 30% से अधिक फसल सिंचाई के अभाव में सूख जाता है । तब भी वहां सूखे की स्थिति उत्पन्न हो जाती है।

<u>प्रश्न (5) -</u> सुखाड़ के लिए जिम्मेवार कारकों का वर्णन करें।

<u>उत्तर-</u> सुखाड़ के लिए मानवीय जनसंख्या वृद्धि एवं मानवीय क्रियाकलाप मुख्य रूप से जिम्मेवार हैं।

सुखाड़ के मुख्य कारक निम्नलिखित हैं:-

-अत्यधिक वन कटाई

-भूमिगत जल का अत्यधिक दोहन

-वर्षा जल का संग्रहण नहीं किया जाना

-वायुमंडलीय तापमान में वृद्धि

-वायुमंडलीय प्रदूषण बढ़ना

<u>प्रश्न (6) -</u> सुखाड़ से बचाव के तरीकों का उल्लेख करें।

<u>उत्तर-</u>

-सूखा प्रभावित क्षेत्रों में नाहर, तालाब, कुआं, पाइन आदि का विकास किया जाना चाहिए।

-सिंचाई में जल की बर्बादी को कम करने के लिए ड्रिप, छिड़काव सिंचाई आदि का प्रयोग करना चाहिए।

-वर्षा जल का भंडारण करना चाहिए।

-खाली पड़ी जमीनों पर पेड़ - पौधे लगाना चाहिए।

-नदियों को आपस में जोड़कर भी सूखे की समस्या को समाप्त किया जा सकता है।

<u>प्रश्न (7) -</u> भूकंप से बचाव के किन्हीं दो उपायों का उल्लेख करें।

<u>उत्तर-</u> भूकंप के प्रभाव से बचने के लिए निम्नलिखित उपाय किए जा सकते हैं-

(I) भवन निर्माण - पूर्व में आए भूकंप को ध्यान में रखते हुए भूकंप रोधी भवन का निर्माण करना चाहिए । भूकंप संभावित क्षेत्रों में भवनों की आकृति आयताकार होना चाहिए ।

(II) प्रशासनिक सहयोग - भूकंप जैसे आपदा से प्रशासन लोगों को सतर्क करती है । वहीं भूकंप के बाद राहत कार्य के लिए विशेष दस्ते का गठन भी करती हैं । मलबे के नीचे दबे हुए लोगों का पता लगाने के लिए "इंफ्रारेड कैमरे" का प्रयोग उपयोग किया जाता है ।

GAYA GUIDANCE PROGRAMME

(III) गैर सरकारी संगठनों का सहयोग - गैर सरकारी संगठन ना सिर्फ तत्काल राहत पहुंचाने में मदद करती है वरन् भूकंप के पूर्व लोगों को भूकंप के समय तत्काल बचाव हेतु लोगों को प्रशिक्षित भी करती है।

प्रश्न (8) - सुनामी से बचाव के कोई तीन उपाय बताएं।

उत्तर-

(I) सुनामी का पूर्वानुमान लगाने के लिए समुद्र के बीच में प्लेटफार्म बनाया जाना चाहिए । जिससे समुंद्र तट के लोगों को तुरंत हटाया जा सके ।

(II) समुद्र तट को कंक्रीट तटबंध बनाने की जरूरत है और इन कंक्रीट तट बंधुओं के ही किनारे - किनारे मैंग्रोव्स जैसी वनस्पतियां लगाया जाना चाहिए। इन वनस्पतियों के कारण समुंद्र की लहरों की गति कम हो जाएगी और तटीय क्षेत्रों में कम नुकसान होगा।

(III) समुद्र तटीय प्रदेश में रहने वाले लोगों को सुनामी से बचने का प्रशिक्षण भी दिया जाना चाहिए।

प्रश्न (9) - जीवन रक्षक आकस्मिक प्रबंधन से आप क्या समझते हैं।

उत्तर-

जीवन रक्षक आकस्मिक प्रबंधन में आपदा आने के बाद आपदा से प्रभावित लोगों को बचाने का उपाय किया जाता है ।

अलग-अलग प्रकार के प्राकृतिक आपदाओं में अलग-अलग प्रकार का आकस्मिक प्रबंधन किया जाता है।

उदाहरण - बाढ़ आने पर लोगों को ऊंचे और सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाता है ।
भूकंप या सुनामी से प्रभावित लोगों को राहत कैंप में उनका इलाज किया जाता है।

प्रश्न (10) - आग लगने की स्थिति में क्या आकस्मिक प्रबंधन करना चाहिए।

उत्तर-

गर्मी के मौसम में अक्सर घरों में आग लग जाती है। आग लगने पर हमें निम्नलिखित प्रबंधन करना चाहिए:-

(I) आग में फंसे हुए लोगों को बाहर निकालना चाहिए।

(II) घायल व्यक्ति को तत्काल प्राथमिक उपचार देकर अस्पताल पहुंचाना चाहिए। प्राथमिक उपचार में जले हुए अंगों पर ठंडा पानी डालना, बर्फ से सहलाना तथा जलन से राहत देने वाली औषधि लगाना चाहिए।

(III) यदि आग का कारण विद्युत शार्ट - सर्किट है तो सबसे पहले बिजली लाइन को विच्छेदित करना चाहिए।

(IV) जिस घर में आग लगी है, उसे बुझाने के लिए बालू या पानी का उपयोग करना चाहिए तथा अग्निशामक दल को बुलाना चाहिए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न (1) - भारत में बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजना से आप क्या समझते हैं ? इससे क्या-क्या लाभ होते हैं।

उत्तर –

मुख्य नदियों एवं सहायक नदियों पर बांध बनाकर इन नदियों के जलो का कई उद्देश्यों के लिए उपयोग करना ही "बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजना" कहलाती है। भारत को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने एवं देशवासियों के जीवन स्तर सुधारने हेतु बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजनाएं बनाई गई है।

भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने इस योजना को आधुनिक भारत का मंदिर कहा था। भारत मे अनेक बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजनाएं है, जो निम्नलिखित है-

- "दामोदर घाटी परियोजना" स्वतंत्र भारत का प्रथम नदी घाटी परियोजना "दामोदर नदी" पर बने बनाई गई है।
- "सोन घाटी परियोजना" 1874 ई. में "सोन नदी" पर बनाई गई है।
- "सरदार सरोवर बांध" "नर्मदा नदी" पर बनाई गई है।

बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजना के लाभ :-

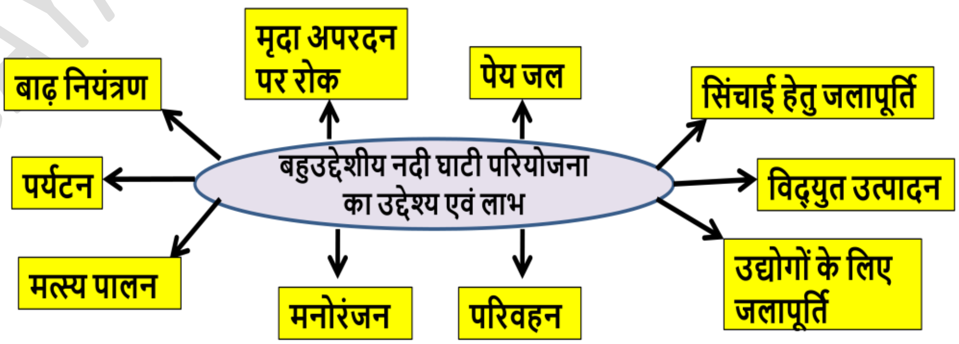

<u>बहुउद्देशीय परियोजनाओं द्वारा उत्पन्न समस्याएं</u> :-

I. नदियों की प्राकृतिक प्रवाह अवरुद्ध होने से नदी के तल पर अवसादीकरण तेज हो जाता है।
II. तलछट जमाव से जलीय जीवो के लिए भोजन, प्रजनन एवं स्वच्छंद विचरण की समस्याएं उत्पन्न हो जाती है।
III. बाढ़ की समस्या उत्पन्न होती है।
IV. इस परियोजना के आसपास के ग्रामीणों को विस्थापित होना पड़ता है।
V. बांध के आस-पास के क्षेत्रों में भूकंप का खतरा भी बढ़ जाता है।
VI. बड़े जलाशयों के निर्माण के लिए जंगलों को बड़े पैमाने पर काटा जा रहा है।
VII. कई राज्यों के बीच जल बंटवारे को लेकर विवाद की स्थिति उत्पन्न होने लगी है।

<u>निष्कर्ष</u> :-

भारत जैसे कृषि प्रधान देश के लिए बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजना का अत्यधिक लाभ जहां किसानों को तथा देश के अन्य नागरिकों को प्राप्त होता है, तो वही प्रकृति के परितंत्र को भी नुकसान होता है तथा कुछ जनजातियों को या उस क्षेत्र में बसे मानवी जनसंख्या को नुकसान झेलना पड़ रहा है।

<u>प्रश्न (2)</u> - वृक्षों के घनत्व के आधार पर भारत में वनों का वर्गीकरण कीजिए और सभी वर्गों का वर्णन विस्तार से कीजिए।

<u>उत्तर</u> –

पूरे विश्व में वन विस्तार के दृष्टिकोण से भारत दसवें स्थान पर है। भारत में करीब 68 करोड़ हेक्टेयर भूमि पर वन पाया जाता है। वर्ष 2019 के अनुसार भारत के 24.56% भूभाग पर वन क्षेत्र का विस्तार है। भारत में वनों का विस्तार असामान्य रूप से पाया जाता है। भारत के पूर्वोत्तर राज्यों एवं मध्य प्रदेश वनों की दृष्टि से काफी समृद्ध है। अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में 90% भौगोलिक क्षेत्रों में वन पाया जाता है। अतः वनों के घनत्व के आधार पर भारत में वनों को निम्नलिखित 5 वर्गों में रखा जा सकता है -

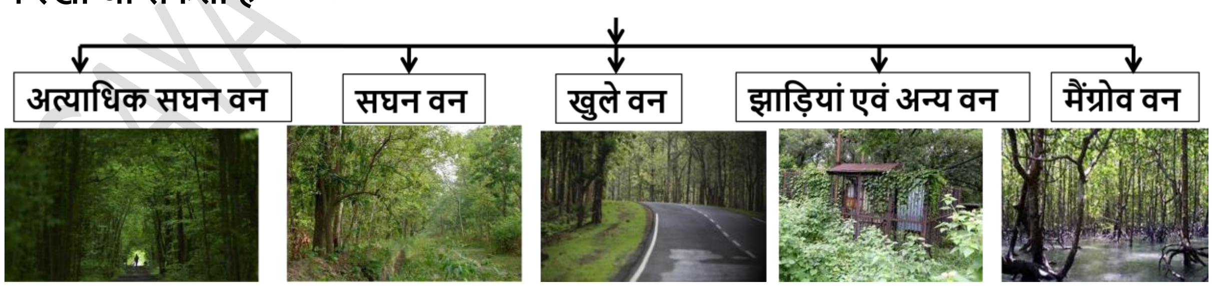

<u>अत्याधिक सघन वन</u> :-

GAYA GUIDANCE PROGRAMME

इस प्रकार के वन असम एवं सिक्किम राज्य को छोड़कर सभी पूर्वोत्तर राज्यों में विस्तारित है। इन राज्यों में वनों का घनत्व 75% से अधिक है।

<u>सघन वन</u> :-

भारत में सघन वन क्षेत्र 73.6 लाख हेक्टेयर भूमि में फैला है। जो कि कुल भौगोलिक क्षेत्र का 3% है। हिमाचल प्रदेश, सिक्किम, मध्य प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, महाराष्ट्र एवं उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों में इस प्रकार के वनों का विस्तार मिलता है। इन क्षेत्रों में वनों का घनत्व 63% तक है।

<u>खुले वन</u> :-

खुले वन के अंतर्गत 2.59 करोड हेक्टर भूमि आते हैं। जो की कुल भौगोलिक क्षेत्र का लगभग 7% है। कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश, उड़ीसा एवं असम राज्य में इस प्रकार के वनों का विस्तार पाया जाता है।

<u>झाड़ियां एवं अन्य वन</u> :-

राजस्थान का मरुस्थलीय क्षेत्र एवं अर्द्ध शुष्क क्षेत्र के अतिरिक्त पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार एवं पश्चिम बंगाल के मैदानी भागों में वृक्षों का घनत्व 10% से भी कम है। इसलिए इन राज्यों को इस वर्ग में रखा गया है। इन क्षेत्रों में वनों का घनत्व 8.68% है।

<u>मैंग्रोव वन</u> :-

मैंग्रोव वन समुद्र तटीय क्षेत्रों में फैला वन है। भारत में कुल मैंग्रोव वन का आधा भाग पश्चिम बंगाल के सुंदरवन में पाए जाते है। इसके बाद गुजरात और अंडमान निकोबार दीप समूह में मैंग्रोव वन अधिक क्षेत्रफल में पाए जाते हैं भारत के गुजरात, अंडमान-निकोबार द्वीप समूह, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र, उड़ीसा, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, पांडिचेरी, केरल एवं दमन-दीव में मैंग्रोव वन पाए जाते हैं।

<u>प्रश्न (3)</u> - धात्विक एवं अधात्विक खनिज में क्या अंतर है ? तुलना कीजिए।

<u>उत्तर</u> –

पृथ्वी पर पाए जाने वाले खनिजों को मुख्य रूप से धात्विक खनिज एवं अधात्विक खनिज मे बांटा जाता है।

GAYA GUIDANCE PROGRAMME

खनिजों के प्रकार

- **धात्विक खनिज**
  - **लौह युक्त खनिज** — उदाहरण- लोहा, निखिल, मैग्नीज, कोबाल्ट आदि।
  - **अलौहयुक्त खनिज** — उदाहरण- सीसा, जस्ता, बॉक्साइट, सोना, चांदी, टिन, तांबा आदि।
- **अधात्विक खनिज**
  - **कार्बनिक खनिज** — उदाहरण- इंधन खनिज, कोयला, पेट्रोलियम । आदि।
  - **अकार्बनिक खनिज** — उदाहरण- अभ्रक, ग्रेफाइट आदि।

धात्विक एवं अधात्विक खनिजों में अंतर :-

धात्विक खनिज	अधात्विक खनिज
i. धात्विक खनिज आग्नेय चट्टानों से प्राप्त किया होता है।	i. अधात्विक खनिज परतदार चट्टानों से प्राप्त होते हैं।
ii. धात्विक खनिजों को गलाने से हमें धातु प्राप्त होता है।	ii. अधात्विक खनिज को गलाने से धातु प्राप्त ना होकर यह समाप्त हो जाते हैं
iii. धात्विक खनिज कठोर एवं चमकीले होते हैं।	iii. अधात्विक खनिजों में प्रायः चमक नहीं होती है।
iv. धात्विक खनिजों को पीटकर तार या चदरा बनाया जाए जाता है।	iv. अधात्विक खनिजों को पीटने से टूट जाते हैं।
v. धात्विक खनिज पीटने से टूटते नहीं है।	

<u>प्रश्न (4)</u> - भारत की खनिज पेटियों का नाम लिखकर किन्हीं दो का वर्णन कीजिए।

<u>उत्तर</u> –

भारत की भूगर्भिक संरचना में अत्यधिक विविधता पाई जाती है। जिसके कारण भारत के अलग-अलग क्षेत्रों में अलग-अलग प्रकार के खनिज पदार्थ पाया जाता हैं। अधिकांश खनिज प्राचीन चट्टानी समूह में पाई जाती है। इस प्रकार हम भारत में पाए जाने वाले हैं खनिजों के अनुसार भारत को निम्नलिखित तीन प्रमुख खनिज पेटियों में बांटा जा जाता है :-

- **उत्तरी-पूर्वी पठारी क्षेत्र**
- **दक्षिणी-पश्चिमी पठारी क्षेत्र**
- **उत्तरी-पश्चिमी पठारी क्षेत्र**

GAYA GUIDANCE PROGRAMME

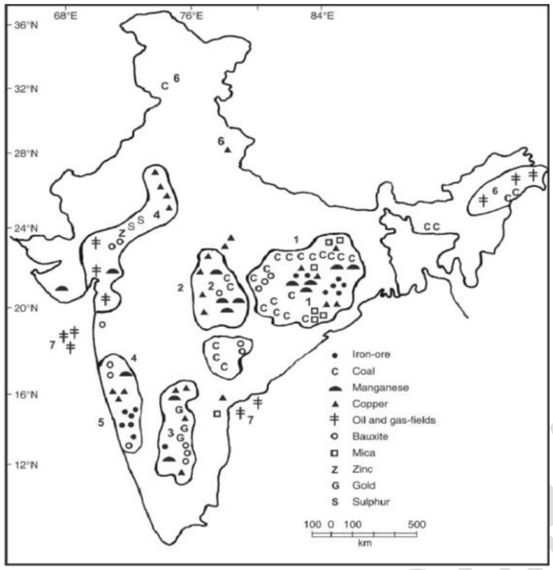

<u>उत्तरी-पूर्वी पठारी क्षेत्र</u> :-

i. **यह भारत का सबसे धनी खनिज पेटी है।**
ii. **यहां मुख्य रूप से कोयला, मैग्रीज, तांबा, बॉक्साइट, थोरियम, चुना पत्थर, अभ्रक, यूरेनियम आदि अधिक मात्रा मे प्राप्त होते हैं।**
iii. **इस खनिज पेटी अंतर्गत तेलंगाना का पठार, छोटानागपुर का पठार, ओडिशा का पठार, छत्तीसगढ़ का पठार, पूर्वी आंध्रप्रदेश का पठार आदि शामिल है।**

<u>दक्षिणी-पश्चिमी पठारी क्षेत्र</u> :-

i. **इस खनिज पेटी में लोहा, मैगनीज, बॉक्साइट आदि अत्यधिक मात्रा में प्राप्त होती है। यहां सोने की तीन खाने भी पाई जाती है।**
ii. **दक्षिण-पश्चिमी पठारी खनिज क्षेत्र का विस्तार कर्नाटक के पठारी क्षेत्र, तमिलनाडु के पठारी क्षेत्र इत्यादि स्थानों में विस्तारित है।**

<u>उत्तरी-पश्चिमी पठारी क्षेत्र</u> :-

i. **इस खनिज पेटी में चांदी, सीसा, जस्ता, तांबा आदि के अतिरिक्त ग्रेनाइट, संगमरमर, जिप्सम, चुना-पत्थर, नमक आदि प्राप्त होता है।**
ii. **इस क्षेत्र का विस्तार खंभात की खाड़ी से अरावली की श्रेणी तक अवस्थित है।**

<u>प्रश्न (5) -</u> चाय उत्पादन के प्रमुख भौगोलिक दशाओं का वर्णन करें। भारत के चाय उत्पादक क्षेत्रों का उल्लेख करें।

<u>उत्तर-</u>

चाय का पौधा सदाबहार होता है। यह एक रोपण कृषि का फसल है।

GAYA GUIDANCE PROGRAMME

1840 ई० में सर्वप्रथम अंग्रेजों ने चीन से लाकर इसकी खेती ब्रह्मपुत्र घाटी में आरंभ किया था।
चाय उत्पादन में भारत विश्व का दूसरा तथा खपत में पहला स्थान रखता है।
चाय उत्पादन की प्रमुख भौगोलिक दशाएं :-
-तापमान
-वर्षा
-मिट्टी
-सस्ते श्रमिक
-ढालू भूमि

(1)तापमान:- चाय छाया पसंद पौधा होता है। गर्मी में 25 डिग्री सेंटीग्रेड से 30 डिग्री सेंटीग्रेड तापमान रहना चाहिए। इससे अधिक या कम तापमान होने से चाय के पौधों को हानि होता है।

(2)वर्षा:- चाय की खेती के लिए 200 से 250 सेमी तक वर्षा आवश्यक है। चाय के पौधों के विकास के लिए आद्रता सालों भर रहना चाहिए।

(3)मिट्टी:- चाय के उत्पादन के लिए दोमट मिट्टी प्रमुख है। मिट्टी में फास्फोरस, पोटाश, लोहा तथा ह्यूमस पर्याप्त मात्रा में होना चाहिए।

(4)ढालू भूमि:- ढालू भूमि पहाड़ी - पठारी भागों के ढालू भूमि में इसकी खेती होती है। जिससे इसके जड़ों में पानी ना जमा हो सके क्योंकि अधिक पानी से पौधों को हानि होता है।

(5)सस्ते श्रमिक:- चाय की पत्तियों को हाथ से तोड़ा जाता है। अतः अधिक संख्या में कुशल एवं सस्ते श्रमिक की आवश्यकता होती है।

-भारत के चाय उत्पादक क्षेत्र:-
(I) उत्तर पूर्वी भारत- असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा इत्यादि।
(II)दक्षिण का नीलगिरी क्षेत्र- तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक इत्यादि।
(III) उत्तर पश्चिम का पहाड़ी भाग- उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर इत्यादि।

भारत में चाय के उत्पादन को बढ़ाने से चाय के निर्यात को बढ़ावा मिलेगा और भारत के राष्ट्रीय आय में वृद्धि होगी।

GAYA GUIDANCE PROGRAMME

<u>प्रश्न (6) -</u> बिहार के मुख्य नदी घाटी परियोजना का नाम बताएं एवं सोन अथवा कोसी परियोजना के महत्व पर प्रकाश डालें।

<u>उत्तर-</u>

बिहार के 80% जनसंख्या कृषि कार्य करती है। बिहार की भूमि बहुत उपजाऊ है। इसके बावजूद यहां का प्रति हेक्टेयर उत्पादन अन्य राज्यों की अपेक्षा कम है।

बिहार में अनेक सदाबहार नदिया हैं जैसे गंगा, कोसी, गंडक, सोन नदी इत्यादि।

बिहार की कृषि क्षेत्र बाढ़ या सूखे से प्रभावित होता है।

बिहार के कृषि को बाढ़ एवं सूखे के प्रभाव से बचाने के लिए और कृषि उत्पादन बढ़ाने के उद्देश्य से निम्नलिखित नदियों पर बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजना बनाया गया है-

■ सोन नदी घाटी परियोजना

■ गंडक नदी घाटी परियोजना

■ कोसी नदी घाटी परियोजना

■ <u>सोन नदी घाटी परियोजना</u> :-

बिहार के सिंचित भूमि में वृद्धि के साथ-साथ यहां के आर्थिक एवं सामाजिक विकास हेतु इस परियोजना का विकास 1874 ई0 में ब्रिटिश सरकार द्वारा किया गया था। क्योंकि सोन नदी के पूर्वी एवं पश्चिमी भूमि उपजाऊ होने के बावजूद सिंचाई के अभाव के कारण सूखाग्रस्त भाग था।

डेहरी के पास से सोन नदी से पूर्व एवं पश्चिम दोनों तरफ नहर निकाल कर 3-3 लाख हेक्टेयर भूमि को सिंचित किया जाता है।

नहर की कुल लंबाई 130 किलोमीटर है।

पूर्वी नहर इस नहर से पटना, गया एवं औरंगाबाद जिला के कृषि भूमि को सींचा जाता है।

पश्चिमी नहर इस नहर से रोहतास, बक्सर एवं भोजपुर जिला के कृषि भूमि को सिंचाई का लाभ प्राप्त होता है।

1968 ई0 में डेहरी से 10 किलोमीटर की दूरी पर जलविद्युत उत्पादन के लिए इंद्रपुरी बैराज बनाया गया है।

डेहरी एवं बारूद के समीप 6.6 एवं 3.3 मेगावाट ऊर्जा उत्पादन करने वाले क्रमशः शक्ति गृह की स्थापना की गई है।

यही वजह है कि उनका यह सूखाग्रस्त प्रदेश आज बिहार का चावल का कटोरा कहा जाता है

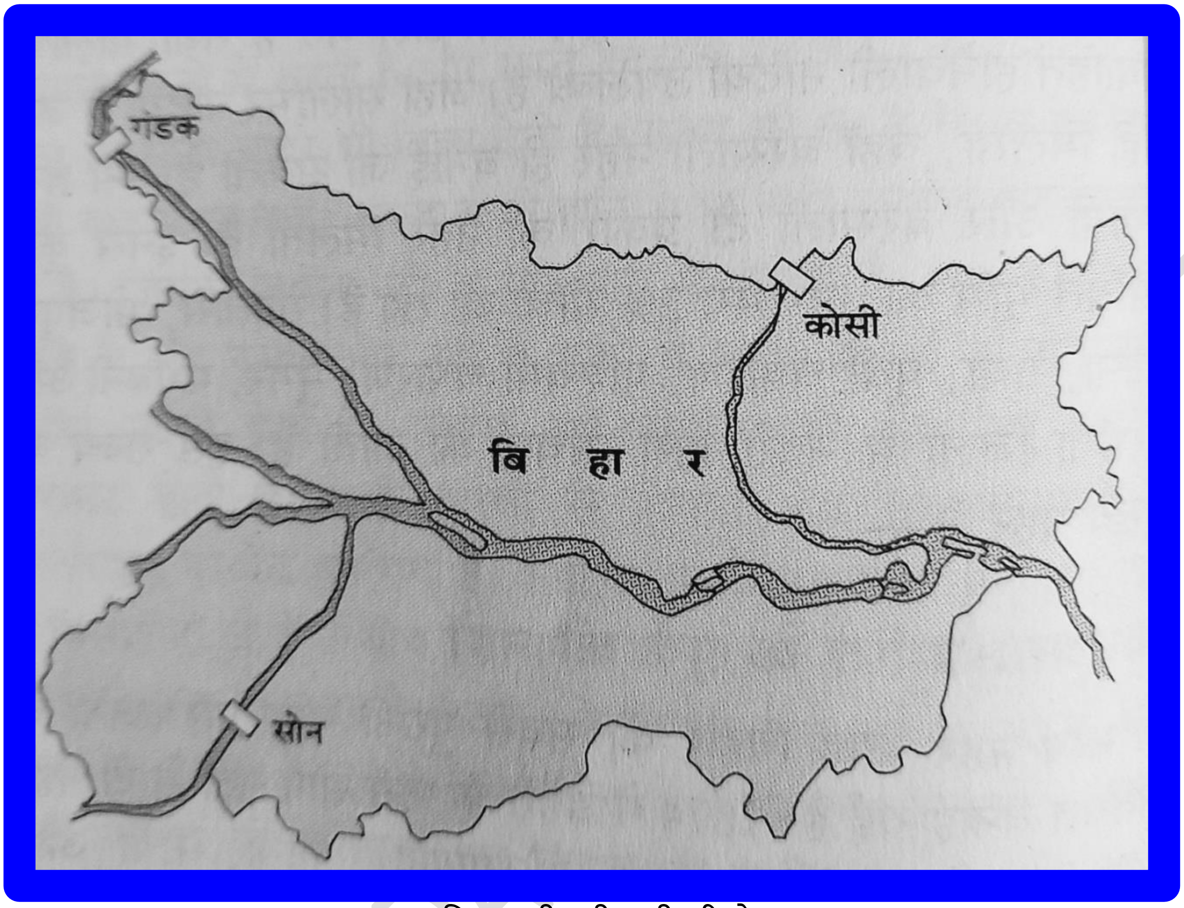

बिहार की नदी घाटी परियोजना

प्रश्न (7) - बिहार की जनसंख्या घनत्व पर विस्तार से चर्चा कीजिए ।

उत्तर-

बिहार राज्य मैं समतल उपजाऊ भूमि के साथ-साथ सदाबहार नदियों के होने से यहां जनसंख्या प्राचीन समय से ही सघन है।

वर्ष 2011 के जनगणना के अनुसार बिहार भारत का तीसरा सबसे अधिक जनसंख्या वाला राज्य हैं। जबकि जनसंख्या घनत्व की दृष्टि से भारत का प्रथम राज्य हैं।

2011 की जनगणना के अनुसार बिहार की कुल जनसंख्या 10.41 करोड़ है तथा जनसंख्या घनत्व 1106 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है।

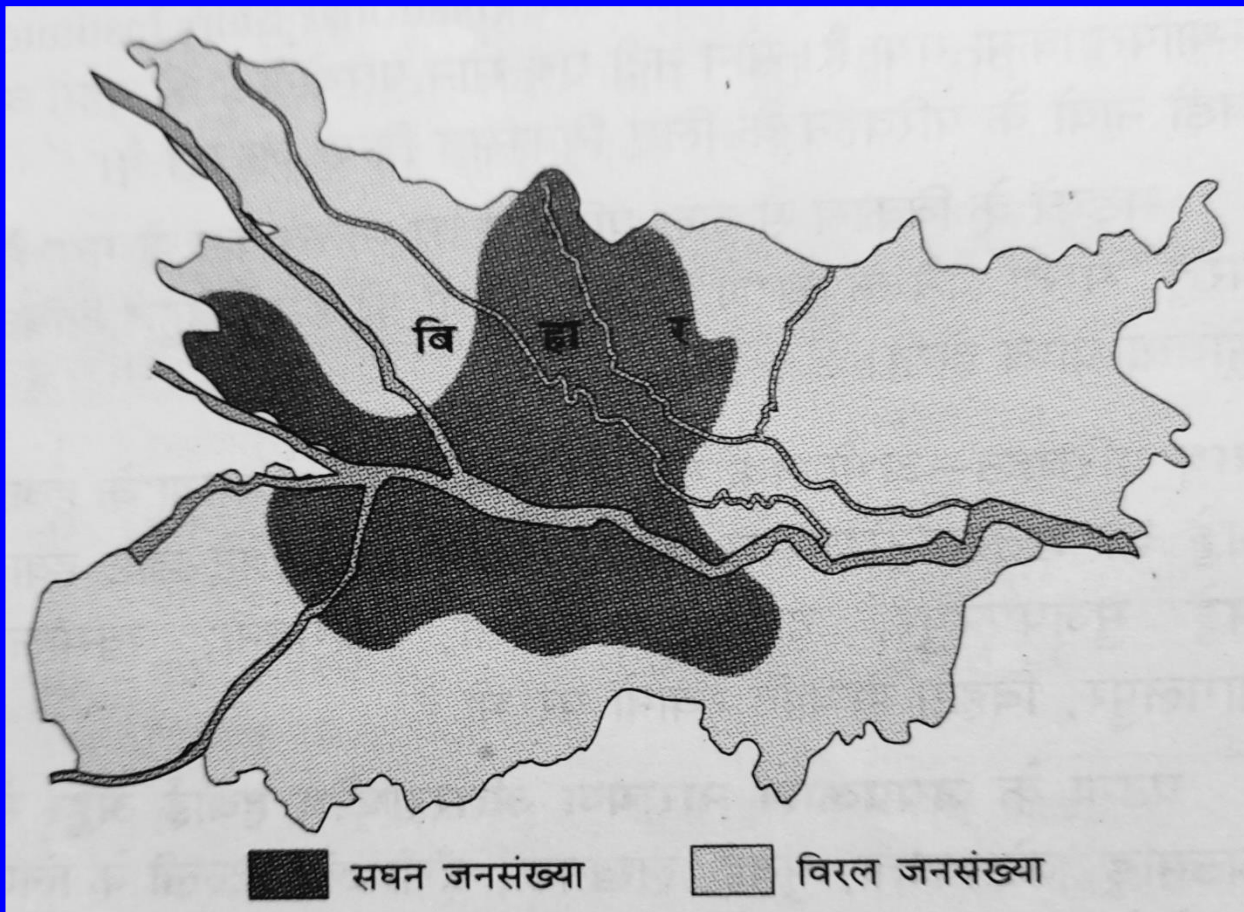

बिहार का जनसंख्या घनत्व

बिहार का जनसंख्या घनत्व :-

बिहार में जनसंख्या घनत्व असमान है। इसका कारण यहां की आर्थिक, सामाजिक परिवेश भौतिक विविधता है।

2011 के जनगणना के अनुसार बिहार राज्य में सबसे अधिक जनसंख्या घनत्व शिवहर जिला (1886) का जबकि सबसे कम कैमूर जिला (488) का है।

जनसंख्या घनत्व के आधार पर बिहार के जिलों को निम्नलिखित 5 वर्गों में बांट सकते हैं :-

(I) 1200 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर से अधिक :- यह सबसे अधिक जनसंख्या घनत्व वाले जिले हैं। शिवहर, पटना, दरभंगा, वैशाली, बेगूसराय, जहानाबाद, नालंदा, गोपालगंज, मधुबनी, पूर्वी चंपारण, समस्तीपुर, सीतामढ़ी, सहारण, सिवान और मुजफ्फरपुर।

(II) 1000 से 1200 घनत्व वाले जिले :- बक्सर, भागलपुर, भोजपुर, सहरसा, खगड़िया, मधेपुरा, अव्वल, पूर्णिया और कटिहार।

(III) 800 से 1000 घनत्व वाले जिले :- गया, नवादा, किशनगंज, सुपौल, लखीसराय, शेखपुरा, मुंगेर, एवं अररिया जिला।

(IV) 600 से 800 घनत्व वाले जिले :- औरंगाबाद, रोहतास, पश्चिमी चंपारण, और बांका जिले हैं।

(V) 600 से कम घनत्व वाले जिले :- जमुई और कैमूर जिले हैं।

<u>प्रश्न (8) -</u> समोच्च रेखा क्या है? इसके द्वारा विभिन्न प्रकार के ढलों का प्रदर्शन किस प्रकार किया जाता है? किन्ही पांच का सोदाहरण वर्णन करें।

<u>उत्तर-</u>

समोच्च रेखा (Contours) विधि द्वारा उच्चावच (धरातल की ऊंचाई-निचाई) प्रदर्शन सर्वश्रेष्ठ माना जाता है।

समोच्च रेखा एक काल्पनिक रेखा है जिसे समुद्र तल से एक समान ऊंचाई वाले स्थानों (बिंदुओं) को मिलाकर मानचित्र पर खींच खींचा जाता है।

समोच्च रेखाएं वास्तविक सर्वेक्षण के आधार पर खींचा जाता है। इसलिए मानचित्र में प्रत्येक समोच्च रेखा के साथ उनकी वास्तविक ऊंचाई का मान लिखा जाता है।

समोच्च रेखाएं एक-दूसरे को कभी नहीं काटती है।

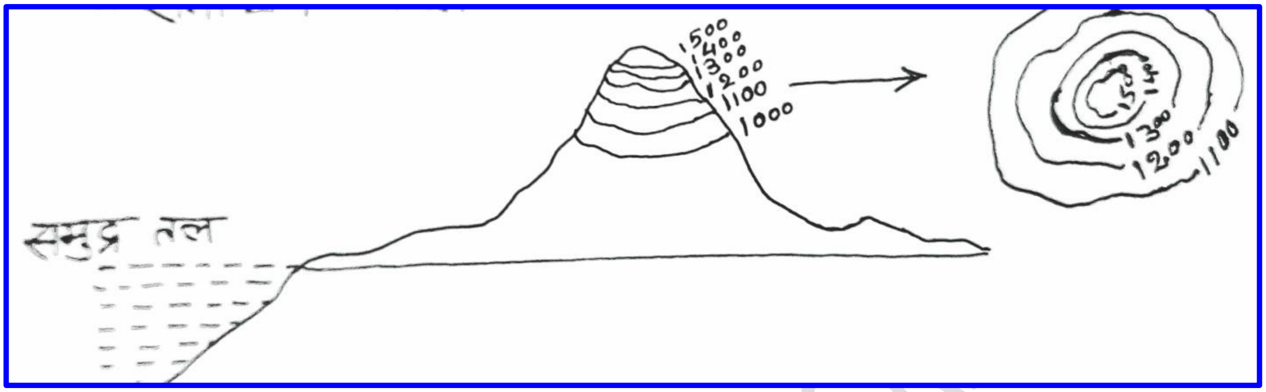

~समोच्च रेखा द्वारा ढालो का प्रदर्शन:-

(I) खड़ी ढाल:-

मानचित्र में खड़ी ढाल को प्रदर्शित करने के लिए समोच रेखाओं को पास-पास दिखाया जाता है।

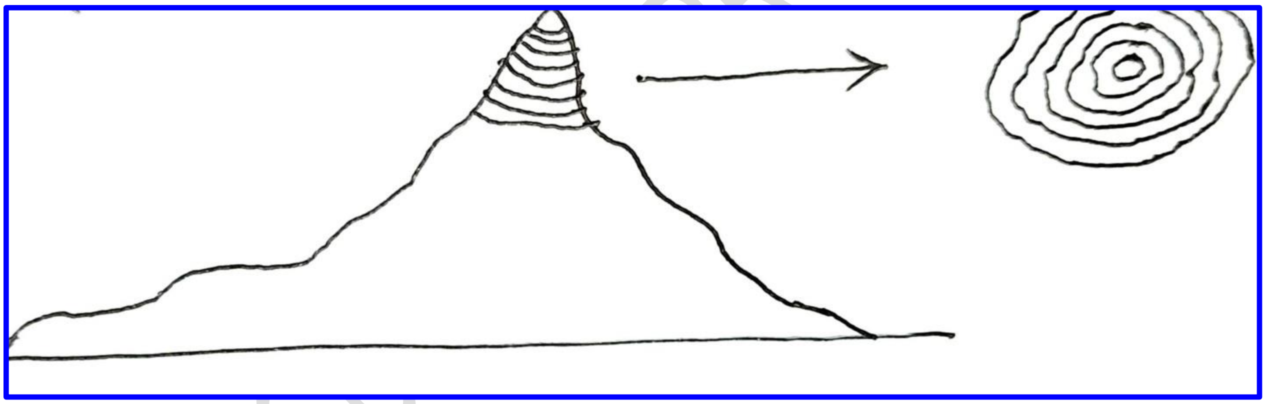

(II) मंद ढाल:-

मानचित्र में कम ढाल वाले क्षेत्र में समोच्च रेखाएं दूर-दूर प्रदर्शित की जाती है।

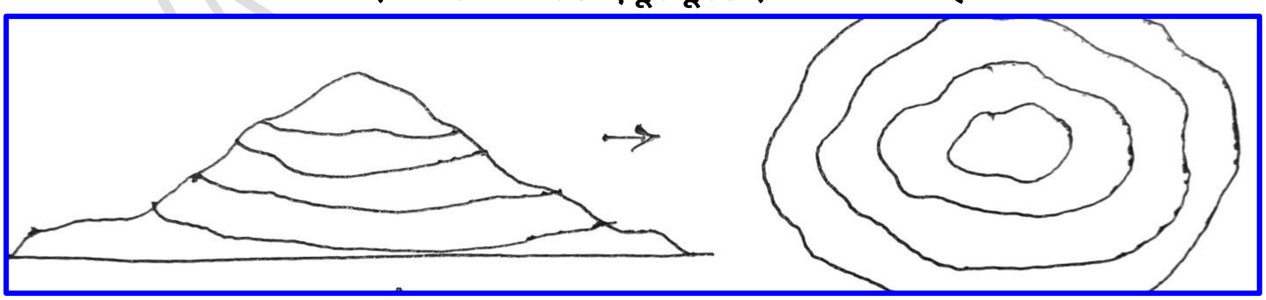

(III) उत्तल ढाल:-

इसमें ढाल का ऊपरी भाग मंद एवं निचला भाग खड़ा होता है। इस कारण समोच्च रेखा ऊपरी भाग पर दूर-दूर तथा निचले भाग पर पास-पास होता है।

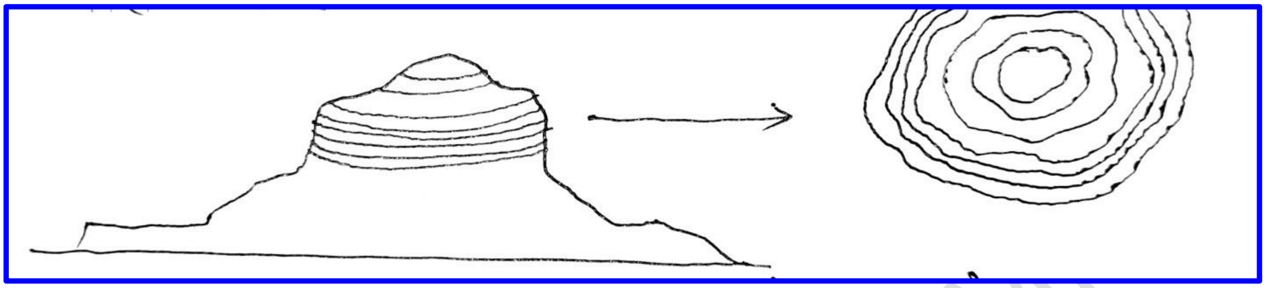

(IV) अवतल ढाल:-

इसमें समोच्च रेखा भूभाग के निचले भाग पर दूर-दूर तथा ऊपरी भाग पर पास-पास होता है।

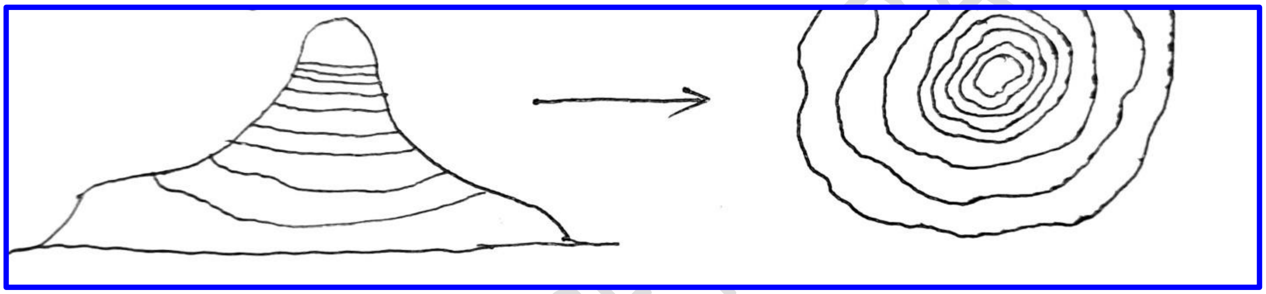

(V) सीढीनुमा ढाल:-

जब दो-दो समोच्च रेखाओं के बीच में दूरी होती है तब इसे सीढ़ीनुमा ढाल कहते हैं।

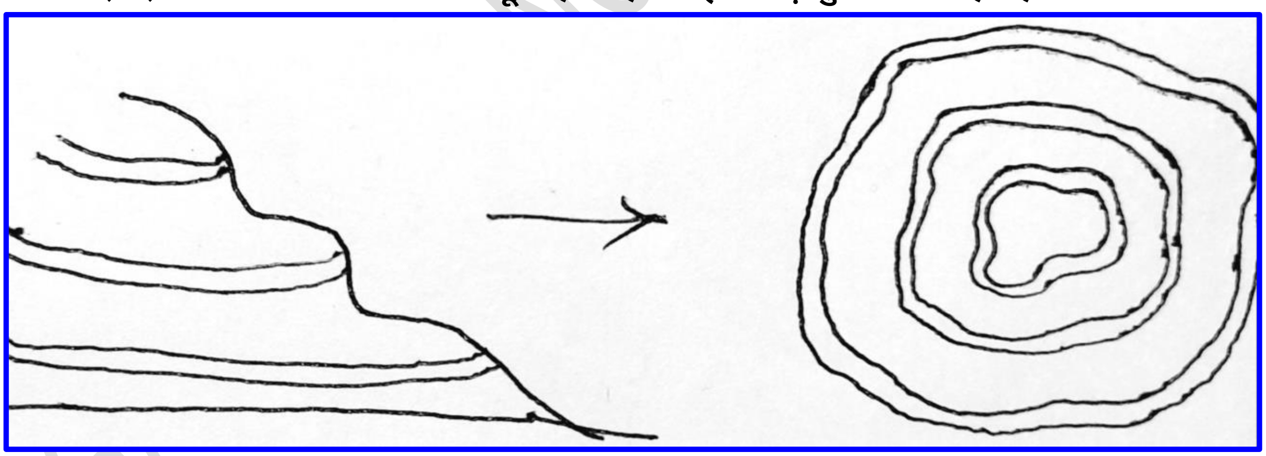

<u>प्रश्न (9)</u> - भारत में सूती वस्त्र उद्योग के वितरण का वर्णन करें।

<u>उत्तर</u> –

सूती वस्त्र उद्योग कृषि आधारित उद्योग है। यह उद्योग भारत के प्राचीन उद्योग में से एक है। इसका प्रमाण हड़प्पा और मोहनजोदड़ो की खुदाई के में भी प्राप्त होता है।

सूती वस्त्र उद्योग के आधुनिक मिलों की स्थापना 19वीं शताब्दी में प्रारंभ हुई। सर्वप्रथम 1818 इ. में कोलकाता के निकट फोर्ट-ग्लास्टर नामक स्थान पर स्थापित की गई जो असफल रहा। फिर 1854 ई. में पहली सफल मिल मुंबई में स्थापित की गई।

सूती वस्त्र उद्योग स्थापित करने के प्रमुख कारक निम्नलिखित हैं-

कपास उत्पादक क्षेत्र
आर्द्र जलवायु
बाजार
परिवहन

उपयुक्त कारकों के आधार पर प्रारंभिक वर्षों में सूती वस्त्र उद्योग की अधिकांश मिले महाराष्ट्र और गुजरात राज्य में स्थापित किया गया। कुछ वर्षों के बाद सूती वस्त्र उद्योग का विकेंद्रीकरण धीरे-धीरे पूरे भारतवर्ष में हो गया। आज सूती वस्त्र उद्योग भारत के महाराष्ट्र, गुजरात, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु राज्यों में केंद्रित है।

मुंबई में देश का 25% सूती वस्त्र उद्योग केंद्रित का है। सूती वस्त्र उद्योग भारत का सबसे विशाल उद्योग है। कृषि के बाद भारत में रोजगार प्रदान करने वाला दूसरा सबसे बड़ा क्षेत्र है। भारत के सूती कपड़ों का निर्माण विश्व के अनेक देशों जैसे- अमेरिका, इंग्लैंड, रूस, फ्रांस, नेपाल, जापान, श्रीलंका आदि में किया जाता है।

भारत में सूती वस्त्र उद्योग से देश में रोजगार प्राप्त हो रहे हैं। वहीं निर्यात से भारत को आर्थिक लाभ भी प्राप्त हो रहा है।

<u>प्रश्न (10)</u> - भारतीय रेल परिवहन की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

<u>उत्तर</u> –

भारत में रेल मार्ग का शुभारंभ 16 अप्रैल 1853 ई. में मुंबई (बोरी बंदर स्टेशन) से थाणे के बीच (34 कि.मी. की लंबाई) हुआ था।

प्रशासनिक सुविधा के लिए भारतीय रेलवे को 17 क्षेत्रों में बांटा गया है। भारत में सबसे बड़ा रेल जोन उत्तर रेलवे (मुख्यालय- नई दिल्ली) सबसे छोटा रेल जोन उत्तर-पूर्वी सीमांत रेलवे (मुख्यालय- मालीगांव गुवाहाटी) है।

<u>भारतीय रेल परिवहन की विशेषताएं</u> -

भारतीय रेल छोटे शहरों से महानगरों को जोड़ने का काम कर रही है। तीव्र गति से चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस (180 किलोमीटर प्रति घंटा), गतिमान एक्सप्रेस (160 किलोमीटर प्रति घंटा) शताब्दी एक्सप्रेस, राजधानी एक्सप्रेस आदि है।

भारतीय रेलवे में भाप इंजन, डीजल इंजन और विद्युत इंजन काम कर रहे हैं। ट्रेनों को दुर्घटना से रोकने के लिए भारतीय रेलवे नें इंजनों में रक्षा कवच लगाया है। भारतीय रेलवे रेल यात्रियों को बीमा की सुविधा देती है।

कोलकाता एवं दिल्ली में मेट्रो रेल का के तहत भूमिगत रेल सेवा दी जा रही है। भारतीय रेल प्रणाली एशिया में सबसे बड़ी तथा विश्व की तीसरी बड़ी रेल प्रणाली है। जीवन रेखा 16 जुलाई 1991 से चलने वाली है। भारतीय रेल गाड़ी विश्व का पहला चलंत अस्पताल है।

भारतीय रेल भारतीय अर्थव्यवस्था से लेकर आम जन जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लोगों के आवागमन एवं सामानों की ढुलाई के साथ यह भारतीय संस्कृति को भी जोड़ने का काम करती है। भारतीय रेल की सेवा सभी गरीब से लेकर अमीर यात्रियों के लिए उपलब्ध है।

<u>प्रश्न (11)</u> - भारतीय अर्थव्यवस्था में परिवहन एवं संचार साधनों की महत्ता को स्पष्ट कीजिए।

<u>उत्तर</u> –

भारत विशाल क्षेत्रफल एवं जनसंख्या वाला देश है। यहां संसाधनों के वितरण में काफी असमानताएं हैं। किसी क्षेत्र में एक संसाधन की प्रचुरता है तो दूसरी जगह उस संसाधन की कमी है। राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय विकास के लिए प्रायः सभी संसाधनों की जरूरत होती है। देश में आज विभिन्न प्रकार के क्रियाकलाप किए जा रहे हैं। ऐसी स्थिति में उद्योगों को कच्चे माल की आपूर्ति एवं तैयार माल को बाजार तक पहुंचाने का कार्य परिवहन एवं संचार साधनों की सहायता से किया जा रहा है। वस्तुएं एवं सेवाएं इन साधनों की सहायता से गांव से अंतर्राष्ट्रीय बाजार तक पहुंच रही है। जिससे क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था मजबूत होती जा रही है।

अर्थव्यवस्था के विकास में सहायक ये साधन सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को भी एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने में तथा इनके संसजन में सहायक हो रहे हैं।

<u>निष्कर्ष</u>-

वर्तमान भारतीय अर्थव्यवस्था एवं इसका भविष्य पूरी तरह से परिवहन एवं संचार के साधनों पर निर्भर है। राष्ट्र के लिए उपयोगी परिवहन एवं संचार सेवाएं निश्चय ही देश की अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएं हैं।

GAYA GUIDANCE PROGRAMME

SECONDARY SCHOOL EXAMINATION – 2022 (ANNUAL)

Sub. Code - 211

SOCIAL SCIENCE (Model Set)

(सामाजिक विज्ञान)

समय : 2 घंटे 45 मिनट **पूर्णांक–80**

Time : 2 Hrs.45 Minutes **Full marks-80**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

Instructions for the candidates :

1. परीक्षार्थी उत्तर पत्रक पर अपना प्रश्न पुस्तिका क्रमांक (10 अंकों का) अवश्य लिखें।

   Candidates must enter his/her Question Booklet Serial No. (10 digits) in the OMR Answer Sheet.

2. परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में उत्तर दें।

   Candidates are required to give answer in their own words as far as practicable.

3. दाहिनी ओर हाशिये पर दिये गए अंक पूर्णांक निर्दिष्ट करते हैं।

   Figures in the right hand margin indicate full marks.

4. प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़ने के लिए 15 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है।

   15 minutes of extra time have been allotted to read the questions carefully.

5. यह प्रश्न पत्र दो खण्डों में है, खण्ड–अ एवं खण्ड–ब.

   This question paper has two sections, **Section-A** and **Section-B**.

6. खण्ड–अ में 80 वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं जिनमें 40 प्रश्न अनिवार्य हैं। यदि परीक्षार्थी 40 से अधिक प्रश्नों के उत्तर देते/देती हैं, तो प्रथम 40 उत्तरों का ही मूल्यांकन किया जाएगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 अंक निर्धारित है। OMR उत्तर पत्रक पर दिये गये सही विकल्प को नीले/काले बॉल पेन से भरें। ह्वाइटनर/तरल पदार्थ/ब्लेड/नाखून आदि का OMR उत्तर पत्रक पर प्रयोग नहीं करें अन्यथा परीक्षा परिणाम अमान्य होगा।

In section -A there are 80 objective type questions out of which 40 questions are compulsory. If the candidate answers more than 40 questions, the first 40 answers only will be evaluated. Each question carries 1 mark. Darken the correct circle given on the OMR answer sheet with blue /black ball pen. Do not use Whitener /Liquid/ Blade/ Nail etc on the OMR answer sheet otherwise the result will be invalid.

7. खण्ड–ब में सामाजिक विज्ञान के कुल 5 विषयों के लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक निर्धारित हैं।

In section-B, there are Short Answer Type Questions of 5 subjects of Social Science. Each question carries 2 marks.

(i) इतिहास में 6 लघु उत्तरीय प्रश्न (प्रश्न संख्या 1 से 6) हैं जिनमें किन्हीं 3 प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

History has 6 Short Answer Type Questions (Q Nos. 1 to 6) out of which any 3 questions are to be answered.

(ii) राजनीति विज्ञान में कुल 4 लघु उत्तरीय प्रश्न (प्रश्न संख्या 9 से 12) हैं जिनमें से किन्हीं 2 प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

Political Science has 4 Short Answer Type Questions (Q. Nos. 9 to 12) out of which any 2 questions are to be answered.

(iii) अर्थशास्त्र में 4 लघु उत्तरीय प्रश्न (प्रश्न संख्या 15 से 18) हैं जिनमें से किन्हीं 2 प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

Economics has 4 Short Answer Type Questions (Q. Nos. 15 to 18) out of which any 2 questions are to be answered.

(iv) भूगोल में कुल 6 लघु उत्तरीय प्रश्न (प्रश्न संख्या 21 से 26) हैं जिनमें किन्हीं 3 प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

Geography has 6 Short Answer Type Questions (Q. Nos. 21 to 26) out of which any 3 questions are to be answered.

(v) आपदा प्रबंधन में 4 लघु उत्तरीय प्रश्न (प्रश्न संख्या 29 से 32) हैं जिनमें से किन्हीं 2 प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

Disaster Management has 4 Short Answer Type Questions (Q. Nos. 29 to 32) out of which any 2 questions are to be answered.

(vi) इनके अतिरिक्त 8 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रश्न संख्या 7, 8, 13, 14, 19, 20, 27, 28) हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक निर्धारित हैं। इतिहास ,राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र एवं भूगोल में प्रत्येक से एक–एक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर देना है।

Apart from these, there are 8 Long Answer Type Questions (Q. Nos. 7, 8, 13, 14, 19, 20, 27, 28). Each question carries 4 marks. One Long Answer Type Question each from History, Political Science, Economics and Geography is to be answered.

8. किसी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण का उपयोग नहीं करें।

Do not use any type of electronic instrument.

खण्ड–अ / SECTION-A

वस्तुनिष्ठ प्रश्न / Objective Type Questions.

प्रश्न संख्या 1 से 80 तक के प्रत्येक प्रश्न के साथ चार विकल्प हैं, जिनमें से एक सही है। प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 अंक निर्धारित है। अपने द्वारा चुने गए विकल्प को OMR शीट पर चिह्नित करें। किन्हीं 40 प्रश्नों के उत्तर दें। (40x1=40)

Question Nos. 1 to 80 have four options each out of which only one is correct. Each question carries 1 mark. Mark your selected option on the OMR sheet. Answer any 40 questions. (40x1=40)

1. हिन्द–चीन में बसने वाले फ्रांसीसी कहे जाते थे :

(A) फ्रांसीसी (B) शासक वर्ग

(C) कोलोन (D) व्यापारी

French settled in Indo-China were called :

(A) Frech (B) Ruling Class

(C) Colons (D) Traders

2. रौलेट एक्ट कब पारित हुआ ?

(A) 1919 (B) 1920

(C) 1922 (D) 1930

When was Rowlatt Act passed ?

(A) 1919 (B) 1920

(C) 1922 (D) 1930

3. जलियाँवाला बाग हत्याकांड के विरोध में किसने अपनी 'नाइट' की उपाधि त्याग दी ?

(A) महात्मा गाँधी (B) सुभाष चन्द्र बोस

(C) रबीन्द्रनाथ टैगोर (D) पण्डित नेहरू

Who surrendered the knighthood award in protest against Jallianwala Bagh massacre ?

(A) Mahatma Gandhi (B) Subhash Chandra Bose

(C) Rabindra Nath Tagore (D) Pandit Nehru

4. जर्मनी के एकीकरण में किसकी भूमिका महत्त्वपूर्ण थी ?

(A) गैरीबाल्डी (B) बिस्मार्क

(C) काउंट कावूर (D) मेजिनी

Who played important role in the unification of Germany ?

(A) Garibaldi (B) Bismark

(C) Count Cavour (D) Mazzini

5. आर्य समाज की स्थापना किसने की ?

(A) स्वामी विवेकानन्द (B) राम कृष्ण परमहंस

(C) स्वामी दयानंद सरस्वती (D) राजा राम मोहन राय

Who founded Arya Samaj ?

(A) Swami Vivekanand (B) Ram Krishna Paramhans

(C) Swami Dayanad Saraswati(D) Raja Ram Mohan Roy

6. पूर्ण स्वराज की माँग का प्रस्ताव काँग्रेस के किस वार्षिक अधिवेशन में पारित हुआ ?

(A) 1929 लाहौर (B) 1931 कराची

(C) 1933 कलकत्ता (D) 1937 बेलगाम

Resolution for the demand of Purna Swaraj was passed in which annual session of Congress ?

(A) 1929 Lahore (B) 1931 Karachi

(C) 1933 Calcutta (D) 1937 Belgaum

7. भारत में सूती वस्त्र की प्रथम मिल खोली गई :

(A) मद्रास में (B) बम्बई में

(C) कलकत्ता में (D) सूरत में

The first cotton mill was opened in India in :

(A) Madras (B) Bombay

(C) Calcutta (D) Surat

8. अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस (AITUC) के प्रथम अध्यक्ष कौन थे ?

(A) बाल गंगाधर तिलक (B) लाला लाजपत राय

(C) लाला हरदयाल (D) घनश्याम दास बिड़ला

Who was the first president of the All India Trade Union Congress (AITUC) ?

(A) Bal Gangadhar Tilak (B) Lala Lajpat Rai

(C) Lala Hardayal (D) Ghanshyam Das Birla

9. हिन्द–चीन क्षेत्र में अंतिम युद्ध की समाप्ति के समय अमेरिकी राष्ट्रपति कौन थे ?

(A) वाशिंगटन (B) निक्सन

(C) जार्ज बुश (D) रूजवेल्ट

Who was the American president at the end of the last war in Indo-China region ?

(A) Washington (B) Nixon

(C) George Bush (D) Roosevelt

10. विक्टर इमैनुएल ने किसे प्रधानमंत्री नियुक्त किया ?

(A) मेजिनी (B) मेटरनिख

(C) काउंट कावूर (D) स्टालिन

Whom did Victor Emmanuel appoint the Prime Minister ?

(A) Mazzini (B) Metternich

(C) Count Cavour (D) Stalin

11. 'रक्त और लौह की नीति' का अवलम्बन किसने किया ?

(A) मुसोलिनी (B) विक्टर इमैनुएल

(C) गैरीबाल्डी (D) बिस्मार्क

Who adopted the 'Blood and Iron policy' ?

(A) Mussolini (B) Victor Emmanuel

(C) Garibaldi (D) Bismark

12. नई आर्थिक नीति (NEP) कब लागू हुई ?

(A) 1918 (B) 1920

(C) 1921 (D) 1925

When did the New Economic Policy (NEP) come into force ?

(A) 1918 (B) 1920

(C) 1921 (D) 1925

13. 'इंडियन स्टेट्यूटरी कमीशन' का अन्य नाम क्या है ?

(A) हंटर कमीशन (B) साइमन कमीशन

(C) सारजंट कमीशन (D) ली कमीशन

What is another name of Indian Statutory Commission ?

(A) Hunter Commission (B) Simon Commission

(C) Sargent Commission (D) Lee Commission

14. महात्मा गाँधी ने किस समाचार पत्र का संपादन किया था ?

(A) कॉमनवील (B) यंग इंडिया

(C) बंगाली (D) बिहारी

Which newspaper was edited by Mahatma Gandhi ?

(A) Commonwheel (B) Young India

(C) Bengali (D) Bihari

15. गुटेनबर्ग ने सर्वप्रथम किस पुस्तक की छपाई की ?

(A) कुरान (B) गीता

(C) बाइबिल (D) हदीस

Which book was first printed by Gutenberg ?

(A) Quran (B) Gita

(C) Bible (D) Hadis

16. अशोक का अभिलेख किस लिपि में है ?

(A) ब्राह्मी (B) फारसी

(C) रोमन (D) इनमें से कोई नहीं

Ashoka'a inscription is in which script ?

(A) Brahmi (B) Persian

(C) Roman (D) None of these

17. बंगाल विभाजन कब वापस लिया गया था ?

(A) 1905 (B) 1907

(C) 1911 (D) 1912

When was partition of Bengal revoked ?

(A) 1905 (B) 1907

(C) 1911 (D) 1912

18. रूस में कब दासत्व समाप्त किया गया ?

(A) 1861 (B) 1865

(C) 1870 (D) 1873

When was Serfdom abolished in Russia ?

(A) 1861 (B) 1865

(C) 1870 (D) 1873

19. किस सम्मेलन में 1 मई को मजदूर दिवस मनाने का निर्णय लिया गया?

(A) प्रथम अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (B) द्वितीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

(C) क्योटो सम्मेलन (D) ब्रेटन वुड्स सम्मेलन

In which conference the decision was taken for celebrating 1st May as Labour day ?

(A) First International Conference

(B) Second International Conference

(C) Kyoto Conference

(D) Bretton Woods Conference

20. हो–ची–मिन्ह की सरकार थी :

(A) दक्षिणी वियतनाम में (B) उत्तरी वियतनाम में

(C) पूर्वी वियतनाम में (D) पश्चिमी वियतनाम में

Ho-chi-Minh's government was :

(A) In South Vietnam (B) In North Vietnam

(C) In East Vietnam (D) In West Vietnam

21. 'वार एण्ड पीस' किसने लिखी ?

(A) कार्ल मार्क्स (B) टॉलस्टॉय

(C) बर्नार्ड शॉ (D) दोस्तोवस्की

Who wrote 'War and Peace' ?

(A) Karl Marx (B) Tolstoy

(C) Bernard Shaw (D) Dostoevsky

22. सोवियत संघ का विघटन हुआ था :

(A) 1991 में (B) 1992 में

(C) 1989 में (D) 1990 में

Soviet Union was disintegrated in :

(A) 1991 (B) 1992

(C) 1989 (D) 1990

23. पटना को अजीमाबाद नाम किसने दिया ?

(A) अकबर (B) अजीम–उस–शान

(C) बाबर (D) हुमायूँ

Who named Patna as Azimabad ?

(A) Akbar (B) Azim-Us-Shan

(C) Babar (D) Humayun

24. पाटलिपुत्र नगर की स्थापना किसने की ?

(A) बिन्दुसार (B) चन्द्रगुप्त मौर्य

(C) अजातशत्रु (D) इनमें से कोई नहीं

Who founded Patliputra City ?

(A) Bindusar (B) Chandragupta Maurya

(C) Ajatshatru (D) None of these

25. भारत में राष्ट्रीय आय की गणना किस संस्था द्वारा की जाती है ?

(A) केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन (B) भारतीय रिजर्व बैंक

(C) राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन (D) इनमें से सभी

National income is calculated by which institution in India ?

(A) Central Statistical Organization

(B) Reserve Bank of India

(C) National Sample Survey Organisation

(D) All of these

26. योजना आयोग का गठन कब हुआ ?

(A) 15 मार्च 1950 (B) 15 मार्च 1951

(C) 1 जनवरी 2015 (D) 1 जनवरी 2001

When was the Planning commission formed ?

(A) 15th March 1950 (B) 15th March 1951

(C) 1st January 2015 (D) 1st January 2001

27. उत्पादन के साधनों पर निजी व्यक्तियों का स्वामित्व होता है :

(A) समाजवादी अर्थव्यवस्था में (B) पूँजीवादी अर्थव्यवस्था में

(C) साम्यवादी अर्थव्यवस्था में (D) इनमें से कोई नहीं में

The means of production are owned by private individuals in :

(A) Socialist economy (B) Capitalist economy

(C) Communist economy (D) None of these

28. गैस और बिजली उत्पादन किस क्षेत्र का अंग है ?

(A) प्राथमिक क्षेत्र (B) द्वितीयक क्षेत्र

(C) तृतीयक क्षेत्र (D) इनमें से कोई नहीं

Gas and electricity production is the part of which sector ?

(A) Primay sector (B) Secondary sector

(C) Tertiary sector (D) None of these

29. बांग्लादेश की मुद्रा क्या है ?

(A) रूपया (B) टका

(C) क्यात (D) युआन

What is the currency of Bangladesh ?

(A) Rupee (B) Taka

(C) Kyat (D) Yuan

30. प्रो0 मो0 युनुस का सम्बन्ध किस देश से है ?

(A) भारत (B) पाकिस्तान

(C) बांग्लादेश (D) ईरान

Prof. Md. Yunus is related to which country ?

(A) India (B) Pakistan

(C) Bangladesh (D) Iran

31. प्राथमिक कृषि साख समिति कृषकों को किस प्रकार का ऋण प्रदान करती है ?

(A) अल्पकालीन (B) दीर्घकालीन

(C) मध्यकालीन (D) इनमें से सभी

What type of loan does the Primary Agricultural Credit Committee provide to farmer ?

(A) Short-term (B) Long-term

(C) Medium-term (D) All of these

32. जवाहर रोजगार योजना किस वर्ष प्रारम्भ हुई ?

(A) 1982 (B) 1985

(C) 1989 (D) 1990

Jawahar Rozgar Yojana started in which year ?

(A) 1982 (B) 1985

(C) 1989 (D) 1990

33. मनरेगा में एक वर्ष में कितने दिन का रोजगार देने की गारंटी दी जाती है ?

(A) 150 दिन (B) 180 दिन

(C) 120 दिन (D) 100 दिन

How many days of employment does MGNREGA guarantee in a year ?

(A) 150 days (B) 180 days

(C) 120 days (D) 100 days

34. उपभोक्ता संरक्षण के लिए कितने राज्य आयोग हैं ?

(A) 582 (B) 35

(C) 24 (D) 38

How many state commissions are there for consumer protection ?

(A) 582 (B) 35

(C) 24 (D) 38

35. प्रो0 पी0 सी0 महालनोबिस की अध्यक्षता में किस समिति का गठन किया गया ?

(A) राष्ट्रीय आय समिति (B) कृषि समिति

(C) विकास समिति (D) कर समिति

Which committee was formed under the chairmanship of Prof. P. C. Mahalanobis ?

(A) National Income committee

(B) Agriculture committee

(C) Development committee

(D) Tax committee

36. उपभोग व्यय और बचत का योग कहलाता है :

(A) निवेश (B) आय

(C) वितरण (D) माँग

Consumption of expenditure and savings is called :

(A) Investment (B) Income

(C) Distribution (D) Demand

37. निम्न में कौन आर्थिक क्रिया का चक्रीय प्रवाह है ?

(A) उत्पादन (B) व्यय

(C) आय (D) इनमें से सभी

Which of the following is the circular flow of economic activity ?

(A) Production (B) Expenditure

(C) Income (D) All of these

38. भारत में सर्वप्रथम राष्ट्रीय आय का अनुमान कब लगाया गया ?

(A) 1871 (B) 1868

(C) 1950 (D) 1945

When was the national income estimated for the first time in India?

(A) 1871 (B) 1868

(C) 1950 (D) 1945

39. निम्न में से कौन सहकारिता का मूलभूत तत्व नहीं है ?

(A) अनिवार्य सदस्यता (B) जनतंत्रात्मक आधार

(C) नैतिक तथा सामाजिक तत्व (D) ऐच्छिक सदस्यता

Which of the following is not a basic element of cooperative ?

(A) Compulsory membership (B) Democratic base

(C) Moral and Social element (D) Voluntary membership

40. इनमें से कौन गैर–आर्थिक आधारित संरचना है ?

(A) वित्त (B) ऊर्जा

(C) स्वास्थ्य (D) संचार

Which of these is a non-economic infrastructure ?

(A) Finance (B) Energy

(C) Health (D) Communication

41. संविधान का 74वाँ संशोधन सम्बन्धित है :

(A) पंचायती राज व्यवस्था से (B) नगरीय शासन व्यवस्था से

(C) राज्य स्तरीय शासन व्यवस्था से (D) राष्ट्र स्तरीय शासन व्यवस्था से

74th constitutional amendment is related to :

(A) Panchayati Raj system (B) Urban governance

(C) State level governance (D) National level governance

42. बिहार में एक नगर निगम में अधिकतम कितने वार्ड हो सकते हैं ?

(A) 37 (B) 52

(C) 72 (D) 75

How many maximum wards a municipal corporation may have in Bihar ?

(A) 37 (B) 52

(C) 72 (D) 75

43. चिपको आंदोलन सम्बन्धित है :

(A) मेधा पाटकर से (B) लाला लाजपत राय से

(C) सुन्दरलाल बहुगुणा से (D) अमृता देवी से

Chipko movement is related to :

(A) Medha Patkar (B) Lala Lajpat Rai

(C) Sunderlal Bahuguna (D) Amrita Devi

44. नेपाल में सप्तदलीय गठबंधन क्यों किया गया ?

(A) लोकतंत्र की स्थापना हेतु (B) राजतंत्र की स्थापना हेतु

(C) कुलीनतंत्र की स्थापना हेतु (D) साम्यवाद की स्थापना हेतु

Why was Seven Party alliance formed in Nepal ?

(A) To establish democracy (B) To establish monarchy

(C) To establish aristocracy (D) To establish communism

45. बहुजन समाज पार्टी की स्थापना किसने की ?

(A) मुलायम सिंह (B) एस0 ए0 डांगे

(C) कांशीराम (D) ज्योति बसु

Who founded Bahujan Samaj Party ?

(A) Mulayam Singh (B) S. A. Dange

(C) Kanshiram (D) Jyoti Basu

46. दल–बदल कानून लागू होता है :

(A) सांसदों एवं विधायकों पर (B) राष्ट्रपति पर

(C) उप–राष्ट्रपति पर (D) इनमें से सभी

Anti-defection law is applied to :

(A) MP and MLA (B) President

(C) Vice-President (D) All of these

47. झारखंड बिहार से कब पृथक हुआ ?

(A) 15 नवंबर 2000 को (B) 10 नवंबर 2001 को

(C) 15 नवंबर 2002 को (D) 10 नवंबर 2002 को

When was Jharkhand separated from Bihar ?

(A) 15^{th} November 2000 (B) 10^{th} November 2001

(C) 15^{th} November 2002 (D) 10^{th} November 2002

48. इनमें से कौन संघीय प्रणाली की विशेषता नहीं है ?

(A) लिखित संविधान (B) इकहरी शासन व्यवस्था

(C) शक्तियों का विभाजन (D) सर्वोच्च न्यायपालिका

Which of these is not a characteristic of federal system ?

(A) Written constitution (B) Single government

(C) Division of powers (D) Supreme Judiciary

49. लोक सभा में चुने हुए सदस्यों की संख्या कितनी है ?

(A) 545 (B) 543

(C) 540 (D) 500

How many elected members are there in Lok Sabha ?

(A) 545 (B) 543

(C) 540 (D) 500

50. पूर्व में बांग्लादेश जाना जाता था :

(A) पश्चिमी पाकिस्तान (B) उत्तरी पाकिस्तान

(C) पूर्वी पाकिस्तान (D) दक्षिणी पाकिस्तान

Bangladesh was formerly known as :

(A) West Pakistan (B) North Pakistan

(C) East Pakistan (D) South Pakistan

51. वेस्टइंडीज संघ की स्थापना हुई :

(A) 1973 में (B) 1965 में

(C) 1960 में (D) 1958 में

West Indies federation was formed in :

(A) 1973 (B) 1965

(C) 1960 (D) 1958

52. इंडिका के लेखक हैं :

(A) चाणक्य (B) फाह्यान

(C) मेगस्थनीज (D) सेल्यूकस

Author of Indica is :

(A) Chanakaya (B) Fahien

(C) Megasthenes (D) Seleucus

53. विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश कौन है ?

(A) चीन (B) भारत

(C) रूस (D) पाकिस्तान

Which is the largest democratic country in the world ?

(A) China (B) India

(C) Russia (D) Pakistan

54. आंग सान सू की किस देश के नागरिक हैं ?

(A) भूटान (B) बांग्लादेश

(C) म्याँमार (D) नेपाल

Aung San Suu Kyi is a citizen of which country ?

(A) Bhutan (B) Bangladesh

(C) Myanmar (D) Nepal

55. क्षेत्रवाद की भावना का कुपरिणाम है :

(A) अपने क्षेत्र से लगाव (B) राष्ट्रहित

(C) राष्ट्रीय एकता (D) अलगाववाद

The bad effect of the spirit of regionalism is :

(A) Attachment with own region

(B) National interest

(C) National integration

(D) Separatism

56. दुधवा राष्ट्रीय उद्यान कहाँ है ?

(A) असम (B) राजस्थान

(C) ओडिशा (D) उत्तर प्रदेश

Where is the Dudhwa National Park ?

(A) Assam (B) Rajasthan

(C) Odisha (D) Uttar Pradesh

57. भारत की प्रथम राष्ट्रीय जल नीति कब अपनाई गयी थी ?

(A) सितम्बर 1980 (B) सितम्बर 1987

(C) जून 2002 (D) सितम्बर 2002

When was the first National Water Policy of India adopted ?

(A) September 1980 (B) September 1987

(C) June 2002 (D) September 2002

58. विश्व में सर्वाधिक वनावरण वाला देश कौन है ?

(A) रूस (B) भारत

(C) ब्राजील (D) कनाडा

Which country has the largest forest cover in the world ?

(A) Russia (B) India

(C) Brazil (D) Canada

59. किस मृदा में ह्यूमस की मात्रा नगण्य होती है ?

(A) लैटेराइट मृदा (B) जलोढ़ मृदा

(C) काली मृदा (D) पर्वतीय मृदा

Which soil has negligible amount of humus ?

(A) Laterite Soil (B) Alluvial Soil

(C) Black Soil (D) Mountain Soil

60. भारत का सबसे बड़ा खनिज तेल उत्पादक क्षेत्र कौन है ?

(A) डिगबोई (B) मुम्बई हाई

(C) खम्भात (D) मंगला

Which is the largest mineral oil producing field of India ?

(A) Digboi (B) Mumbai High

(C) Khambhat (D) Mangala

61. इनमें से कौन रोपण फसल है ?

(A) चाय (B) रबड़

(C) गन्ना (D) इनमें से सभी

Which of these is a plantation crop ?

(A) Tea (B) Rubber

(C) Sugarcane (D) All of these

62. जीवन रेखा रेल कब चलाई गई थी ?

(A) 1981 (B) 1991

(C) 1995 (D) 2001

When was the Life Line Train started ?

(A) 1981 (B) 1991

(C) 1995 (D) 2001

63. काँवर झील कहाँ है ?

(A) दरभंगा (B) भागलपुर

(C) बेगूसराय (D) मुजफ्फरपुर

Where is Kanwar lake ?

(A) Darbhanga (B) Bhagalpur

(C) Begusarai (D) Muzaffarpur

64. किस राज्य में संयुक्त वन प्रबंधन का पहला प्रस्ताव पारित किया गया ?

(A) पश्चिम बंगाल (B) असम

(C) केरल (D) ओडिशा

In which state was the first resolution of joint forest management passed ?

(A) West Bengal (B) Assam

(C) Kerala (D) Odisha

65. इनमें से कौन अकार्बनिक खनिज है ?

(A) कोयला (B) पेट्रोलियम

(C) अभ्रक (D) प्राकृतिक गैस

Which of these is an inorganic mineral ?

(A) Coal (B) Petroleum

(C) Mica (D) Natural gas

66. भारत में किस राज्य में सर्वाधिक मैंग्रोव वन है ?

(A) गुजरात (B) पश्चिम बंगाल

(C) ओडिशा (D) केरल

Which state has the largest mangrove forest in India ?

(A) Gujarat (B) West Bengal

(C) Odisha (D) Kerala

67. कौन कोयला घटिया किस्म का है ?

(A) ऐंथ्रासाइट (B) बिटुमिनस

(C) लिग्नाइट (D) पीट

Which coal is of the lowest quality ?

(A) Anthracite (B) Bituminous

(C) Lignite (D) Peat

68. भारत में चाय की कृषि कहाँ शुरू हुई थी ?

(A) सिक्किम (B) तमिलनाडु

(C) असम (D) केरल

Where was tea cultivation started in India ?

(A) Sikkim (B) Tamil Nadu

(C) Assam (D) Kerala

69. पाइराइट किस प्रकार का खनिज है ?

(A) धात्विक (B) अधात्विक

(C) परमाणु (D) इनमें से कोई नहीं

What type of mineral is Pyrite ?

(A) Metallic (B) Non-metallic

(C) Atomic (D) None of these

70. भारत का पहला परमाणु शक्ति संयंत्र कौन है ?

(A) तारापुर (B) कलपक्कम

(C) नरौरा (D) कैगा

Which is the first atomic power plant of India ?

(A) Tarapur (B) Kalpakkam

(C) Narora (D) Kaiga

71. कोडरमा का सम्बन्ध किस खनिज से है ?

(A) अभ्रक (B) ताँबा

(C) सोना (D) लौह अयस्क

Koderma is related to which mineral ?

(A) Mica (B) Copper

(C) Gold (D) Iron ore

72. किस देश ने ओपेक (OPEC) की सदस्यता त्याग दी है ?

(A) साऊदी अरब (B) ईरान

(C) इराक (D) कतर

Which country has left the membership of OPEC ?

(A) Saudi Arabia (B) Iran

(C) Iraq (D) Qatar

73. इनमें कौन जूट का अग्रणी उत्पादक है ?

(A) भारत (B) चीन

(C) बंग्लादेश (D) श्री लंका

Which of these is the leading producer of jute ?

(A) India (B) China

(C) Bangladesh (D) Sri Lanka

74. आस्वन बाँध किस नदी से सम्बन्धित है ?

(A) गंगा (B) ब्रह्मपुत्र

(C) नील (D) अमेजन

Aswan Dam is related to which river ?

(A) Ganga (B) Brahmaputra

(C) Nile (D) Amazon

75. इनमें से कौन प्राकृतिक आपदा नहीं है ?

(A) सुनामी (B) बाढ़

(C) भूकंप (D) आतंकवाद

Which of these is not a natural disaster ?

(A) Tsunami (B) Flood

(C) Earthquake (D) Terrorism

76. विनाशकारी भूकंप से बिहार किस वर्ष प्रभावित हुआ था ?

(A) 1920 (B) 1966

(C) 2004 (D) 1934

Bihar was affected by devastating earthquake in which year ?

(A) 1920 (B) 1966

(C) 2004 (D) 1934

77. बाढ़ के समय कौन स्थान सुरक्षित है ?

(A) ऊँची भूमि (B) बाढ़ मैदान

(C) डेल्टा (D) इनमें से कोई नहीं

Which place is safe during flood ?

(A) High ground (B) Flood plain

(C) Delta (D) None of these

78. भूस्खलन से अभिप्राय है :

(A) मलबों का खिसकना (B) चट्टानों का गिरना

(C) चट्टानों का खिसकना (D) इनमें से सभी

Landslide means :

(A) Debrisslide (B) Rockfall

(C) Rockslide (D) All of these

79. आकस्मिक प्रबंधन का प्रमुख घटक है :

(A) स्थानीय प्रशासन (B) स्वयंसेवी संगठन

(C) स्थानीय लोग (D) इनमें से सभी

The main component of emergency management is :

(A) Local administration (B) Voluntary organization

(C) Local people (D) All of these

80. भूकम्प सम्भावित क्षेत्रों में भवनों की आकृति कैसी होनी चाहिए ?

(A) अण्डाकार (B) त्रिभुजाकार

(C) चौकोर (D) आयताकार

What should be the shape of buildings in earthquake prone areas?

(A) Oval (B) Triangular

(C) Square (D) Rectangular

खण्ड–ब / Section-B

लघु उत्तरीय प्रश्न / Short Answer Type Questions

इतिहास / History

प्रश्न संख्या 1 से 6 तक लघु उत्तरीय हैं। किन्हीं 3 प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक निर्धारित हैं। (**3x2=6**)

Question nos. 1 to 6 are Short Answer Type. Answer any 3 questions. Each question carries 2 marks. (3X2=6)

1. वियना कांग्रेस का मुख्य उद्देश्य क्या था ? (2)

   What was the main objective of Vienna congress ?

2. शीत युद्ध का संक्षिप्त वर्णन कीजिए। (2)

   Briefly describe Cold war.

3. साइमन कमीशन का विरोध क्यों हुआ था ? (2)

   Why was the Simon Commission opposed ?

4. उपनिवेशवाद से क्या अभिप्राय है ? (2)

   What is meant by colonialism ?

5. न्यू डील क्या है ? (2)

What is New Deal ?

6. होआ–होआ आंदोलन की विवेचना करें। (2)

Discuss Hoa-Hoa movement.

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Type Questions)

प्रश्न संख्या 7 और 8 दीर्घ उत्तरीय हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक निर्धारित हैं। (1X4=4)

Question nos. 7 and 8 are Long Answer Type. Answer any one question. Each question carries 4 marks. (1x4=4)

7. रूसी क्रांति पर मार्क्सवाद का क्या प्रभाव पड़ा ? 4

What was the impact of Marxism on the Russian Revolution ?

8. भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में महात्मा गाँधी की भूमिका का उल्लेख करें।

Mention the role of Mahatma Gandhi in the Indian National Movement ?

राजनीति विज्ञान / POLITICAL SCIENCE

लघु उत्तरीय प्रश्न / Short Answer Type Questions

प्रश्न संख्या 9 से 12 तक लघु उत्तरीय हैं। इनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक निर्धारित हैं। (2x2=4)

Question nos. 9 to 12 are Short Answer Type. Answer any two questions. Each question carries 2 marks. (2x2=4)

9. लोकतंत्र में सूचना के अधिकार की क्या भूमिका है ? (2)

What is the role of Right to information in democracy ?

10. राजनीतिक दलों के दो प्रमुख कार्य बताइए। (2)

State two main functions of political parties.

11. संघीय शासन की दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। (2)

Mention two features of Federal government.

12. नगर निगम की आय के प्रमुख स्रोत क्या हैं ? (2)

What are the main sources of income of municipal corporation ?

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Type Questions)

प्रश्न संख्या 13 एवं 14 दीर्घ उत्तरीय हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक निर्धारित हैं। **(1x4=4)**

Question nos. 13 and 14 are Long Answer Type. Answer any one question. Each question carries 4 marks. **(1x4=4)**

13. लोकतांत्रिक शासन प्रणाली में राजनीतिक दलों की भूमिका की विवेचना कीजिए। (4)

Discuss the role of political parties in democratic form of government.

14. जयप्रकाश नारायण की 'संपूर्ण क्रांति' ने भारतीय राजनीति को किस प्रकार बदल दिया ? (4)

How Jai Prakash Narayan's 'Sampurna Kranti' changed Indian politics ?

अर्थशास्त्र / Economics

लघु उत्तरीय प्रश्न / Short Answer Type Questions

प्रश्न संख्या 15 से 18 तक लघु उत्तरीय हैं। किन्हीं 2 प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक निर्धारित हैं। (2x2=4)

Question nos. 15 to 18 are Short Answer Type. Answer any 2 questions. Each question carries 2 marks. (2X2=4)

15. समावेशी विकास क्या है ? (2)

What is Inclusive Growth ?

16. सार्वजनिक वितरण प्रणाली से क्या अभिप्राय है ? (2)

What is meant by Public distribution system ?

17. भारतीय पूँजी बाजार में किन वित्तीय संस्थाओं को शामिल किया जाता है ?(2)

Which financial institutions are included in the Indian capital market ?

18. वैश्वीकरण से आप क्या समझते हैं ? (2)

What do you mean by Globalization ?

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Type Questions)

प्रश्न संख्या 19 और 20 दीर्घ उत्तरीय हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक निर्धारित हैं। (1x4=4)

Question nos. 19 and 20 are Long Answer Type. Answer any one question. Each question carries 4 marks. (1x4 = 4)

19. सेवा क्षेत्र के विकास में आधारभूत संरचना का महत्त्व बताइए। (4)

State the significance of basic infrastructure in the development of service sector.

20. व्यवसायिक बैंकों के प्रमुख कार्यों की विवेचना कीजिए। (4)

Discuss the main functions of Commercial banks.

भूगोल / Geography

लघु उत्तरीय प्रश्न / Short Answer Type Questions

प्रश्न संख्या 21 से 26 तक लघु उत्तरीय हैं। किन्हीं 3 प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक निर्धारित हैं। (3x2=6)

Question Nos. 21 to 26 are Short Answer Type. Answer any 3 questions. Each question carries 2 marks. (3x2=6)

21. पट्टिका कृषि से आप क्या समझते हैं ? 2

What do you mean by strip farming ?

22. पारम्परिक एवं गैर–पारम्परिक ऊर्जा स्रोतों में प्रत्येक के दो उदाहरण दीजिए। 2

Give two examples each of conventional and non-conventional energy sources.

23. हरित क्रांति से आप क्या समझते हैं ? 2

What do you mean by Green revolution ?

24. सार्वजनिक और निजी उद्योग में क्या अन्तर है ? 2

What is the difference between Public and Private industry ?

25. जैव विविधता क्या है ? 2

What is biodiversity ?

26. रेड डेटा बुक क्या है ? 2

What is Red Data Book ?

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Type Questions)

प्रश्न संख्या 27 एवं 28 दीर्घ उत्तरीय हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक निर्धारित हैं। (1x4=4)

Question Nos. 27 and 28 are Long Answer Type. Answer any one question. Each question carries 4 marks. (1x4=4)

27. जल संरक्षण से आप क्या समझते हैं ? 4

What do you mean by water conservation ?

28. धात्विक एवं अधात्विक खनिजों में प्रत्येक के दो उदाहरण दीजिए। 4

Give two examples each of metallic and non metallic minerals.

आपदा प्रबंधन / Disaster Management

लघु उत्तरीय प्रश्न / Short Answer Type Questions

प्रश्न संख्या 29 से 32 तक लघु उत्तरीय हैं। किन्हीं 2 प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक निर्धारित हैं। (2x2=4)

Question Nos. 29 to 32 are Short Answer Type. Answer any 2 questions. Each question carries 2 marks. (2x2=4)

29. आपदा के किन्हीं दो प्रकारों का उल्लेख करें। 2

Mention any two types of disasters.

30. बाढ़ से होने वाली किन्हीं दो क्षतियों का उल्लेख कीजिए। 2

Mention any two damages caused by flood.

31. सुनामी से बचाव के दो उपायों का उल्लेख कीजिए। 2

Mention two measures for protection from Tsunami.

32. हेम रेडियो क्या है ? 2

What is HAM radio ?

माध्यमिक वार्षिक परीक्षा **2022** में शामिल होने वाले गया जिला के छात्र- छात्राओं को परीक्षा में अधिकतम अंकों की प्राप्ति हेतु असीम शुभकामनाएँ

राजदेव राम
जिला शिक्षा पदाधिकारी, गया

यह पत्रिका माध्यमिक वार्षिक परीक्षा **2022** में शामिल होने वाले गया जिला के साथ- साथ पूरे बिहार के छात्र- छात्राओं के पथ प्रदर्शक का कार्य के साथ उन्हें अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायता प्रदान करेगा I असीम शुभकामनाएँ

आनंद कुमार
जिला कार्यक्रम पदाधिकारी,
माध्यमिक शिक्षा, गया I

Uttam Kumar
Technical Member
M S Musaila Mohanpur

Dilip Kumar
BRP
Secondary Education

Rakesh Kumar
M.A., M.Ed.
+ 2 Satywanti H S Karisowa

Dr. Vivek Kumar
M.A., B.Ed.
S. V. Pro. Girls +2 School , Manpur

Manish Kumar
M.A., B.Ed.
Yashwant + 2 H S, Khizarsaray

Dr. A. K. Sinha
M.A., B.Ed.
U H S KAIYA MANPUR

Basant Kumar
M.A., B.Ed.
S L V Proj H S
MANPUR, Gaya

Dr Purushottam Ranjan
M.A., B.Ed.
Ranglal inter School,
Sherghati, Gaya

Dr. M. M. PANDEY
M.Sc., B.Ed.
S.A.N.S.+2 H/S, SAGAHI,
GURUA, GAYA

GAYA GUIDANCE PROGRAMME

-:GAYA GUIDANCE PROGRAMME:-

District Education Office, Gaya